सिक्किम विश्वविद्यालय

6 माइल, सामदुर, तादोंग - 737 102, गंगटोक, सिक्किम

Website: www.cus.ac.in

17वीं वार्षिक रिपोर्ट

2023-24

वार्षिक रिपोर्ट

2023-24

सिक्किम विश्वविद्यालय

6 माइल, सामदुर, तादोंग - 737 102, गंगटोक, सिक्किम

Website: www.cus.ac.in

वार्षिक रिपोर्ट
(2023-24)

सिक्किम विश्वविद्यालय

[संसद के अधिनियम द्वारा वर्ष 2007 में स्थापित और वर्ष 2015 में नैक (एनएएसी) द्वारा प्रत्यायित केंद्रीय विश्वविद्यालय]

वार्षिक रिपोर्ट (2023–24) के लिए संपादकीय समिति

अध्यक्ष

प्रो. मनेश चौबे, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग

सदस्य

1. प्रो. नितीश मंडल, प्रोफेसर, मानवशास्त्र विभाग
2. डॉ. गोरख नाथ तिवारी, सह प्राध्यापक, हिंदी विभाग
3. डॉ. अरुण छेत्री, सह प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग
4. डॉ. जिगमी वांगचुक भूटिया, सह प्राध्यापक, पर्यटन विभाग
5. डॉ. सोमेन्द्र नाथ चक्रवर्ती, सह प्राध्यापक, रसायनिकी विभाग
6. श्रीमती कुंजिनी प्रकाश दर्नाल, जनसम्पर्क अधिकारी

प्रोफेसर डॉ. ज्योति प्रकाश तामांग
एफएनए,एफएनएएससी,एफएनएएएस

कुलपति का संदेश

मुझे सिक्किम विश्वविद्यालय की वर्ष 2023–24 की 17वीं वार्षिक रिपोर्ट साझा करते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है। मैं 2008 से सिक्किम विश्वविद्यालय के विकास के साक्षी रहा हूँ। विभिन्न चुनौतियों के बावजूद हमने वैश्विक कार्यबल के लिए कुशल व्यक्तियों को विकसित करने के लक्ष्य के साथ विश्वविद्यालय को भारत में शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए लगनपूर्वक कार्य किया है। यह उपलब्धि सामूहिक कार्य की मजबूत भावना के कारण है, जिसमें समर्पित शिक्षक, अनुभवी प्रशासनिक कर्मचारी, प्रतिबद्ध गैर–शिक्षण कर्मचारी और महत्वाकांक्षी छात्र शामिल हैं।

वर्ष 2023–24 में सिक्किम विश्वविद्यालय में कुल 1,933 छात्रों का नामांकन हुआ। इसमें चीनी, हिंदी, संगीत और मनोविज्ञान का अध्ययन करने वाले 136 स्नातक, 33 विभागों में 1,277 स्नातकोत्तर छात्र, 26 एमफिल प्रार्थी और 494 पीएचडी छात्र शामिल थे। उल्लेखनीय रूप से, महिला छात्रों (57.47%) का प्रतिशत पुरुष छात्रों (42.53%) से अधिक था, जो विश्वविद्यालय में लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण के रुझान को दर्शाता है। विश्वविद्यालय में 173 से अधिक स्थायी संकाय सदस्य और 115 गैर–शिक्षण कर्मचारी, साथ ही विजिटिंग प्रोफेसर और संविदा गैर–शिक्षण कर्मचारी और सुरक्षा कर्मचारी कार्यरत हैं। कई बाहरी परियोजनाओं और ई–जर्नल और ई–पुस्तकों तक पहुँच के साथ अनुसंधान में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। कुछ विज्ञान विभाग 54 या उससे अधिक के उच्च एच–इंडेक्स वाले उच्च–प्रभावी कारक पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय सभी 18 संबद्ध महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रोत्साहित करता है।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से सिक्किम विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर का निर्माण कार्य अच्छी तरह से चल रहा है। चरण–1 के पैकेज–1 के निर्माण कार्य वर्तमान में दक्षिण सिक्किम के यांगयांग में प्रक्रियाधीन है और 2025 की शुरुआत तक पूरा होने की उम्मीद है। अब तक छह विभागों को स्थानांतरित किया जा छुआ हैं और 2025 की शुरुआत तक और भी विभाग स्थानांतरित होने की उम्मीद है। संस्थान के प्रमुख के रूप में मेरा लक्ष्य छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए सर्वोत्तम सुविधाएँ प्रदान करना है। एक विश्वविद्यालय मजबूत शोध के बिना नहीं पनप सकता है, जो हमारे लिए एक प्राथमिकता बनी रहेगी। विश्वविद्यालय सिक्किम की राज्य सरकार और यांगयांग के स्थानीय प्रशासन से सहयोग और समर्थन की सराहना करता है।

प्रथम कुलपति, प्रोफेसर एम.पी. लामा ने सेमेस्टर प्रणाली शुरू करके और कई शैक्षणिक विभाग स्थापित करके विश्वविद्यालय के शुरुआती विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरे कुलपति, प्रोफेसर टी.बी. सुब्बा ने सिक्किम राज्य सरकार से 300 एकड़ भूमि सफलतापूर्वक प्राप्त की और यांगयांग में स्थायी परिसर पर निर्माण कार्य शुरू किया, अपने कार्यकाल के दौरान कई शैक्षणिक विभाग खोले। तीसरे कुलपति, प्रोफेसर ए. खरे ने परिसर के निर्माण का प्रबंधन किया और कोविड–19 की चुनौतियों के बावजूद छह विभागों के स्थानांतरण की देखरेख की। वे 31 जुलाई, 2024 को सेवानिवृत्त हुए। हम सिक्किम विश्वविद्यालय के निर्माण में तीनों पूर्व कुलपतियों की कड़ी मेहनत का आदर करते हैं।

मैं वर्ष 2023–24 के लिए 17वीं वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोफेसर मनेश चौबे के नेतृत्व वाली संपादकीय समिति को बधाई देता हूं।

कुलपति (कार्यवाहक)
सिक्किम विश्वविद्यालय

विषय–सूची

	विषयवस्तु	पृष्ठ सं
1.	सिक्किम विश्वविद्याल्य रू एक सिंहावलोकन	1
2.	विश्वविद्यालय के सांविधिक अधिकारीगण	8
3.	विद्यापीठों के डीन	8
4.	सांविधिक निकायों के सदस्य	9
	1.कार्यकारी परिषद	9
	2. शैक्षणिक परिषद	9
	3. वित्त समिति	12
	4. महविद्यालय विकास परिषद	13
5.	कार्यकारी सारांश	14
6.	शैक्षणिक विद्यापीठ एवं विभाग	17
	(i) समाज विज्ञान विद्यापीठ	17
	1. अर्थशास्त्र विभाग	17
	2. इतिहास विभाग	22
	3. अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग	29
	4. विधि विभाग	34
	5. शांति एवं अध्ययन एवं प्रबंधन विभाग	39
	6. राजनीति विज्ञान विभाग	42
	7. समाजशास्त्र विभाग	47
	(ii) मानव विज्ञान विद्यापीठ	52
	1. मानवशास्त्र विभाग	52
	2. भूगोल विभाग	58
	3. मनोविज्ञान विभाग	66
	(iii) भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ	70
	1. भूटिया विभाग	70
	2. चीनी विभाग	73
	3. अंग्रेजी विभाग	79
	4. हिंदी विभाग	84
	5. लेप्चा विभाग	90
	6. लिम्बू विभाग	93
	7. नेपाली विभाग	96
	(iv) जीव विज्ञान विद्यापीठ	103
	1. वनस्पति विज्ञान विभाग	103
	2. उद्यानिकी विभाग	110
	3. सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	115
	4. प्राणीविज्ञान विभाग	123

(v) भौतिक विज्ञान विद्यापीठ 128
1. रसायनिकी विभाग 128
2. कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग 134
3. भूविज्ञान विभाग 141
4. गणित विभाग 147
5. भौतिकी विभाग 151
(vi) व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ 158
1. वाणिज्य विभाग 158
2. शिक्षा विभाग 164
3. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान 172
4. प्रबंधन विभाग 175
5. जनसंचार विभाग 177
6. संगीत विभाग 182
7. पर्यटन विभाग 190
7. केंद्र 194
1. इग्नू अध्ययन केंद्र 194
2. चरक स्वास्थ्य केंद्र 195
3. हिन्दी प्रकोष्ठ 197
4. बौद्ध अध्ययन 200
8. केंद्रीय सुविधाएं (केंद्रीय पुस्तकालय) 204
9. सामान्य प्रशासन अनुभाग 210
10. परीक्षा अनुभाग 218
11. वित्त अनुभाग 219
12. छात्र कल्याण डीन 221
13. विश्वविद्यालय अतिथि गृह 222
14. छात्र सुविधाएं और गतिविधियां 224
- राष्ट्रीय सेवा योजना 224
- समाधान, परामर्श सेवा 226
- खेल बोर्ड 227
15. अन्य गतिविधियां 238
- एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) 238
- आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) 243
- नियुक्ति प्रकोष्ठ 245
- सुनत्सा 245
- स्वयम 247
- एनईपी 248
- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) 250
16. कार्यक्रम, गतिविधियां, प्रेस एवं मीडिया कवरेज 252

1. सिक्किम विश्वविद्यालय : एक सिंहावलोकन

सिक्किम विश्वविद्यालय, 2007 में स्थापित, भारत के उत्तर पूर्वी राज्य सिक्किम की राजधानी गंगटोक में स्थित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय अपने अद्वितीय शैक्षणिक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है, जो स्थानीय संस्कृति और वैश्विक दृष्टिकोणों को एकीकृत करता है, क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हुए छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। अपनी जैव विविधता, सांस्कृतिक विविधता और रणनीतिक भू-राजनीतिक स्थिति के लिए जाने जाने वाले क्षेत्र में स्थित, सिक्किम विश्वविद्यालय भारत के उत्तर पूर्वी हिस्से के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। निकटतम हवाई अड्डा और रेलवे स्टेशन क्रमशः बागडोगरा और न्यू जलपाईगुड़ी हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सिक्किम विश्वविद्यालय की स्थापना पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षा में सुधार के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों का एक हिस्सा थी, जहाँ ऐतिहासिक रूप से शैक्षणिक बुनियादी ढाँचा अविकसित रहा है। विश्वविद्यालय की स्थापना संसद के अधिनियम द्वारा की गई थी और यह भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। हिमालयी पर्वतों के बीच गंगटोक में इसका स्थान शोध और सीखने दोनों के लिए एक अनूठा वातावरण प्रस्तुत करता है।

विश्वविद्यालय की शुरुआत कुछ स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ हुई थी और तब से विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में काफी विस्तार किया है। अति सामान्य शुरुआत से लेकर विश्वविद्यालय प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान, मानविकी और पर्यावरण अध्ययन सहित कई विषयों पर पाठ्यक्रम संचालन करने वाला एक पूर्ण विकसित संस्थान बन गया है। अपेक्षाकृत युवा विश्वविद्यालय होने के बावजूद, सिक्किम विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक विकास, बुनियादी ढांचे और छात्रों नामांकन के मामले में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है।

लक्ष्य एवं अभियान

सिक्किम विश्वविद्यालय खुद को एक ऐसे संस्थान के रूप में देखता है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शोध और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय का अभियान शिक्षा को क्षेत्र की सांस्कृतिक और पारिस्थितिक समृद्धि के साथ एकीकृत करके समावेशी विकास को बढ़ावा देना है, विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना।
विश्वविद्यालय के लक्ष्य हाशिए पर पड़े समुदायों की ज़रूरतों को पूरा करने, सतत विकास को बढ़ावा देने और छात्रों को तेज़ी से वैश्वीकृत हो रही दुनिया में करियर के लिए तैयार करने पर ज़ोर देते हैं। सिक्किम विश्वविद्यालय ऐसे स्नातक तैयार करना चाहता है जो न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करें बल्कि समाज की बेहतरी में भी योगदान दें। सिक्किम विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य है *"खोज ज्ञान बुद्धि।"*

परिसर एवं अवसंरचना

सिक्किम विश्वविद्यालय का परिसर वर्तमान में गंगटोक में कई स्थानों पर फैला हुआ है, राजधानी से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित यांगयांग शहर में एक समेकित और आधुनिक परिसर के लिए योजनाएँ चल रही हैं। इस नए परिसर को पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ बनाने की परिकल्पना की गई है, जो पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता पर राज्य के दृढ़ संकल्प के साथ संरेखित है। इस परियोजना से विश्वविद्यालय की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है ताकि अधिक छात्रों को समायोजित किया जा सके और शोध सुविधाओं का विस्तार किया जा सके।

वर्तमान अस्थायी परिसर पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं और छात्रावासों सहित आवश्यक बुनियादी अवसंरचनाओं से सुसज्जित हैं। विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, हालांकि छोटा है, लेकिन इसमें पुस्तकों, पत्रिकाओं और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का वृहत संग्रह है, जो इसके विविध छात्र निकाय की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

विजिटर एवं मुख्य कुलदेशक

भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू विश्वविद्यालय की विजिटर हैं।
सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर विश्वविद्यालय के मुख्य कुलदेशक हैं
शैक्षणिक कार्यक्रम
सिक्किम विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम संचालन करता है। पाठ्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ संतुलित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र शैक्षणिक और व्यावसायिक दोनों करियर के लिए अच्छी तरह से तैयार हो । सिक्किम विश्वविद्यालय अपने 33 अध्ययन विभागों के माध्यम से शैक्षणिक और शोध कार्यक्रम आयोजित करता है, जिन्हें 6 अध्ययन विद्यापीठों में समूहीकृत किया गया है, जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है:

1. समाज विज्ञान विद्यापीठ : इस विद्यापीठ के अंतर्गत अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, शांति और संघर्ष अध्ययन और प्रबंधन, इतिहास और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। भारत, चीन और नेपाल के चौराहे पर स्थित होने के कारण सिक्किम में भू-राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का अध्ययन विशेष महत्व रखता है।

2. जीव विज्ञान विद्यापीठ : यह विद्यापीठ जैविक विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें सूक्ष्म जीवविज्ञान, उद्यानिकी, वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान शामिल हैं। सिक्किम की समृद्ध जैव विविधता इन क्षेत्रों में छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए एक जीवंत प्रयोगशाला उपलब्ध करती है, जो इसे विश्वविद्यालय में अध्ययन का एक प्रमुख क्षेत्र प्रदान कराती है।

3. भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ : विश्वविद्यालय अंग्रेजी, हिंदी और चीनी भाषाओं के साथ-साथ नेपाली, लेप्चा, लिम्बू और भूटिया जैसी स्थानीय भाषाओं के अध्ययन को बढ़ावा देता है। इससे सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा मिलता है और क्षेत्र की भाषाई विविधता को मजबूती मिलती है।

5. मानव विज्ञान विद्यापीठ : मनोविज्ञान, नृविज्ञान और भूगोल। मानव विज्ञान को पाठ्यक्रम में एकीकृत किया गया है ताकि मानव व्यवहार और समाज, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र और दुनिया के अन्य भागों के संदर्भ में अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके।

6. व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ : वाणिज्य, प्रबंधन, पर्यटन, संगीत, शिक्षा और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान। यह विद्यापीठ छात्रों को व्यवसाय प्रशासन, लेखांकन और उद्यमिता में प्रशिक्षित करता है, तथा इस क्षेत्र के आर्थिक विकास में योगदान करने के लिए उनके कौशल विकसित करता है।

विश्वविद्यालय अंत:विषयक अध्ययन पर जोर देता है तथा छात्रों को ऐसे क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है जिनमें वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयाम सम्मिलित हों।

अनुसंधान एवं विकास

सिक्किम विश्वविद्यालय में अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया जाता है, तथा संस्थान सक्रिय रूप से ऐसे अनुसंधान को बढ़ावा देता है जो स्थानीय मुद्दों पर विचार करते हुए व्यापक शैक्षणिक बहस में योगदान देता है। राज्य के अद्वितीय पर्यावरण को देखते हुए, सतत विकास, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे विषयों पर अनुसंधान विशेष रूप से प्रमुख है।
सिक्किम विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित कई परियोजनाएं शुरू की हैं। भारत और दुनिया भर के शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग से विश्वविद्यालय की शोध पहलों का दायरा और प्रभाव बढ़ता है। विश्वविद्यालय हिमालयी अध्ययन, पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्रीय विकास पर केंद्रित शोध केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में भी है।

छात्र जीवन एवं सांस्कृतिक समावेशन

सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्र समूह में विविधता है, जिसमें न केवल सिक्किम और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से बल्कि देश के अन्य हिस्सों से भी छात्र आते हैं। विश्वविद्यालय एक जीवंत सांस्कृतिक वातावरण को बढ़ावा देता है जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्र आपस में बातचीत करते हैं, सीखते हैं और एक साथ बढ़ते हैं। समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए पूरे वर्ष विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेल कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

विश्वविद्यालय छात्रों को सामुदायिक सेवा और आउटरीच कार्यक्रमों में शामिल होने के अवसर भी प्रदान करता है, जो समावेशी विकास को बढ़ावा देने के इसके अभियान का अभिन्न अंग हैं। सिक्किम विश्वविद्यालय अपने छात्रों को स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है।

विश्वविद्यालय की ताकत :

- देश के विभिन्न भागों (21 से अधिक राज्यों) से शैक्षणिक रूप से योग्य संकाय सदस्य। प्रतिस्पर्धी आधार पर देश के विभिन्न क्षेत्रों और अन्य देशों से छात्र।
- कई यूजीसी-नेट/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट उत्तीर्ण छात्र
- टीम भावना, पदानुक्रम-मुक्त और जीवंत कार्य संस्कृति, और ई-गवर्नेंस प्रणाली का अभ्यास।
- 55970 हार्ड बुक्स, 3136 ई-बुक्स, 1178 ब्रेल बुक्स, 8954 ई-जर्नल, विश्वकोश-306 (ई और हार्ड कॉपी), और 569 थीसिस और शोध प्रबंध के साथ अच्छी तरह से विकसित केंद्रीय पुस्तकालय।
- जीवन विज्ञान और भौतिक विज्ञान के स्कूलों में अच्छी तरह से सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशालाएँ।
- शोध पत्रों/पुस्तकों/पुस्तक अध्यायों का औसत कुल वार्षिक प्रकाशन: 286
- विभिन्न वित्तपोषित एजेंसियों से चल रही शोध परियोजनाओं की कुल संख्या: 76
- क्षेत्र-आधारित अनुसंधान: मेटाटैक्सोनोमिक, मेटाजीनोमिक्स और किण्वित खाद्य पदार्थों के स्वास्थ्य लाभ, ग्लेशियर और गर्म पानी के झरने की सूक्ष्म जीव

विज्ञान, डेंगू पर महामारी विज्ञान अध्ययन, मौखिक इतिहास, प्रथागत कानून, सीमा पार व्यापार, औषधीय पौधे, जैव संसाधन उत्पाद विकास, केसर की खेती सहित जैविक खेती, इको-पर्यटन, सिक्किम और दार्जिलिंग पहाड़ियों का इतिहास, गुमनाम नायकों का इतिहास, आंगनवाड़ी लाभार्थी, जलवायु परिवर्तन, नीति अनुसंधान, प्राथमिक से उच्च शिक्षा आदि।

चुनौतियाँ एवं अवसर

सिक्किम विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन विश्वविद्यालय को कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा हैं, जैसे कि बुनियादी ढाँचे की सीमाएँ और भविष्य में संकाय विकास की आवश्यकता। इस क्षेत्र की दूरवर्ती अवस्थिति तथा रसद संबंधी कठिनाइयाँ कभी-कभी छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए संसाधनों और अवसरों को प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं।

हालाँकि, इन चुनौतियों के साथ-साथ कुछ अनूठे अवसर भी जुड़े हुए हैं। सिक्किम प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध राज्य है, जो पर्यावरण विज्ञान, सतत विकास और सांस्कृतिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षा के लिए एक आदर्श स्थान है। जैविक खेती और पारिस्थितिकी पर्यटन के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता विशेष शैक्षणिक कार्यक्रमों और अनुसंधान परियोजनाओं के लिए भी नया मार्ग प्रशस्त करता है।

यांगयांग में प्रक्रियाधीन नए परिसर के विकास से मौजूदा बुनियादी ढांचे की कई चुनौतियों को कम करने की आशा है। निर्माण कार्य पूरा हो जाने पर यह परिसर न केवल विश्वविद्यालय की क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि विश्व भर से अधिक छात्रों, शिक्षकों और अनुसंधान सहयोग को आकर्षित करने में भी सहायता मिलेगी।

सिक्किम विश्वविद्यालय पूर्वोत्तर भारत में उच्च शिक्षा की उन्नति में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में प्रतिनिधित्व करता है। स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैश्विक शैक्षणिक मानकों को एकीकृत करके, विश्वविद्यालय विद्वानों और पेशेवरों की एक नई पीढ़ी तैयार करने में मदद कर रहा है जो क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सिक्किम विश्वविद्यालय निरंतर विकास और प्रगति के साथ इस क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता का अग्रणी केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो सिक्किम और उसके पड़ोसी राज्यों के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देगा। स्थिरता, सांस्कृतिक संरक्षण और शैक्षणिक कठोरता पर केन्द्रित यह विश्वविद्यालय आनेवाले समय में भारत के पूर्वोत्तर भाग में उच्च शिक्षा के लिए आशा की किरण है

सम्बद्ध महाविद्यालय

1) नर बहादुर भंडारी डिग्री माहाविद्यालय, तादोंग, पूर्वी सिक्किम - **737102**

2) नामची सरकारी महाविद्यालय, नामची, कामरंग, दक्षिण सिक्किम-**73712 6**

3) सिक्किम सरकारी बी.एड महाविद्यालय, सोरेंग, पश्चिम सिक्किम- **737121**

4) सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, बर्टुक, गंगटोक, पूर्वी सिक्किम **737101**

5) डंबर सिंह कॉलेज, **6** माइल, सामदुर, तादोंग -**737102**

6) हर्क्माया शिक्षा महाविद्यालय, **6** माइल, तादोंग -**737102**

7) सिक्किम सरकारी विधि महाविद्यालय, बर्टुक, गंगटोक, पूर्वी सिक्किम-**737102**

8) सरकारी रीनोक महाविद्यालय, रुंगडुंग, पूर्वी सिक्किम

9) सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, ग्यालशिंग, पश्चिम सिक्किम-**737102**

10) लोयोला शिक्षा महविद्यालय, नामची, दक्षिण सिक्किम-**737126**

11) हिमालयन फार्मेसी संस्थान, माझीटार, रंगपो, पूर्वी सिक्किम- **737136**

12) सिक्किम सरकारी विज्ञान महाविद्यालय, चाकुंग, पश्चिमी सिक्किम

13) सरकारी वोकेशनल महाविद्यालय, डेंताम, पश्चिमी सिक्किम

14) नामग्याल तिब्बतीय संस्थान, गंगटोक, पूर्वी सिक्किम

15) सिक्किम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चिसोपानी, दक्षिण सिक्किम

16) सरकारी फार्मेसी महाविद्यालय, साजोंग, रूमटेक, पूर्वी सिक्किम

17) सिक्किम सरकारी नर्सिंग महाविद्यालय, सोकेथांग, गंगटोक, पूर्वी सिक्किम

18) सरकारी कला महाविद्यालय, मांगशिला, मांगशिला, उत्तरी सिक्किम

विश्वविद्यालय का न्यायालय

क्र.सं.	पदाधिकारी	पदभार
1	कुलाधिपति, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष
2	कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
3	डॉ. शंकर नाथ मुखोपाध्याय, कुलाधिपति, टेक्नो ग्लोबल यूनिवर्सिटी शिलांग, मेघालय	सदस्य
4	डॉ. सुजीत कुमार घोष, अध्यक्ष, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान कोलकाता, पश्चिम बंगाल	सदस्य
5	डॉ. पद्मा सुब्रमण्यम, निदेशक, नृत्योदय चेन्नई, तमिलनाडु	सदस्य
6	प्रो. तामो मिबांग, कुलपति राजीव गांधी विश्वविद्यालय रोनो हिल्स, अरुणाचल प्रदेश	सदस्य
7	प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा, कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, हरियाणा	सदस्य
8	प्रोफेसर आद्य प्रसाद पांडे, कुलपति, मणिपुर विश्वविद्यालय इंफाल, मणिपुर	सदस्य
9	प्रो. जी.पी. प्रसैन, प्रोफेसर वाणिज्य विभाग मणिपुर विश्वविद्यालय इम्फाल, मणिपुर	सदस्य
10	मेजर जनरल अशोक कुमार सेन शिक्षाविद् एवं मानव संसाधन विकास कोलकाता, पश्चिम बंगाल	सदस्य
11	श्री सुकमल चंद्र बसु, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ठाणे, महाराष्ट्र	सदस्य

12	प्रो. बिनायक एस. चौधुरी प्रोफेसर, गणित विभाग भारतीय इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, शिबपुर, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	सदस्य
13	डॉ. सरूप प्रसाद घोष निदेशक, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता	सदस्य
14	प्रो. पद्माकर त्रिपाठी पूर्व कुलसचिव एवं डीन, कृषि महाविद्यालय आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद, उ.प्र.	सदस्य
15	प्रो. अचिंत्य विश्वास प्रोफेसर, बांग्ला विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल	सदस्य
16	प्रो. निखिलेश गुहा, पूर्व प्रोफेसर, इतिहास विभाग कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल	सदस्य
17	डॉ. प्रणव कुमार चटर्जी पूर्व निदेशक, राज्य अभिलेखागार निदेशालय पश्चिम बंगाल सरकार कोलकाता, पश्चिम बंगाल	सदस्य
18	प्रो. रमेश के. गौतम प्रोफेसर, हिंदी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
19	डॉ. धनपत राम अग्रवाल अर्थशास्त्री एवं वित्तीय विश्लेषक कोलकाता, पश्चिम बंगाल	सदस्य
20	प्रो. बलवंत जानी , पूर्व कुलपति हेमचंद्राचार्य उत्तर विश्वविद्यालय राजकोट, गुजरात	सदस्य
21	डॉ. नागराज राव हवलदार हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक	सदस्य

	सनादा आर्ट फाउंडेशन बेंगलुरु, कर्नाटक	
22	श्री सोनम लेंडुप महासचिव हिमालयन बौद्ध सांस्कृतिक संघ दिल्ली	सदस्य
23	डॉ. अमिताभ मिश्रा न्यूरो सर्जन और प्रोपराइटर संजीवनी न्यूरो एंड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	सदस्य
24	श्री एच.बी. काज़मी सचिव, यादगार-ए-हुसैनी सोसाइटी, इलाहाबाद, उ.प्र.	सदस्य
25	डॉ. विशेष कुमार गुप्ता, प्राचार्य महाराजा हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोरादाबाद, उ.प्र.	सदस्य
26	डॉ. एम.पी. खरेल, ओएसडी मानव संसाधन विकास विभाग गंगटोक, सिक्किम	सदस्य
27	डॉ. प्रजना परममित्र सरकार, सह प्राध्यापक, इतिहास विभाग, आचार्य ब्रोजेंद्रनाथ सील महाविद्यालय, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल	सदस्य
28	डॉ. इंदिरा जावेद, सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग सरोजिनी नायडू शासकीय बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश	सदस्य
29	डॉ. पार्थ प्रतिम पॉल सहायक प्राध्यापक, विधि विभाग असम विश्वविद्यालय सिलचर, असम	सदस्य
30	श्री नारायण शर्मा सहायक प्राध्यापक, नेपाली विभाग सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, ग्यालशिंग, ग्यालशिंग, सिक्किम	सदस्य
31	कुलसचिव, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य-सचिव

2. विश्वविद्यालय के सांविधिक अधिकारी

कुलाधिपति: लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) डी.बी. शेकतकर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त)

कुलपति : प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग
सम कुलपति : लागू नहीं

कुलसचिव (प्रभारी) : प्रो. लक्ष्मण शर्मा

वित्त अधिकारी (प्रभारी) : प्रो. सुधांशु शेखर महापात्र
परीक्षा नियंत्रक : डॉ. एस. मुरली मोहन
पुस्तकालयाध्यक्ष (प्रभारी) : डॉ. सुजीत कुजूर

3. विद्यापीठों के डीन

1. प्रो. लक्ष्मण शर्मा, डीन, जीव विज्ञान विद्यापीठ
2. प्रो. एस.एस. महापात्र, डीन, व्यवसयिक अध्ययन विद्यापीठ
3. प्रो. मनेश चौबे, डीन, समाज विज्ञान विद्यापीठ, प्रो. वी. कृष्ण अनंत (01.02.2024 से)
4. प्रो. संजय दाहाल, डीन, भौतिक विज्ञान विद्यापीठ, और प्रो. स्वरूप रॉय
5. प्रो. सोहेल फिरडोस, डीन, मानव विज्ञान विद्यापीठ
6. प्रो. रोजी चामलिंग, डीन, भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ
7. प्रो. संजय दाहाल, छात्र कल्याण डीन

4. सांविधिक निकायों के सदस्य

1. **वर्ष 2023-24 के दौरान कार्यकारिणी परिषद के सदस्य**

क्र.सं.	पदाधिकारी	पदभार
1	कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष
2	छात्र कल्याण डीन, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
3	प्रो. सोहेल फिरडोस डीन, मानव विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
4	प्रो. संजय दाहाल डीन, भौतिक विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
5	प्रो. मनेश चौबे, डीन, समाज विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
6	प्रो. एस.एस. महापात्र डीन, व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ	सदस्य
7	प्रो. ज्योति प्रकाश तमांग वरिष्ठ प्रोफेसर, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
8	डॉ. अमिताभ भट्टाचार्य, सह प्राध्यापक, भौतिकी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
9	प्रो. एच.सी.एस. राठौर, पूर्व कुलपति दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
10	कुलसचिव, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सचिव

2. **वर्ष 2023-24 के दौरान शैक्षणिक परिषद के सदस्य**

क्र.सं.	पदाधिकारी	पदनाम
1.	कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष
2.	छात्र कल्याण डीन, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
विद्यापीठों के डीन		
3.	डीन, जीव विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
4.	डीन, समाज विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
5.	डीन, व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
6.	डीन, मानव विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य

7.	डीन, भौतिक विज्ञान विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
8.	डीन, भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
विभागों एवं अध्ययन केन्द्रों के अध्यक्ष/प्रमुख		
9	अध्यक्ष, विधि विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
10	अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
11	अध्यक्ष, इतिहास विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
12	अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
13	अध्यक्ष, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
14	अध्यक्ष, उद्यानिकी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
15	अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
16	अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
17	अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
18	अध्यक्ष, संगीत विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
19	अध्यक्ष, कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
20	अध्यक्ष, शिक्षा विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
21	अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
22	अध्यक्ष, प्रबंधन विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
23	अध्यक्ष, शांति एवं द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
24	अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
25	अध्यक्ष, भूविज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य

26	अध्यक्ष, नेपाली विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
27	अध्यक्ष, भूगोल विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
28	अध्यक्ष, प्राणीविज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
29	अध्यक्ष, गणित विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
30	अध्यक्ष, हिंदी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
31	अध्यक्ष, मानवशास्त्र विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
32	अध्यक्ष, भौतिकी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
33	अध्यक्ष, रसायनिकी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
32	अध्यक्ष, चीनी विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
35	अध्यक्ष, पर्यटन विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
36	पुस्तकालयाध्यक्ष, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
37	परीक्षा नियंत्रक, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
मद संख्या *(2), (3), (4)* और *(5)* में निर्दिष्ट प्रोफेसरों के अलावा प्रत्येक अध्ययन विद्यापीठ, विशेष केंद्र से विद्यापीठों के भीतर वरिष्ठता क्रम के अनुसार रोटेशन के आधार पर एक प्रोफेसर और एक सह प्राध्यापक		
38	प्रो. ज्योति प्रकाश तमांग वरिष्ठ प्रोफेसर, सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग जीव विज्ञान विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
39	प्रो. अभिजीत दत्ता प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
40	प्रो. संध्या थापा प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग समाज विज्ञान विद्यालय, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
41	प्रो. स्वरूप रॉय प्रोफ़ेसर, कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग भौतिक विज्ञान विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
42	प्रो. प्रदीप के. शर्मा प्रोफेसर, हिंदी विभाग भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य

43	डॉ. कृष्णेंदु दत्ता सह प्राध्यापक, संगीत विभाग व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
44	डॉ. सुजाता उपाध्याय सह प्राध्यापक, उद्यानिकी विभाग जीव विज्ञान विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
45	डॉ. गोरख नाथ तिवारी सह प्राध्यापक,हिंदी विभाग भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ ,सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य *संबद्ध महाविद्यालयों के दो ऐसे प्राचार्यों को कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे जो यूजीसी नियम के अनुसार पूर्णकालिक हो।*		
46	श्री पी.डब्लू. रिनजिंग, सचिव, नामग्याल तिब्बतीय संस्थान देवराली, गंगटोक	सदस्य
47	डॉ. बी.बी. प्रधान, प्राचार्य, सिक्किम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चिसोपानी, नामची जिला	सदस्य
कुलपति द्वारा नामित व्यक्ति *दो ऐसे व्यक्ति को कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे, जो विश्वविद्यालय या उससे संबद्ध किसी महाविद्यालय या संस्था के कर्मचारी नहीं हों।*		
48	प्रो. आर. गणेश वरिष्ठ प्रोफेसर-एच प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान	सदस्य
49	कुलसचिव, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सचिव

3. **वर्ष 2023-24 के दौरान वित्त समिति के सदस्य**

क्र.सं.	**पदाधिकारी**	**पदनाम**
1.	कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष
कार्यकारिणी परिषद द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक सदस्य कार्यकारिणी परिषद का सदस्य होगा; तथा		
2.	प्रो. देबी पी. सरकार निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मोहाली, पंजाब	सदस्य
3.	प्रो. प्रमोद टंडन पूर्व कुलपति, नेहु, शिलांग और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बायोटेक पार्क, लखनऊ	सदस्य
4.	प्रो. एस.एस. महापात्र प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग और कार्यकारिणी परिषद के सदस्य	सदस्य
विजिटर द्वारा तीन व्यक्तियों को नामित किया जाना है		
5.	संयुक्त सचिव (के.वि एवं भाषा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली - 110001	पदेन सदस्य

6.	संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली - 110001	पदेन सदस्य
7.	संयुक्त सचिव (के.वि) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुर शाह जफर मार्ग नई दिल्ली - 110002	पदेन सदस्य
	वित्त अधिकारी, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सचिव

4. वर्ष 2023-24 के दौरान महाविद्यालय विकास परिषद के सदस्य

क्र.सं.	**पदाधिकारी**	**पदनाम**
1.	कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष
स्नातकोत्तर विभागों के दो शिक्षकों को कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा, जिनमें से एक विज्ञान से तथा दूसरा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान से होंगे।		
2.	प्रोफेसर धनी राज छेत्री प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
3.	प्रो. कबिता लामा प्रोफेसर, नेपाली विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
संबद्ध महाविद्यालयों के दो प्राचार्य, जिनमें से एक सरकारी महाविद्यालय से तथा एक निजी/मिशनरी महाविद्यालय से महाविद्यालय की स्थापना की तिथि के अनुसार रोटेशन के आधार पर होगा।		
4.	प्राचार्य, सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, रीनक	सदस्य
5.	प्राचार्य, हिमालयन फार्मेसी संस्थान,म माझीटार	सदस्य
संबद्ध महाविद्यालयों के दो शिक्षकों को कुलपति द्वारा नामित किया जाना है		
6.	डॉ. बी.बी. प्रधान निदेशक एवं प्रोफेसर सिक्किम सरकारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान	सदस्य
7.	डॉ. इयात्ता एम. उप्रेती प्राचार्य एवं एसोसिएट प्रोफेसर सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, बुर्तुक	सदस्य
8.	निदेशक (उच्च शिक्षा), एचआरडीडी सिक्किम सरकार, गंगटोक	पदेन सदस्य
9.	छात्र कल्याण डीन, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
10.	वित्त अधिकारी, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
11.	पुस्तकालयाध्यक्ष, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
12.	परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य
	कुलसचिव, सिक्किम विश्वविद्यालय	पदेन सचिव

5. कार्यकारी सारांश

सिक्किम विश्वविद्यालय ने वर्ष 2023-24 के दौरान कई प्रमुख उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनका सारांश नीचे दिया गया है।

एक नज़र में सिक्किम विश्वविद्यालय (1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक)

- कुल शैक्षणिक विभाग: 33
- कुल अध्ययन केंद्र: 04
- 2023 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की कुल संख्या: 724
- विश्वविद्यालय स्नातक पाठ्यक्रमों में कुल छात्र: 136 (लड़कियां - 62, लड़के - 74)
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में कुल छात्र: 1277 (लड़कियां - 788, लड़के - 489)
- एमफिल शोध पाठ्यक्रमों में कुल छात्र: 26 (लड़कियां - 14, लड़के - 12)
- पीएचडी शोध पाठ्यक्रमों में कुल छात्र: 494 (लड़कियां - 247, लड़के - 247)
- विदेशी छात्रों की कुल संख्या: 6 (लड़कियां - 1, लड़के - 5)
- लड़कों के छात्रावासों की कुल संख्या: 6
- लड़कियों के छात्रावासों की कुल संख्या: 6
- नियमित संकाय सदस्यों की कुल संख्या: 174
- विजिटिंग प्रोफेसरों/संकायों की कुल संख्या: 09
- नियमित गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कुल संख्या: 115
- प्रकाशनों की कुल संख्या: 391
- चल रहे शोध परियोजनाओं की कुल संख्या: 81
- प्राप्त कुल शोध अनुदान: 434.82 लाख
- केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या: 57086
- केंद्रीय पुस्तकालय में ऑनलाइन उपयोग के लिए उपलब्ध ई-पुस्तकों की संख्या: 3252
- केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध विश्वकोश की संख्या: 306
- ई-जर्नल की कुल संख्या: 8954
- 2023-24 के दौरान प्रदान की गई कुल एम.फिल. थीसिस की संख्या: 11
- 2023-24 के दौरान प्रदान की गई कुल पीएच.डी. थीसिस की संख्या : 48
- सिक्किम विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की संख्या: 18

प्रवेश, छात्र एवं फैलोशिप

दिनांक 18.07.2023 को प्रमाणपत्र, स्नातक (प्रवेश 2023-24) दिनांक 29.07.2023 को स्नातकोत्तर और दिनांक 25.04.2023 को पीएचडी में प्रवेश हेतु प्रवेश अधिसूचनाएं जारी की गई थी। प्रमाणपत्र, स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी मे प्राप्त अंकों के आधार पर किया गया था। सिक्किम विश्वविद्यालय में 33 शैक्षणिक विभाग हैं और वर्ष 2023 में स्नातक (136 छात्र), स्नातकोत्तर (1277 छात्र), एम.फिल. (26 छात्र) और पीएचडी (494 छात्र) कार्यक्रमों में 724 छात्रों को प्रवेश दिलाया गया है । विश्वविद्यालय में 6 लड़कों और 6 लड़कियों के छात्रावास हैं, जिनमें योग्यता, आवासीय मानदंड और आरक्षण नीतियों के आधार पर 398 छात्रों को समायोजित किया गया है। आर्थिक रूप से वंचित छात्रों का आर्थिक सहायक प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय रु. 60,000/- रुपये से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाले लोगों के लिए योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति प्रदान करता है। वर्ष 2023-24 में 53 पूर्ण फेलोशिप, 32 पूर्ण निशुल्कता और 34 अर्ध निशुल्कता प्रदान की गई, जिसमें 85% आवेदक शामिल थे। सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट के नेतृत्व वाली एक समिति की देखरेख में योग्यता और स्थान सहित मानदंडों के अनुसार छात्रावास प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की गई थी। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने 2023-24 के दौरान 58 नए मामलों सहित 119 अभ्यर्थियों की सिफारिश करते हुए शोधार्थियों के लिए

गैर-नेट फेलोशिप की सुविधा प्रदान की। सिक्किम विश्वविद्यालय में सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ [सूसा] नामक एक निर्वाचित छात्र निकाय है और शैक्षणिक सत्र 2023 के लिए इस निकाय का चुनाव दिनांक 01.12.2023 को आयोजित किए गए थे।

केंद्रीय पुस्तकालय

सिक्किम विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय ने अपने संसाधनों और सेवाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, और खुद को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में स्थापित किया है। केंद्रीय पुस्तकालय का क्षेत्रफल लगभग 1000 वर्ग फीट है और इसमें लगभग 70,000 पुस्तकें रखी जा सकती हैं। पुस्तकालय में 57,000 से अधिक भौतिक पुस्तकों का संग्रह है, जिसके पूरक के रूप में प्रमुख प्रकाशकों की 3,000 से अधिक ई-पुस्तकें और ई-पत्रिकाओं और डेटाबेस की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच है। यह विविध संग्रह शैक्षणिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करता है। पुस्तकालय उन्नत आईटी अवसंरचना के साथ पूरी तरह से स्वचालित है, जो एक एकीकृत पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली (केओएचए) और एक ऑनलाइन सार्वजनिक पहुँच कैटलॉग (ओपीएसी) का उपयोग करता है। यह आधुनिकीकरण पुस्तकालय संसाधनों के कुशल प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है और उपयोगकर्ता के अनुभव को बढ़ाता है। पुस्तकालय विभिन्न सेवाओं के माध्यम से अनुसंधान का सक्रिय रूप से समर्थन करता है, जिसमें संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच, एक व्यापक पुस्तकालय वेबसाइट और एक उपयोगकर्ता के अनुकूल मोबाइल एप्लिकेशन शामिल हैं। ये पहल सुनिश्चित करती हैं कि छात्र और संकाय आसानी से आवश्यक सामग्री तक पहुँच सकें। विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट) के सदस्य के रूप में, पुस्तकालय अन्य संस्थानों से पत्रिकाओं और पुस्तकों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच सकता है, जिससे इसकी पेशकश और समृद्ध हो जाती है। पुस्तकालय ने "क्यूरियस: आस्क-ए-लाइब्रेरियन" प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से टिकट-आधारित क्वेरी और सहायता सेवा लागू की है, जिससे उपयोगकर्ता जुड़ाव और सहायता में वृद्धि हुई है। पुस्तकालय कर्मचारी नियमित रूप से कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते हैं ताकि पुस्तकालय विज्ञान में नवीनतम रुझानों और तकनीकों से अपडेट रहें, जिससे उच्च-गुणवत्ता वाली सेवा वितरण सुनिश्चित हो सके।
दिनांक 31.03.2023 तक संग्रह निम्नानुसार हैं:

- मुद्रित पुस्तकें : 57086
- ब्रेल पुस्तकें : 1178
- इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकें: 3252
- इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स: 8954
- इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस : 9
- शोध प्रबंध एवं शोध निबंध : 639

कुल मिलाकर, केन्द्रीय पुस्तकालय की उपलब्धियां, अपने उपयोगकर्ताओं की शैक्षणिक और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने वाले व्यापक संसाधन और सेवाएं प्रदान करने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, तथा शिक्षण और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देती हैं।

प्रशासन

सिक्किम विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप एक व्यापक क्रय प्रक्रिया शुरू की है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं के क्रय में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होती है। क्रय प्रथाओं में दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय आदेश का पालन करते हुए विश्वविद्यालय मुख्य रूप से वहां उपलब्ध वस्तुओं की खरीद के लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल का उपयोग करता है। जीईएम पर सूचीबद्ध नहीं की गई वस्तुओं और सेवाओं के लिए सिक्किम विश्वविद्यालय ई-विज़ार्ड प्रणाली के माध्यम से ई-निविदा प्रक्रियाओं को नियोजित करता है, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय के ई-क्रय पोर्टल का हिस्सा है। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि सभी क्रय एक संगठित और खुली प्रतिस्पर्धी बोली पद्धति का पालन करती है, जिससे निष्पक्ष प्रथाओं को बढ़ावा मिलता है। क्रय दक्षता पर ध्यान देने के अलावा, सिक्किम विश्वविद्यालय गंगटोक में केंद्रीय रेफरल अस्पताल में पूरे वर्ष नगदी रहित चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करके अपने छात्रों की स्वास्थ्य को भी उच्च प्राथमिकता देता है। यह पहल सभी नामांकित छात्रों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक सुलभ पहुँच प्रदान करती है, वित्तीय चिंताओं को कम करती है और यह सुनिश्चित करती है कि उनकी स्वास्थ्य से संबन्धित आवश्यकताओं को तुरंत पूरा किया जाए। एक केंद्रीय संस्थान के रूप में, सिक्किम विश्वविद्यालय अपने प्रशासनिक और आधिकारिक कार्यों में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों और छात्रों के बीच हिंदी के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है, जिससे राष्ट्र भाषा को समर्थन और बढ़ावा देने के अपने दायित्व को पूरा किया जा सके। अधिसूचनाएँ, परिपत्र, कार्यालय आदेश, स्वीकृति आदेश, छुट्टी स्वीकृति आदेश, वित्तीय आदेश, दिशानिर्देश, क्रय आदेश और मानक प्रपत्र सहित सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज़ हिंदी और अंग्रेजी दोनों में द्विभाषी रूप में जारी किए जाते हैं। यह द्विभाषी दृष्टिकोण सिक्किम विश्वविद्यालय की समावेशिता के प्रति समर्पण और यह सुनिश्चित करने को दर्शाता है कि आधिकारिक संचार में हिंदी का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के हिंदी अनुभाग ने वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खातों के हिंदी संस्करण को सीमित समय सीमा के भीतर तैयार करने में सराहनीय दक्षता दिखाई है। इसके अलावा, हिंदी अनुभाग विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के हिंदी संस्करण को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों, कर्मचारियों और व्यापक समुदाय के लाभ के लिए सभी प्रासंगिक सामग्री हिंदी में उपलब्ध हो। यह पहल भाषाई विविधता और सुलभता का समर्थन करती है, जिससे हिंदी बोलने वालों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों और सूचनाओं के साथ अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ने में सहायता मिलती है।

वित्त

सिक्किम विश्वविद्यालय का वित्त अनुभाग वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए विभाग की वित्तीय स्थिति, कर्मचारी संरचना और चल रही परियोजनाओं का व्यापक अवलोकन प्रदान करता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए, उपलब्ध कुल धनराशि 16,530.25 लाख रुपये थी। हालांकि, इस अवधि के दौरान किए गए खर्च 16,858.06 लाख रुपये तक पहुंच गए, जिसके परिणामस्वरूप -327.81 लाख का कुल अप्रयुक्त शेष राशि है, जो घाटे का संकेत देता है। विश्वविद्यालय के खातों और समग्र वित्त का प्रबंधन करने के अलावा, वित्त विभाग सात स्थायी या निर्धारित निधि खातों की भी रखरखाव करता है और यह सुनिश्चित करता है कि विशिष्ट उद्देश्यों के लिए आवंटित धन का उचित उपयोग किया जाए। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अनुसंधान और शैक्षणिक विकास में सक्रिय रूप से कार्यरत है, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 81 चालू शोध परियोजनाओं के साथ, अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। वित्त विभाग अनुमानित बजट (बीई) और अनुमानित संशोधित बजट (आरबीई) तैयार करने और विश्वविद्यालय के सभी विभागों के साथ समन्वय करते हुए बजटीय नियंत्रण स्थापित करने के लिए भी जिम्मेदार है। इसमें आयकर और वस्तुऔर सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित वैधानिक वित्तीय नियमों का पालन करना शामिल है, यह सुनिश्चित करना कि सभी कानूनी वित्तीय दायित्वों को समय पर पूरा किया जाए। वित्त विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक लेखा परीक्षा के संचालन के लिए नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) को वार्षिक खाते प्रस्तुत करना है। लेखा परीक्षकों द्वारा की गई टिप्पणियों का अनुपालन, साथ ही वैधानिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करना विभाग के महत्वपूर्ण कार्यों में से हैं।

परीक्षा

परीक्षा अनुभाग ने सभी 18 संबद्ध महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय के 33 विभागों से संबंधित सभी पूर्व और बाद की परीक्षा कार्यों को सफलतापूर्वक आयोजित किया और समय पर परीक्षा परिणाम घोषित किए। अनुभाग ने छात्रों की सुलभ पहुंच के लिए यूजीसी के एनएडी कार्यक्रम के तहत डिजिलॉकर पोर्टल में पिछले पांच साल के ऑनलाइन डिग्री प्रमाण पत्र और अंकपत्र भी अपलोड किए। एनईपी 2020 के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में, परीक्षा विभाग ने एबीसी पोर्टल में पंजीकरण करने के लिए छात्रों को जुटाने से संबन्धित गतिविधि की। तदनुसार, एबीसी आईडी के साथ पंजीकृत 12911 छात्र और छात्र के संबंधित 3106 एबीसी क्रेडिट एनईपी 2020 के तहत क्रेडिट ट्रांसफर को सक्षम करने के लिए डिजिलॉकर पोर्टल में अपलोड किए गए हैं। संबद्ध महाविद्यालयों के सभी नए छात्रों (2023 प्रवेश) के लिए भी पंजीकरण सफलतापूर्वक किया गया और संबद्ध महाविद्यालयों (2023 बैच) के कुल 5088 छात्रों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया।

विस्तारित गतिविधियां

सिक्किम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए कई कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में स्वच्छता पखवाड़ा, महात्मा गांधी जयंती समारोह और "मेरा पहला वोट देश के नाम" पहल शामिल थीं। इसके अतिरिक्त, सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड ने विस्तार गतिविधियों के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह 2023, सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023, फिट इंडिया मूवमेंट मैराथन और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स: अंतर विश्वविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भागीदारी जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

6. शैक्षणिक विद्यापीठ एवं विभाग
(i) समाज विज्ञान विद्यापीठ

अर्थशास्त्र विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. मनेश चौबे

परिचय

सिक्किम विश्वविद्यालय के अंतर्गत वर्ष 2010 में स्थापित अर्थशास्त्र विभाग आर्थिक सिद्धांतों की व्यापक अन्वेषन संचालित करता है। यह विभाग अर्थशास्त्र में निष्णात और डॉक्टरेट की डिग्री सहित कठोर शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित करता है।

महत्वपूर्ण क्षेत्र :

विभाग के भीतर अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में समष्टि अर्थशास्त्र, वित्तीय अर्थशास्त्र, अनौपचारिक क्षेत्र, माइक्रोफाइनेंस, सार्वजनिक वित्त, दक्षता और उत्पादकता विश्लेषण, गरीबी और असमानता, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, प्रायोगिक अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र और विकास अर्थशास्त्र शामिल हैं।
विशेषीकृत शोध के अलावा, विभाग सभी स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी संचालित करता है, जो राष्ट्रीय शैक्षिक नीति और विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के साथ संरेखित है। यह विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए आर्थिक सिद्धांतों की एक पूर्ण समझ सुनिश्चित करता है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	25		24		27	22	49
एमफिल (अगारि कोई हो)							
पीएचडी					5	18	23
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)							शून्य
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़						2	2

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रो. मनेश चौबे	पीएचडी	प्रोफेसर	30.04/2012	5, एच इंडेक्स 5	5	1
2	राजेश राज	पीएचडी	सह प्राध्यापक	24/06/2014		4	
3	रुमा कुंडु	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	27.02.2012	2	2 पंजीकृत और 1 अपंजीकृत (पीएचडी)	

						1(एम.फिल)	
4	प्रद्युत गुहा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	06.03.2012	0	3 पीएचडी	1
5	डॉ. रंगलाल महापात्र	पीडीएच अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	13/08/2012	23-आज तक कुल लेख 4 पुस्तकें इस वर्ष 1 पुस्तक इस वर्ष 4- पुस्तक अध्याय	एमफिल कुल =7, इस वर्ष पीएचडी डिग्री प्रदान -1, पंजीकृत -1, भर्ती - 1 जारी -1	अब तक 2 पूर्ण हो चुके हैं 1- इस वर्ष (जारी)
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण

क: जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1	प्रसाद स्मृति और चौबे मनेश (2023) सिक्किम की महिला एसएचजी सदस्यों के बीच सूक्ष्म उद्यमिता को प्रभावित करने वाले कारक: एक प्रवृत्ति स्कोर मिलान दृष्टिकोण" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल इकोनॉमिक्स* के वर्तमान प्रारूप में, वॉल्यूम 51 सं 6, 2024 पृष्ठ 741-756 © एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड0306-8293 डीओआई 10.1108/IJSE-01-2023-0070	हाँ	**1.9**	© एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड	0306-8293
2	प्रसाद स्मृति और चौबे मनेश (2023) स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कृषि-उद्यम विकास: सिक्किम से अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि, *इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग* दिसंबर 2023, खंड 36, अंक 2, पृष्ठ 132-139	हाँ		इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग	**0970-6429**
3	खरेल नरेंद्र और चौबे मनेश (2023) पर्वतीय अर्थव्यवस्था में दूध उद्योग पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव: सिक्किम के दूध उत्पादकों के सूक्ष्म-स्तरीय दृष्टिकोण, *रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी*, खंड 08, संख्या 11, नवंबर 2023,| पृष्ठ 72-80			रिसर्च रिविव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी,	2455-3085

4	गुरुंग, आर., तिर्की, सी., टाकरी, के.के., दियाली, एन., चौबे, एम., और राई, आर. (2023) भारत में बेहतर पेयजल और स्वच्छता तक पहुंच के निर्धारक: भारत मानव विकास सर्वेक्षण-II (आईएचडीएस) से साक्ष्य, *जल नीति*, 25(10), 980-995 डीओआई: 10.2166/wp.2023.083	हाँ	**1.5**	विश्व जल परिषद	1366-7017
5	गुरुंग राजीव और चौबे मनेश (2023) सिक्किम, भारत में फसल विविधीकरण के निर्धारकों और इसकी सीमा की जांच: एक दो-चरणीय हेकमैन दृष्टिकोण, *इंडियन ग्रोथ एंड डिवैलपमेंट रिविय्*,	हाँ			1753-8254
6	मोल्ला, एन., मंडल, आई., कुंडू, आर. (2023) बेहतर पहुंच, उपयोगिता और लचीलेपन के लिए मानव कंप्यूटर इंटरैक्शन का अनुकूलन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च* (आईजेएसआर), वॉल्यूम 12 अंक 8, अगस्त 2023, पृष्ठ 1511-1517, https://www.ijsr.net/getabstract.php?paperid=SR23811124647, डीओआई:10.21275/SR23811124647		**7.942(एसजेआईएफ़)**		**2319-7064**
7	कुंडू, एस., कुंडू, आर., छेत्री, के.बी. (2023) उच्च और निम्न प्रति व्यक्ति आय के तहत खुशी पर लोकतंत्र और व्यापक आर्थिक कारकों के असममित प्रभाव: एक प्रारम्भिक पैनल विश्लेषण, *इकोलॉजिकल इकनॉमिक्स*, वॉल्यूम 216, पृष्ठ 01-11, आईएसएसएन: 0921-8009 छेत्रीhttps://doi.org/10.1016/j.ecolecon.2023.10	हाँ	**6.536**	एल्सेवियर	**0921-8009**

पुस्तकें

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
रंगलाल महापात्र और विष्णु पोर्टेल	मोहपात्र, आर., और पोर्टेल, बी. (2023)। *जैविक कृषि: सिक्किम के जैविक खाद्य और नकदी फसलों के अनुभवजन्य अध्ययन के साथ अतीत और वर्तमान* दिल्ली: अंश बुक इंटरनेशनल. आईएसबीएन: 978-81-956-930-5-4

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
रंगलाल महापात्र (दूसरे लेखक)	*देउरी, यू और महापात्र, आर. (2023)* आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में बाढ़ से प्रभावित घरेलू जोखिम को कम करने के लिए ग्रामीण युवाओं का शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन: *भविष्य के लिए वर्तमान और संभावित रणनीति वी. लोगनाथन एट अल द्वारा संपादित* मुंबई, हिमालयन पब्लिशिंग हाउस. आईएसबीएन-9789358405279
रंगलाल महापात्र (दूसरे लेखक)	लामा, बी., और महापात्र, आर. (2023) आकार और उत्पादकता: असम में छोटे और बड़े चाय उत्पादकों से निहितार्थ, पूर्वोत्तर भारत में प्रशासन और स्थानीय शासन में दास एवं अन्य द्वारा संपादित. दिल्ली. रूबी प्रेस एंड कंपनी। आईएसबीएन-978-81-941226-2-3
रंगलाल महापात्र (दूसरे लेखक)	दास, डी., और महापात्र, आर. (2023) भारत के निर्यात पर मुक्त व्यापार समझौते का प्रभाव, में - *आत्मनिर्भर भारत: आत्मनिर्भर भारत का विज़न*, अर्चना भट्टाचार्य और पी. पी. बोरा द्वारा संपादित, गुवाहाटी, केन पब्लिकेशन. आईएसबीएन: 978-81-948218-6-1
रंगलाल महापात्र (दूसरे लेखक)	देउरी, यू., और महापात्र, आर. (2023) असम के डिब्रूगढ़ जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की आजीविका विविधीकरण, बिमान दत्ता और अन्य द्वारा संपादित *मानविकी और सामाजिक विज्ञान में हाल की चिंताओं में*। गुवाहाटी, सनबीम। आईएसबीएन-978-93-5891-717-8।

4. वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
प्रो. मनेश चौबे	क्षेत्रीय उत्पादन/उत्पाद और सतत ग्रामीण आजीविका : भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र से परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन	एनआईआरडीपीआर-एनईआरसी, गुवाहाटी, 18-19 मार्च, 2024	विशेष पेपर के लिए संसाधन व्यक्ति	"क्षेत्रीय उत्पादों का विपणन और संस्थाओं की भूमिका: सिक्किम के एक मामले का अध्ययन"
प्रो. मनेश चौबे	क्षेत्रीय उत्पादन/उत्पाद और सतत ग्रामीण आजीविका पर राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन: भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से परिप्रेक्ष्य,	एनआईआरडीपीआर-एनईआरसी, गुवाहाटी, 18-19 मार्च, 2024	सत्र की अध्यक्षता	ग्रामीण विकास कार्यक्रम
प्रो. मनेश चौबे	आर्थिक और वित्तीय अनुसंधान में नई सीमाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	गंगधर मेहर विश्वविद्यालय संबलपुर, 30-31, 2024	प्रस्तोता	ओडिशा के केबीके में घरेलू खाद्य सुरक्षा पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली का प्रभाव
प्रो. मनेश चौबे	कृषि और संबद्ध क्षेत्र में उद्यमिता के लिए व्यावसायिक प्रस्ताव तैयार करने के लिए छात्रों को सलाह देना और व्याख्यान देना (ऑफ़लाइन मोड))	सीएईपीएचटी, रानीपुल में, 29/12/2024 और 30.12.2023 को	संसाधन व्यक्ति	कृषि व्यवसाय क्षेत्र में व्यवसाय योजना कैसे तैयार करें
प्रो. मनेश चौबे	"सिक्किम में सौर निष्क्रिय हीटिंग प्रणालियों की व्यवहार्यता आकलन" पर विचार-मंथन कार्यशाला	जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान (एनआईएचई) का सिक्किम क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 10 सितंबर 2023 को संस्थान का वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन।	संसाधन व्यक्ति	चर्चा में भाग लिया
प्रो. मनेश चौबे	कृषि व्यवसाय प्रबंधन में टिकाऊ उभरता दृष्टिकोण	कृषि अर्थशास्त्र विभाग, एसएएस, मेडजीफेमा, नागालैंड विश्वविद्यालय, **1-3 नवंबर 2023**	सत्र की अध्यक्षता	
रंगलाल महापात्र	सतत विकास: व्यवसाय नीति और प्रबंधन प्रथाएँ	शिलांग	वक्ता	महापत्र, आर. (2023, मई) *भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के वित्तीय प्रदर्शन पर वस्तु एवं सेवा कर के प्रभाव* शीर्षक से शिलांग कॉलेज, शिलांग में नॉर्थ ईस्ट इंडिया कमेटी और मैनेजमेंट एसोसिएशन के 6ठे वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर
रंगलाल महापात्र	आईसीएसएसआर द्वारा कौशल विकास मिशन, गुवाहाटी के सहयोग से आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर भारत के विजन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजित	बी.एच.महाविद्यालय, हाउली	प्रस्तोता	मोहपात्रा, आर. (2023) भारत के निर्यात पर मुक्त व्यापार समझौते का प्रभाव पर प्रस्तुत पेपर, बी.एच. कॉलेज, हाउली, गुवाहाटी
रंगलाल महापात्र	आपदा, स्थिरता और सतत विकास लक्ष्य पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	एचआरडीसी, एनबीयू, पश्चिम बंगाल	प्रतिभागिता	16 फरवरी, 2024 से 1 मार्च, 2024 तक एचआरडीसी, एनबीयू में आपदा, स्थिरता और एसडीजी पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

5. वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1	पुष्पांजलि शर्मा	पैटर्न ऑफ रुरल डिवैलपमेंट इन सिक्किम : एन असेस्मेंट	प्रद्युत गुहा	14/12/2022	03/08/2023

6. वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1	अल्का राई	प्राइस ट्रांसमिशन एंड स्पेटियल मार्केट इंटिग्रेशन : एन एनालिसिस ऑफ सेलेक्टेड फूड ग्रैन्स इन द होलसेल मार्केट्स ऑफ इंडिया	प्रो. मनेश चौबे		**27/04/2024**
2	योगराज शर्मा	डिटरमिनेंट्स ऑफ पोवर्टी एंड इनएक्यूएलिटी एमंग टी लेबरर्स इन असम	डॉ.प्रद्युत गुहा	08/05/2023	20/12/2023
3	सुश्री बन्दना लामा	एफ़िसीएनसी एंड प्रॉडक्टिविटी एनालिसिस ऑफ लार्ज एंड स्मल टी ग्रोअर्स इन असम	डॉ. रंगलल महापात्र	दिसम्बर, 2023	07/02/2024

6. 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्र का नाम	लिंग	फैलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1	मृण्मय हाजरिका	पुरुष	यूजीसी नेट

7. वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्ति :

छात्र का नाम	सेमेस्टर	नियोजित संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
डॉ. राजीव गुरुंग	पीएचडी 023	श्री सत्य साई उच्च शिक्षा संस्थान	प्रशांति निलयम, पी.ओ. पुट्टपर्थी, जिला: सत्य साई, आंध्र प्रदेश, भारत, 515134

इतिहास विभाग

अध्यक्षा/प्रभारी का नाम : प्रो. विजय कुमार थंगेल्लापाली

परिचय

इतिहास विभाग की स्थापना 2012 में सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रारम्भिक विभागों में से एक के रूप में की गई थी, जो 2007 में अस्तित्व में आया, जिसका उद्देश्य सिक्किम क्षेत्र के छात्रों को इतिहास का गुणवत्तापूर्ण और उन्नत ज्ञान प्रदान करना था। विभाग की शुरुआत दो संकाय सदस्यों के साथ की गई थी, लेकिन शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में विभाग में संकायों की संख्या पूरी हुई।यह एक पूर्ण विकसित विभाग था जिसमें हाल ही में आठ (8) नियमित और उच्च योग्य संकाय सदस्य थे, जबकि विभाग के एक संकाय सदस्य डॉ. एस जीवनानंदम जेएनयू नई दिल्ली में शामिल हुए।

अपनी स्थापना के बाद से ही संकाय सदस्य नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित कर रहे हैं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत कर रहे हैं, और विदेशी विद्वानों के साथ सहयोगी परियोजनाओं सहित कई परियोजनाएं शुरू की हैं। उनमें से कई ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने एमए, एमफिल और पीएचडी कार्यक्रमों का संचालन किया है। विभाग दो वर्षीय एमए कार्यक्रम संचालित कर रहे है, जिसमें कई तरह के पाठ्यक्रम दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों की ऐतिहासिक प्रक्रियाओं का विश्लेषण करने के लिए ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। विभाग में विकल्प-आधारित क्रेडिट प्रणाली है और पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में प्राथमिक स्रोतों पर आधारित शोध प्रबंध है और छात्रों ने शोध क्रिया प्रविधि बारे में बुनियादी ज्ञान सीखा है। इतिहास विषय के विभिन्न शोध क्षेत्रों में विकास के अनुसार एमए इतिहास के पाठ्यक्रम को दो बार संशोधित किया गया था। विभाग में शैक्षणिक अभ्यास न केवल कक्षा शिक्षण पर केंद्रित है, बल्कि छात्रों को वाद-विवाद, चर्चा, प्रस्तुतीकरण और सेमिनारों में शामिल करने पर भी केंद्रित है।

विभाग के पास एक बड़ा पूर्व छात्र नेटवर्क है, जिसके कई छात्र अब विभिन्न विश्वविद्यालयों/सरकारी कॉलेजों के साथ-साथ सरकारी सेवाओं के अन्य क्षेत्रों में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

संकाय अनुसंधान एक सतत और निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया है और संकाय सदस्यों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय महिला परिषद आदि प्रमुख वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित कई अतिरिक्त भित्ति परियोजनाएं पूरी की गई हैं।

विभाग अपने शोध में बहुविषयक और अंतःविषयक पहलुओं को शामिल करने और मुख्यधारा में परिभाषित इतिहास की पारंपरिक सीमाओं से परे जाने का प्रयास करता है। विभाग के संकाय सदस्य सरकारी एजेंसियों के साथ विभिन्न स्तरों पर अनुसंधान और नीति निर्माण में शामिल हैं।

वर्ष 2024 में नामग्याल तिब्बती विज्ञान संस्थान के सहयोग से पहले से मौजूद पाठ्यक्रम में बौद्ध धर्म में एम.ए. को भी शामिल किया गया है। डॉ. संगमू थेंडुप इस पाठ्यक्रम के समन्वयक हैं।

महत्वपूर्ण क्षेत्र :

सिक्किम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग का मुख्य क्षेत्र इतिहास में शोध करना है जिसमें राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, लैंगिक, पर्यावरण और दार्शनिक इतिहास जैसे विभिन्न पहलू शामिल हैं। संकाय अनुसंधान क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास और युद्धों/सैन्य इतिहास जैसे कम शोध वाले क्षेत्र शामिल हैं। छात्रों को भारतीय इतिहास के विभिन्न अनछुए पहलुओं को अपने शोध प्रबंधों के माध्यम से अपने शोध में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिसमें मुख्य रूप से पूर्वोत्तर और विशेष रूप से सिक्किम के इतिहास पर ध्यान केंद्रित किया जाता है

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण कर्मचारियों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
स्नातकोत्तर	30	30	20	18	31	19	50
एमफिल (अगारि कोई हो)			4	4	3	1	3
पीएचडी	2	2	29	29	18	13	31
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़	1	1	1	1	1	1	1

2. **संकाय विवरण :**

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रो. वी. कृष्ण अनंत	पीएचडी	प्रोफेसर	09.03.2012		04	
2	प्रो. टी. विजय कुमार	पीएचडी	प्रोफेसर	02.05.2014		04	
3	प्रो. वीनू पंत	पीएचडी	प्रोफेसर	04.09.2017	1	08	2
4	प्रो. अंबिका ढाका	पीएचडी	प्रोफेसर	03.03.2023	1	00	
5	डॉ. संगमू थेंडुप	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	29.03.2012		04	
6	डॉ. अनीरा फिपोन लेप्चा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	01.05.2014	3	04	
7	डॉ. एस. जीवनानंदम	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	30.11.2015		04	
8	डॉ. के. रेणुका देवी	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	04.12.2015		03	
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	श्री विक्रम झा	एमए	अतिथि संकाय	21.09.2023 से 15 दिसंबर 2023 तक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी					
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	लागू नहीं

1	बिष्णु माया कार्की	10वीं उत्तीर्ण	एमटीएस	19 अगस्त 2010 (अनुबंध आधारित)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. **प्रकाशनों का विवरण** ***(1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक)***

क: जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	ढाका, अंबिका, (2023) चित्तौड़गढ़ किले में मूर्तिकला चिह्न क्षेमंकरी और इसकी समस्याओं की खोज। इतिहास दर्पण, वॉल्यूम XXVIII (2) 2023, पृष्ठ 48-52	यूजीसी केयर सूची सं.101002593,		इतिहास दर्पण	09743065
2.	मायालमित लेप्चा और अनिरा फिपोन लेप्चा (2023) बिछुआ बुनाई का स्वदेशी ज्ञान: सिक्किम के लेप्चाओं के संबंध में परिवर्तन निरंतरता और बहाली, समदर्शी, वॉल्यूम16, अंक 4, सितंबर, पृ. 1339-1344	यूजीसी केयर में सूचीबद्ध अक्टूबर 2023 से बंद कर दी गई	4.31	पंजाबी अकादेमी	2581-3986

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	**प्रकाशन**
प्रो. वीनू पंत	मदर ऑफ डेमोक्रेसी: इंडिया में *अध्याय*, आईसीएचआर द्वारा संपादित वॉल्यूम, एनबीटी द्वारा प्रकाशित आईएसबीएन 935743156-एक्स (जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा जारी)
अनिरा फिपोन लेप्चा	लेप्चा ए.पी., (2023) *सिक्किम*, जी.एन. देवी, टोनी जोसेफ, रवि कोरीसेट्टार (संपादक) में. भारतीय सभ्यता का इतिहास। नई दिल्ली: एलेफ़ बुक कंपनी: 353-358
अनिरा फिपोन लेप्चा	लेप्चा एपी, और पांडे बलराम (2023), लेप्चा, गणेश देवी और बलराम पांडे (संस्करण) में। सिक्किम की भाषा, भारतीय भाषा लोक सर्वाकक्षम, पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया हैदराबाद, ओरिएंट ब्लैकस्वान: 223- 242

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति*(केवल स्थायी संकाय सदस्यों और एमफिल/पीएचडी छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोधपत्र। केवल भागीदारी का उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए):***

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
प्रो. वीनू पंत	'एनईपी-2020 और उच्च शिक्षण संस्थानों में इतिहास पाठ्यक्रम- एक मार्ग, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान और आईसीएचआर द्वारा आयोजित कार्यशाला	गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, गौतम बुद्धनगर, यूपी. (6 एवं 7 फरवरी, 2024)	संसाधन व्यक्ति	"भारतीय प्रतिरोध" विषय पर पैनलिस्ट"
प्रो. वीनू पंत	आज़ादी का अमृत महोत्सव में महिलाओं का जश्न	लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली		भारतीय प्रतिरोध में महिलाओं की

	मनाना	विश्वविद्यालय 3 अप्रैल 2024	मुख्य वक्ता	भूमिका
प्रो. वीनू पंत	स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस : स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय राष्ट्रवाद पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी:	पोर्ट ब्लेयर अंडमान, आईसीएचआर सम्मेलन 26 से 28 फरवरी, 2023	समापन भाषण	भू-सांस्कृतिक इतिहास के माध्यम से सावरकर को देखना: भारतीय प्रतिरोध में उनकी भूमिका और योगदान
प्रो. वीनू पंत	"इतिहासविद्या और इतिहासलेखन: पद्धति, रुझान और नए आयाम"	5 एवं 6 अगस्त 2023, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह	संसाधन व्यक्ति	मेरी माटी मेरा देश : सिक्किम का पगला दीवान को पुनर्परिभाषित करते हुए
प्रो. वीनू पंत	राष्ट्रीय संगोष्ठी आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास के संस्थान के रूप में मंदिर	25-26 जुलाई 2023. महिला पी.जी. महाविद्यालय जोधपुर	संसाधन व्यक्ति	पंग ल्हाबसोल का उद्भव और उसका योद्धा नृत्य ड्रा इला पंगटोएड चाम
प्रो. अंबिका ढाका	मंदिर वास्तुकला पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	इतिहास विभाग, महिला पीजी महाविद्यालय, जोधपुर, 25-26 जुलाई, 2023.	संसाधन व्यक्ति	मंदिर स्थापत्य एवं मूर्तिकाल में साहित्यिक निरूपण
प्रो. अंबिका ढाका	राष्ट्रीय संगोष्ठी	एकलव्य विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, दमोह, म.प्र., 5-6 अगस्त, 2023.	पेपर प्रस्तोता	भारतीय कला परम्पराएँ और मंदिरों के विशेष संदर्भ में इतिहास के विभिन्न परिप्रेक्ष्य
प्रो. अंबिका ढाका	राष्ट्रीय संगोष्ठी	छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना 2-3 दिसंबर, 2023.	पेपर प्रस्तोता	प्राचीन भारतीय इतिहास के साहित्यिक परिप्रेक्षय में कृषि व्यवस्था
प्रो. अंबिका ढाका	इतिहास विभाग, शासकीय वी.वाय.टी. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़	सरकार. वी.वाई.टी. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़, 02.09. 2023	आमंत्रित वक्ता	'भारत में वास्तुकला, मंदिर वास्तुकला के विशेष संदर्भ में'
डॉ. सांगमु थेंडुप	1.जीवन अभिविन्यास कार्यक्रम	सेल्सियन कॉलेज, सिलीगुड़ी, 3 मई 2023	आमंत्रित वक्ता	थेंडुप, सांगमु (2023, मई)। *क्षेत्रीय इतिहास का महत्व।* सेल्सियन कॉलेज, सिलीगुड़ी में जीवन अभिविन्यास कार्यक्रम में दिया गया भाषण *थेंडुप, सांगमु (2023 सितंबर)*
डॉ. सांगमु थेंडुप	2.नालंदा बौद्ध परंपरा पर भारतीय हिमालय सम्मेलन	कालिम्पोंग 12 सितंबर 2023	संसाधन व्यक्ति	सिक्किम में बौद्ध धर्म की स्थापना में गुरु पद्मसंभव की भूमिका। कलिम्पोंग में नालंदा बौद्ध धर्म पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर
डॉ. सांगमु थेंडुप	3. युवा शोधार्थियों का सम्मेलन	धर्मशाला 6 अक्टूबर 2023	आमंत्रित वक्ता	प्रारंभिक बौद्ध धर्म में पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य

डॉ. सांगमु थेंडुप	4.अंग्रेजी-हिंदी-नेपाली शब्दकोश कार्यशाला	दार्जिलिंग 6 से 10 नवंबर 2023	संसाधन व्यक्ति	
डॉ. सांगमु थेंडुप	5. संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित, शुरुआती स्तर के पाठ्यक्रम के लिए संस्कृत की दस दिवसीय बुनियादी कार्यशाला,	19 फरवरी 2024 से 28 फरवरी 2024 तक कंचनजंगा स्टेट यूनिवर्सिटी, सिक्किम	प्रतिभागी	
डॉ. सांगमु थेंडुप	6. 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार, उच्च शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय इतिहास पाठ्यक्रम-एक मार्ग	गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा 6-7 फरवरी 2024	संसाधन व्यक्ति	पूर्वोत्तर भारत का इतिहास
डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा	क्षेत्रीय इतिहास लेखन के नए दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	अलियाह विश्वविद्यालय, कोलकाता, 6-7 मार्च 2024,	संसाधन व्यक्ति	सिक्किम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में सिक्किम का क्षेत्रीय इतिहास लेखन: एक आंतरिक अवलोकन
डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा	अच्छे जीवन' और विकास: सिक्किम और उससे आगे के दृश्य इतिहास और संस्कृति की खोज पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार	गंगटोक, सिक्किम, विश्वविद्यालय 14-15 मार्च 2024	प्रतिभागी	सिक्किम के स्वदेशी खेलों और खेलों : खिलाड़ी की स्मृति पर एक पुनर्विचार
डॉ. के. रेणुका देवी एवं सुश्री सलोमी राई	अच्छे जीवन' और विकास: सिक्किम और उससे आगे के दृश्य इतिहास और संस्कृति की खोज पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार	सिक्किम विश्वविद्यालय 14-15 मार्च 2024		प्रारंभिक ऐतिहासिक ग्रंथों में अच्छे जीवन के दर्शन: *कथासरित्सागर और राजतरंगिणी से उद्धरण*
डॉ. के. रेणुका देवी और सुश्री फातिमा लेप्चा	भारतीय संस्कृति में सन्निहित बुनियादी मूल्यों और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में उनकी प्रासंगिकता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	कलिम्पोंग कॉलेज, पश्चिम बंगाल, 20 मार्च 2024।		नैतिकता और महिलाओं का खुलासा: लेप्चाओं के *नामथो नामथार* से अंतर्दृष्टि

वर्ष 2023-24 के दौरान ली गई शोध परियोजनाएं :

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ/आरए)
प्रो वीनू पंत	"मुंडुम: किरात खंबू (राई) अनुष्ठानों की आत्मा और सिक्किम की एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विरासत" प्रधान अन्वेषक	आईसीएसएसआर	2 वर्ष	7 लाख	दो आरए
प्रो वीनू पंत	प्रजनन संबंधी समस्या सिक्किम की घटती प्रजनन दर का आकलन" सह-प्रधान अन्वेषक	एनसीडबल्यू	12 माह	बारह लाख दो हजार चार सौ अठारह मात्र	एक आरए

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयन का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	अच्छा जीवन और विकास: सिक्किम और उसके बाहर के दृश्य इतिहास और संस्कृति की खोज	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	उच्च शिक्षा विभाग, सिक्किम सरकार, मुख्यमंत्री कार्यालय, सिक्किम सरकार,	14-15 मार्च 2024	10	60	डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा

			लोयोला शिक्षा महाविद्यालय, सिक्किम, हर्कमया शिक्षा महाविद्यालय, सिक्किम, सिक्किम विश्वविद्यालय				
2	कुकी विद्रोह पर छात्र संगोष्ठी	विभागीय	इतिहास विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	4 जुलाई 2023	1	50	डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा
3	लोग, प्रकृति और संस्कृति पर छात्र संगोष्ठी: ए.सी.टी. और कथा	विभागीय	इतिहास विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	3 जुलाई 2023	1	50	डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा
4	सिक्किम-1973 के लोकतांत्रिक आंदोलन और भारत के साथ शुरुआती वर्षों पर छात्र संगोष्ठी- एक जन दृष्टिकोण	विभागीय	इतिहास विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय	07.12.2023	1	55	डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा

वर्ष 2023-24 के दौरान एमफिल डिग्री प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	हिमांशु बर्मन	मालदा जिले में पश्चिमी शिक्षा (1858-1947)	डॉ. के. रेणुका देवी	20/07/2023	12/03/2024
2	शीतल खवास	ब्रिटिश शासन के तहत कलिम्पोंग क्षेत्र में औपनिवेशिक हस्तक्षेप और कृषि की स्थिति (1865-1936)	डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा	20/07/2023	8 मई 2024
3	पेमा चोडेन शेरपा	*विनय पिताका* में भिक्षुओं और भिक्षुणियों की न्यूनतम जीवनशैली	डॉ. सांगमु थेंडुप	20/07/2023	19 जून 2024
4	तेनज़िंग डोलकर भूटिया	सिक्किम में बौद्ध मठों का पवित्र भूगोल	डॉ. एस. जीवनानंदम	20/07/2023	19.06.2024

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी डिग्री प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	अंजना तमांग	सिक्किम में महिलाएँ: एक ऐतिहासिक अध्ययन (सत्रहवीं से बीसवीं शताब्दी)	डॉ. एस. जीवनानंदम	22.05.2023	07.02.2024
2.	भास्कर ज्योति दास	मध्यकालीन असम में महिलाएँ: एक ऐतिहासिक अध्ययन	डॉ. एस. जीवनानंदम	04.05.2024	15.03.2024
3.	प्रेरणा तमांग	शीर्षक- गोरखालैंड आंदोलन का बदलता स्वरूप:1906-2015	प्रो. वीनू पंत	15 मई 2023	4 दिसंबर 2024
4.	सुषमा राई	भाषा और पहचान का प्रश्न: भारत में नेपाली भाषा आंदोलन का अध्ययन (1956-1992)	डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा	19 अप्रैल 2023	29 फरवरी 2024

4. विभाग/केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा आउटरीच कार्यक्रम और समुदायों को जोड़ना (यदि कोई हो)

दिनांक 2 सितंबर 2023 को डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा की देखरेख में खांगचेंदज़ोंगा राष्ट्रीय पार्क, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में इतिहास विभाग के चौथे सेमेस्टर के छात्रों द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन। तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने डॉ. अनिरा फिपोन लेप्चा के मार्गदर्शन में जून 2023 में ***सिक्किम के बारह चोग्याल: चोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल को श्रंधंजलि*** पर एक प्रदर्शनी में भाग लिया।

5. विभाग/केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा कल्याणकारी गतिविधियाँ और परोपकार (यदि कोई हो)

6. नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ

हमने कई विभागीय बैठकों और बाह्य विशेषज्ञों द्वारा की गई समीक्षा के बाद एनईपी पाठ्यक्रम को लागू किया है। पाठ्यक्रम को विभाग के अध्ययन बोर्ड, समाज विज्ञान विद्यापी बोर्ड और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया था। इतिहास विभाग के एनईपी समन्वयक डॉ. सांगमु थेंडुप ने इस संबंध में कई कार्यशालाओं में भाग लिया। ऐसी ही एक कार्यशाला है – दिनांक 20-21 जून 2024 तक आयोजित "सिक्किम विश्वविद्यालय की स्वयं समिति की उच्च शिक्षा में शिक्षण और मूल्यांकन के लिए एआई टूल्स पर दो दिवसीय कार्यशाला ।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : फैरेम्बाम न्यूटन सिंह

परिचय: सिक्किम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग की शुरुआत 2008 में हुई थी। विभाग का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय संबंध और क्षेत्र अध्ययन में स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रम संचालित करना है। विभाग का उद्देश्य अपने मुख्य क्षेत्रों में अध्ययन के अंतःविषयक दृष्टिकोण में एक ठोस समझ प्रदान करना है। यह विभाग छात्रों को विषय पर प्रमुख सैद्धांतिक दृष्टिकोणों से परिचित कराता है। यह अंतर-राज्य संबंधों, राज्यों और राज्येतर अभिनेताओं के संबंधों, वैश्वीकरण और राज्यों के बीच मौजूद आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक अंतर्संबंधों की बदलती गतिशीलता पर भी जोर देता है। विभाग ने सम सेमेस्टर, 2023 से नई शिक्षा नीति के आधार पर पाठ्यक्रम लागू किया है।

महत्वपूर्ण क्षेत्र: इस क्षेत्र के भू-रणनीतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए विभाग को इस क्षेत्र और उसके निकटवर्ती देशों जैसे चीन, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से प्रत्यक्ष रूप से संबन्धित मुद्दों को संबोधित करने का लाभ है। विभाग छात्रों को पर्यावरण, सीमा, प्रवास और शरणार्थियों, व्यापार, जल, लिंग और मानवाधिकार जैसे मुद्दों से जुड़ने में सक्षम बनाने का प्रयास करता है जो इस क्षेत्र के लिए विशिष्ट हैं। विभाग का उद्देश्य विनियम कार्यक्रम और क्षेत्र अनुसंधान के माध्यम से जमीनी स्तर पर छात्रों को शामिल करना है, जिससे उन्हें प्रासंगिक मामलों के अध्ययन के अनुप्रयोग और विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से सैद्धांतिक अवधारणाओं की व्यापक समझ प्राप्त हो सके।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 26

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	21		24		26	19	45
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी					04	05	09
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़							02 यूजीसी-नेट

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/ एम.कॉम/पीएचडी/ पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	फैरेम्बाम न्यूटन सिंह	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	27 फरवरी 2012		02	
2	दीपमाला रोका	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	18 सितंबर, 2017		02	
3	महिमा राई	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	16 नवंबर, 2023	01		

विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ. रमेशचंद्र सिंह	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	डॉ. सांगे लाचेनपा	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3	सुश्री बिनीता राई	एमफिल					

सहायक कर्मचारी

	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	श्री इंद्र छेत्री		एमटीएस		लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	श्री सुरेन गुरुंग	10वीं उत्तीर्ण	एमटीएस	2013	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण :

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम : राई, महीमा, पेम, यू. भूटिया और सेल्विन पॉल

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	वॉल्यूम. XIV सं 2 (जनवरी-जून, 2024) पृष्ठ -91-99	दक्षिण एशियाई सामाजिक-राजनीतिक अध्ययन पत्रिका		पद्मनाभन शिवदासन और जया बीजू शिवदासन	0972-4613

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति*(केवल स्थायी संकाय सदस्यों और एमफिल/पीएचडी छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोधपत्र। केवल भागीदारी का उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए)*:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
डॉ. पीएच. न्यूटन सिंह	पूर्वोत्तर भारत को समझने पर सर्टिफिकेट कोर्स: गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, आईआईटीएम प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी, असम के सहयोग से रुद्रम डायनामिक्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी	20 जनवरी और 3 फरवरी, 2024	संसाधन व्यक्ति	i.पूर्वोत्तर भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक विशिष्टता, बहुसंस्कृतिवाद/जातीय विविधता ii.पूर्वोत्तर भारत में जातीय विवाद और राज्यों की प्रतिक्रियाएँ
सुमनीमा राई, एन. रमेशचंद्र और पीएच. न्यूटन सिंह	स्पार्क पार्टनर्स की बैठक भारत के लिए हिमालयी नीति विकसित करने पर: पूर्वी हिमालय में बुनियादी ढांचा, राज्य, समुदाय और पारिस्थितिकी	7 और 8 फरवरी, 2024		सिक्किम हिमालय में प्रादेशिकीकरण और पर्यावरण सुरक्षा
डॉ. पीएच. न्यूटन	सोनादाडिग्री कॉलेज द्वारा शोध क्रिया प्रविधि पर कार्यशाला का	19 मार्च,	संसाधन व्यक्ति	अनुसंधान डिजाइन का परिचय

सिंह	आयोजन	2024		
सुश्री सैलिका चामलिंग	हाइड्रो डिप्लोमेसी: दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक दृष्टिकोण, एशिया फाउंडेशन और जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित	20 अप्रैल, 2024		ब्रह्मपुत्र नदी पर जल कूटनीति: तटवर्ती राज्यों के बीच मुद्दे और विवाद
श्री उज्जल दास	हाइड्रो डिप्लोमेसी: दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक दृष्टिकोण, एशिया फाउंडेशन और जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित	20 अप्रैल , 2024		ब्रह्मपुत्र बेसिन में नदी किनारे के लोगों की जल सुरक्षा और आजीविका
श्री उज्जल दास	सिक्किम विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान के दशकीय उत्सव : चुनौतियां और आगे का रास्ता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सिक्किम विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित	7-8 मार्च, 2024		मेघालय के मातृसत्तात्मक समाज में स्वदेशी गारो महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति
श्री उज्जल दास	लैंगिक समानता और महिला अधिकार : दक्षिण एशिया में महिलाओं की आवाज़ और अनुभवों की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अर्थशास्त्र विभाग और महिला प्रकोष्ठ और आईक्यूएसी, चंचल कॉलेज, मालदा द्वारा आयोजित	6-7 दिसंबर, 2023		मेघालय में गारो जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक विकास में स्वदेशी गारो महिलाओं की भूमिका
श्री जसील सुब्बा	सेल्सियन कॉलेज, सिलीगुड़ी			दक्षिण एशिया की भू-राजनीतिक विरोधी कल्पनाएँ: पहचान की राजनीति का उत्तर-औपनिवेशिक विश्लेषण
सुश्री दयांगजी लेप्चा	सुरक्षा, पहचान और वैश्विक शासन पर आईआईएचएसजी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023: भारत और विश्व	16-17 नवंबर 2023		ऊर्जा सुरक्षा का भू-राजनीतिक पहलू: यूरोपीय ग्रीन डील के निहितार्थों का आकलन।
सुश्री दयांगजी लेप्चा	लैंगिक समानता और महिला अधिकार पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चंचल कॉलेज मालदा द्वारा दक्षिण एशिया में महिलाओं की आवाज और अनुभवों की खोज।	6-7 दिसंबर 2023		हिस्सेदारी या समानता: रचनात्मक नारीवादी विदेश नीति के लिए एक भारतीय दृष्टिकोण
सुश्री दयांगजी लेप्चा	यूरोपीय संघ और प्रवासन : चुनौतियां और प्रतिक्रियाएं पर युवा विद्वान सम्मेलन, जीन मोनेट मॉड्यूल, यूरोपीय अध्ययन केंद्र जेएनयू द्वारा आयोजित.	5-6 मार्च 2024		

4. वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	"न्यूज़रूम में जाति" पर विशेष व्याख्यान			21 मार्च, 2024	उल्लेख एन पी	50	पीएच. न्यूटन सिंह

वर्ष 2023-24 के दौरान एमफिल उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1	श्री रोशन राई	दिबांग बहुउद्देशीय बांध परियोजना: विकासोत्तर विश्लेषण	डॉ. पीएच. न्यूटन सिंह	31 जुलाई, 2023	19 जून, 2024

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1	मिस संश्रीमा बसुमतारी	भारत-भूटान सुरक्षा सहयोग: ऑपरेशन ऑल क्लियर और डोकलाम संकट पर एक अध्ययन	डॉ. सेबेस्टियन एन	18 मार्च, 2023	19 जनवरी, 2024

वर्ष 2023-24 में छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
	जेनिथ दास	युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 05.03.2024 से 06.03.204 तक आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2024 में पश्चिम बंगाल और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का प्रतिनिधित्व किया गया।
	चन्द्रगुप्त	युवा मंथन मॉडल संयुक्त राष्ट्र में दूसरा स्थान
	जेनिथ दास	13 दिसंबर, 2023 को सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विकसित भारत के लिए विचार' विषय पर पैनल चर्चा में विकसित भारत पर पेपर प्रस्तुत किया गया।
	कोंग्निउ	13 दिसंबर, 2023 को सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विकसित भारत के लिए विचार' विषय पर पैनल चर्चा में विकसित भारत पर पेपर प्रस्तुत किया गया।
	अश्विनी मंग्रती	13 दिसंबर, 2023 को सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विकसित भारत के लिए विचार' विषय पर पैनल चर्चा में विकसित भारत पर पेपर प्रस्तुत किया गया।

5. 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फैलोशिप/पुरस्कार/सेवा
	शशिकांत कुमार	पुरुष	यूजीसी-नेट

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा दी जाने वाली परामर्श सेवाएँ, यदि कोई हों:

परामर्श परियोजना/कार्यक्रम/सेवा	परामर्श चाहनेवाले संस्थान	परियोजना/कार्यक्रम तिथियाँ और अवधि	परामर्श वित्तपोषण/सेवा शुल्क प्राप्त
पूर्वी कमान तिब्बतोलॉजी कैडर प्रशिक्षण कार्यक्रम	पूर्वी कमान	24 अप्रैल से 3 जून, 2023	प्रति व्याख्यान रु. 1000

6. **वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :**

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर और देश)
श्री पवन राई	पीएचडी V	सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय	माझीटार , सिक्किम
सुश्री दयांगज़ी शेरपा	पीएचडी V	डबल्यूबीसीएस	पश्चिम बंगाल
सुश्री ल्यांगमित	एमए IV	आबकारी विभाग, सिक्किम सरकार	गंगटोक
श्री देबोजीत बरुआ	पीएचडी VII	आईसीएफ़एआई	गंगटोक
सुश्री संश्रीमा बसुमतारी	पीएचडी प्रदान	असम जी	असम

विधि विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. प्रवीण मिश्रा

परिचय

सिक्किम विश्वविद्यालय में विधि विभाग की स्थापना वर्ष 2009 में सिक्किम और देश के अन्य क्षेत्रों के छात्रों को उच्च कानूनी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। विधि विभाग सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत आता है।

महत्वपूर्ण क्षेत्र

विधि विभाग वर्तमान में दो वर्षीय एलएलएम और पीएचडी कार्यक्रम संचालित करता है। **इसका मुख्य क्षेत्र मानवाधिकार है।** विधि विभाग उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षण-सह-शोध उन्मुख संकायों की एक टीम के साथ कार्य कर रहा है, जिनके पास भारत के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों से विधि में उन्नत डिग्री है। विधि विभाग सिक्किम के साथ-साथ भारत के विभिन्न राज्यों से छात्रों को आकर्षित करता है, जिन्हें सीयूईटी माध्यम से चुना जाता है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 12

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	एलएलएम	12	12				
एमफिल (अगर कोई हो)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
पीएचडी	10	10	लागू नहीं	लागू नहीं	02	08	10
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)	शून्य	शून्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़	01	01	लागू नहीं	लागू नहीं	00	01	01

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रो. प्रवीण मिश्रा	पीएचडी	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष	2.12.2015	-	06	-
2	प्रो. आई.जी अहमद	पीएचडी	प्रोफेसर, अनुबंध आधारित	लागू नहीं	-	-	-
3	डॉ वीर मयंक	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	28.02.20212	1	03	-

4	डॉ. डेंकिला भूटिया	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	-	-	-	-
5	डॉ.निधि सक्सेना	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	28.01.20213	1	4	-
6	डॉ सोनम यांगचेन भूटिया	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	08.05.2014	1	4	-
7	डॉ प्रमिता गुरुंग	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	25.07.2022		2	-
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	एलिजाबेथ शेरपा	बीए	एमटीएस	-	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	सोनाम				लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	उदाहरण *1:* नजर आईएन, दास एस, कुमार एस, शर्मा पी, मोंडल के, शेरपा एमटी और **ठाकुर एन** *(2022)* जीनस जिओबैसिलस से संबंधित थर्मोफिलिक बैक्टीरिया में भारी धातु सहिष्णुता और एंटीबायोटिक प्रतिरोध का सह-अस्तित्व। फ्रंटियर माइक्रोबियोल। 13:914037. doi: 10.3389/fmicb.2022.914037		6.06	फ्रंटियर्स	1664302X
2.	उदाहरण ***2:*** शर्मा, पी., मोंडल, के., मोंडल, के.सी., **ठाकुर, एन. (2022)** मेटाजीनोम से ***α***-एमाइलेज की खोज और इसकी थर्मोस्टेबिलिटी में सुधार करने की रणनीतियाँ: एक व्यवस्थित समीक्षा। वर्ल्ड जर्नल माइक्रोबायोल बायोटेक्नोलोजी ***38, 203 (2022)***।https://doi.org/10.1007/s11274-022-03396-0		4.25	स्प्रिंगर	1573-0972
1	मिश्रा, पी., भूटिया, सोनम वाई. भूटिया (2023) उच्च शिक्षा में महिलाओं का यौन उत्पीड़न: शिक्षक-छात्र संबंध के विशेष संदर्भ के साथ एक अध्ययन, एशियन जर्नल ऑफ लीगल एजुकेशन, 10(2), 204-216।	स्कोपस	लागू नहीं	सेज	2322- 0058

2	दुबे आर., मिश्रा पी. (2023) समकालीन भारत में गॉडमेन घटना: एक सामाजिक-कानूनी विश्लेषण, 06, 137- 148	यूजीसी केयर	लागू नहीं	राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय	2581- 7582
3	दुबे आर., मिश्रा, पी., भारत में गॉडमैन घटना के सामाजिक-कानूनी आयामों की खोज: एक लिंग आधारित विश्लेषण,14,167-179	स्कोपस	लागू नहीं	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय	0976-3570
4	मयंक वी. और सक्सेना एन. (2023) हिंसा का मुकाबला करके महिलाओं को सशक्त बनाना: समानता की ओर एक यात्रा। इंडियन जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज, खंड XXX, (2)।	समकक्ष समीक्षा	लागू नहीं	विधि संकाय, जे.एन.वी. विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान।	0970-213x
5	सक्सेना एन और मयंक वी. (2023) हिंसा का मुकाबला करके महिलाओं को सशक्त बनाना: समानता की ओर एक यात्रा। इंडियन जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज, खंड XXX, (2)।	Peer Review	-	विधि संकाय, जे.एन.वी. विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान	0970-213x
	मिश्रा, पी., भूटिया, सोनम वाई. भूटिया (2023) उच्च शिक्षा में महिलाओं का यौन उत्पीड़न: शिक्षक-छात्र संबंध के विशेष संदर्भ के साथ एक अध्ययन			एशियन जर्नल ऑफ लीगल एजुकेशन, सेज जर्नल्स	2348-2451

ख : पुस्तकें

संकाय सदस्य	**आईएसबीएन के साथ प्रकाशन**
	उदाहरण: चेत्री, पी., और महापात्र, एस.एस. (2021) *पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता*. मुंबई: हिमालयन पब्लिशिंग हाउस। आईएसबीएन: 978-93-5433-393-4

ग : पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	**प्रकाशन**
डॉ. वीर मयंक	मयंक, वी. और सक्सेना, एन., वी. *यौन उत्पीड़न: महिला सशक्तिकरण का एक विरोधाभास*, संपादित पुस्तक 'लॉ एट द क्रॉसरोड्स: ज्यूरिसप्रूडेंशियल रेंडिशन', मानकिन प्रेस प्राइवेट लिमिटेड. आईएसबीएन: 9392062214
डॉ. निधि सक्सेना	सक्सेना, एन., और मयंक, वी. *यौन उत्पीड़न: महिला सशक्तिकरण का एक विरोधाभास*, संपादित पुस्तक 'लॉ एट द क्रॉसरोड्स: ज्यूरिसप्रूडेंशियल रेंडिशन', मानकिन प्रेस प्राइवेट लिमिटेड। आईएसबीएन: 9392062214

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
डॉ सोनम वाई भूटिया	पूर्वी कमान तिब्बतोलॉजी कैडर, प्रशिक्षण कार्यक्रम-पांचवां बैच	9 मई 2023	संसाधन व्यक्ति	तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र में मानवाधिकार मुद्दे
डॉ सोनम वाई भूटिया	पूर्वी कमान तिब्बतोलॉजी कैडर, प्रशिक्षण कार्यक्रम-पांचवां बैच	12 फरवरी 2024	संसाधन व्यक्ति	तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र में आपराधिक न्याय प्रणाली

डॉ प्रमिता गुरुंग	"उन्नत अनुसंधान पद्धति" पर ऑनलाइन दो सप्ताह का अंतःविषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	26 अप्रैल- 09 मई, 2024		
डॉ प्रमिता गुरुंग	पूर्वी कमान तिब्बतोलॉजी कैडर: प्रशिक्षण कार्यक्रम (IV बैच) 24 अप्रैल-3 जून, 20223	19 फरवरी, 23 फरवरी, 26 और 27 फरवरी, 2024	संसाधन व्यक्ति	डॉ. प्रमिता गुरुंग, (2024 मई), "तिब्बत में न्यायिक संघर्ष", पूर्वी कमान तिब्बतोलॉजी कैडर: प्रशिक्षण कार्यक्रम, देवराली, सिक्किम.

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषी एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	एफ़डीपी	राष्ट्रीय	यूजीसी एमएमटीटीसी जोधपुर	24 जून, 2024-30 जून, 2024	16	200	डॉ निधि सक्सेना और डॉ वीर मयंक
2	एफ़डीपी	राष्ट्रीय	यूजीसी एमएमटीटीसी जोधपुर	24 जून, 2024-30 जून, 2024	16	200	डॉ निधि सक्सेना और डॉ वीर मयंक
3	तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र में मानवाधिकार मुद्दे	पूर्वी कमान तिब्बतोलॉजी कैडर, प्रशिक्षण कार्यक्रम-IV बैच	एचआरडीसी, सेना छावनी, देवराली		9 मई 2023	24 अप्रैल से 03 जून 2023	
4	तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र में मानवाधिकार मुद्दे	पूर्वी कमान तिब्बतोलॉजी कैडर, प्रशिक्षण कार्यक्रम-IV बैच	एचआरडीसी, सेना छावनी, देवराली		12 फरवरी, 2024	5 फरवरी-16 मार्च 2024	
5	तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र में आपराधिक न्याय प्रणाली	पूर्वी कमान तिब्बतोलॉजी कैडर, प्रशिक्षण कार्यक्रम-पांचवां बैच	एचआरडीसी, सेना छावनी, देवराली		12 फरवरी, 2024	5 फरवरी-16 मार्च 2024	

3. वर्ष 2023-24 के दौरान एमफिल उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	सुश्री प्रसन्ना छेत्री	भारत में नकली दवाओं का प्रचलन: नियामक प्रवर्तन के दृष्टिकोण से विश्लेषण	डॉ. वीर मयंक	31.12.2022	Sep 22, 2023

4. **वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :**

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
	सुश्री सुषमा खरका	असम के चाय बागानों में महिला श्रमिकों की सुरक्षा: भारत के श्रम कानूनों के संदर्भ में एक अध्ययन	डॉ. वीर मयंक	1.01.2024	2.07.2024

5. **वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :**

छात्र का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
महेंद्र थापा	8वीं	श्रम विभाग सिक्किम सरकार	रंगपो सिक्किम, भारत

शांति एवं द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. नवल के. पासवान

परिचय

विभाग का प्राथमिक ध्यान शांति और संघर्ष सिद्धांतों, शांति और संघर्ष अध्ययन से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे संघर्ष समाधान, संघर्ष प्रबंधन, शांति स्थापना में परिवर्तन, शांति निर्माण और बातचीत, मध्यस्थता, न्यायनिर्णयन, मध्यस्थता के माध्यम से शांति निर्माण पर छात्रों को प्रशिक्षित और शिक्षित करना है और नीतिगत पहलों के लिए अंत:विषय अनुसंधान करके जागरूकता पैदा करना है। यह पाठ्यक्रम मकालीन सशस्त्र संघर्षों, हिंसा और अपराध की प्रकृति, युद्ध से शांति की ओर संक्रमण और युद्ध के बाद शांति निर्माण की चुनौतियों की गहन समझ भी विकसित करेगा।

महत्वपूर्ण क्षेत्र

विभाग की शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर आधारित है, जो सामाजिक विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे राजनीति विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मानवाधिकार, समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शन, मनोविज्ञान, सामाजिक नृविज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र और धार्मिक अध्ययन से अंतर्दृष्टि प्राप्त करती है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	3		12	5	16	4	20
एमफिल (अगारि कोई हो)							1
पीएचडी			3		13	8	21
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी (अगर कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़							

2. **संकाय विवरण :**

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकायों का विवरण							
1	प्रो. नवल के. पासवान	पीएचडी	प्रोफेसर	05-03-2012		1 (एमफिल) 8 (पीएचडी)	1
2	डॉ. दिनेश के. अहिरवार	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	18-10-2017	01	05	
3	डॉ. राकेश के. यादव	पीएचडी	सहायक	24-11-2023	शून्य	01	

			प्राध्यापक				
4							
5							
6							
7							
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ. टिकेन्द्र छेत्री	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	डॉ. रोशन गुरुंग	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	टिका माया प्रधान	VII	एमटीएस	02/05/20	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	शीतल भूटिया	XII	एमटीएस	30/05/2022	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण :

जर्नलों में प्रकाशित शोधपत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	अहिरवार, डी. के. (2023). डॉ. अंबेडकर की सामाजिक परिवर्तन की पद्धति: साधन और साध्य पर बहस। दलितों की समकालीन आवाज़, 0(0). https://doi.org/10.1177/2455328X231198716			सेज	2456-0502 (ऑनलाइन)

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
राकेश के. यादव	'वसुधैव कुटुंबकम: एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'	एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, 09-10 सितंबर, 2023	आमंत्रित वक्ता	" भारत की जी-20 अध्यक्षता: अवसरों का लाभ उठाना और चुनौतियों का सामना करना"
राकेश के. यादव	भारत में राजनीतिक दलों और दलीय प्रणाली में बदलते रुझान	सत्यवती कॉलेज, डीयू आईआईपीए, नई दिल्ली, 14-15 मार्च, 2023	आमंत्रित वक्ता	गठबंधन की राजनीति और भारतीय विदेश नीति का निर्माण
राकेश के. यादव	गुरु दक्षता 22वां संकाय प्रेरण कार्यक्रम	एमएमटीटीसी, रांची विश्वविद्यालय, रांची, 18 मार्च 2024	आमंत्रित वक्ता	तिब्बत के संबंध में भारत की रणनीतिक योजना और नीतिगत

				दृष्टिकोण
नवल के. पासवान		सिक्किम सरकारी महविद्यालय, नामची	आमंत्रित वक्ता	*समकालीन विश्व इतिहास: नई आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था*
नवल के. पासवान	पूर्वोत्तर भारत में आर्थिक विकास और सीमा पार व्यापार	23 दिसंबर 2023 को मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में आरआईएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित	आमंत्रित वक्ता	पूर्वोत्तर भारत में स्थानीयकरण और समुदाय-आधारित विकास
लीमा राई	आईसीएसएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, "सतत विकास लक्ष्यों के माध्यम से भविष्य की प्रोग्रामिंग"	दमदमा कॉलेज, कुलहाटी, असम। 29-30 दिसंबर, 2023	आमंत्रित वक्ता	अंतर-पीढ़ीगत संबंध और बुजुर्गों का कल्याण: भारतीय संदर्भ
नोरबू गुरुंग	21वीं सदी में नालंदा बौद्ध धर्म पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 12 सितंबर, 2023 को	भारतीय हिमालयन नालंदा बौद्ध परंपरा परिषद, टाउन हॉल, कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल में।	आमंत्रित वक्ता	*"21वीं सदी में नालंदा बौद्ध धर्म: चुनौतियां और प्रतिक्रिया।"*
नोरबू गुरुंग	अच्छे जीवन और विकास पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: सिक्किम और उससे आगे के दृश्य इतिहास और संस्कृति की खोज।	इतिहास विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, 14-15 मार्च, 2024	आमंत्रित वक्ता	"अच्छे जीवन की तलाश में हिमालयी क्षेत्रों में गुरुंग जनजातियों का प्रवास: सिक्किमी गुरुंग जनजाति के विशेष संदर्भ में
रोनित थापा	डिजिटल डिज़ाइन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार	एमआईटी विश्व शांति विश्वविद्यालय, शांति अनुसंधान संस्थान, ओएसएलओ (पीआरआईओ) के साथ साझेदारी में, पुणे, महाराष्ट्र। 9-10 फरवरी 2024	आमंत्रित वक्ता	भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र पर आधार कार्ड एकीकरण का प्रभाव विश्लेषण
श्रेया तामांग	इक्कीसवीं सदी में भारत: मुद्दे और चुनौतियाँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन	सोनाडा डिग्री कॉलेज, आईक्यूएसी, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल के सहयोग से 18 मई 2023	आमंत्रित वक्ता	भारत में एकीकृत जांच चौकियों की स्थापना के विशेष संदर्भ में सीमा प्रबंधन के साधन के रूप में बुनियादी ढांचे का विकास

4. वर्ष 2023-24 के दौरान एमफिल उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	दीपेन थापा	तिब्बत में मानवाधिकार स्थितियों पर तिब्बती शरणार्थियों के दृष्टिकोण: दार्जिलिंग पहाड़ियों का एक अध्ययन	डॉ. दिनेश कुमार अहिरवार	2022	14/12/2023

5. 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फैलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1-	ज्ञानेन्द्र छेत्री	पुरुष	नेट

राजनीति विज्ञान विभाग

अध्यक्ष का नाम : प्रोफेसर (डॉ.) दुर्गा पी. छेत्री

परिचय :

वर्ष 2012 में स्थापित राजनीति विज्ञान विभाग सिक्किम विश्वविद्यालय के नए विभागों में से एक है। विभाग की स्थापना गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को ज्ञान, कौशल और चरित्र के साथ विकसित करने के प्रयास के उद्देश्य से की गई है, जिससे सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय विकास हो सके।

अन्य बातों के अलावा, विभाग निम्नलिखित लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करता है:

i. शिक्षण, अनुसंधान और प्रकाशन के माध्यम से ज्ञान के उन्नयन और प्रसार में योगदान देना;

ii. गुणवत्तापूर्ण और सामाजिक रूप से प्रासंगिक ज्ञान प्रदान करके उच्च शिक्षा में नेतृत्व प्रदान करना;

iii. छात्रों की योग्यता और कौशल का विकास करना ताकि वे चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो सकें;

iv. समानता, एकता और न्याय के मूल्यों को विकसित करना ताकि एक न्यायपूर्ण और मानवीय समाज का निर्माण हो सके जहां मानव व्यक्ति की गरिमा को बरकरार रखा जा सके।

प्रमुख क्षेत्र :

राजनीति विज्ञान विभाग वर्तमान में एम.ए. और पी.एच.डी. पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। विभाग पाँच मुख्य उपक्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करता है: राजनीतिक सिद्धांत, लोक प्रशासन, तुलनात्मक राजनीति, राज्य की राजनीति और लोकतंत्र, तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध। इनमें से प्रत्येक उपक्षेत्र में, संकाय नियमित रूप से ऐसे पाठ्यक्रम पढ़ाते हैं जो छात्रों को इन क्षेत्रों में आधारभूत कार्य और वर्तमान सक्रिय शोध विषयों से परिचित कराते हैं। विभाग और शिक्षकों के पास उद्योग और समाज की बदलती जरूरतों के अनुरूप नए कार्यक्रम और पाठ्यक्रम शुरू करने, मौजूदा पाठ्यक्रम सामग्री और पाठ्यक्रम में सुधार करने और उसे संशोधित करने का लचीलापन है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	27	27	31	31	37	19	56
एमफिल (अगारि कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
पीएचडी	-	-	-	-	-	-	-
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़	-	-	-	-	-	02	02

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/ एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. दुर्गा पी छेत्री	एमए, एमफिल, पीएचडी	प्रोफेसर	15.05.2014	01	06	-
2	डॉ. बिधान गोले	एमए, एमफिल, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	19.03.2012	01	-	-
3	श्री बुध बहादुर लामा	एमए	सहायक प्राध्यापक	02.06.2014	-	-	-
4	सुश्री स्वास्तिका प्रधान	एमए, एमफिल	सहायक प्राध्यापक	23.11.2015	-	-	-
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	सुश्री निकिता सुब्बा	एमए	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2.	सुश्री लतिका थामी	एमए, एमफिल	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	इंद्र कमल शर्मा	बीबीए	एमटीएस	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	सुरेन गुरुंग	8वीं कक्षा	एमटीएस	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण :

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1	गोले, बिधान, (2023) घर पर प्रवासी: गोरखा पहेली का एक मामला साउथ एशियन जर्नल ऑफ सोशियो-पॉलिटिकल स्टडीज, खंड संख्या XXIV, संख्या 1 (जुलाई-दिसंबर), पृ. 91-96	-	-	-	0972-4613

पुस्तकों का अध्याय

संकायों का नाम	प्रकाशन
दुर्गा पी छेत्री	छेत्री, दुर्गा पी (2023)। किसी को पीछे न छोड़ना: सतत विकास के लिए युवा और एजेंडा 2030, में - एस. देब और एस. देब (संपादक), *युवा विकास की पुस्तिका: भारत और उससे परे की नीतियाँ और दृष्टिकोण* (पृष्ठ 373-386) सिंगापुर: स्प्रिंगर, आईएसबीएन 978-981-99-4968-7

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
दुर्गा पी छेत्री	भारत में वैश्वीकरण जीवन-जगत और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	सिक्किम विश्वविद्यालय और हिरोशिमा विश्वविद्यालय, 16-17 मार्च 2024	संसाधन व्यक्ति	सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण: नीचे से ऊपर तक के दृष्टिकोण से स्थानीय सरकार का नया स्वरूप तैयार करना
दुर्गा पी छेत्री	वसुधैव कुटुंबकम : एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य पर 60वां आईपीएसए सेमिनार और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	एमजीएएच विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र 9-10 सितंबर 2024	मुख्य वक्ता	समकालीन भारत में विपक्ष की राजनीति
दुर्गा पी छेत्री	वसुधैव कुटुंबकम : एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य पर 60वां आईपीएसए सेमिनार और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	एमजीएएच विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र 9-10 सितंबर 2024	संसाधन व्यक्ति	2030 एजेंडा के आधे रास्ते पर: सतत विकास लक्ष्य और भारत में युवा
बिधान गोले	पूर्वी हिमालय में लोकप्रिय आंदोलन: प्रतिनिधित्व और चुनौती	सेंट जोसेफ कॉलेज, नॉर्थ पॉइंट, दार्जिलिंग, 9 नवंबर, 2023	आमंत्रित व्याख्यान	
बिधान गोले	साक्ष्य के रूप में भाषण: पूर्वी भूटान की लोककथा पुस्तक का लोकार्पण और चर्चा	सेंट जोसेफ कॉलेज, नॉर्थ पॉइंट, दार्जिलिंग, 11 सितंबर, 2023	आमंत्रित व्याख्यान	
बिधान गोले	नेपाली में भारतीय संविधान के संकलन और संपादन पर कार्यशाला	राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, 04.03.2023 – 09.03.2024	विशेषज्ञ	
बुध बी लामा	6वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	कोलकाता, पश्चिम बंगाल और 9 सितंबर, 2023	पेपर प्रस्तोता	पहचान की राजनीति: भारत में नेपाली समुदायों पर विमर्श
बुध बी लामा	6वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	कोलकाता, पश्चिम बंगाल और 9 सितंबर, 2023	सत्र की अध्यक्षता	पहचान की राजनीति और लोकलुभावनवाद
स्वस्तिका प्रधान	बिरसा मुंडा कॉलेज, हातिघीसा द्वारा स्वतंत्रता के 75 वर्ष: उत्तर बंगाल को समझना विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन	बिरसा मुंडा कॉलेज, हतीघिसा (पश्चिम बंगाल)	संसाधन व्यक्ति	प्रधान, एस (2023, जून)। *सीमपर जल प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका: भारत का एक अध्ययन।* , बिरसा मुंडा कॉलेज,

				हातिघिसा में स्वतंत्रता के 75 वर्ष: उत्तर बंगाल को समझना विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत।
स्वस्तिका प्रधान	बिहार सामाजिक विज्ञान अकादमी, राजनीति विज्ञान विभाग, लोक प्रशासन विभाग, एमयू बोधगया और आईआईपीए बिहार क्षेत्रीय शाखा, पटना द्वारा 'विकास, असमानता और न्याय' विषय पर तीसरा आयोजित बिहार सामाजिक विज्ञान कांग्रेस	मगध विश्वविद्यालय, बोधगया (बिहार)	आमंत्रित व्यक्ति	प्रधान, एस. (2023, मई)। *एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से नदी जल प्रबंधन।* तीसरे बिहार सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत शोधपत्र जिसका मुख्य विषय था: विकास, असमानता और न्याय', मगध विश्वविद्यालय, बोधगया (बिहार)।

3. वर्ष 2023-24 के दौरान ली गई शोध परियोजनाएं :

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/ जेआरएफ/एसआरएफ/आरए)
बिधान गोले	सिक्किम राज्य में विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने का प्रभाव मूल्यांकन	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड	04.11.2023 – 15.03.2024	रुपये 115000/-	4 क्षेत्र अन्वेषक
बुध बी लामा	डिचेनलिंग श्मशान परिसर, गंगटोक, सिक्किम के विकास और उन्नयन का प्रभाव मूल्यांकन	पावरग्रिड, भारत सरकार	1 वर्ष	पचास हजार	01

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र सं	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1.	भारत में वैश्वीकरण जीवन-जगत और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	अंतर्राष्ट्रीय	हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान	16-17 मार्च 2024	12	110	दुर्गा पी छेत्री

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	लिमानारो इमसोंग	पहचान की राजनीति और मतदान व्यवहार: नागालैंड की एओ और अंगामी जनजातियों का एक अध्ययन	डॉ. गड्डे ओम प्रसाद	2023	05.07.2023

2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1.	नामग्याल लेप्चा	पुरुष	यूजीसी-नेट
2.	संजू लामा	पुरुष	यूजीसी-नेट

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा दी जाने वाली परामर्श सेवाएँ, यदि कोई हों:

परामर्श परियोजना/कार्यक्रम/सेवा	परामर्श चाहनेवाले संस्थान	परियोजना/कार्यक्रम तिथियाँ और अवधि	परामर्श वित्तपोषण/सेवा शुल्क प्राप्त
तिब्बतोलॉजी कैडर प्रशिक्षण	पूर्वी कमान ब्लैक कैट डिवीजन, गंगटोक	फरवरी-मार्च 2024 छह सप्ताह	यूजीसी के मानदंडों के अनुसार मानदेय

समाजशास्त्र विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. डॉ. संध्या थापा

परिचय

समाजशास्त्र विभाग, जो पहले सामाजिक व्यवस्था और मानव विज्ञान विभाग था, की शुरुआत 2008 में तत्कालीन नव स्थापित सिक्किम विश्वविद्यालय के पहले विभागों में से एक के रूप में हुई थी। राज्य के लोगों के विकास और कल्याण के लिए व्यापक दृष्टिकोण के साथ, समाजशास्त्र विभाग ने छात्रों में समाजशास्त्रीय कल्पना को विकसित करने और समाजशास्त्रीय जांच के मूल्य को सिखाने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है, जिनमें से कई उच्च शिक्षा में प्रवेश करने वाली पहली पीढ़ी के हैं। हमारे काम का एक बड़ा हिस्सा अंतःविषय सीखने को प्रोत्साहित करना, लोगों की जीवित वास्तविकताओं का संज्ञान लेकर ज्ञान की खोज और विकास करना और उन पर बहस करना और उन्हें अनुशासन की सैद्धांतिक परंपराओं से जोड़ना है। संचालित विविध पाठ्यक्रम समाजशास्त्र में एमए और पीएचडी कार्यक्रमों को छात्रों के लिए फायदेमंद और प्रेरक बनाते हैं।

प्रमुख क्षेत्र : समाजशास्त्रीय सिद्धांत, शोध पद्धति, लिंग अध्ययन, धर्म, असमानता, जातीयता, सांस्कृतिक अध्ययन, प्रवासन, शिक्षा, सामाजिक आंदोलन और क्षेत्रीय अध्ययन

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	21		25		36	10	46
एमफिल (अगर कोई हो)					07	02	09
पीएचडी							
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)			02	02	03	01	04

2. संकायों का विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1.	प्रो. संध्या थापा	पीएचडी	प्रोफेसर	15.05.2014		5- पीएचडी	लागू नहीं
2.	प्रो. स्वाति ए. सचदेवा	पीएचडी	प्रोफेसर	20.10.2008		2- पीएचडी	लागू नहीं
3	डॉ. खंगेम्बाम इंदिरा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	28.03.2012		3- पीएचडी	लागू नहीं
4	श्री शंकर	एमफिल	सहायक	08.12.2015		लागू नहीं	लागू नहीं

	नारायण बाग		प्राध्यापक				
5	डॉ. सोना राई	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	16.09.2016		लागू नहीं	लागू नहीं
6	श्री बिनोद भट्टराई	एमफिल	सहायक प्राध्यापक	13.10.2017		लागू नहीं	लागू नहीं
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ एन जी थोरी	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं		लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	देव कुमार छेत्री	10वीं उत्तीर्ण	एमटीएस	28.08.2008 (एसयू संविदा)		लागू नहीं	लागू नहीं
2	इंद्र कमल शर्मा	स्नातक, बीबीए	प्रशासनिक कर्मचारी (एलडीसी)	11.05.2018 (बाह्य)		लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण
क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र
संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	सचदेवा, एस.ए. और डुक्पा, एल.टी. (2023) परिवर्तनशील पहचान: भारत में तिब्बती शरणार्थियों के जीवंत अनुभवों को समझना. द ईस्टर्न एंथ्रोपोलॉजिस्ट. 75: 3-4 (2023)	यूजीसी-केयर 777		धारावाहिक प्रकाशक	आईएसबीएन : 0012-8686
2.	इंदिरा, के., स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और ग्रामीण सिक्किम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रथाएँ। जर्नल ऑफ रुरल डिवैलपमेंट, खंड 42 संख्या (4) पृष्ठ 334-347(2023)। https://doi.org/10.25175/jrd/2023/v42/i4/157473	एल्सेवियर स्कोपस	**0.07**	राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान	0970-3357(प्रिंट)
3.	लेप्चा, एस. ए., और **थापा, एस.** (2023) पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग के लेप्चा के संदर्भ में अनुसूचित जनजातियों में उच्च शिक्षा। *एक्सप्लोरेशन : ई-जर्नल ऑफ इंडियन सोशियोलॉजीकल सोसाइटी*, 7 (1), 91-114	यूजीसी-केयर		*इंडियन सोशियोलॉजीकल सोसाइटी*	*2581-5741 ई-आईएसएसएन*

3. **वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
प्रो. संध्या थापा	सिक्किम में घटती प्रजनन दर को समझने के लिए अनुसंधान प्राथमिकता और रोडमैप की पहचान" पर विशेषज्ञ समूह की बैठक	गंगटोक, 10 जुलाई,2023	आमंत्रित वक्ता	सिक्किम के सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक संदर्भ में घटती कुल प्रजनन दर को समझना
प्रो. संध्या थापा	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र, नेहु, शिलांग (ऑनलाइन) 27.02.2024	संसाधन व्यक्ति	लिंग और विकास के प्रति दृष्टिकोण
प्रो. संध्या थापा	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र, नेहु, शिलांग (ऑनलाइन) 28.02.2024	संसाधन व्यक्ति	लिंग और विकास विमर्श: पूर्वोत्तर भारत से विचार
प्रो. संध्या थापा	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	महिला एवं बाल विकास विभाग, सिक्किम सरकार, चिंतन भवन, गंगटोक 8 मार्च, 2024	आमंत्रित वक्ता	'समावेश को प्रेरित करें' - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस *2024* का अभियान विषय
प्रो. संध्या थापा	भारतीय राज्यों में जीवन-जगत के वैश्वीकरण और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	राजनीति विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय और मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्नातक स्कूल, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान, 16-17 मार्च, 2024	आमंत्रित वक्ता	विकास और लैंगिक मुद्दे (सिक्किम के संदर्भ में पूर्वोत्तर भारत से विचार)
स्वाति ए सचदेवा और दुक्पा, एल.टी.	सामाजिक विज्ञान अध्ययन पर 6वां विश्व सम्मेलन (वर्चुअल))	20-22 जून 2024 वियना - ऑस्ट्रिया (वर्चुअल)	आमंत्रित वक्ता	संश्लेषित हिजड़ा पहचान और उसके शास्त्रीय, धार्मिक और सांस्कृतिक घटक - विद्यमान साहित्य की समीक्षा
के. इंदिरा	सिक्किम विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान का दशकीय उत्सव: चुनौतियाँ और आगे की राह	7-8 मार्च 2024, मानवशास्त्र विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय	प्रस्तोता	मणिपुर का लाई हरोबा महोत्सव; खुरखुल गांव का एक केस स्टडी
के. इंदिरा	अच्छा जीवन और विकास: सिक्किम और उसके बाहर के दृश्य इतिहास और संस्कृति की खोज	14-16 मार्च, 2024, सिक्किम विश्वविद्यालय	प्रस्तोता	सिक्किम में उपभोक्तावाद, ठोस अपशिष्ट और स्वच्छता
सोना राई	सीमांतता, अनिश्चितताएं और विश्व मानव विज्ञान : अतीत को जीवंत बनाना और भविष्य की कल्पना विषय पर आयोजित 19वीं आईयूएईएस-डबल्यूएयू विश्व मानव विज्ञान कांग्रेस 2023	14 से 20 अक्टूबर 2023, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत	प्रस्तोता	"शहरी सिक्किम में शैक्षिक अनुभव, विकल्प और आकांक्षाएँ: गंगटोक में निम्न आय वाले परिवारों के प्रवासी छात्रों और अभिभावकों का एक अध्ययन"
विवेका गुरुंग	48वां अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन	वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, 28 – 30 दिसंबर 2023	प्रस्तोता	सिक्किम में काम करने वाले नेपाली प्रवासी कुलियों का दैनिक

				जीवन: सामाजिक नेटवर्किंग और संकट से बचाव"
सोनम छोडेन	रोजमर्रा की जिंदगी में असमानता, परायापन और हिंसा पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (अंतरविषयक)	क्लूनी महिला कॉलेज, कलिम्पोंग 23 और 24 नवंबर, 2023	प्रस्तोता	संबद्धता और बहिष्कार: सिक्किम के रावंगला में तिब्बतियों के अनुभव।
अमित खवास	व्यसन मनोविज्ञान सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन	दिल्ली 10- अप्रैल 2023	प्रस्तोता	माता-पिता द्वारा मादक द्रव्यों के सेवन के शिकार किशोरों की भूमिका की पहचान पर पारिवारिक अंतरंगता संघर्ष और पालन-पोषण शैली का प्रभाव
अमित खवास	विस्थापन न्याय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	भारतीय विधि अध्ययन संस्थान सिलीगुड़ी 5 मई 2024	प्रस्तोता	विस्थापन मानसिक स्वास्थ्य, कानूनी सुरक्षा और बच्चों की भलाई के बीच संबंध की खोज - एक व्यवस्थित समीक्षा
अमित खवास	स्कूल मनोविज्ञान वैश्विक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करता है	ऑनलाइन मोड मद्रास विश्वविद्यालय 6 से 8 जनवरी 2022 (सर्वश्रेष्ठ पेपर को पुरस्कृत)	प्रस्तोता	कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूली शिक्षकों में बर्नआउट और खराब मानसिक स्वास्थ्य का जोखिम - नौकरी से संतुष्टि की मध्यस्थ भूमिका
अमित खवास	सामाजिक-राजनीतिक और न्यायिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से बहिष्कृत महिलाओं को सशक्त बनाना	8 अप्रैल 2022, सिलीगुड़ी भारतीय विधि अध्ययन संस्थान	प्रस्तोता	प्रतिनिधित्व और भागीदारी बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया की भूमिका
अमित खवास	अनुसंधान में एआई पर संकाय विकास कार्यक्रम पर कार्यशाला	8-11 जुलाई, 2024, सिलीगुड़ी आईआईएलएस	प्रतिभागी	
अमित खवास	नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला	7 से 13 फ़रवरी 2024	प्रतिभागी	

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की जाने वाली अनुसंधान परियोजनाएं:

संकाय सदस्य	**परियोजना शीर्षक**	**वित्तपोषक एजेंसी**	**परियोजना अवधि**	**प्राप्त कुल अनुदान**	**परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ/आरए)**
स्वाति ए. सचदेवा, वीनू पंत और कोमल सिंघा (2023)	प्रजनन पहेली: सिक्किम की घटती प्रजनन दर का आकलन	राष्ट्रीय महिला आयोग	1 वर्ष	13 लाख	1+12
वीनू पंत और स्वाति ए. सचदेवा (2023)	मुंडम: किरात खंबू (राय) अनुष्ठानों की आत्मा और सिक्किम की एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विरासत	आईसीएसएसआर	2वर्ष	7 लाख	2
प्रो. संध्या थापा	सिक्किम में आंगनवाड़ी लाभार्थियों की घटती संख्या पर एक अध्ययन	महिला एवं बाल विकास विभाग, सिक्किम सरकार	2 वर्ष	15,81,000	13+1

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र सं	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
	सिक्किम में पर्यावरण संबंधी चिंताएँ और सतत विकास	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्याल	21 मार्च 2024	संदीप तांबे, सरला खलिंग, जेनी बेंटले और काच्यो लेप्चा	एसयू के शिक्षक और छात्र	के.इन्दिरा

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रधान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1	सुदित्य सापकोट्टा	कांटेक्चुएलाइजिंग दलित कंसियसनेस इन सिक्किम एंड द दार्जिलिंग हिल्स	प्रो. स्वाति ए. सचदेवा	2022	2023
2	शोमित चौधरी	द रिल्म ऑफ स्पिरिचुएलिटी एज सोशिओलॉजिकल कोनूण्ड्रम : ए केस स्टडी ऑफ द आर्ट ऑफ लिविंग फ़ाउंडेशन	प्रो. स्वाति ए. सचदेवा	2022	2023

4. वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1	रिंचेन भूटिया	महिला	जेआरएफ. (दिसंबर, 2023)
2.	ज्ञानदीप कलिता	पुरुष	नेट (दिसंबर, 2023)
3	लीयॉन्गमिट लेप्चा	महिला	नेट (दिसंबर, 2023)
4.	शेराप पामु भूटिया	महिला	नेट (दिसंबर, 2023)

5. वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
डॉ ल्हामू शेरिंग दुक्पा	पीएचडी उपाधि प्राप्त	हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय	श्रीनगर (उत्तराखंड)
डॉ सृजना सिंह सार्की	पीएचडी उपाधि प्राप्त	सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय	गंगटोक, सिक्किम
सृष्टिका तामांग	चतुर्थ सेमेस्टर	ग्रामीण विकास विभाग	गंगटोक
सोंगकिट लेप्चा	वही	शिक्षा विभाग	मंगन
कर्म नवांग शेंगा	वही	महिला एवं बाल विकास विभाग	पाक्योंग

नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ: एम.ए. के लिए शिक्षण परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम तैयार करना और कार्यान्वयन।

(ii) मानव विज्ञान विद्यापीठ

मानवशास्त्र विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. के.आर.राम मोहन

परिचय

सिक्किम विश्वविद्यालय में मानवशास्त्र विभाग का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के पाठ्यक्रम ढांचे के अनुसार मानवशास्त्र में गहन ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। स्नातकोत्तर और पीएचडी दोनों कार्यक्रम छात्रों को मुख्य मानवशास्त्रीय विषयों के साथ-साथ मानव विज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों में विशेष और व्यावहारिक ज्ञान में एक मजबूत आधार देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमए/एमएससी) विशेष रूप से महत्वपूर्ण सोच, समस्या समाधान और क्षेत्र के लिए प्रासंगिक अनुसंधान कौशल के विकास पर जोर देता है। हमारे विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में बुनियादी और व्यावहारिक मानवशास्त्रीय विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला की पढ़ाई कराई जाती है, जिससे छात्रों को अपनी रुचियों, जरूरतों और कैरियर के लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए अपनी उच्च शिक्षा को तैयार करने में सहायता मिलती है। छात्रों के पास मानव विज्ञान के विभिन्न और/या संबंधित क्षेत्रों में वैकल्पिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला में से विषयों को चुनने का लचीलापन और विकल्प हैं। मानव विज्ञान पाठ्यक्रम में मानव विज्ञान में गहन ज्ञान और कौशल के साथ-साथ अपने स्वयं के जीवन, समुदायों और मानव समाज से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में जटिल समस्याओं का समाधान करने के लिए इस ज्ञान को लागू करने की क्षमता भी होगी।

प्रमुख क्षेत्र :

मानवशास्त्र विभाग मुख्य रूप से पूर्वोत्तर भारत पर ध्यान केंद्रित करता है। मुख्य जोर सांस्कृतिक मानव विज्ञान, भौतिक मानव विज्ञान और पुरातत्व मानव विज्ञान पर है। विभाग छात्रों और विद्वानों को न केवल इस क्षेत्र और अध्ययन के क्षेत्रों तक सीमित शोध करने के लिए प्रोत्साहित करता है, बल्कि अन्य क्षेत्रों और विषयों पर भी शोध करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसका समग्र उद्देश्य अध्ययन के तहत घटना को समग्र रूप से समझना है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
स्नातकोत्तर	18	18	9	9	21	7	18
एमफिल (अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
पीएचडी	05	-	-	-	4	1	5
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी (अगर कोई हो)	2	-	-	-	2		2
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़	-	-	-	-	-	-	-

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/ एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	के.आर. राम मोहन	पीएचडी	प्रोफेसर	5-5-2014	36:01	पीएचडी (छह)	-
2	नीतीश मंडल	पीएचडी	प्रोफेसर	16-10-24	80:23	एम.फिल. (दो) पीएचडी (पांच)	01
3	माईबाम सैमसन सिंह	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक (चरण3)	24-04-14	20:01	पीएच.डी. (दो)	-
4	करिश्मा के. लेप्चा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	28-04-14	16:04	पीएचडी (दो)	-
5	जेम्स.वी. हाओकिप	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	23-08-17	02: 0	पीएचडी (दो)	-
6	गरिमा ठाकुरिया	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	25-08-17	06: 0	एमफिल(दो) पीएचडी (दो)	-
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	रोंगन्यू लेप्चा	पीएचडी	अतिथि संकाय	19.09.2023	05: 0	लागू नहीं	लागू नहीं
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

	नाम	अर्हता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	लागू नहीं		
1	सुदीप बिश्वास	रीजनेरेटिव मेडिसिन में बीएससी डिप्लोमा	तकनीकी सहायक	2-12-15	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण

जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	दलीबंधु पुक्कल्ला और के आर राम मोहन (2023) दक्षिण भारत में समुद्री मछली पकड़ने वाला समुदाय और तकनीकी परिवर्तन के प्रभाव। ***एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट***, 32(2): 196-207		0.08	सेज	10185291
1.	राई आर, **मंडल एन.** (2023) सिक्किम, भारत की महिलाओं में रजोदर्शन में विलंब के साथ कम अंक अनुपात (2डी:4डी) का संबंध। *एंथ्रोपोल रिव्यू* 86 (3):29-40। डीओआई: https://doi.org/10.18778/1898-6773.86.3.02	यूजीसी केयर स्कोपस	0.51	लॉड्ज़ यूनिवर्सिटी प्रेस	1898-6773
2.	रॉय सी और **मंडल एन**. (2023) महिलाओं में एंडोमेट्रियोसिस के वैश्विक जोखिम: एक मूल्यांकन, *यूर जे क्लिन एक्सप मेड* 2023; 21 (2): 405–415, डीओआई: 10.15584/ejcem.2023.2.27	यूजीसी केयर स्कोपस	0.94	रेज़्ज़ोव विश्वविद्यालय पब्लिशिंग हाउस	2544-1361
3	देवताले पी, **मंडल एन**. (2023) भारत में तपेदिक की व्यापकता और रुझान। *यूर जे क्लिन एक्सप मेड* 2023; 21 (4): 853–862	यूजीसी केयर स्कोपस	0.94	रेज़्ज़ोव विश्वविद्यालय पब्लिशिंग हाउस	2544-1361
4	रॉय एसएस, सिकदर एम, **मंडल एन**.,क्रिस्टीना शेफ़लर सी, डेटलेफ़ ग्रोथ डी, और हरमनुसेन एम. उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद के प्रति दृष्टिकोण को राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण में निकाला जा सकता है। *ह्यूमन बायोलॉजी एंड पब्लिक हैल्थ* 2.https://doi.org/10.52905/hbph2023.2.72	समकक्ष समीक्षित	शून्य	जर्नल ऑफ ऑक्सोलॉजिकल सोसायटी	2748-9957
5	दास सी और **मंडल एन**.2023. कामरूप मेट्रो और कामरूप ग्रामीण में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम की ग्रामीण शहरी तुलना। *ऑनलाइन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड अलाइड साइंसेज* 2023;23 (1):3 https://www.ojhas.org/issue84/2022-4-3.html.	यूजीसी केयर स्कोपस	शून्य		0972-5992
1.	राई एस, सिंह एमएस (2023) सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत में उच्च रक्तचाप के जोखिम कारक के रूप में मोटापा, आयु और लिंग। *एंथ्रोपोलॉजी (ब्रनो)* 61(2):167-179। डीओआई:https://doi.org.10.26720/anthro.23.04.24.1	यूजीसी-केयर सूची	0.2	एंथ्रोपोस इंस्टीट्यूट मोराबियान म्यूज़ियम	0323-1119

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
करिश्मा के.लेप्चा	2024. 'सिक्किम हिमालय का गैस्ट्रोनॉमिक इलाका', उत्तम लाल के साथ सह-लेखक। में - चौधरी, एस, डी.पी. नाथ और डी. शर्मा (संपादक) फूड कल्चर्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली: मनोहर, आईएसबीएन: 978-9360808556

4. वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
प्रो. के.आर. राम मोहन	सिक्किम विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान का दशकीय उत्सव: चुनौतियाँ और आगे की राह	सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, 7 मार्च, 2024	संसाधन व्यक्ति	
प्रो. के.आर. राम मोहन	19वीं आईयूएईएस-डबल्यूएयू, विश्व मानव विज्ञान पोस्ट-कांग्रेस	हैदराबाद विश्वविद्यालय, 26-27 अक्टूबर 2023	पैनल संयोजक	भौतिकता का डिजिटलीकरण: डिजिटल युग में संग्रहालय
प्रो. के.आर. राम मोहन	पहला अंतर-ध्रुवीय सम्मेलन: आर्कटिक को तीसरे ध्रुव से जोड़ना	आईसीआईएमओडी, काठमांडू, 6-8 सितंबर, 2023	पेपर प्रस्तोता	पहाड़ियाँ कितना भार उठा सकती हैं? एक छोटे हिमालय के परिवर्तन पर दृष्टिकोण
प्रो. के.आर. राम मोहन	पर्यावरण, संस्कृति और जातीय विविधता पर: हिमालय और उप-हिमालयी क्षेत्रों से आख्यान	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय 15-16 दिसंबर, 2023	संसाधन व्यक्ति	समकालीन जलवायु परिवर्तन के साथ मानवविज्ञानी का जुड़ाव: जलवायु नृवंशविज्ञान की आवश्यकता
प्रो. के.आर. राम मोहन	लिंग और दलित अध्ययन में नये रुझान	इतिहास विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय 11-12 दिसंबर, 2023	मुख्य वक्ता	ऐतिहासिक अन्यीकरण: जाति, उत्पीड़ितों के बहिष्कार का एक व्यवस्थित रूप है
प्रो. नीतीश मंडल	सिक्किम विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान का दशकीय उत्सव: चुनौतियाँ और आगे की राह	मानवशास्त्र विभाग, 7-8 मार्च, 2024	संसाधन व्यक्ति	भारत में कुपोषण का दोहरा बोझ: एक विरोधाभास
करिश्मा के. लेप्चा	एशियाई अध्ययन संघ 2024 वार्षिक सम्मेलन	सिएटल, डब्ल्यूए, यूएसए, मार्च 14-17, 2024	पेपर प्रस्तोता	लेप्चा स्वदेशीता और भारत में स्वदेशी होने के स्तरित अनुभव'
करिश्मा के. लेप्चा	ऑक्सिडेंटल कॉलेज	कैलिफोर्निया, यूएसए, 7 मार्च, 2024	आमंत्रित वक्ता	सिक्किम हिमालय में टूटे पुलों के पार प्यासे शिकारी और गैर-मानव ससुराल वाले
गरिमा ठाकुरिया	युवा लोकगीतकारों का 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मैदान से परे: 21वीं सदी में फील्डवर्क, रीगा, लातविया.	लातविया की राष्ट्रीय लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस सेंटर हॉल डी, मुकुसलास इला 3, रीगा, लातविया और 13 - 15 सितंबर, 2023	पेपर प्रस्तोता	सिक्किम के लेप्चा समुदाय के बीच *लोंगत्साओक* परंपरा

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं :

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ/आरए)
प्रो. नीतीश मंडल	सामान्य मानसिक स्वास्थ्य विकारों के लिए निरंतर कोर को मजबूत करने और विकसित करने के लिए एक हस्तक्षेपीय अध्ययन	आईसीएमआर, नई दिल्ली	3 वर्ष	8.91 लाख	02
डॉ. जेम्स वी. हाओकिप	मुक्त प्रवाह वाली नदियों में सामुदायिक प्रबंधित मछली संरक्षण क्षेत्रों का अनुकरण करना	क्रिटिकल इकोसिस्टम पार्टनरशिप फंड (सीईपीएफ)	1 वर्ष	आईआईएचएस के माध्यम से बेंगलुरु (कुल राशि स्थानीय सह-अन्वेषक पर लागू नहीं है)	1

5. वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1.	सिक्किम विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान का दशकीय उत्सव: चुनौतियाँ और आगे की राह	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली और एएनएसआई, कोलकाता	07/03/2024 – 08/03/2024	तीन	लगभग 120	डॉ. गरिमा ठाकुरिया और डॉ. जेम्स वी. हाओकिप

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना:

क्र.सं.	उपकरणों का विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी		उद्देश्य	अनुमानित उपायोग (%)
1	एनेरोइड स्फिग्मोमैनोमीटर (बीपी मॉनिटर) 06	16/03/2024	15000	सिक्किम विश्वविद्यालय	फर्नीचर और फिक्सचर सहित अन्य बुनियादी ढांचा, SU/FIN/F-3/2023-24/81/445 (26) दिनांक 17/08/23	प्रयोगशाला उपयोग	100%
2	कार्डियो स्टेथोस्कोप (मेडिकल ग्रेड) 05	16/03/2024	13500	सिक्किम विश्वविद्यालय	फर्नीचर और फिक्सचर सहित अन्य बुनियादी ढांचा, SU/FIN/F-3/2023-24/81/445 (26) दिनांक 17/08/23	प्रयोगशाला उपयोग	100%
3	स्लाइडिंग कैलिपर (मार्टिन प्रकार) 03	16/03/2024	10500	सिक्किम विश्वविद्यालय	फर्नीचर और फिक्सचर सहित अन्य बुनियादी ढांचा, SU/FIN/F-3/2023-24/81/445 (26) दिनांक 17/08/23	प्रयोगशाला उपयोग	100%
4	स्प्रेडिंग कैलिपर 03	16/03/2024	10950	सिक्किम विश्वविद्यालय	फर्नीचर और फिक्सचर सहित अन्य बुनियादी ढांचा, SU/FIN/F-3/2023-24/81/445 (26) दिनांक 17/08/23	प्रयोगशाला उपयोग	100%

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान : 02

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1	योगेश शर्मा	सिक्किम के नेपालियों के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ और पोषण संबंधी स्थिति	डॉ. माईबाम सैमसन सिंह	07-12-2022	19-6-23
2	निशा थापा	पूर्वी हिमालय के लिंबस में धार्मिक परिदृश्य और पहचान निर्माण में बदलाव	प्रो. के.आर. राम मोहन	1-8-2022	2-6-23

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1.	प्रो. नीतीश मंडल	सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय प्रकाशन पुरस्कार (2022) (अधिसूचना की तिथि 8-6-2023)

6. **वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :**

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
डॉ. सांगे डिकी भूटिया	पोस्ट डॉक फेलो	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, सिक्किम सरकार, सिक्किम	गंगटोक, सिक्किम
डॉ. मोंगफिंग लेप्चा	पीएचडी शोधार्थी	सामुदायिक चिकित्सा विभाग, सी.आर.एच., गंगटोक, सिक्किम	गंगटोक, सिक्किम
डॉ समीक्षा राई	पीएचडी शोधार्थी	सामुदायिक चिकित्सा विभाग, सी.आर.एच., गंगटोक, सिक्किम	गंगटोक, सिक्किम
आरती मंगर	पीजी. छात्र	प्रोटोकॉल विभाग, सिक्किम सरकार	साल्ट लेक, कोलकाता

सिक्किम विश्वविद्यालय में दिनांक 7 से 8 मार्च, 2024 के दौरान मानव विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा मानव विज्ञान का दशकीय उत्सवरू चुनौतियाँ और आगे का रास्ता विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

भूगोल विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. सोहेल फिरडोस

परिचय :

भूगोल विभाग की स्थापना 2010 में की गई थी। यह सैद्धांतिक ज्ञान को अनुभवजन्य विश्लेषण के साथ मिश्रित करने का प्रयास करता है, तथा स्वयं को मजबूत क्षेत्र-आधारित अनुसंधान, विशेष रूप से पूर्वी हिमालय पर केंद्रित करता है। विभाग में छात्रों को स्थानिक विश्लेषण की कला से परिचित कराने के लिए एक उच्च-स्तरीय जीआईएस प्रयोगशाला है। हम भूगोल में एम.ए./एम.एससी. पाठ्यक्रम संचालित करते हैं तथा पीएच.डी. कार्यक्रम चलाते हैं। आठ शोध विद्वानों ने उत्तरी सिक्किम में सतत आजीविका, ईंट भट्ठा उद्योग और पर्यावरण परिवर्तन, दक्षिण सिक्किम के जल संसाधन, आपदा प्रबंधन के लिए स्वदेशी ज्ञान, ग्लेशियरों की बदलती प्रकृति, पहाड़ी क्षेत्रों में याक का महत्व तथा दार्जिलिंग में जल आपूर्ति पर विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हुए सफलतापूर्वक ओएचडी शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है। संकाय सदस्य क्रायोस्फीयर, पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था के बीच अंतःक्रिया, पूर्वोत्तर भारत का राजनीतिक भूगोल, सामाजिक-स्थानिक बहिष्करण, शहरी शासन और पर्यटन भूगोल के बारे में अपनी समझ साझा करने के लिए उत्साहित हैं। विभाग ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों के संघ के एक भाग के रूप में दो प्रमुख अखिल भारतीय शोध परियोजनाएं पूरी की हैं, जिनमें से पहली क्रायोस्फीयर पर है, जिसे डीएसटी द्वारा वित्तपोषित किया गया है, जबकि दूसरी पहाड़ियों से पलायन को रोकने के लिए आजीविका के अवसरों पर केंद्रित है, जिसे नीति आयोग और यूजीसी द्वारा वित्तपोषित किया गया है। विभाग ने जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण परिवर्तन और पर्वतीय क्षेत्रों की स्थिरता पर चर्चा को प्रोत्साहित करने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों की मेजबानी भी की है।

प्रमुख क्षेत्र

विभाग के प्रमुख क्षेत्रों में सतत शहरी विकास, आजीविका के मुद्दे, प्रवासन, आदिवासी महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के स्थानिक आयाम, सीमावर्ती क्षेत्र, पशु भूगोल, चाय बागान, परिवहन भूगोल, नदी भू-आकृति विज्ञान, जल संसाधन प्रबंधन और भारतीय हिमालयी क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने के साथ साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण शामिल हैं।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
स्नातकोत्तर	25		26		42	09	51
एमफिल (अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
पीएचडी	05				3	2	5
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़	-	-	-	-	-	-	-

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रो. सोहेल फिरदोस	पीएचडी	प्रोफेसर	27.02.2012	22 एच-इंडेक्स: 4	07	01

2	प्रो. अमित कुमार	पीएचडी	प्रोफेसर	29.12.2023	82, एच-इंडेक्स 28	05	09
3	डॉ. अब्दुल हन्नान	पीएचडी	सह प्राध्यापक	15.12.2024	17 एच-इंडेक्स 2	02	-
4	डॉ. उत्तम लाल	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	27.02.2012	18, एच-इंडेक्स 2	03	-
5	डॉ. ई. ईश्वरजीत सिंह	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	01.02.2012	18, एच-इंडेक्स 2	04	-
6	डॉ. राजेश कुमार	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	06.10 2020	35, एच-इंडेक्स 13	03	-
7	डॉ. अनंत गौतम	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	19 दिसंबर 2023	10 एच-इंडेक्स 5	-	-
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	तुलसी शर्मा	एमएससी भूगोल	प्रयोगशाला सहायक	03/05/2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	सत्यजीत सिंह	बीए	प्रयोगशाला परिचारक	08/03/2021	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण :

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1	शर्मा, सी. और **फिरडोस, एस.** (2024) सिक्किम, भारत में जैविक खेती के विशेष संदर्भ के साथ टिकाऊ कृषि परिवर्तन: एक भौगोलिक परिप्रेक्ष्य। *इंडियन जर्नल ऑफ स्पैटियल साइंस*, विशेष अंक 15 (ए) 2024, पृ. 81-88।		0.97	भारतीय स्थानिक विज्ञान सोसायटी	2249-3921
2	किशोर, बी.एस.पी.सी., **कुमार, ए.,** सैकिया, पी. (2024) भारत के पश्चिमी घाटों में क्रोमोलेएनए ओडोरेटा और लैंटाना कैमरा की आक्रमण क्षमता को समझना: वर्तमान और भविष्य के जलवायु परिदृश्यों के तहत एक पारिस्थितिक आला मॉडलिंग दृष्टिकोण। *इकोलॉजिकल इन्फॉर्मेटिक्स*, 66: 101455, (2024)https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S1574954123004545.		5.8	एल्सेवीयर	1574-9541

3	सैकिया, पी., कुमार, एस., **कुमार, ए.** (2024)। रांची, पूर्वी भारत के पेरी-अर्बन वनस्पति का पादप जनसंख्या मानचित्रण और मात्रात्मक मूल्यांकन। *ट्रॉपिकल इकोलॉजी* 65, 212–223, (2024) https://doi.org/10.1007/s42965-024-00342-z		1.1	स्प्रिंगर नेचर	2661-8982
4	उप्रेती, एम. और **कुमार, ए.** (2023) शहरी विकास की विशेषता के लिए लैंडस्केप मॉडलिंग और दिल्ली-एनसीआर में पारिस्थितिकीय बुनियादी ढांचे पर इसका प्रभाव: एसडीजी हासिल करने का एक तरीका। *फिजिक्स एंड कैमिस्ट्री ऑफ द अर्थ*, 131: 103444, (2023) https://doi.org/10.1016/j.pce.2023.103444		3.0	एल्सेवीयर	1873-5193
5	प्रकाश, ए., दीक्षा, और **कुमार, ए.** (2023) पर्सिस्टेंट स्कैटरर्स इंटरफेरोमेट्री एसएआर (पीएसआईएनएसएआर) रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके पटना शहरी समूह के ऊर्ध्वाधर शहरी विकास को मापना। रिमोट सेंसिंग, 15(14), 3687, (2023);https://doi.org/10.3390/rs15143687, आईएफ़: 5.0.		4.2	एमडीपीआई	**2072-4292**
6	दीक्षा, **कुमार, ए.,** सैकिया, पी, श्रीवास्तव पी.के. (2023()). हिमालयी शहरी समूहों में पारिस्थितिक बुनियादी ढांचे पर मानव-प्रेरित प्रभाव इकोलॉजिकल फ्रंटियर्स, 44(1): 84-95 (2023).https://doi.org/10.1016/j.chNAcs.2023.07.005		4.7	एल्सेवीयर	1872-2032
7	अहमद, टी., पांडे, ए.सी., **कुमार, अमित**, तिर्की, ए. (2023) कश्मीर घाटी, पश्चिमी हिमालय में संभावित बाढ़ के जलप्लावन में सतही अपवाह के संबंध को समझना,*फिजिक्स एंड कैमिस्ट्री ऑफ द अर्थ*,https://doi.org/10.1016/j.pce.2023.103423		3.0	एल्सेवीयर	1873-5193
8	**कुमार, ए.,** उप्रेती, एम., पांडे, ए.सी., सैकिया, पी., और खान, एम.एल. (2023) भारत के छोटा-नागपुर पठार में शहरी और पेरी-अर्बन क्षेत्रों में हीट आइलैंड्स और सिंक के विकास में लैंडस्केप परिवर्तन का योगदान,*रिसोर्सेस*, 12, 58:1-25 (2023). https://doi.org/10.3390/resources12050058		3.6	एमडीपीआई	**2079-9276**
9	शाह, ए.ए., राचमन, एम.जी., **कुमार, आर.,** वशिष्ठ, ए., दशोरा, ए., महूर, एम. (2024) पूर्व-निर्धारित टेक्टोनिक सबसिडेंस बाढ़ के खतरों को नियंत्रित करता है और अनियोजित शहरीकरण प्लियोसीन से होलोसीन कश्मीर बेसिन, उत्तर-पश्चिमी हिमालय में बाढ़ आपदाओं पर हावी है। क्वाट. साइंस. एडीवी. *14, 100173 (2024)* https://doi.org/10.1016/j.qsa.2024.100173		2.9	एल्सेवीयर	2666-0334
10	**गौतम**, **ए.** और राय**,** एस.सी.. (2023) भारत के उत्तर प्रदेश के ऊपरी दोआब क्षेत्र में भूजल संसाधनों का हाइड्रो-भू-रासायनिक लक्षण वर्णन और गुणवत्ता मूल्यांकन *फ्रंटियर एनवाइरानमेंटल साइन्स*., 11:1193979 https://doi.org/10.3389/fenvs.2023.1193979	स्कोपस सूचीबद्ध यूजीसी केयर ग्रुप II	3.3	फ्रंटियर्स	2296-665X
12	शर्मा, एम और **लाल, यू** (2024) पूर्वोत्तर भारत के इडु-मिश्मी परिदृश्य में शिकार के कई अर्थों को समझना जियोजर्नल (2024) 89:80 https://doi.org/10.1007/s10708-024-11083-w		2	स्प्रिंगर नेचर	0343-2521

पुस्तकें

संकाय सदस्य/शोधार्थी	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
प्रो. अमित कुमार	**कुमार, ए.,** श्रीवास्तव, पी.के., सैकिया, पी., मल्ल, आर.के. (संपादक) (2023) *अर्थ अब्ज़र्वेशन इन अर्बन मॉनिटरिंग : टेकनिक्स एंड चैलेंजेस*, एल्सेवियर: यूएसए, आईएसबीएन: 9780323991643, यूआरएल पर उपलब्ध :https://www.sciencedirect.com/book/9780323991643/earth-observation-in-urban-monitoring, .
डॉ. अब्दुल हन्नान	हन्नान, ए. (2024) द *स्मलहोल्डर टी इकॉनमी एंड रिजनल डिवैलपमेंट : पर्सपेक्टिव्स फ्रम इंडिया*, स्प्रिंगर नेचर स्विट्ज़रलैंड। आईएसबीएन: 978-3-031-51812-6https://doi.org/10.1007/978-3-031-51812-6

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
प्रो. अमित कुमार	शाह, एम.ए.आर., ऑर्चर्ड, एस., क्रेज़बर्ग, ई., ब्रागा, डी., दास, एन., डायस, ए., कंडासामी, के., किब्रिया, ए. एस.एम.जी., **कुमार, ए.**, मिन, डब्ल्यू.डब्ल्यू., पांडे, पी., रईस, एम., सहाय, एस., सैकिया, पी., स्कोज़ाफ़वा, एस., शर्मा, एस.बी., स्वामी, एस.एल., कुमार ठाकुर, टी., वासेउर, एल., और एंड्रेड, ए. (2024) जलवायु शमन और जैव विविधता संरक्षण: वैश्विक कार्बन बाज़ारों में प्रगति और प्रमुख मुद्दों की समीक्षा और पारिस्थितिकी तंत्र पर संभावित प्रभाव, ग्लैंड, स्विटज़रलैंड : आईयूसीएन डीओआई : https://doi.org/10.2305/WGZI5482, .ISBN: 978-2-8317-2285-6.
प्रो. अमित कुमार	**कुमार, ए.,** उप्रेती, एम., एक्का, पी., प्रसाद, ए., सैकिया, पी., श्रीवास्तव, पी.के. (2024)। शहरी निगरानी में पृथ्वी अवलोकन का परिचय। में : अर्थ अब्ज़र्वेशन इन अर्बन मॉनिटरिंग : टेकनिक्स एंड चैलेंजेस, कुमार, ए., श्रीवास्तव, पी.के., सैकिया, पी., मॉल, आर. (संपादक), अध्याय 1, एल्सेवियर आईएनसी. पृ. 1-22. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-99164-3.00004-5. आईएसबीएन : 9780323991643
प्रो. अमित कुमार	**कुमार, ए.,** पांडे, ए.सी., दीक्षा 2023. शहरी भू-पर्यावरणीय खतरे के जोखिम और भेद्यता विश्लेषण के लिए भू-सूचना। में : अर्थ अब्ज़र्वेशन इन अर्बन मॉनिटरिंग : टेकनिक्स एंड चैलेंजेस, कुमार ए, श्रीवास्तव पी.के., सैकिया पी., मल्ल आर. (संपादक) एल्सेवियर आईएनसी., अध्याय 15, पृ. 309-338। https://doi.org/10.1016/B978-0-323-99164-3.00010-0. आईएसबीएन: 9780323991643.
प्रो. अमित कुमार	उप्रेती, एम., प्रसाद, ए., कुमार, ए., श्रीवास्तव, पी.एस., सैकिया, पी.* (2024)। रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके शहरी पारिस्थितिकी स्थितियों की निगरानी। में : अर्थ अब्ज़र्वेशन इन अर्बन मॉनिटरिंग : टेकनिक्स एंड चैलेंजेस, कुमार ए, श्रीवास्तव पी.के., सैकिया पी., मल्ल आर. (संपादक) एल्सेवियर आईएनसी., अध्याय 12, पृष्ठ 251-270. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-99164-3.00006-9 . आईएसबीएन 9780323991643
प्रो. अमित कुमार	उप्रेती, एम., सैकिया, पी., शिल्की, लाल, पी., **कुमार, ए.** (2024)। शहरीकरण की दुनिया में प्रमुख चुनौतियाँ और रहने योग्य शहरों के लिए पृथ्वी अवलोकन की भूमिका. में : अर्थ अब्ज़र्वेशन इन अर्बन मॉनिटरिंग : टेकनिक्स एंड चैलेंजेस, कुमार ए, श्रीवास्तव पी.के., सैकिया पी., मल्ल आर. (संपादक) एल्सेवियर आईएनसी., अध्याय 2, पृष्ठ 23-52. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-99164-3.00002-1. आईएसबीएन : 9780323991643
प्रो. अमित कुमार	शिल्की, ईक्का, पी., उप्रेती, एम., **कुमार, ए.,** सैकिया, पी. (2024)। टिकाऊ शहरी वातावरण के लिए प्रकृति आधारित समाधान और पारिस्थितिकी शहरी नियोजन और डिजाइन। में : अर्थ अब्ज़र्वेशन इन अर्बन मॉनिटरिंग : टेकनिक्स एंड चैलेंजेस, कुमार ए, श्रीवास्तव पी.के., सैकिया पी., मल्ल आर. (संपादक) एल्सेवियर आईएनसी., अध्याय 16, पृष्ठ 339-358. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-99164-3.00005-7. आईएसबीएन : 9780323991643.
प्रो. अमित कुमार	ईक्का, पी., उप्रेती, एम., शिल्की, सैकिया, पी., **कुमार, ए.,** पांडे, पी.सी., श्रीवास्तव, पी.के. (2023)। शहरी नीतियों के लिए पृथ्वी अवलोकन और शहरी पर्यावरण अनुसंधान के लिए भविष्य के रास्ते. में : अर्थ अब्ज़र्वेशन इन अर्बन मॉनिटरिंग : टेकनिक्स एंड चैलेंजेस, कुमार ए, श्रीवास्तव पी.के., सैकिया पी., मल्ल आर. (संपादक) एल्सेवियर आईएनसी., **अध्याय 18**. पृष्ठ. 375-388. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-99164-3.00018-5. आईएसबीएन: 9780323991643.
प्रो. अमित कुमार	सैकिया, पी., ईक्का, पी., उप्रेती, एम., शिल्की, **कुमार, ए.** (2023) पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु लचीलेपन के लिए शहरी हरित स्थान। में : पेलग्रेव हैंडबुक ऑफ सोशियो-इकोलॉजिकल रेजिलिएंस इन द फेस ऑफ क्लाइमेट चेंज: कॉन्टेक्स्ट फ्रॉम ए डेवलपिंग कंट्री, नौटियाल, एस., गुप्ता, ए.के., गोस्वामी, एम., खान, वाई.डी.आई. (संपादक), अध्याय 23, स्प्रिंगर नेचर-पेलग्रेव, मैकमिलन, पृष्ठ 389-409, आईएसबीएन: 9789819922055. https://doi.org/10.1007/978-981-99-2206-2_23.
प्रो. अमित कुमार	शिल्की, पात्रा, एस., ईक्का, पी., कुमार, ए., सैकिया, पी., खान, एम.एल. (2023) जलवायु परिवर्तन : जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी सेवाओं और सतत विकास के लिए एक बड़ी चुनौती। में : पेलग्रेव हैंडबुक ऑफ सोशियो-इकोलॉजिकल रेजिलिएंस इन द फेस ऑफ क्लाइमेट चेंज: कॉन्टेक्स्ट फ्रॉम ए डेवलपिंग कंट्री, नौटियाल, एस., गुप्ता, ए.के., गोस्वामी, एम., खान, वाई.डी.आई. (संपादक), अध्याय 33, स्प्रिंगर नेचर-पैलग्रेव, मैकमिलन, पृष्ठ 577-592 आईएसबीएन 978-9819922055. https://doi.org/10.1007/978-981-99-2206-2_33.
प्रो. अमित कुमार	पात्रा, एस., शिल्की, **कुमार, ए.**, सैकिया, पी.* (2023) जल संसाधन पर भूमि उपयोग प्रणालियों और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: भारतीय परिप्रेक्ष्य। में : एड्वान्सेस इन वॉटर रिसोर्स प्लानिंग एंड सस्टेनेबिलिटी, राई, पी.के. (संपादक), अध्याय 6, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड, पृष्ठ 97-110 https://doi.org/10.1007/978-981-99-3660-1_6. आईएसबीएन: 9789819936595.
प्रो. अमित कुमार	शिल्की, किशोर, बी.एस.पी.सी., कुमार जी, सैकिया, पी., **कुमार, ए.** (2023), वन पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और बहाली के लिए प्रजाति वितरण मॉडलिंग का अनुप्रयोग। में: इकोसिस्टेम एंड स्पेसिस मोडेलिंग फॉर कंजर्वेशन एंड रिस्टोरेशन, ध्यानी, एस., अधिकारी, डी., कदवेरुगु, आर. (संपादक), अध्याय 13, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड, पृष्ठ 249-264. https://doi.org/10.1007/978-981-99-0131-

	9_13. आईएसबीएन : 9789819901302. 2 मई 2023
मोहन शर्मा	शर्मा, एम. (2023) कांकी: इदु मिश्मी नेचर वॉरियर। में : अय्यादुरई, ए और ममता, पी. (संपादक), मोर देन जस्ट फ़ुटनोट्स: वाइल्डलाइफ़ रिसर्च एंड कंज़र्वेशन में फ़ील्ड असिस्टेंट, बुकवेल पब्लिकेशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन: 978-81-95887-13-2

4. वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति :

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
प्रो. सोहेल फिरडोस	र्यावरण, आजीविका और विकास में उभरते मुद्दे : टिकाऊ पृथ्वी की दिशा में भविष्य का रोड मैप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, 26-28 जनवरी, 2024	संसाधन व्यक्ति	भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) में शहरी स्थिरता: मुद्दे, चुनौतियाँ और अवसर
प्रो. सोहेल फिरडोस	44वां आईआईजी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, 23.012024	आमंत्रित वक्ता	सार्वजनिक नीतियां और सामाजिक कल्याण का भूगोल
प्रो. सोहेल फिरडोस	एनईपी-2020-पूर्वोत्तर परिप्रेक्ष्य	राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, 28 जुलाई, 2023	आमंत्रित वक्ता	एनईपी 2020-पूर्वोत्तर भारत में पर्यावरण अनुसंधान और नवाचार का दायरा
प्रो. सोहेल फिरडोस	हिमालयी और उप-हिमालयी क्षेत्र में शहरीकरण, शहरी पर्यावरण और स्थिरता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, 1-2 जुलाई, 2023	संसाधन व्यक्ति	पूर्वोत्तर भारत का शहरी अनुभव: एक सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य
प्रो. सोहेल फिरडोस	भौगोलिक अध्ययन में हालिया प्रगति: एक बहुआयामी दृष्टिकोण	रामपुरहाट कॉलेज, 02.09.2023	संसाधन व्यक्ति	भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) में आजीविका के अवसरों और प्रवासन के बीच अंतर्संबंध: साक्ष्य आधारित नीति निर्माण की दिशा में
डॉ. अनंत गौतम	44वीं आईआईजी वार्षिक बैठक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	गुवाहाटी, असम; 22-24 जनवरी 2024.	आमंत्रित वक्ता	गौतम, ए. (2024, जनवरी) *भारत में गर्म झरनों के सामाजिक संबंधों का विश्लेषण।* 44वें आईआईजी वार्षिक बैठक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर, भूगोल विभाग, कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, भारत.
डॉ. उत्तम लाल	सीमा अध्ययन में क्षेत्रों और विषयों के बीच सेतुबंधन पर संगोष्ठी	तेलिन विश्वविद्यालय, एस्टोनिया, 17-20 जनवरी, 2024	वक्ता	सिक्किम हिमालय की बर्फीली सीमा पर पुनः सीमा निर्धारण
डॉ. ई. ईश्वरजीत सिंह	द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय नदी कांग्रेस और द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सतत पर्वतीय विकास और पर्यटन	पोखरा, नेपाल। 6-8 अक्टूबर, 2023	वक्ता	समकालीन स्वदेशी अधिकार और हाइड्रो पावर बांध पर पुनर्विचार: सिक्किम का एक केस स्टडी
डॉ. ई. ईश्वरजीत सिंह	शहरीकरण और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सतत शहरों के लिए जलवायु परिवर्तन रणनीतियाँ पर XVIII अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 5-7 मार्च 2024	वक्ता	दार्जिलिंग में औपनिवेशिक चाय बागान और प्रवासी श्रमिक
डॉ. अब्दुल	सतत वृक्षारोपण प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी-	राष्ट्रीय वृक्षारोपण प्रबंधन	वक्ता	दार्जिलिंग चाय, भारत में चाय

हन्नान	आईएसएसपीएम 2023	संस्थान, श्रीलंका 4 अगस्त 2023		अर्थव्यवस्था के विखंडन की चुनौतियां और अवसर (डिक्चेन गोले और अब्दुल हन्नान)
डॉ. अब्दुल हन्नान	एंथ्रोपोसीन युग में पर्यावरण मानविकी : पारिस्थितिक न्याय और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	फ़ज़ल अली कॉलेज, मोकोकचुंग, नागालैंड 4-5 अक्टूबर 2023	आमंत्रित वक्ता	कृषि पर्वतीय पर्यावरण और बाजार: एक अपवित्र गठजोड़
डॉ. अब्दुल हन्नान	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के पचास वर्ष : उपलब्धियों, प्रवृत्तियों और दिशाओं का आकलन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	पांडु कॉलेज, गुवाहाटी, असम 15-16 मार्च 2024	आमंत्रित वक्ता	अंतरिक्ष आर्थिक संबंध और भारत में चाय अर्थव्यवस्था के विभेदक परिणाम
डिक्चेन गोले	सतत वृक्षारोपण प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसएसपीएम)	राष्ट्रीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान वृक्षारोपण उद्योग मंत्रालय श्रीलंका, 04-06 अगस्त, 2023		दार्जिलिंग चाय, भारत में चाय अर्थव्यवस्था के विघटन की चुनौतियां और अवसर
डिक्चेन गोले	हिमालयी और उप-हिमालयी क्षेत्र में शहरीकरण, शहरी पर्यावरण और स्थिरता पर दो दिवसीय आईसीएसएसआर-ईआरसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी	भूगोल विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय। 01 -02 जुलाई, 2023		लैंडफिल के बारे में लोगों की धारणा और मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर इसका प्रभाव, मार्टम, सिक्किम
मोहन शर्मा	माउंटेन इकोसिस्टम और संसाधन प्रबंधन पर ग्रीष्मकालीन फील्ड स्कूल (हाइब्रिड)	फ़ेहर सास पैंज़ियो, बुक्क पर्वत, हंगरी 10-20 सितंबर, 2023		मिश्मी ताकिन की जीवनी: भारत के अरुणाचल प्रदेश के इदु मिश्मी परिदृश्य में एक स्वतंत्र पशु की भूमिका कैसे बदल गई। (आभासी मोड में प्रस्तुत)
मोहन शर्मा	सिक्किम विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान का दशकीय उत्सव: चुनौतियां और आगे का रास्ता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	मानव विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम। 7-8 मार्च, 2024		"स्थानों का प्राकृतिकीकरण और मानव-प्रकृति संबंधों में परिवर्तन: इडु-मिश्मी सीमा परिदृश्य का एक मामला"।
चेतराज शर्मा	"भौगोलिक अध्ययन में हालिया प्रगति: एक बहुआयामी दृष्टिकोण" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	रामपुरहाट कॉलेज, पश्चिम बंगाल, 1-2 सितंबर, 2023		"सिक्किम में जैविक खेती के विशेष संदर्भ के साथ सतत कृषि परिवर्तन: एक भौगोलिक परिप्रेक्ष्य"
प्रेविशिका राई, शोधार्थी	"हिमालयी और उप-हिमालयी क्षेत्र में शहरीकरण, शहरी पर्यावरण और स्थिरता" पर आईसीएसएसआर-ईआरसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	भूगोल विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय। 01 - 02 जुलाई, 2023		*लैंडफिल के बारे में लोगों की धारणा और मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर इसका प्रभाव*, मार्टम, सिक्किम।
प्रेविशिका राई, शोधार्थी	गुणात्मक अनुसंधान विधियों और एटलस का उपयोग करके विश्लेषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला	समाजशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय 21-25 अगस्त 2023.		
प्रेविशिका राई, शोधार्थी	*'पर्यावरण, आजीविका और विकास में उभरते मुद्दे: टिकाऊ पृथ्वी की दिशा में भविष्य का रोड मैप'* पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	भूगोल और अनुप्रयुक्त भूगोल विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय। 26 - 28 जनवरी, 2024		सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी: सिक्किम के राकडोंग-टिनटेक में स्वयं सहायता समूहों से अंतर्दृष्टि।
जितेंद्र दास	45वीं भारतीय भूगोल कांग्रेस, राष्ट्रीय भूगोल संघ, भारत का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनएजीआई)	भूगोल विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे (एसपीपीयू) में 14 से 16		औपनिवेशिक बागान अर्थव्यवस्था और प्रवासन: दार्जिलिंग चाय बागान का एक केस स्टडी

		दिसंबर 2023 तक।		
रंजना अधिकारी, शोधार्थी	"हिमालयी और उप-हिमालयी क्षेत्र में शहरीकरण, शहरी पर्यावरण और स्थिरता" पर दो दिवसीय आईसीएसएसआर-ईआरसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी	भूगोल विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय। 01 - 02 जुलाई, 2023		अधिकारी. आर. (2024). "तेजी से शहरीकृत हो रहे गंगटोक, सिक्किम में टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन" डॉ. अरिंदम बसाक और डॉ. इंदिरा लेप्चा नी लामा. "शहरीकरण और शहरी पर्यावरण: स्थिरता की ओर एक रास्ता"(215-232) नोशन प्रेस, भारत
रंजना अधिकारी, शोधार्थी	एटलस का उपयोग करते हुए गुणात्मक अनुसंधान विधियां और विश्लेषण।	समाजशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय 21-25 अगस्त 2023		
रंजना अधिकारी, शोधार्थी	भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने सीएसआईआर और आईएसआरएस के सहयोग से 'पर्यावरण, आजीविका और विकास में उभरते मुद्दे: टिकाऊ पृथ्वी की दिशा में भविष्य का रोड मैप' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रायोजित किया।	भूगोल और अनुप्रयुक्त भूगोल विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय.26 - 28 जनवरी, 2024.		सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी: सिक्किम के राकडोंग-टिनटेक में स्वयं सहायता समूहों से अंतर्दृष्टि।

5. वर्ष 2022-23 **के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:**

क्र सं	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	केवल संख्या		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	'पृथ्वी अवलोकन के लिए रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग' पर कार्यशाला	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	18-22 मार्च 2024	02	20	प्रो. अमित कुमार

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना:

क्र.सं.	उपकरण का विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी	उद्देश्य	अनुमानित उपयोग (%)
1.	इलेक्ट्रिक डस्ट ब्लोअर (बॉश जीबीएल 620)	14.12.2023	2,890	सिक्किम विश्वविद्यालय	प्रयोगशाला उपयोग	उदाहरणार्थ 2019-20 के दौरान 85%
2.	डेल सर्वर (पॉवरएज T560)	26.03.2024	9,90,875	सिक्किम विश्वविद्यालय	साझा स्टोरेज स्थान के लिए प्रयोगशाला का उपयोग	

वर्ष 2023-24 के दौरान एमफिल उपाधि प्रदान : 01

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1	दक्षिणा तामांग	सिक्किम हिमालय में तीस्ता बेसिन के बाढ़ क्षेत्रों में निर्मित क्षेत्रों का आकलन	डॉ. राजेश कुमार	27.12.2022	11.08.2023

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान : 01

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	दुलोन सरकार	पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में परिवहन की कमियों और परिवहन के मध्यवर्ती साधनों के उद्भव का मानचित्रण	डॉ. अब्दुल हन्नान	11.05.2023	20.12.2023

6. वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1.	प्रो. अमित कुमार	फुलब्राइट-नेहरू अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फेलोशिप (अनुसंधान) 2023-2024
2.	डॉ उत्तम लाल	ला ट्रोब एशिया विजिटिंग फेलो, 2024। ला ट्रोब विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया.

7. वर्ष 2023-24 **के दौरान विभाग/केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा आउटरीच कार्यक्रम और समुदायों को शामिल करना (यदि कोई हो)**

1. सिक्किम विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के सहयोग से 05 जून, 2023 को पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया।
2. एमए फाइनल सेमेस्टर के छात्र (2022-24 बैच) 16-31 दिसंबर, 2023 के दौरान फील्डवर्क आयोजित किया गया और छात्रों को पश्चिम बंगाल के डुआर्स क्षेत्र में ग्रामीण समुदायों, वनवासियों, चाय अर्थव्यवस्थाओं और आजीविका, मानव-पशु संघर्ष, भू-आकृति विशेषताओं आदि के बारे में जानने और उनसे बातचीत करने का अवसर मिला।

वर्ष 2023-24 **के दौरान नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ**

विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप मास्टर डिग्री और डॉक्टरेट शोध के पाठ्यक्रम को डिजाइन करने के लिए पाठ्यक्रम समीक्षा समिति (एसआरसी) की कई बैठकें आयोजित कीं। विभाग के संकाय सदस्यों ने एनईपी के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लिया। संशोधित पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से लागू किया गया है।

मनोविज्ञान विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. (डॉ.) स्नेहलता जसवाल

परिचय :

मनोविज्ञान विभाग विश्वविद्यालय में सबसे लोकप्रिय विभागों में से एक है, जिसमें सौ से अधिक छात्र स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं, जिसे हाल ही में एनईपी 2020 के तत्वावधान में नया रूप दिया गया है। इसका उद्देश्य मनोविज्ञान के नए और उभरते क्षेत्रों के लिए जिज्ञासा पैदा करना और जीवन के विविध क्षेत्रों में मनोविज्ञान को लागू करने के लिए विशेषज्ञता और उत्साह पैदा करना है। यह उम्मीद की जाती है कि छात्र जागरूक, सतर्क और सक्रिय नागरिक बनेंगे जो सिक्किम और व्यापक समाज के सांस्कृतिक संदर्भ में सार्थक रूप से योगदान देंगे।

महत्वपूर्ण क्षेत्र :

विभाग का केन्द्रबिन्दु नैदानिक मनोविज्ञान से विविध होकर संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, संगठनात्मक मनोविज्ञान आदि जैसे हालिया रुझानों को शामिल कर रहा है। पाठ्यक्रम का व्यापक केंद्र बिन्दु एनईपी 2020 के अंतःविषयक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमो का नाम	सेमेस्टर					कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	12	12	19	19	24	20	14	56
स्नातकोत्तर	21	21	20	20	-	32	9	41
पीएचडी	3	1	1	2	2	9	0	9
यूजीसी-नेट-जेआरएफ़ (पीएचडी में)	-	-	-	-	2	2	0	2

2. संकाय विवरण (2023-2024)

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. स्नेहलता जसवाल	एम.फिल और पीएचडी	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष	30.6.2023	प्रकाशन = 01 गूगल एच इंडेक्स = 10	एम फिल = शून्य पीएचडी = 2.5	
2	डॉ. सत्यानंद पांडा	एम.फिल और पीएचडी	प्रोफेसर	27.2.2012	प्रकाशन 08 गूगल एच इंडेक्स = 5	एमफिल= शून्य पीएचडी=01	शून्य
3	डॉ. सुमनिमा राय	एम.फिल और पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	07.10.2020	प्रकाशन 01 गूगल एच इंडेक्स = 1	पीएचडी =2	एसयू परियोजना=1
4	सनम राज	एमए	सहायक प्राध्यापक	10.05.2023	0	0	0

अतिथि संकाय							
1	डॉ. सेरा वांगड़ी	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	सुश्री अलीशा छेत्री	एमए	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3	सुश्री सिंचेल लिंगज़ेरपा	एमए	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	सुश्री अन्नू कुमारी	बीएससी	प्रयोगशाला सहायक	30.08.2017	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण :

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	गोले, ए. और **जसवाल, एस.** (2024) मानसिक स्वास्थ्य पर वैवाहिक समायोजन के प्रभाव के मध्यस्थ के रूप में आध्यात्मिकता। *इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग* 2024, 15(1), 24-29lhttps://iahrw.org/our-services/jourNAls/indian-jourNAl-of-health-wellbeing/	*नहीं*	-	भारतीय स्वास्थ्य, अनुसंधान और कल्याण संघ	2229-5356 (प्रिंट) 2321-3698 (ऑनलाइन)
1.	कश्यप, के., और **पंडा,एस**. (2023) कैंसर रोगियों में मनोसामाजिक और शारीरिक समायोजन पर कथित बीमारी और आत्म-दोष की भूमिका, भारत: टाइप डी व्यक्तित्व का संयत प्रभाव। *भारतीय मनोरोग विज्ञान के इतिहास*, 7(1), 60-70l**doi:** 10.4103/aip.aip_45_23. वैबसाइट **:** www.anip.co.in	*हाँ*	-	वोल्टर्स क्लूवर – मेडनो	2588-8358 (प्रिंट) 2588-8366 (ऑनलाइन)
2.	कल्पना, एल., और **पंडा**, **एस. (2023)** मादक द्रव्य के सेवा संबंधी विकारों वाले रोगियों के देखभाल करनेवाले जीवनसाथियों में अवसाद और जीवन की गुणवत्ता पर संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा की प्रभावशीलता। *जर्नल ऑफ रिसर्च एंड हेल्थ*, **13(4), 255-262**। (यूजीसी केयर-लिस्टेड: स्कोपस)। http://dx.doi.org/10.32598/JRH.13.4.2196.1	*हाँ*	-	गोनाबाद यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, ईरान	2423-5717
3.	कल्पना, एल., और **पंडा**, **एस. (2023)** मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों वाले रोगियों में जीवन साथी की चिंता और जीवन की गुणवत्ता पर संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी। *इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी*, **50(2), 22-27.** (यूजीसी केयर-लिस्टेड: स्कोपस) www.ijcp.co.in	*हाँ*	-	इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट	0303-2582 (प्रिंट); 2249-7889 (ऑनलाइन)
4.	दर्नाल, एस., **पंडा, एस.,** नम्रता और चेत्री, ए. (2023) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर वाले बच्चों में संवेदी प्रसंस्करण, भावनात्मक और व्यवहार संबंधी चुनौतियाँ। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीज़*, 1-11. डीओआई : 10.1080/20473869.2023.2277601	*हाँ*	-	टेलर और फ्रांसिस	2047-3877 (ऑनलाइन)
5.	कश्यप, के., **पंडा, एस.,** और भूयाँ, बी. (2024) तूफान से बचना : बचपन के आघात की व्यक्तिगत कहानियों के माध्यम से जीवन की खोज करना। *इंडियन जर्नल ऑफ*	*हाँ*	*2.8*	सेज	0253-7176 (प्रिंट), 0975-

	साइकोलॉजिकल मेडिसिन, 1–9। प्रभावी कारक: 2.8.डीओआई : https://doi.org/10.1177/02537176241228032 [यूजीसी केयर सूची, पब मेड सेंट्रल (पीएमसी) स्कोपस और ईएससीआई] -				1564 (ऑनलाइन)
6.	दर्नाल, एस., **पंडा, एस.,** और अमृता (2023) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले छोटे और बड़े बच्चों में संवेदी प्रसंस्करण और सामाजिक कार्य। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी,* 11(2), 1309-1321। (सहकर्मी-समीक्षित)। डीआईपी: 18.01.141.20231102, डीओआई: 10.25215/1102.141	***नहीं***	-	रेडशाइन प्रकाशक	2348-5396 (ऑनलाइन) / 2349-3429 (प्रिंट)
7.	शर्मा, ए., और **पंडा, एस.** (2023) सिक्किम के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाने वाले किशोरों में साइबरबुलिंग और भावनात्मक बुद्धिमत्ता। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी,* 11(4), 2800-2809। (सहकर्मी-समीक्षित), डीओआई: 10.25215/1104.263	***नहीं***			2348-5396 (ई); 2349-3429 (पी)
8.	बसुमतारी, यू., और **पंडा, एस.** (2024) पूर्वी सिक्किम के स्कूल जाने वाले किशोर लड़के और लड़कियों में अकेलापन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड इंजीनियरिंग डेवलपमेंट*, 7(2), 277-284। (सहकर्मी-समीक्षित)।	***नहीं***		वैज्ञानिक और शैक्षणिक अनुसंधान प्रकाशन	2581-7175 (ऑनलाइन)

पुस्तकें : **शून्य**
पुस्तकों का अध्याय : 01

संकाय सदस्य	**प्रकाशन**
डॉ. सुमनिमा राई	राय, एस और अपोन, जे. (2023) ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे। स्वैन, बी. (संपा.) में: *भारत में एलजीबीटीक्यू समुदाय के सामाजिक और शैक्षिक मुद्दे* (पृष्ठ 22-23), कुनाल बुक्स। आईएसबीएन: 978-93-95651-82-0

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति** :

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
पंडा, एस.	एडिक्शन साइकोलॉजी सोसायटी का पहला वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (एएनएससीएपी-2023)	नई दिल्ली (भारत) (10-11 मार्च 2023)	--	शून्य

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम: शून्य
वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना: शून्य
वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान : 01

क्र.	**प्रार्थी**	**शोध प्रबंध का शीर्षक**	**पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक**	**प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष**	**उपाधि प्राप्त करने की तिथि**
1	सोनू दर्नाल	पश्चिम बंगाल में बच्चों में संवेदी प्रसंस्करण के मनोवैज्ञानिक सहसंबंध, विशेष रूप से ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और अतिसक्रिय विकार को कम करने के संदर्भ में।	प्रो. एस. पांडा/ डॉ. नम्रता	11.07.2023	12.12.2023

वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1.	सुश्री कल्पना लैंगखम	महिला	यूजीसी
2.	श्री रिंचुंग सांगे	पुरुष	यूजीसी
3.	श्री राजा प्रियतम	पुरुष	यूजीसी

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
सुश्री सोनू दर्नाल	पीएचडी	बिजय कृष्णा गर्ल्स कॉलेज	हावड़ा
सुश्री तेजोस्विता गोगोई	पीएचडी	डाउन टाउन विश्वविद्यालय	गुवाहाटी
श्री रिंचुंग सांगे	पीजी	एसयू मनोविज्ञान परियोजना	सिक्किम विश्वविद्यालय
सुश्री प्रतीक्षा थापा	पीजी	डीएलए-प्रेरएनए- एनजीओ	दार्जिलिंग
सुश्री यशिता भट्टाचार्जी	पीजी	दिल्ली पब्लिक स्कूल, काउंसलर और साइकोलॉजी टीचर	सिलीगुड़ी
श्री राजा प्रियतम	पीजी	इंडलस साइकियाट्रिक हॉस्पिटल, विजयवाड़ा	विजयवाड़ा

विभाग/केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा आउटरीच कार्यक्रम और समुदायों को शामिल करना (यदि कोई हो)

1. पीजी I के छात्रों ने अपने पाठ्यक्रम के अनुसार इंटर्नशिप गतिविधियों के लिए स्पास्टिक सोसाइटी, गंगटोक का दौरा किया।
2. नैदानिक मनोविज्ञान विशेषज्ञता वाले पीजी III छात्रों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए 3 महीने के लिए एसटीएनएम, गंगटोक के मनोचिकित्सा विभाग का दौरा किया।
3. पीजी IV छात्रों ने 1 महीने की इंटर्नशिप के लिए एसटीएनएम, गंगटोक; उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, पश्चिम बंगाल; सीआईपी, रांची; मेघालय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एमआईएमएचएएनएस), शिलांग, मेघालय; राज्य मानसिक अस्पताल, मिदपु पापुम पारे, अरुणाचल प्रदेश; और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, ढाका, बांग्लादेश के मनोचिकित्सा विभागों का दौरा किया।

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ

शैक्षणिक वर्ष **2023-24** के दौरान, विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार पीजी पाठ्यक्रम में परिवर्तन करके पीजी मनोविज्ञान में एनईपी को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। पिछले सत्र में, एनईपी **2020** को यूजी मनोविज्ञान कार्यक्रम में लागू किया गया था।

(iii) भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ

भूटिया विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : येशे नामग्याल भूटिया

परिचय :

सिक्किम विश्वविद्यालय में भूटिया विभाग की स्थापना 1 अगस्त 2016 को हुई थी, जो भूटिया भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। शुरुआत में, विभाग की शुरुआत दो संकाय सदस्यों, एक एसोसिएट प्रोफेसर और एक सहायक प्रोफेसर के साथ हुई थी, दोनों ही अनुबंध के आधार पर थे। पिछले कुछ वर्षों में, विभाग ने दो स्थायी संकाय सदस्यों को जोड़कर उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, वर्तमान में, विभाग में पाँच संकाय सदस्यों की एक टीम है, जिसमें दो सहायक प्रोफेसर, एक अनुबंध के आधार पर एसोसिएट प्रोफेसर और दो अतिथि संकाय शामिल हैं।

प्रमुख क्षेत्र :

भूटिया विभाग दो वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो छात्रों को भूटिया भाषा, साहित्य इतिहास और संस्कृति का गहन ज्ञान प्रदान करता है। एक महत्वपूर्ण विकास में, विभाग ने भूटिया अध्ययन में उन्नत शोध की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इस शैक्षणिक वर्ष से पीएचडी कार्यक्रम शुरू किए हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 21

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	10	11					21
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी							
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़							

संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/ एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	येशे नामग्याल भूटिया	(एमए भूटिया) (एमए बौद्ध दर्शन)	सहायक प्राध्यापक	5 अक्टूबर 2020 नियमित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	डॉ. कुंजांग नामग्याल	(एमए/पीएचडी)	सहायक प्राध्यापक	1 मई 2023	01	लागू नहीं	लागू नहीं

				नियमित			
3	बाईचुंग छिरिंग भूटिया	(एमए बौद्ध दर्शन)	सह प्राध्यापक	1 अगस्त 2016 अनुबंध पर	01	लागू नहीं	लागू नहीं
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	मिकी दोरजी लेप्चा		अतिथि संकाय	19 सितंबर 2022	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

क. प्रकाशनों का विवरण

ख: पुस्तकें

संकाय सदस्य	**आईएसबीएन के साथ प्रकाशन**
कुंजांग नामग्याल (2023)	नामग्याल, के., (2023). ཐོ་རང་སྐར་ཆེན། *मॉर्निंग स्टार. आईएसबीएन*: 978-9359-15502-9
बाइचुंग छिरिंग त्सेचुदर्पा (2023)	त्शेचुदरपा, बाईचुंग छिरिंग (2023). *རེ་ཆེ་ཆ་གཉིས་པ། भूटिया उपन्यास भाग*-II.

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
डॉ. कुंजांग नामग्याल	टोन और इंटोनेशन पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 15-20 नवंबर-2023 सिंगापुर हाइब्रिड मोड	18-20 नवंबर सिंगापुर	वक्ता	प्रारूप *1:* (सम्मेलन कार्यवाही में प्रकाशित पेपर)। लेखक, नामग्याल के., और सेउंगहुन जे ली, जूलियन वी. *(2023)* पेपर का शीर्षक- *ड्रेनजॉन्गके (भूटिया) में विपरीतता: एक इलेक्ट्रोग्लोटोग्राफ़िक अध्ययन।*

4. वर्ष 2023-24 **के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:**

क्र.सं	**कार्यक्रम का शीर्षक**	**राष्ट्रीय अथव अंतर्राष्ट्रीय**	**वित्तपोषक एजेंसी**	**तिथि**	**संख्या केवल**		**संयोजक/समन्वयक का नाम**
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
	भूटिया में शब्दावली का सामंजस्य और नवीनता	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	13 और 14 मार्च 2024.	श्री सोनम ग्यात्सो दोखांगपा, भूटिया विद्वान, लेखक और सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक, सिक्किम सरकार	50	येशे नामग्याल भूटिया (प्रभारी) भूटिया विभाग

5. वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर और देश)
पासांग छिरिंग भूटिया	IV	सोरेंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिक्किम सरकार।	दक्षिण सिक्किम. सोरेंग
दोर्जी ओंगडी भूटिया	IV	पेलिंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिक्किम सरकार।	पश्चिम सिक्किम. पेलिंग
चुकिला भूटिया	IV	माउंट जियोन स्कूल, गंगटोक	पूर्वी सिक्किम. गंगटोक
कर्मा एडेन भूटिया	IV	नील तारा स्कूल, गंगटोक	पूर्वी सिक्किम. गंगटोक
पासांग ल्हामु भूटिया	-	एमईजीएसएचएलए(एनजीओ)	पूर्वी सिक्किम. गंगटोक
सोनम चुकी भूटिया	-	एमईजीएसएचएलए(एनजीओ)	पूर्वी सिक्किम. गंगटोक
दावा ल्हामू भूटिया	-	बागवानी विभाग, सिक्किम सरकार	दक्षिण सिक्किम, रालांग
फुर्जा भूटिया	-	नामची सीनियर सेकेंडरी, स्कूल	दक्षिण सिक्किम, नामची
केसांग चोडेन भूटिया	-	यांगसुम पीआर लामा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिक्किम सरकार	पश्चिम सिक्किम, यांगसम।

चीनी विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. धृति रॉय

परिचय: सिक्किम विश्वविद्यालय के भाषा और साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत चीनी विभाग पूरे पूर्वोत्तर भारत में पहला और एकमात्र ऐसा विभाग है जो चीनी में निम्नलिखित पूर्ण डिग्री और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम कार्यक्रम संचालित करता है; जैसे - चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एनईपी 2020 से प्रेरित, ऑनर्स और शोध के साथ ऑनर्स), दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम, डॉक्टरेट कार्यक्रम और चीनी में छह महीने/1 सेमेस्टर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

जुलाई 2010 में स्थापित चीनी विभाग ने तब से गहन आधुनिक चीनी भाषा प्रशिक्षण के साथ-साथ चीनी अध्ययन में एक व्यापक शैक्षणिक कार्यक्रम चलाया है। स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम देश भर के कुछ सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों जैसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, विश्वभारती विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित सिनोलॉजिस्ट द्वारा डिजाइन किए गए हैं।

यहां संचालित पाठ्यक्रम राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर विश्वविद्यालयों, संस्थानों और प्रबुद्ध मंडलों की शैक्षणिक और व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

प्रमुख क्षेत्र : विभाग का मुख्य क्षेत्र सिनोलॉजिकल अध्ययन (चीन के प्राचीन, आधुनिक और समकालीन इतिहास, दर्शन और साहित्य तथा शास्त्रीय चीनी का अध्ययन) है, साथ ही उच्च स्तरीय अनुवाद और व्याख्या गतिविधियों के लिए कौशल विकास में आधुनिक मंदारिन भाषा शिक्षण और प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम		सेमेस्टर					कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	छठा	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	23	16	23	21	13	12	11	48	59
स्नातकोत्तर	02	00	07	07	लागू नहीं	लागू नहीं	01	08	09
एमफिल (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
पीएचडी	00								
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)	कोई नहीं								
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़	कोई नहीं								

2. संकाय विवरण

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/ एम.कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. धृति रॉय	चीनी भाषा में एमए, पीएचडी [विश्वभारती, शांतिनिकेतन], चीनी भाषा में यूजीसी नेट जेआरएफ, एसआरएफ	सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	27.02.2012	30	जारी : 03 उपाधि प्रदान :01	00
2	श्री मरोमती बरुआ	चीनी भाषा में एम.ए., एम.फिल.	सहायक	29.04.2014	00	00	00

		[जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली], चीनी भाषा में यूजीसी नेट	प्राध्यापक				
3	श्री इरफान अहमद	चीनी भाषा में एम.ए., एम.फिल. [जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली], चीनी भाषा में यूजीसी नेट जेआरएफ़	सहायक प्राध्यापक	08.12.2015	06 (3 प्रेस में)	00	00
4	डॉ. स्नेहल अजीत उलमान	चीनी भाषा में एमए, एम.फिल, पीएचडी [जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली], चीनी भाषा में यूजीसी नेट जेआरएफ	सहायक प्राध्यापक	18.02.2021	06	00	00
5	डॉ. आदित्य कुमार पांडे	चीनी भाषा में एमए, एम.फिल, पीएचडी [जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली], चीनी भाषा में यूजीसी नेट जेआरएफ-एसआरएफ	सहायक प्राध्यापक	08.12.2023	06	00	00
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	कोई नहीं		लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	सुश्री स्नुमित टार्गेन	चीनी भाषा में एम.ए. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)	लागू नहीं	01.07.2014	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	सुश्री मीनू थापा	कला स्नातक	यूडीसी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	सुश्री एलिजाबेथ थापा	कला स्नातक (राजनीति विज्ञान)	यूडीसी	01.01.2024	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3	श्री सोनम छिरिंग भूटिया	कक्षा बारहवीं उत्तीर्ण	सहायक कर्मचारी	30.08.2017	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण

जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	रॉय, धृति (जनवरी 2024) "अतीत के आईने में वर्तमान को देखना: इतिहास के माध्यम से भारत-चीन संबंधों के अध्ययन में नए दृष्टिकोणों की खोज", में - *कलकत्ता जर्नल ऑफ ग्लोबल अफेयर्स*, खंड 8, अंक 1, आईएसएसएन: 2582-2241, पृ. 79-97	यूजीसी-केयर ग्रुप I कला और मानविकी उद्धरण सूचकांक, क्रम संख्या 437	लागू नहीं	पूर्वी एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय अध्ययन अनुसंधान केंद्र, कोलकाता (सेंटर-के)	2582-2241
2.	रॉय, धृति (नवंबर 2023) "पाठ्य संदर्भों से लेकर प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व तक: चीनी बौद्ध परंपरा में बोधिसत्व मंजुश्री की विकास यात्रा", *धर्मदूत में*, 2567 बी.ई., खंड 89, आईएसएसएन: 2347-3428, पृष्ठ 49-65।	यूजीसी-केयर ग्रुप I कला और मानविकी उद्धरण सूचकांक, क्रम संख्या 444	लागू नहीं	महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, अनागरिक धर्मपाल इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पाली एंड बुद्धिस्ट स्टडीज, सारनाथ, वाराणसी (यूपी), भारत	2347-3428
3.	पांडे, आदित्य कुमार (2023), "भारत और चीन में प्राचीन मातृसत्तात्मक साम्राज्य: महाभारत के स्त्रीराज्य और पश्चिम की यात्रा के नुएर गुओ का एक केस स्टडी", *इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर)*, खंड 5, अंक 6, नवंबर-दिसंबर 2023, ई-आईएसएसएन: 2582-2160।	लागू नहीं	9.24	*इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर)*,	2582-2160

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
डॉ. धृति रॉय	"भारत-चीन सभ्यता संपर्क के विस्मृत प्रसंगों का पुनः अवलोकन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "	सिक्किम विश्वविद्यालय 17 जून 2023	संयोजक के रूप में आमंत्रित वक्ता चर्चाकर्ता एवं अध्यक्ष पेपर प्रस्तोता	भारत और चीन के बीच बौद्ध सांस्कृतिक तत्वों के प्रसार और आत्मसात में मध्यस्थ स्थानों की भूमिका: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और उनकी वर्तमान प्रासंगिकता
श्री इरफान अहमद	"भारत-चीन सभ्यता संपर्क के विस्मृत प्रसंगों का पुनः अवलोकन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "	सिक्किम विश्वविद्यालय 17 जून 2023	मॉडरेटर और पेपर प्रस्तोता	रामायण अध्ययन और चीनी दाई रामायण (लंका सिप हो): लुप्त कड़ियाँ
डॉ. स्नेहल अजित उलमान	"भारत-चीन सभ्यता संपर्क के विस्मृत प्रसंगों का पुनः अवलोकन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "	सिक्किम विश्वविद्यालय 17 जून 2023	मॉडरेटर और पेपर प्रस्तोता	चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के विकास : आधुनिक युग में भारत-चीन राजनीतिक अंतर्क्रियाओं का पुनरावलोकन में एम.एन. रॉय का दूरदर्शी योगदान
डॉ. स्नेहल अजित	सीसीएसईएडी @50: स्मरणोत्सव का आह्वान	जवाहरलाल नेहरू	पेपर प्रस्तोता	सीपीसी का राजनीतिक शब्दकोश और

उलमान	अतीत का सम्मान, वर्तमान का जश्न और भविष्य की कल्पना	विश्वविद्यालय 19 – 20 जनवरी 2024		शासन में इसकी भूमिका
डॉ. आदित्य कुमार पांडे	"भारतीय सभ्यता की वैश्विक उपस्थिति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	"भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान नई दिल्ली, 1-2 अप्रैल 20		भारतीय 'त्रिलोक' और चीनी 'तीन लोकों' के बीच समानताएं और विरोधाभास
डॉ. शीतल प्रधान (पीएचडी शोधार्थी)	"भारत-चीन सभ्यता संपर्क के विस्मृत प्रसंगों का पुनः अवलोकन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	सिक्किम विश्वविद्यालय 17 जून 2023	पेपर प्रस्तोता	कुमारजीव के योगदान के माध्यम से चौथी-पांचवीं शताब्दी सी। ई. के आसपास भारत और चीन के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक संबंध
सुश्री रीबुर सेबा गौलॉग लेप्चा (पीएचडी शोधार्थी)	"भारत-चीन सभ्यता संपर्क के विस्मृत प्रसंगों का पुनः अवलोकन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	सिक्किम विश्वविद्यालय 17 जून 2023	पेपर प्रस्तोता	"658 ई. से 704 सी.ई. तक चीन-भारत आदान-प्रदान के माध्यम से चीन को बौद्ध क्षेत्र के रूप में स्थापित करने में तांग महारानी वू झाओ और चीनी बौद्ध मठवासी समुदाय की भूमिका।"
श्री शुभम दुतराज (पीएचडी शोधार्थी)	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारत-चीन सभ्यता संपर्क के विस्मृत प्रसंगों का पुनः अवलोकन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य"	सिक्किम विश्वविद्यालय 17 जून 2023	पेपर प्रस्तोता	उभरता एशिया: सातवीं शताब्दी सी.ई. पर केन्द्रित भारत और चीन के बीच उभरते राजनयिक संबंध।

4. **वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:**

क्र.सं	**कार्यक्रम का शीर्षक**	**राष्ट्रीय अथव अंतर्राष्ट्रीय**	**वित्तपोषक एजेंसी**	**तिथि**	**संख्या केवल**		**संयोजक/समन्वयक का नाम**
					संसाधन व्यक्ति	**प्रतिभागी**	
1	"भारत में चीन: हिमालयन कलिम्पोंग" पर विशेष व्याख्यान	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय चीनी भाषा विभाग	2 जून 2023	प्रोफेसर डॉ प्रेम पोद्दार (दार्जिलिंग हिल्स यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति)	68 प्रतिभागी	डॉ. धृति रॉय सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
2	"भारत-चीन सभ्यता संपर्क के विस्मृत प्रसंगों का पुनः अवलोकन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय चीनी भाषा विभाग	16-17 जून 2023	16 जून 2024 को प्रोफेसर लालजी (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) द्वारा मुख्य भाषण 17 जून 2024 को प्रोफेसर बी.आर. दीपक (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय) द्वारा मुख्य भाषण	12 पेपर प्रस्तोता 107 प्रतिभागी	डॉ. धृति रॉय सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.	**प्रार्थी**	**शोध प्रबंध का शीर्षक**	**पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक**	**प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष**	**उपाधि प्राप्त करने की तिथि**
01.	डॉ. शीतल प्रधान	"पूर्व-आधुनिक चीनी बौद्ध धर्मशास्त्रीय विचार: *हांग मिंग जी* के व्याख्यात्मक अनुवाद के प्रकाश में एक आलोचनात्मक जांच"	डॉ. धृति रॉय	11 दिसंबर 2023	06 मई 2024

5. वर्ष 2023-24 के दौरान संकायों की उत्कृष्ट उपलब्धियां :

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
01.	डॉ. धृति रॉय	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा पीएचडी उम्मीदवार के लिए **पीएचडी बाह्य परीक्षक** के रूप में नामित, डॉ. आदित्य कुमार पांडे, चीनी और दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन स्कूल, दिसंबर 2023
02.	डॉ. धृति रॉय	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा पीएचडी उम्मीदवार के लिए **पीएचडी बाह्य परीक्षक** के रूप में नामित, श्री मुजफ्फर अली, चीनी अध्ययन प्रभाग, पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, मार्च 2024
03.	डॉ. धृति रॉय	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा पीएचडी उम्मीदवार के लिए **पीएचडी बाह्य परीक्षक** के रूप में नामित, श्री अविनाश कुमार रजक, चीनी अध्ययन प्रभाग, पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, अप्रैल 2024
04.	डॉ. धृति रॉय	के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा के चीनी विभाग के **अध्ययन बोर्ड के सदस्य** के रूप में नामित

6. वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियां :

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
01.	सुश्री सुदीप्त दास (एमए चतुर्थ सेमेस्टर)	अप्रैल 2024 से एशिया प्रशांत अध्ययन में अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरेट कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा मंत्रालय (एमओई) ताइवान छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया
02.	श्री बादल गुप्ता	हुआयु छात्रवृत्ति से सम्मानित, शिक्षा मंत्रालय, चीन गणराज्य (ताइवान), सितंबर 2023 से अब तक
03.	सुश्री प्रजापति ज्योति	हुआयु छात्रवृत्ति से सम्मानित, शिक्षा मंत्रालय, चीन गणराज्य (ताइवान), सितंबर 2023 से अब तक

7. वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर और देश)
मोहम्मद जीशान	बीए VI (फाइनल)	सदरलैंड ग्लोबल सर्विसेज	चेन्नई, भारत
ख़ुशी कुमारी	बीए VI (फाइनल)	सदरलैंड ग्लोबल सर्विसेज	चेन्नई, भारत
सोमनाथ मल	बीए VI (फाइनल)	गुड होप क्लियरिंग एंड फॉरवर्डिंग प्राइवेट लिमिटेड	कोलकाता, भारत

हमारे पूर्व छात्रों की गतिविधियाँ (यदि कोई हो)

चीनी विभाग ने पिछले एक वर्ष में छात्रों का एक पूर्व छात्र समूह बनाया है, जिसमें वर्ष 2013 के बाद से विभाग से स्नातक करने वाले सभी छात्र शामिल हैं, और जो देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों में स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनियों या सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत हैं, या चीनी छात्रवृत्ति योजना के तहत अध्ययन कर रहे हैं। चार-छह महीने के नियमित अंतराल पर, पूर्व छात्र सदस्य अपने व्यावसायिक अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं, विभाग में वर्तमान में अध्ययन कर रहे स्नातक की युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं, और विभाग के कुछ अंतिम स्नातक पीजी छात्रों के लिए चीनी अनुवाद और व्याख्या कौशल का उपयोग करके स्टार्ट-अप व्यवसाय डिजाइन करने में मदद करते हैं।

नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ :

सिक्किम विश्वविद्यालय की एनईपी 2020 कोर कमेटी के सदस्य के रूप में डॉ धृति रॉय (सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष) एनईपी 2020 से प्रेरित यूजी, पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार करने के कार्य में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। एनईपी 2020 एलओसीएफ पर उप-समिति के सदस्य के रूप में, डॉ रॉय ने एनईपी कोर कमेटी के अध्यक्ष, एफवाईयूजी, निदेशक और कोर कमेटी के सदस्यों के मार्गदर्शन में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों कार्यक्रमों के लिए शिक्षण परिणाम आधारित पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में सहता की है। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम और दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए अनुशासन-विशिष्ट लघु पाठ्यक्रमों और व्यावसायिक लघु पाठ्यक्रमों के लिए, मसौदा पाठ्यक्रम निम्नलिखित संकाय सदस्यों द्वारा तैयार किया गया था;

- डॉ. धृति रॉय ने गौंविषय विशिष्ट पर तीन पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार की, जैसे कि प्राचीन चीन का इतिहास, मध्यकालीन चीन का इतिहास और आधुनिक चीन का इतिहास और एफ़वाईयूजी के लिए वोकेशनल माइनर के लिए चीनी पांडुलिपि विज्ञान/कोडिकोलॉजी पर एक पाठ्यक्रम।
- डॉ. स्नेहल अजीत उलमान ने पीजी के लिए चीन की सरकार और राजनीति पर एक मुख्य पाठ्यक्रम, एफवाईयूजी के लिए समकालीन चीन के इतिहास के लिए गौण विषय विशिष्ट पर एक पाठ्यक्रम और डॉ. आदित्य कुमार पांडे के सहयोग से चीनी टूर और यात्रा गाइडिंग पर एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार की।
- डॉ. आदित्य कुमार पांडे ने गौण विषय विशिष्ट पर एक पाठ्यक्रम, जिसका शीर्षक है, चीन और विश्व और गौण वोकेशनल विषय पर दो पाठ्यक्रम, नामतः डॉ. स्नेहल अजीत उलमान के परामर्श से चीनी टूर और यात्रा गाइडिंग में वोकेशनल प्रशिक्षण, और चीनी तकनीकी व्याख्या में वोकेशनल प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार की।

अंग्रेजी विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. निपुण चौधरी

परिचय: अंग्रेजी विभाग की स्थापना 2007 में हुई थी। विभाग वर्तमान में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम संचालित कर रहा है। प्रत्येक वर्ष 35 छात्रों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश सीयूईटी परीक्षा में योग्यता के अधीन है। विभाग ने एक साहित्यिक सोसाइटी की स्थापना की है जो नाटक, निबंध लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि जैसे सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रदर्शन से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करता है। शिक्षण अधिगम वातावरण छात्रों के लिए अनुकूल है। छात्रों और संकाय के समग्र विकास के लिए एक विभागीय पुस्तकालय और शोध विद्वान कक्ष अलग से बनाया गया है।

प्रमुख क्षेत्र : विभाग में वर्तमान में एक प्रोफेसर, एक सह प्राध्यापक और चार सहायक प्राध्यापक कार्यरत हैं, तथा एक अतिथि संकाय भी कार्यरत है। डॉ. निपुण चौधरी विभाग के अध्यक्ष हैं। विभागीय शोध के व्यापक जोर क्षेत्र उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन, उत्तर-आधुनिक अध्ययन, अनुवाद अध्ययन और भारतीय कथा-विज्ञान और दर्शनशास्त्र हैं।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	लागू नहीं	29	लागू नहीं	29	47	11	58
एमफिल (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2	2	4
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	03	02	05

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. रोज़ी चामलिंग	पीएचडी	प्रोफेसर	14.01.2016	02	06	शून्य
2	डॉ निपुण चौधरी	पीएचडी	सह प्राध्यापक	22.03.2023	02	शून्य	शून्य
3	डॉ. राम भवन यादव	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	08.05.2014	शून्य	00	शून्य
4	डॉ शाश्वती साहा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	08.05.2014	शून्य	01	शून्य
5	डॉ. एब्रोना ली पंडी एडेन	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	08.05.2014	शून्य	03	शून्य

6	डॉ. परविंदर कौर	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	22.08.2017	शून्य	04	शून्य
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	सुश्री तेनजिन पग्गिला भूटिया	एमए, नेट	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							

	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	राधा देवी चेत्री	स्नातक (बीए)	प्रशासनिक कर्मचारी	19.03.2019 (आउटसोर्स अनुबंध)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	ताशी डोमा	10वीं उत्तीर्ण	एमटीएस	01.02.2019 (आउटसोर्स अनुबंध)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण
जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र
संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	**चामलिंग, रोज़ी** और मनीषा श्रेष्ठ (2023) द गाइरेड आइडेंटिटी: ट्रेसिंग येट्सियन एलिमेंट्स इन सिल्विया प्लाथ। द यीट्स जर्नल ऑफ कोरिया, वॉल्यूम 10 डीओआई: https://dx.doi.org/10.14354	यूजीसी केयर क्रम सं 429		द यीट्स जर्नल ऑफ कोरिया	2288-5471
2.	हक, नाज़मे फुरकानुल और **रोज़ी चामलिंग** (2023) पश्चिम में 'अन्य' की अवधारणा को तैयार करना: 9/11 के बाद की कहानियों और समाज में मुसलमान, द *इंटीरियर्स*, वॉल्यूम 2	समकक्ष समीक्षित	4.95	मगध विश्वविद्यालय	2319-4804
3	**यादव, राम भवन** और घुनातो नेहो (2023) स्थान, सामुदायिक पहचान और जुड़ाव पर प्रश्न: टेम्सुला एओ की द टॉम्बस्टोन इन माई गार्डन से 'द प्लेटफॉर्म' का एक महत्वपूर्ण वाचन। नमन, अंक, 29, जुलाई 2023	237	6.06	फ्रंटियर्स	1664302X
4	**यादव, राम भवन** (2024) अरूपा पतंगिया कलिता की द स्टोरी ऑफ फेलानी में कॉन्ट्रापंटल हिस्ट्री, कॉन्फ्लिक्ट एंड आइडेंटिटी। नमन, अंक, 30, जनवरी 2024।	237	लागू नहीं	वासुदेव सिंह स्मृति न्यास	2229-5585

ख. पुस्तकें

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
रोजी चामलिंग	चामलिंग, रोज़ी. संपादित (2023). प्रतिनिधित्व की राजनीति: अंतःविषयक दृष्टिकोण. पश्चिम बंगाल: साइडरप्रेस. आईएसबीएन: 978-81-932449-4-4
रोजी चामलिंग	चामलिंग, रोज़ी, अनुवादित (2024). बुद्धि एल. खमधक: बहनों की आवाज़ पर लेखकों के विचार, सिक्किम: जन पक्ष प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-93-94508-97-2

ग : पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
राम भवन यादव	यादव, राम भवन (2024) नव-उपनिवेशवाद का प्रतिमान: किरण देसाई की द *इनहेरिटेंस ऑफ लॉस* में राष्ट्रीय चेतना और प्रतिरोध के माध्यम से इतिहास का प्रश्न, *इबिडेम-वेरलाग, हनोवर, स्टटगार्ट (कोलंबिया विश्वविद्यालय)* आईएसबीएन- 978-81932449-4-4
राम भवन यादव	यादव, राम भवन (2023) *मिडनाइट्स चिल्ड्रन* में लेक्सिकॉन की भारतीयता के माध्यम से सीमांत, कॉस्मोपॉलिटन और उत्तर औपनिवेशिक पदों का प्रतिनिधित्व। *साइडरप्रेस, आईएसबीएन 978-81269-2097-6*

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
रोजी चामलिंग	सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।	सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय; 24 अप्रैल 2023	आमंत्रित वक्ता	अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता: जिम्मेदार लेखन को बढ़ावा देना
रोजी चामलिंग	यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन।	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय; 12 जुलाई 2023	संसाधन व्यक्ति	विवादित स्थान: नेपाली प्रवासी
रोजी चामलिंग	माइकल हट के कार्यों का जश्न मनाने वाली संगोष्ठी	सामाजिक विज्ञान बीएएचए, काठमांडू, नेपाल; 25 जुलाई 2023	संसाधन व्यक्ति	भारतीय-नेपाली के लिए 'घर' और 'पहचान' की खोज: माइकल हट द्वारा दो निबंधों पर विचार
रोजी चामलिंग	बीएएचए और नेपाल और हिमालय अध्ययन संघ, ब्रिटेन-नेपाल शैक्षणिक परिषद, हिमालय अध्ययन केंद्र-सीएनआरएस और नेपाल शैक्षणिक नेटवर्क, जापान द्वारा नेपाल और हिमालय पर वार्षिक काठमांडू सम्मेलन का आयोजन ।	सामाजिक विज्ञान बीएएचए, काठमांडू, नेपाल; 26 -28 जुलाई 2023	आमंत्रित वक्ता	अंग्रेजी में समकालीन नेपाली लेखन में प्रवासी कल्पना
रोजी चामलिंग	भारतीय तुलनात्मक साहित्य संघ और सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित XVI द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सीएलएआई सम्मेलन	सिक्किम विश्वविद्यालय; 20- 22 नवंबर 2023	पैनल चर्चा	पूर्वोत्तर से अनुवाद
रोजी चामलिंग	भारतीय भाषा समिति और सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय भाषा सम्मेलन का आयोजन	सिक्किम विश्वविद्यालय; 17 मार्च 2024	पैनल चर्चा	सिक्किम में भारतीय भाषा
रोजी चामलिंग	हिमालयी क्षेत्र में लोककथाओं और लोकगीतों के	भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली;	संसाधन व्यक्ति	सिक्किम की लोककथाएँ

	संरक्षण पर टीमवर्क आर्ट्स, नई दिल्ली और नॉर्वेजियन दूतावास द्वारा आयोजित कार्यक्रम	27 मार्च 2024		
डॉ. शाश्वती साहा	अनुवाद पर एक दिवसीय कार्यशाला	अंग्रेजी विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय 25 मई, 2023	संसाधन व्यक्ति	"सहयोगी अनुवाद और स्वदेशी साहित्य"
डॉ. शाश्वती साहा	वैश्विक दक्षिण से अनुवाद अध्ययन पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम	एआईयू-एसएसयू-एएडीसी) और श्री श्री सेंटर फॉर ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रिटिंग स्टडीज (एसएससीटीआईएस), श्री श्री यूनिवर्सिटी, कटक 5 मार्च, 2024	संसाधन व्यक्ति	"अनुवाद के माध्यम से भूगोल को जानना: उन्नीसवीं सदी के बंगाल में नस्लीय मानचित्रण, पहचान निर्माण और कार्टोग्राफिक कल्पना"
डॉ. शाश्वती साहा	एक दिवसीय भारतीय भाषा सम्मेलन	भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय 17 मार्च, 2024	संसाधन व्यक्ति	"भाषा राजनीति: भारतीय भाषाओं की पहचान, एकीकरण और उत्सव"
डॉ. एब्रोना ली पंडी एडेन	अंग्रेजी में भारतीय साहित्य पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, एनईएचयू, शिलांग	2 सितंबर, 2023 ऑनलाइन	संसाधन व्यक्ति	"विश्वासों की दुनिया': सिक्किम की भारतीय अंग्रेजी कविता में स्मृति और इतिहास"
डॉ. एब्रोना ली पंडी एडेन	सिक्किम विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा भारतीय तुलनात्मक साहित्य संघ के सहयोग से आयोजित सोलहवां द्विवार्षिक सीएलएआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	20-22 नवंबर, 2023	पूर्ण अधिवेशन वक्ता	"समकालीन समय में अनुवाद, शिक्षणशास्त्र और स्वदेशी साहित्य" शीर्षक वाले पैनल में पूर्ण वक्ता

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय अथव अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	"समुदाय, पाठ्य और मौखिकता का अंतर्संबंध: इतिहास, संस्कृति और समाज पर तुलनात्मक दृष्टिकोण" पर भारतीय तुलनात्मक साहित्य संघ का सोलहवां द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	अंतर्राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय, भारतीय तुलनात्मक साहित्य संघ, एनटीएम-सीआईआईएल, मैसूर, आईएलएसआर कोलकाता, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली	20-22 नवंबर, 2023	17	112	डॉ शाश्वती साहा एवं प्रो रोजी चामलिंग

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि का प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	मनीषा श्रेष्ठ	"स्टिल आई राइज़": माया एंजेलो की आत्मकथाओं में पोस्ट ट्रॉमेटिक ग्रोथ का एक अध्ययन	प्रोफेसर रोज़ी चामलिंग	03.12.2022	19.06.2023

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्य की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ *(केवल स्थायी)* :

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1	डॉ सास्वती साहा	2023 में ब्रिटेन के ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय में ब्रिटिश सेंटर फॉर लिटरेरी ट्रांसलेशन समर स्कूल में बहुभाषी कविता कार्यशाला स्ट्रैंड में भाग लेने के लिए पूर्ण आवासीय छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
2	डॉ. एब्रोना ली पंडी एडेन	चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट क्रिएटिव राइटिंग फेलोशिप, केंट विश्वविद्यालय, यूके, स्प्रिंग सेमेस्टर 2024।

वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1	तेनज़िन न्यिमा भूटिया	महिला	यूजीसी-नेट
2	शशांक शेखर	पुरुष	यूजीसी-नेट
3	स्वीकृति राई	महिला	यूजीसी-नेट
4	सोनम वांगमू	महिला	यूजीसी-नेट
5	देबज्योति करजी	पुरुष	यूजीसी-नेट

हिंदी विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. प्रदीप के. शर्मा/डॉ. हरदीप सिंह

परिचय

हिंदी विभाग की स्थापना 2013 में की गई थी। वर्तमान में, विभाग एनईपी पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के साथ यूजी, पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

प्रमुख क्षेत्र :

विभाग में शोध का मुख्य क्षेत्र पूर्वोत्तर क्षेत्र की भाषाओं और साहित्य के साथ तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से हिंदी साहित्य का विकास करना है। इसके अलावा, विभाग कथा और कथेतर साहित्य, हिंदी मीडिया और पत्रकारिता, कार्यात्मक हिंदी, दलित, आदिवासी और नारीवादी साहित्य, हिंदी सिनेमा और साहित्य आदि पर भी शोध कार्य कर रहा है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	01		03		01	02	03
स्नातकोत्तर	07		08		12	03	15
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी							
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़							

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1.	प्रो. प्रदीप के शर्मा	डी. लिट	प्रोफेसर	17.04.2023	04	01	
2.	डॉ गोरख नाथ तिवारी	पीएचडी	सह पाध्यापक	30.03.2023	08	01	
3.	डॉ. दिनेश साहू	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	23.04.2014	04	05	
4.	डॉ. चुकी भूटिया	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	05.12.2014	03	05	
5.	डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	30.08.2017	04	05	
विजिटिंग प्रोफेसर							

1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ. सरोज लामा	पीएचडी	अतिथि संकाय	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	**शर्मा, पी. (2023)** रोज करे योग दूर भगाये रोग, **द्विभाषी राष्ट्रसेवक, 73:03,12-14**	क्रम-1		असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी	2277-9264
2.	**शर्मा, पी. (2023)** भारतीय साहित्य की परिकल्पना और अनुवाद, **सांकल्य, 51:04,12-15**	क्रम-1		हिंदी अकादमी, हैदराबाद	2277-9264
3.	**शर्मा, पी. (2023)** असम में वैष्णव भक्ति कविता, **अपनी माटी**, 50:80-84	क्रम-1		चित्तौड़गढ़, राजस्थान	2322-0724
4.	**तिवारी, जी.एन. (2023)** मनबोध मास्टर का स्वेत पत्र। **हिन्दी अनुशीलन 65:03,75-79.**	क्रम-1		प्रयागराज	2249-930X
5.	**तिवारी, जी.एन. (2023)** अजातस्यु आचार्य मोहन सिंह की संपादकीय दृष्टि। **सांकल्य 51:03,17-25.**	क्रम-1		हिंदी अकादमी, हैदराबाद	2277-9264
6.	**तिवारी, जी.एन. (2023)** गवई संस्कृति के पोषक: डॉ. विवेकी राय। **समवेत 11:22,15-21.**	क्रम-1		उदयपुर (राजस्थान)	2321-6131
7.	**तिवारी, जी.एन. (2023)** बद्रीविशाल पित्तजी के सपने की कल्पना। **सांकल्य 51:04,76-81.**	क्रम-1		हिंदी अकादमी, हैदराबाद	2277-9264
8.	**तिवारी, जी.एन. (2023)** तेलंगाना के स्नातक आचार्य मोहन सिंह। **समन्वय दक्षिण 07:04,137-144.**	क्रम-1		हैदराबाद	2456-9445
9.	**तिवारी, जी.एन. (2024)** उच्च शिक्षित युवा का दर्द और दीक्षांत। **सांकल्य 52:01,42-48.**	क्रम-1		हिंदी अकादमी, हैदराबाद	2277-9264
10.	**साहू, डी. (2023)** मध्यकालीन भक्ति-आंदोलन के विकास पुरुष असम के श्री मंत शंकरदेव और माधवदेव का अवदान। **भाषा 309, 28-36.**	क्रम-1		केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली	0523-1418

11.	**साहू, डी. (2023)** हिंदी कहानी के विकास में बंग महिला का योगदान। **सांकल्य 51:04,88-91.**	क्रम-1		हिंदी अकादमी, हैदराबाद	2277-9264
12.	**साहू, डी. (2024)** काला जल उपन्यास और आंचलिकता। द्विभाषी **राष्ट्रसेवक 73:10,35-41.**	क्रम-1		असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी	2277-9264
13.	साहू, डी. **(2024)** निराला की कहानियाँ पुरुष ग्रामीण जीवन के विविध आयाम। **सांकल्य 52:01,38-41.**	क्रम-1		हिंदी अकादमी, हैदराबाद	2277-9264
14.	भूटिया.सी., **(2024)** भूटिया भाषा साहित्य चिंतन। द्विभाषी **राष्ट्रसेवक.11,73**	क्रम-1		असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी	2321-4945
15.	भूटिया.सी., **(2023)** आदिवासी स्वशासन प्रणाली जुमसा एक अध्ययन। **सांकल्य, 51:04,92-94**	क्रम-1		हिंदी अकादमी, हैदराबाद	*2277-9264*
16.	**त्रिपाठी. पी. (2023)** हिंदी कविता में गरीब भारत का स्त्री स्वर. **लमही. 466-468**	क्रम-1		लखनऊ उत्तर प्रदेश	2278-554X
17.	**त्रिपाठी, पी. (2023).**हिन्दी के विकास में ई-पत्रिका का योगदान। **भाषा. 91-94**	क्रम-1		केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली	0523-1418
18.	**त्रिपाठी, पी. (2024)** भक्तिकाल का क्षितिज: अंतर्दृष्टि और विमर्श। **अपनी माटी. 01-03**	क्रम-1		चित्तौड़गढ़	2322-0724
19.	**शर्मा, पी. (2023)** नरेश मेहता की कविताओं में मानवी संवेदना, दिल्ली, **सामिया प्रकाशन,** आईएसबीएन: **978-93-93010-45-2**	क्रम-1		असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी	2321-4945

ख : पुस्तकें

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ
प्रो. प्रदीप के. शर्मा	शर्मा, पी. (2023) *नरेश मेहता की कविताओं में मानवीय संवेदना*, दिल्ली, सामिया प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-93-93010-45-2
डॉ. गोरख नाथ तिवारी	तिवारी, जी.एन. (संपादित) (2023) *नंद किशोर पांडे: जीवन और सृजन*, नई दिल्ली: हंस प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-81-967828-8-7
डॉ. चुकी भूटिया	भूटिया. सी. (2024)। गोल्सिमल. (नेपाली लोक कथा अनुवाद.). शाहदरा, दिल्ली, संकल्प प्रकाशन, आईएसएसएन: 97893-91040-30-7

ग : पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
डॉ. गोरख नाथ तिवारी	तिवारी, जी.एन. (2023).*समकालीन हिंदी भाषा और साहित्य विविध आयाम*। वर्तमान समाज में हाशिये पर वृद्धजन, मुंबई: आर.के. प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-93-91458-72-0, 56-62

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/ कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
प्रो. प्रदीप के शर्मा	राष्ट्रीय राजभाषा संगोष्ठी	सिक्किम विश्वविद्यालय 23 जून 2023	संसाधन व्यक्ति	शर्मा, पी (2023, जून)। राजभाषा हिंदी के विविध आयाम। राष्ट्रीय राजभाषा संगोष्ठी, सिक्किम विश्वविद्यालय
प्रो. प्रदीप के शर्मा	दो दिवसीय काव्य संगोष्ठी	संगीत नाटक अकादमी, नई	संसाधन व्यक्ति	

		दिल्ली 19 से 20 अक्टूबर 2023		
प्रो. प्रदीप के शर्मा	विकसित भारत@2024: सिक्किम की आवाज	सिक्किम विश्वविद्यालय 13 दिसंबर, 2023	संसाधन व्यक्ति	शर्मा, पी (2023, दिसंबर)। विकसित भारत के लिए विचार, सिक्किम विश्वविद्यालय
प्रो. प्रदीप के शर्मा	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	पांडिचेरी विश्वविद्यालय 12 मार्च 2024	संसाधन व्यक्ति	शर्मा, पी (2023, जून)। 21वीं सदी में हिंदी और साहित्य का भविष्य, पांडिचेरी विश्वविद्यालय
डॉ. गोरख नाथ तिवारी	राजभाषा हिंदी के विविध आयाम-चुनाउतियां एवं समाधान	गंगटोक, 23 जून, 2023	संसाधन व्यक्ति	तिवारी, जी.एन. (2023, जून) राजभाषा हिंदी के विविध आयाम-चूनौटियां एवं समाधान, सिक्किम विश्वविद्यालय
डॉ. गोरख नाथ तिवारी	विशेष वार्ता	हैदराबाद, 02 जनवरी, 2024	आमंत्रित वक्ता	तिवारी, जी.एन. (2024, जनवरी) फणीश्वरनाथ रेणु का रचनाकर्म, ए.वी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, हैदराबाद
डॉ. गोरख नाथ तिवारी	हिन्दीत्तर भाषी हिन्दी नवलेखक शिविर	हैदराबाद, 18 से 22 जनवरी, 2024	संसाधन व्यक्ति	तिवारी, जी.एन. (2024, जनवरी) हिंदी पत्रकारिता, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, हैदराबाद
डॉ. गोरख नाथ तिवारी	भारतीय भाषा सम्मेलन, सिक्किम	गंगटोक, 17 मार्च, 2024	संसाधन व्यक्ति	तिवारी, जी.एन. (2024, जनवरी) भारतीय भाषाओं की चुनौतियाँ और संभावनाएँ, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक
डॉ. दिनेश साहू	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: अयं एवं क्रियान्वयन	पौडी गढ़वाल, उत्तराखंड 27 मई, 2023	आमंत्रित वक्ता	साहू, डी. (2023, मई) वर्तमान समय में प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली की उपयोगिता, राठ महाविद्यालय पैठाणी, उत्तराखंड
डॉ. दिनेश साहू	हरिशंकर परसाई: सृजन और संघर्ष	मिदनापुर, पश्चिम बंगाल 29 और 30 नवंबर, 2023	आमंत्रित वक्ता	साहू, डी. (2023, नवंबर) हरिशंकर परसाई के उपन्यासों में सामाजिक व्यंग्य, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल
डॉ. दिनेश साहू	हिंदी साहित्य का उदयकाल: विन्यास और संवेदनायेँ	वाराणसी, असम 14 से 16 जनवरी, 2024	संसाधन व्यक्ति	साहू, डी. (2024, जनवरी) आदिकालीन लौकिक काव्य की संवेदनाएँ, विद्याश्री न्यास, वाराणसी, उ.प्र.
डॉ. दिनेश साहू	भविष्य के लिए तैयार शिक्षा में डिजिटल साक्षरता की भूमिका: युवा मन के लिए चुनौतियां और अवसर	तिनसुकिया, असम 23 एवं 24 जनवरी, 2024	आमंत्रित वक्ता	साहू, डी. (2024, जनवरी) अनुसंधान में डिजिटल उन्नयन का अनुप्रयोग, बीआरएम गवर्नमेंट मॉडल कॉलेज, तिनसुकिया, असम
डॉ. दिनेश साहू	सामासिक संस्कृति के संवाद: हिंदी भाषा और साहित्य	कोलकाता, पश्चिम बंगाल 27 और 28 फरवरी, 2024	संसाधन व्यक्ति	साहू, डी. (2024, फरवरी) प्रेमचंद की कहानियों में सामयिक संस्कृति, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल
डॉ. दिनेश साहू	पूर्वोत्तर भाषा संगम	शिलांग, मेघालय	संसाधन व्यक्ति	साहू, डी. (2024, जनवरी) सिक्किम की प्रमुख भाषाएँ, केन्द्रीय हिंदी

		27, मार्च 2024		संस्थान, शिलांग, मेघालय
डॉ. चुकी भूटिया	उत्तर पूर्वी राज्यों की इतिहास एवं संस्कृति	रांची, झारखंड 23 मार्च 2024	आमंत्रित वक्ता	भूटिया, सी. (2024, मार्च) सिक्किम की संस्कृति, रांची, झारखंड
डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	लिम्बू लोक कथाएँ: परंपरा और ऐतिहासिक चेतना	कालिम्पोंग, 21 मई 2023	आमंत्रित वक्ता	त्रिपाठी. प्रदीप. (2023, मई). *लिम्बू लोककथाएँ: परंपरा और ऐतिहासिक चेतना. लिम्बू लोककथाएँ,* कलिम्पोंग.
डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	व्यावसायिक शिक्षा का नया आकल्पन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति	29-30 जून- 2023	संसाधन व्यक्ति	त्रिपाठी. प्रदीप. (2023, जून)। *व्यावसायिक शिक्षा का नया आकल्पन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति। भारतीय भाषाओं के माध्यम से व्यावसायिक और कौशल शिक्षा: चुनौतियाँ और संभावनाएँ*, बंगलौर।
डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	कविता का समकालीन परिवेश और पूर्वोत्तर भारत	परिमल मित्र स्मृति महाविद्यालय, मालबाजार, पश्चिम बंगाल/21अगस्त, 2023	आमंत्रित वक्ता	त्रिपाठी. प्रदीप. (2023, अगस्त)। *कविता का समकालीन परिवेश और पूर्वोत्तर भारत*। समकालीन हिंदी कविता, पश्चिम बंगाल।
डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	निर्गुण काव्यधारा और एकात्मकता के सन्दर्भ में महायोगी गोरखनाथ और संत कबीर का योगदान	बीबीएयू लखनऊ, 14 दिसंबर 2023	आमंत्रित वक्ता	त्रिपाठी. प्रदीप. (2023, दिसंबर)।निर्गुण काव्यधारा और एकात्मकता के सन्दर्भ में महायोगी गोरखनाथ और संत कबीर का योगदान। निर्गुण काव्यधारा और एकात्मकता के सन्दर्भ में महायोगी गोरखनाथ और संत कबीर का योगदान, लखनऊ।
डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	हिंदी में रोजगार की संभावनाएँ एवं महत्व	इग्नू, आरसी, गंगटोक 27/09/2023	संसाधन व्यक्ति	त्रिपाठी. प्रदीप. (2023, सितंबर)।*हिन्दी में रोजगार की संभावनाएँ एवं महत्व*। हिंदी पखवाड़ा, गंगटोक।
डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	राजभाषा हिन्दी: महत्व एवं अनुप्रयोग	प्रसार भारती आकाशवाणी गंगटोक 21/03/2024	संसाधन व्यक्ति	त्रिपाठी. प्रदीप. (2024, मार्च) *राजभाषा हिन्दी: महत्व एवं अनुप्रयोग*। हिन्दी कार्यशाला, गंगटोक।

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की जाने वाली अनुसंधान परियोजनाएं:

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ/आरए)

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम *(प्रत्येक कार्यक्रम की केवल एक तस्वीर उपलब्ध कराएं)*: शून्य

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना *(केवल प्रयोगशाला-आधारित विभागों के लिए, यदि कोई हो)*: शून्य

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएच.डी. उपाधि प्रदान *(केवल सफलतापूर्वक उपाधि प्राप्तकर्ता)*: शून्य

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएच.डी. उपाधि प्रदान *(केवल सफलतापूर्वक उपाधि प्राप्तकर्ता)*:

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	रेणु	अमरेन्द्र कुमार सिंह की कहानियाँ में सामाजिक यथार्थ	डॉ. गोरख नाथ तिवारी	13.12.2022	06.04.2023
2.	प्रीति प्रसाद	प्रकाश मनु के बाल कथा साहित्य में युगबोध।	डॉ. चुकी भूटिया	26.06.2023	07.03.2024

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ *(केवल स्थायी)* :

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1.	डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार- 2023 (पुरस्कार तीन लोगों के बीच बराबर-बराबर बांटा जाएगा)
2.	डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	साहित्य सृजन सम्मान-2023 आपका तिस्ता हिमालय, पश्चिम बंगाल द्वारा (अक्टूबर 2023)
3.	डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	एसोसिएट फेलो (तीन वर्ष के लिए) आईआईएएस, शिमला (2023)
4.	डॉ. प्रदीप त्रिपाठी	संपादक श्री मानद उपाधि साहित्य मंडल श्रीनाथ द्वार द्वारा (जनवरी-2023)

लेप्चा विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : सुश्री रिनछेन ओंगमू लेप्चा

परिचय

सिक्किम विश्वविद्यालय लेप्चा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है, जो 2016 से पूर्व माननीय कुलपति प्रो. टंक बहादुर सुब्बा के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू हुआ है। लेप्चा में एम.ए. कार्यक्रम का उद्देश्य एक व्यापक शिक्षा अनुभव प्रदान करना है जो उन्हें ज्ञान से सशक्त बनाता है और उन्हें एक सफल और पूर्ण भविष्य के लिए तैयार करता है। यह पाठ्यक्रम लेप्चा भाषा, इतिहास, साहित्य, संस्कृति, परंपराओं, भाषा कौशल और लोककथाओं आदि की गहन समझ प्रदान करता है। इसके अलावा, कार्यक्रम में एक शोध पत्र भी शामिल है जो भविष्य के प्रयासों में अनुसंधान करने के लिए आवश्यक शोध कौशल और तकनीकों को विकसित करने के लिए पूरी तरह से शोध कार्य पर आधारित है।

प्रमुख क्षेत्र

वर्ष 2021 में, सिक्किम विश्वविद्यालय ने पूर्व माननीय कुलपति प्रो. अविनाश खरे के दूरदर्शी नेतृत्व में लेप्चा विभाग में पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है। सिक्किम विश्वविद्यालय पूरे विश्व में पहला और एकमात्र विश्वविद्यालय है जो लेप्चा विभाग में पीएचडी कार्यक्रम संचालित करता है। विभाग भाषा और भाषा विज्ञान, साहित्य, संस्कृति, लोकगीत अध्ययन आदि जैसे व्यापक शोध क्षेत्रों में पीएचडी कार्यक्रम संचालित करता है, जो आने वाले विद्वानों को शोध के किसी भी क्षेत्र में अन्वेषण और अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है। वर्तमान में, दो शोध विद्वान सिक्किम विश्वविद्यालय के लेप्चा विभाग से लेप्चा भाषाविज्ञान और लेप्चा लोककथा में पीएचडी कर रहे हैं।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	14	-	21	-	22	13	35
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी	-	-					
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)	-	-					
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़							

2. संकाय सदस्य :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	सुश्री रिनचेन ओंगमू लेप्चा	एम.ए.(लेप्चा),बी.एड.	सहायक प्राध्यापक	15.10.2020		-	-
2	श्री मिग्मा ओंगडुप लेप्चा	एम.ए.(लेप्चा),बी.एड.	सहायक प्राध्यापक	11.12.2020		-	-

3							
अनुबंध आधारित संकाय सदस्य							
1	श्री नोर्बु छिरिंग लेप्चा	बीए	सह प्राध्यापक				
2	श्रीमती दुकमित लेप्चा	एमए (समाजशास्त्र) स्लेट,बी.एड.	सहायक प्राध्यापक				
7							
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	-	-	लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	श्रीडुप छिरिंग लेप्चा	एमए (लेप्चा)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	श्री उगेन लेप्चा	एमए (लेप्चा)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	श्रीमती ताशी डोमा शेर्पा	10वीं उत्तीर्ण	एमटीएस		लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति(*केवल स्थायी संकाय सदस्यों और एमफिल/पीएचडी छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोधपत्र। केवल भागीदारी का उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए)* :

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
रिनचेन ओंगमू लेप्चा	डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, झारखंड सरकार द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति एवं सांस्कृतिक इतिहास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। 19 -22 मार्च 2024	डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, रांची, झारखंड 19/03/2024 से 22/03/2024 तक।	आमंत्रित वक्ता	लेप्चा. रिनचेन ओंगमू (2024, मार्च) *लेप्चा अनुष्ठानों में प्रकृति का प्रतिबिंब। पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक इतिहास* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, झारखंड।
रिनचेन ओंगमू लेप्चा	नेपाल भाषाविज्ञान सोसायटी का 44वां वार्षिक सम्मेलन.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू 26-27 नवंबर 2023.	आमंत्रित वक्ता	लेप्चा॰ रिनचेन ओंगमू(2023, नवंबर) *सिक्किम के लेप्चा लोककथाओं में प्रकृति का विश्लेषण*। नेपाल की भाषाई सोसायटी का 44वाँ वार्षिक सम्मेलन। त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू।

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम: :

क्र.सं	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय अथव अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	लेप्चा मौखिक आख्यानों की खोज: संरक्षण और दस्तावेज़ीकरण	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	11.03.2024	02	41	सुश्री रिनचेन ओंगमू लेप्चा

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
कुर्सोंगमिथ लेप्चा	IV	भूमि राजस्व और आपदा प्रबंधन, सिक्किम सरकार	सिक्किम
पेम ल्हाकित लपेचा	IV	शिक्षा विभाग, सिक्किम सरकार	सिक्किम

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ- लेप्चा विभाग ने नई शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम शुरू किया है। छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों का पता लगाने में सक्षम हैं। छात्र विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से सीख रहे हैं और उनका मूल्यांकन विभिन्न मूल्यांकन उपकरणों के आधार पर किया जाता है।

लिम्बू विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : श्री अश बहादुर सुब्बा

परिचय

लिम्बू विभाग की स्थापना 2016 में की गई थी, जिससे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और सांस्कृतिक वातावरण का निर्माण हो सके। प्रारंभिक चरण में, विभाग के पहले सत्र को शुरू करने के लिए एक एसोसिएट प्रोफेसर, दो सहायक प्राध्यापक (अनुबंध) और एक अतिथि संकाय और 20 छात्रों के साथ इसकी स्थापना की गई थी। स्थापना से ही विभाग ने लिम्बू भाषा को बढ़ावा देने और विकसित करने और इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य रखा है। यह भाषा, संस्कृति और लिम्बू मुंधम के पुनरोद्धार और उनके संरक्षण पर काम करेगा। विभाग साहित्य को सुव्यवस्थित करने और इसे नेपाली, हिंदी आदि जैसी अन्य भाषाओं के साथ तुलनात्मक बनाने के लिए काम कर रहा है। यह भाषा पाठ्यक्रम संचालित करता है जो छात्रों की विविध कार्यस्थलों पर संवाद करने की क्षमता में सुधार करता है। विभाग लिम्बू समुदाय और अन्य समुदायों से संबंधित इतिहास, लोककथाओं, संस्कृति और परंपराओं का पता लगाने के लिए क्षेत्र-आधारित अध्ययनों पर ध्यान केंद्रित करेगा। ऐसा करने से, छात्र महत्वपूर्ण स्थानों का पता लगा सकते हैं, कलाकृतियों की पहचान करने का अधिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, विश्लेषण कर सकते हैं और आलोचनात्मक सोच की आदत विकसित कर सकते हैं।

प्रमुख क्षेत्र

विभाग सभी छात्रों को सक्षम और कुशल बनाना चाहता है क्योंकि व्यावहारिक कौशल पर जोर देने के लिए कौशल आधारित पाठ्यक्रम हैं जो नौकरी के बाजार के लिए प्रासंगिक हैं जैसे संचार, समस्या समाधान और टीम वर्क। अंतर-अनुशासनात्मक सीखने के माध्यम से, यह छात्रों को बहुमुखी कौशल सेट बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। चूंकि विभाग में अनुभवी संकायों की कमी है, इसलिए इसने छात्रों और संकाय सदस्यों को विशेष रूप से शोध पर प्रेरित करने और नियत पाठ्यक्रमों में विभाग को मजबूत करने के लिए विशेष विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशालाओं का आयोजन करने का लक्ष्य रखा है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	11	19	11	19	46	14	60
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी							
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़							

2. संकाय सदस्य :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	अश बहादुर सुब्बा	एमए (लिम्बु), एमए, एमफिल	सहायक प्राध्यापक	15. 12. 2020	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	मुगीप हांग लिम्बू	एमए (लिम्बू)	सहायक प्राध्यापक	23. 03.	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

				2023			
3	बाल बहादुर सुब्बा (अनुबंधित)	बीए (ऑनर्स) एलएलबी	Associate प्रोफेसर				
विजिटिंग प्रोफेसर							
1							
अतिथि संकाय							
1	अंबर सिंह लिंबू	एमए (लिम्बू)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	सु हंगमा लिम्बु	एमए (लिम्बू)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	देवेश गुरुंग	10वीं कक्षा	एमटीएस		लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण

जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	उदाहरण *1:* नजर इन, दास एस, कुमार एस, शर्मा पी, मोंडल के, शेरपा एमटी और ठाकुर एन *(2022)* जीनस जियोबैसिलस से संबंधित थर्मोफिलिक बैक्टीरिया में भारी धातु सहिष्णुता और एंटीबायोटिक प्रतिरोध का सह-अस्तित्व। फ्रंटियर माइक्रोबियोल। *13:914037. doi: 10.3389/fmicb.2022.914037*		6.06	फ्रंटियर्स	1664302X
2.	उदाहरण ***2:*** शर्मा, पी., मोंडल, के., मोंडल, के.सी., ठाकुर, एन. ***(2022)*** मेटाजीनोम से ***α***-एमाइलेज की खोज और इसकी थर्मोस्टेबिलिटी में सुधार करने की रणनीतियाँ: एक व्यवस्थित समीक्षा। वर्ल्ड जे माइक्रोबियोल बायोटेक्नोलोजी ***38, 203 (2022)*** https://doi.org/10.1007/s11274-022-03396-0		4.25	स्प्रिंगर	1573-0972

पुस्तकें

संकाय सदस्य	**आईएसबीएन के साथ प्रकाशन**
	उदाहरण: छेत्री, पी., और महापात्रा, एस.एस. (2021) पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता। मुंबई: हिमालयन पब्लिशिंग हाउस। आईएसबीएन: 978-93-5433-393-4

मुगीप हांग लिम्बू	मुरिंगला, मुगिप हांग(2024) निसामलेन ये:क्या.सिलीगुड़ी:उपमा प्रिंटिंग प्रेस. आईएसबीएन: 978-93-92035-91-3
बल बहादुर सुब्बा	मुरिंगला, बाल (2023)। यकथुंग आत्मव:द रा मुन्धुम वर्गीकरण। सोरेंग: पंच-पूर्णी फाउंडेशन आईएसबीएन: 978-93-94508-86-6

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
अश बहादुर सुब्बा	सुब्बा, ऐश बहादुर (2024)। *इम्बिरी मिकफंग*। सिक्किम और उसके आस-पास के क्षेत्रों की तिब्बती-बर्मी भाषाएँ। सिक्किम: यकथुंग फोजुम्भो नामली तुमलाबोंग

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
अश बहादुर सुब्बा	भारतीय भाषा सम्मेलन-सिक्किम	17.03.2024	संसाधन वक्ता	प्रारूप 2: (सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर) अश बहादुर सुब्बा (2024. 03. 17). यकथुंग पा:नलेन तप्होवा नु कुसे:पी (लिम्बु भाषा का विकास और संरक्षण), भारतीय भाषा सम्मेलन, पर्यटन हॉल, गंगटोक

4. वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम ***(प्रत्येक कार्यक्रम का केवल एक चित्र उपलब्ध कराएं)*****:**

क्र.सं	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय अथव अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
	ध्वन्यात्मकता की खोज: लिम्बू भाषा में भाषण ध्वनि पैटर्न का विश्लेषण	अंतर्राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	6-7 अप्रैल 2024	श्री. निशेष अंगदेम्बे, पत्रकार, इंडिजिनस रेडियो, नेपाल	आमंत्रित प्रतिभागी, संकाय, छात्र	श्री अश बहादुर सुब्बा
					श्री दिलेन्द्र कुमार सुब्बा, सदस्य, नेपाल अकादमी		

4. वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर और देश)
सुश्री सबित्रा लिंबू	IV (2024)	स्वास्थ्य विभाग, सिक्किम सरकार	गेजिंग, सिक्किम
सुश्री साही हंगमा लिंबू	IV (2024)	बिजली विभाग, सिक्किम सरकार	सोरेंग, सिक्किम
मुक्ला हांग सुब्बा	IV (2023)	सिक्किम अल्पाइन विश्वविद्यालय	नामची, सिक्किम

नेपाली विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. कबिता लामा

परिचय :

भाषा और साहित्य स्कूल में नेपाली विभाग ने 2011 के मानसून सेमेस्टर में एम.ए. कार्यक्रम के साथ शुरुआत की। यह भारत के तीन नेपाली विभागों में से एक है। अन्य नेपाली विभागों के विपरीत, सिक्किम विश्वविद्यालय का नेपाली विभाग अपनी अवधारणा में आधुनिक है, अपने दृष्टिकोण में अंतःविषय है, और अपने अनुसरण में ज्ञान के व्यापक क्षेत्रों को शामिल करता है। विभाग में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रम भाषा, साहित्य, समाज, समुदायों और संस्कृतियों से संबंधित समकालीन मुद्दों को समायोजित करने और संबोधित करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार उनके बीच सह-निरंतरता को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। नेपाली विभाग न केवल छात्रों की विविध शैक्षणिक रुचियों को संबोधित करने के लिए बल्कि उन्हें बढ़ावा देने, संरक्षित करने और दस्तावेज करने के लिए क्षेत्र की भाषाओं, लिखित और मौखिक साहित्य, संस्कृतियों आदि के अध्ययन को प्रोत्साहित करता है। नेपाली विभाग प्रोफेसर कबिता लामा, विभागाध्यक्ष डॉ. समर सिन्हा, डॉ. देवचंद्र सुब्बा, डॉ. बलराम पांडे और डॉ. अरुणा राई और अतिथि अतिथि सदस्य, डॉ. सुमन बंटावा और डॉ. सूरज गुरुंग के साथ यांगंग परिसर में स्थित है।

प्रमुख क्षेत्र

एम.ए. पाठ्यक्रम में विभाग सामान्य भाषाविज्ञान, अनुवाद, साहित्य का इतिहास, शोध पद्धति, लोककथा, पत्रकारिता, रचनात्मक लेखन, फिल्म अध्ययन, और नेपाली साहित्य के मुख्य विषयों के साथ-साथ अध्ययन और शोध के कई अन्य ऐसे समकालीन, प्रासंगिक, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। पाठ्यक्रम क्षेत्र-आधारित अध्ययन, मौखिक प्रस्तुति और एकीकृत पाठ्यक्रम घटकों के रूप में क्षेत्र रिपोर्ट और अकादमिक प्रकाशनों के साथ डिज़ाइन किए गए हैं, और शोधकर्ताओं को अकादमिक अवसर और जोर प्रदान करने के लिए एम.ए. थीसिस है।

विभाग ने 2015 से एम.फिल (2013-022) और पीएचडी कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य न केवल छात्रों में शैक्षणिक रुचि विकसित करना, क्षमता निर्माण करना है, बल्कि शोध को बढ़ावा देना, नीति-निर्माण में सहायता करना और ऐसे अनुप्रयोग विकसित करना है जो भाषाओं, समाजों, संस्कृतियों, क्षेत्रों और राष्ट्र तथा समग्र मानवता के हितों की सेवा करते हों।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या: 26

शिक्षण कर्मचारियों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							लागू नहीं
स्नातकोत्तर		24		34	50	08	58
एमफिल (अगर कोई हो)							लागू नहीं
पीएचडी					15	11	26
पोस्ट-डॉक/शोध सहयोगी(अगर कोई हो)							लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ़					01 नेट-जेआरएफ		01

2. संकाय सदस्य

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रो कबिता लामा	एमए, पीएचडी	प्रोफेसर	04/04/2012		एमफिल - 02	लागू नेही
2	डॉ समर सिन्हा	एमए, एमफिल, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	29/03/2012	उद्धरण: 52 एच-इंडेक्स : 05 i10-इंडेक्स : 03	एमफिल- 01	01
3	डॉ. देवचंद्र सुब्बा	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	12/04/2012		एमफिल- 01	लागू नेही
4	डॉ. बलराम पांडे	एमए, एमफिल, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	01/05/2012		एमफिल- 01	लागू नेही
5	डॉ. अरुणा राई	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	14.09.2017		एमफिल- 01 पीएचडी- 01	लागू नेही
अनुबंध आधारित प्रोफेसर							
1	प्रो. पुष्पा शर्मा (सेवानिवृत्त)	एमए,पीएचडी	प्रोफेसर	15/05/2014	लागू नहीं	एमफिल-02	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ. सुमन बंटावा	एम.ए., पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	डॉ सूरज गुरुंग	एमए, एमफिल, पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	हरि माया राय	10 वीं उत्तीर्ण	एमटीएस	01/11/2019	लागू नहीं	लागू नहीं	अनुबंध आधारित
2	प्रिया थापा	12 वीं उत्तीर्ण	एमटीएस	28/03/2015	लागू नहीं	लागू नहीं	अनुबंध आधारित

3. प्रकाशनों का विवरण

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्य का नाम: डॉ. समर सिन्हा

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	एक समीक्षा लेख: चोकसी, निशांत. 2021. पूर्वी भारत में ग्राफिक राजनीति। नई दिल्ली: ब्लूम्सबरी.	भारतीय भाषाविज्ञान 83(3-4)		भारतीय भाषाविज्ञान सोसायटी	0378-0759

संकाय सदस्य का नाम: डॉ. देवचंद्र सुब्बा

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	सुब्बा, डी, भारतीय पेरिप्रेक्ष्य में मुख्य नेपाली मातृभाषा का महत्वा और चुनौतियाँ, भाषा			केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार	0523-1418

अतिथि संकाय का नाम: डॉ सूरज गुरुंग

1.	गुरुंग, सूरज (2024) भिन्न क्षमाताका प्रमुख प्रतिमानहारु। कंचनजंगा, वर्ष-02, अंक-02	सहकर्मी समीक्षित संदर्भित बहुभाषी जर्नल	शून्य	कंचनजंघा स्टेट यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम	शून्य
2.	गुरुंग, सूरज (2024) अंग्रेजी-नेपाली मशीन अनुवादसिता संबंधित केहि समस्याहरु। अकादमी जर्नल, वर्ष-22, अंक-09	समकक्ष समीक्षित पत्रिका	शून्य	नेपाली अकादमी, सिक्किम	978-93-94508-18-7

ख: पुस्तकें

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
डॉ. देवचन्द्र सुब्बा (एकल लेखक)	सुब्बा, डी (2023), निसंग यात्रा: सुभाष दीपक, कलिलम्पोंग: उम्पमा प्रकाशन, आईएसबीएन; 978-93-92035-08-1
डॉ. बलराम पांडे (संपादक)	पांडे, बलराम (2023) *भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण (पीएलएसआई), सिक्किम की भाषाएं*, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, आईएसबीएन: 978-93-5442-310-9

ग: पुस्तकों का अध्याय

संकाय का नाम	प्रकाशन
बलराम पांडे एवं समर सिन्हा (सह-लेखक)	पांडे, बलराम और समर सिन्हा (2023) *नेपाली, भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण* (पीएलएसआई), सिक्किम की भाषाएं (संपादक :गणेश देवी, बलराम पांडे), पृष्ठ 1-27, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, आईएसबीएन: 978-93-5442-310-9
बलराम पांडे एवं समर सिन्हा (सह-लेखक)	पांडे, बलराम और समर सिन्हा (2023) *माझी, भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण* (पीएलएसआई), सिक्किम की भाषाएं (सं. गणेश देवी, बलराम पांडे), पृष्ठ 179 - 185, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, आईएसबीएन: 978-93-5442-310-9
बलराम पांडे और अनिरा	पांडे, बलराम और अनिरा फ़िपोन लेप्चा (2023) *लेप्चा, इन भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण (पीएलएसआई), सिक्किम की भाषाएं* (सं.

फ़िपोन लेप्चा (सह-लेखक)	गणेश देवी, बलराम पांडे), पीपी 223 - 242, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, आईएसबीएन: 978-93-5442-310-9
डॉ. देवचंद्र सुब्बा	सुब्बा, देवचंद्र (2024). हरित आध्यात्मिकता: पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने की समग्र कुंजी, भारत में प्रौद्योगिकी और समाज में (संपादक डॉ. फुजैल, अबुल काशिम, डॉ. जर्तिता दास, संजय कुमार सील), दिल्ली, अखंड प्रकाशन गृह, आईएसबीएन; 978-93-9087096-7
डॉ. देवचंद्र सुब्बा	सुब्बा, देवचंद्र (2023), रामकृष्ण शर्माको आध्यात्मिक दृष्टिकोन: अष्टबक्र, में- *रामकृष्ण शर्मा व्यक्तित्व र कृतित्व*, कलिम्पोंग, नेपाली अध्ययन समिति, आईएसबीएन: 978-81-958837-1-4
डॉ. देवचंद्र सुब्बा	सुब्बा, देवचंद्र (2024) उपासना कबिता: प्रिया मौनाता, में - उंटको काव्यिक उपासना, काठमांडू, शब्द-साया, आईएसबीएन: 9789937149150

4. वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति *(केवल स्थायी संकाय सदस्यों और एमफिल/पीएचडी छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोधपत्र। केवल भागीदारी का उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए):*

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
प्रो. कबिता लामा	बोडो विभाग द्वारा आयोजित "शोध क्रिया प्रविधि" पर	बोडोलैंड विश्वविद्यालय, 25 अप्रैल 2023	आमंत्रित वक्ता	
	दो दिवसीय कार्यशाला में "रचनात्मक लेखन" पर पेपर प्रस्तुत किया	कारगिल ऑडिटोरियम हॉल, उदालरी, असम, 22 अप्रैल 2024	संसाधन व्यक्ति	
	"नेपाली कविता और रचनात्मक लेखन की कला" पर एक पेपर प्रस्तुत किया	विश्वनाथ कॉलेज, असम, 23 अप्रैल 2024	संसाधन व्यक्ति	
	स्पार्क कार्यशाला में "नेपाली लोक साहित्य" पर व्याख्यान दिया	ऑनलाइन, 27 फरवरी 24	संसाधन व्यक्ति	
डॉ. समर सिन्हा	विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस स्वदेशी समुदाय: दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया पर केंद्रीय	कैलिफ़ोर्निया/ऑनलाइन 19 अगस्त 2023	आमंत्रित वक्ता	सिक्किम और उत्तरी बंगाल की स्वदेशी भाषाएँ
	भारत में आदिवासी साहित्य के अनुवाद का इतिहास	कलकत्ता विश्वविद्यालय *19-22* मार्च *2024*	पूर्ण अधिवेशन वक्ता	संकेतों का अनुवाद
	विश्व लुप्तप्राय लेखन दिवस	लुप्तप्राय अक्षर, कैलिफोर्निया 23 जनवरी 2024	आमंत्रित वक्ता	*एक दुर्लभ केस स्टडी: सिक्किम की लुप्तप्राय भाषा परियोजना*
	विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के प्रति आधुनिक साहित्यिक और भाषाविज्ञान सिद्धांतों का दृष्टिकोण	कंचनजंघा स्टेट यूनिवर्सिटी 15-16 मार्च 2024	मुख्य वक्ता	*सिक्किम की क्षेत्रीय भाषाओं की वर्तमान स्थिति*
	नेपाली और बंगाली में गणितीय विज्ञान और तकनीकी शब्दावली के अनुप्रयोग	सीएसटीटी, भारत सरकार 21-22 मार्च 2024	आमंत्रित वक्ता	नेपाली में शब्दावली निर्माण रणनीतियाँ
डॉ. बलराम पांडे	भारतीय नेपाली चलचित्र: अध्ययन र बिमर्षा	साउथफील्ड कॉलेज, दार्जिलिंग 16/03/2024	संसाधन व्यक्ति	भारतीय नेपाली चलचित्र अनी संसामयिक संदर्भ
	सिक्किम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	संसाधन व्यक्ति	इतिहास के स्रोत के रूप में लोकगीत और साहित्य

	संगोष्ठी का आयोजन	14 – 15 मार्च, 2024		
अतिथि संकाय				
डॉ. सूरज गुरुंग	कम्प्यूटेशनल प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICCTE-2023)	सीएसटी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (एनबीयू) 14/11/2023	संसाधन व्यक्ति	प्रतीका राई, डॉ. सूरज गुरुंग, डॉ. सरद सिन्हा, रंजीत सुब्बा, रोशा कुमार प्रसाद (2023), नेपाली भाषण में इंटोनेशन पैटर्न की खोज: टेक्स्ट टू स्पीच सिस्टम के लिए एक ध्वन्यात्मक और भाषाई विश्लेषण, डॉ. मुक्ता मजूमदार, डॉ. जे के एम सादिक उज ज़मान, डॉ. मिली घोष और प्रो. समरजीत चक्रवर्ती (संपादक), स्प्रिंगर नेचर कंप्यूटर साइंस बुक सीरीज़ (सीसीआईएस, एलएनएआई, एलएनबीआई, एलएनबीआईपी या एलएनसीएस)
शोधार्थी				
गायत्री थापा	भारतीय नेपाली चलचित्र: अधध्यन र विमर्श	साउथफील्ड कॉलेज, दार्जिलिंग 16/03/2024	संसाधन व्यक्ति	प्रेमपिंड नाटक अनी प्रेमपिंड चलचित्रमाझ संवाद योजनको अधध्यन
सबीना राणा	मगर-2023 पर शैक्षणिक सम्मेलन	काठमांडू, नेपाल 24 – 25 नवंबर, 2023	संसाधन व्यक्ति	सिक्किमका मगर जातिको लोक ऐतिहासिक अध्ययन
	सिक्किम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन	सिक्किम विश्वविद्यालय 14 – 15 मार्च, 2024	संसाधन व्यक्ति	मगर संस्कृति मा जीवन अनी प्रकृतिको महत्व: संदर्भ बराहिमिजोंग

5. वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं :

संकाय सदस्य	**परियोजना शीर्षक**	**वित्तपोषक एजेंसी**	**परियोजना अवधि**	**प्राप्त कुल अनुदान**	**परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)**
डॉ समर सिन्हा	सुनुवार और कागेट भाषा/मातृभाषा (एसपीपीईएल-एसके परियोजना)	एसपीपीईएल, सीआईआईएल, मैसूर	6 महीने (अगले 6 महीने तक बढ़ाया गया)	रु॰17,07,832/-	04
डॉ देवचंद्र सुब्बा	समाज निर्माण साहित्यको भूमिका: संद्रव भारतीय नेपाली समाज	सिक्किम विश्वविद्यालय	1 वर्ष	75K	शून्य
अतिथि संकाय					
डॉ. सूरज गुरुंग	राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन	सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2 वर्ष	45,00,0,00 /-	07

5. वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम(प्रत्येक कार्यक्रम का केवल एक चित्र उपलब्ध कराएं)::

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्त पोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1.	भारतीय नेपाली साहित्य	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	22 मार्च 2024	05	140	प्रो. कबिता लामा

6. **वर्ष** 2023-24 **के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना** *(केवल प्रयोगशाला आधारित विभागों के लिए, यदि कोई हो)*:

क्र.	उपकरण विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्त पोषक एजेंसी		उद्देश	अनुमानित उपयोग (%)
							उदाहरणार्थ 2019-20 के दौरान 85%

7. वर्ष 2023-24 के दौरान एमफिल उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	आशिका सुनवार	"सिक्किमको सुनुवार भाषाको अध्ययन"	डॉ. समर सिन्हा	20/07/2022	06/06/2023
2.	बिजय मोक्तान	"भारतीय नेपाली कथामा सीकर प्रसंगको विश्लेषानात्मक अध्ययन"	प्रो. कबिता लामा	20/07/2022	06/04/2023
3.	चंद्र कान्त प्रधान	"नेवाड़ी लोककथाको सर्वेक्षणात्मक अध्ययन"	प्रो. पुष्पा शर्मा	07/07/2022	06/04/2023
4.	गायत्री थापा	"भारतीय नेपाली रंगमंचीय नाटक का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन"	डॉ. अरुणा राई	26/06/2022	06/04/2023
5.	मेनुका भुजेल	"तत्वगत वैशिष्टका आधारमा संजय बिस्टको संधान्त कथा संग्रहको अध्ययन"	डॉ. देवचंद्र सुब्बा	29/06/2022	06/04/2023
6.	मेन प्रसाद शर्मा	"रस सिद्धांतका आधारमा भानुभक्तिय रामायणको अध्ययन"	प्रो. पुष्पा शर्मा	28/06/2022	06/04/2023
7.	प्रीतम घटानी	"पत्र प्रयोगका धृष्टिले नेपाली कथाको अध्ययन"	प्रो. कबिता लामा	04/07/2022	06/04/2023
8.	सबीना राणा	"मंगरजोंगका संदर्भमा सिक्किमका मंगरहरुको लोक ऐतिहासिक अध्ययन"	डॉ. बलराम पांडे	20/07/2022	06/04/2023

8. वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्राप्त करने की तिथि
1.	रोजन राई	"भारित्य नेपाली कथामा लोक जीवनको अध्ययन""	डॉ. अरुणा राई	16/06/2022	19/06/2023

9. वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)

10. वर्ष 2023-24 में छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)

11. वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1.	कृष्णा माया दाहाल	महिला	जेआरएफ़

12. 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा दी जाने वाली परामर्श सेवाएँ, यदि कोई हों:

परामर्श परियोजना/ कार्यक्रम/सेवा	परामर्श चाहनेवाले संस्थान	परियोजना/कार्यक्रम तिथियाँ और अवधि	प्राप्त परामर्श वित्तपोषण/सेवा शुल्क

13. **वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :**

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर और देश)
सिलशिला गुरुंग	द्वितीय सेमेस्टर	आईसीडीएस	लोअर टी गार्डन

(iV) जीव विज्ञान विद्यापीठ

वनस्पति विज्ञान विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. डी.आर. छेत्री

परिचय: सिक्किम विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की स्थापना जुलाई 2011 में 'एथनो-बॉटनी और सामाजिक चिकित्सा अध्ययन विभाग' के रूप में की गई थी, जिसे 2013 में वर्तमान वनस्पति विज्ञान विभाग में परिवर्तित कर दिया गया। विभाग पूर्वी हिमालय की समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विविधता की पृष्ठभूमि में पौधों की विविधता के अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करता है और इसका उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों के क्षेत्रों में योगदान देना है। वर्तमान में, विभाग वनस्पति विज्ञान में मास्टर और पीएचडी कार्यक्रम का संचालन करता है। विभाग द्वारा संचालित किए जानेवाले पाठ्यक्रमों में आधुनिक सैद्धांतिक और व्यावहारिक निर्देश शामिल हैं, साथ ही विषय के शास्त्रीय पहलुओं को दरकिनार किए बिना क्षेत्र की जैव विविधता, पारिस्थितिकी, नृवंशविज्ञान जलवायु परिवर्तन, शरीर विज्ञान और आनुवंशिक विविधता पर गहन अध्ययन शामिल हैं। विभाग का उद्देश्य क्षेत्र के पारंपरिक ज्ञान को प्रमाणित करना, किफायती पौधों की पहचान करना, उत्पाद विकसित करना और प्रौद्योगिकियों को प्रयोगशाला से भूमि तक स्थानांतरित करना है। विश्वविद्यालय में, यह पहला विभाग है जिसने कोई अतिरिक्त शोध परियोजना शुरू की है और भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से एफआईएसटी समर्थन प्राप्त किया है।

प्रमुख क्षेत्र :

विभाग के अध्ययन के प्रमुख क्षेत्र नीचे सूचीबद्ध हैं:

- जनसंख्या और आवास का आकलन, महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की प्रजातियों की पारिस्थितिक आला मॉडलिंग और इसके लिए उपयुक्त संरक्षण रणनीति विकसित करना।
- गठिया रोधी, कैंसर रोधी, मधुमेह रोधी और प्रतिरक्षा-संशोधक पौधों के बारे में वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से पौधों के पारंपरिक औषधीय ज्ञान का सत्यापन।
- कृषि, औषधीय और औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण सूक्ष्मजीवों (एआईएम, पीआईएम, आईआईएम), एंडोफाइट्स, पीजीपीआर, पीजीपीएफ और बीसीए का अध्ययन।
- हिमालयी कीटभक्षी कवक की जैविक गतिविधि की पहचान और विश्लेषण।
- वनों और कृषि वानिकी प्रणालियों की कार्बन गतिशीलता, मृदा सूक्ष्मजीव बायोमास और गुण, स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र में पोषक चक्रण पर अध्ययन।
- सिक्किम हिमालय से चावल की भूमि प्रजातियों पर दस्तावेजीकरण और जीनोमिक अध्ययन।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 86

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातकोत्तर	22	22	21	21	62	24	86
पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-एनईटी-जेआरएफ़	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. धनी राज छेत्री	पीएचडी	प्रोफेसर	12/05/2012	69; 11	05 04 जारी	10 01 जारी
2	डॉ अरुण छेत्री	पीएचडी	सह प्राध्यापक	23/04/2014	32; 8	02 06 जारी	07
3	एन. बिजया लक्ष्मी देवी	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	22/04/2014	21; 09	01 04 जारी	04
4	डॉ अरुण कुमार राई	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	17/11/2015	30;12	04 जारी	01 जारी
5	डॉ. संतोष कुमार राई	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	29/03/2012	28; 2	2	03
अतिथि संकाय							
1	डॉ विजेता राई	पीएचडी	अतिथि संकाय	लागू नहीं	7; 2	लागू नहीं	लागू नहीं
2	डॉ. पतृष लेप्चा	पीएचडी	अतिथि संकाय	लागू नहीं	7; 3	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

	नाम	अर्हता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	लागू नहीं		
1	डॉ. दीपक छेत्री	पीएचडी	तकनीकी सहायक	17.05.2012	5; 2	लागू नहीं	लागू नहीं
2	रोशन राई	बीएससी, एमए	प्रयोगशाला सहायक	24.08.2017	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण :

जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र :

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1	**छेत्री, डी.आर.**, योनजोन एस और मुखिया आर. ब्रायोफाइट्स में एंजाइम्स के लिए बायोप्रोस्पेक्टिंग: *स्फाग्नम जुंगुहनियानम* डोज एट मोल्क से एल-मायो-इनोसिटोल-1-फॉस्फेट सिंथेस का निष्कर्षण और इसका लक्षण वर्णन। साउथ अफ्र. जे. बॉट., 163: 692-702 (2023) https://doi.org/10.1016/j.sajb.2023.11.022	स्कोपस/वेब साइन्स	3.1	एल्सेवियर	1664302X
2	**देवी, एन.बी.,** लेप्चा, एन.टी. पूर्वी हिमालयी वनों का कार्बन सिंक और स्रोत कार्य: जलवायु और जैविक चर में परिवर्तन के निहितार्थ. एनवायरन मॉनीट	स्कोपस	3.0	स्प्रिंगर	0167-6369

	असेस 195, 843 (2023)https://doi.org/10.1007/s10661-023-11460-x				
3	राम, एस., शर्मा, एच., **राई, ए.के.** म्यूकोर्मिकोसिस रिसर्च: बिब्लियोमेट्रिक दृष्टिकोण के माध्यम से एक वैश्विक दृष्टिकोण। आईजेएसएमसी (2023)। 3:1. https://doi.org/10.47909/ijsmc.38	स्कोपस	1.8	स्कोपस	27093158, 27097595
4	दहिया, डी., शर्मा, एच., **राई ए.के.,** निगम, पी.एन. सर्कुलर बायोइकोनॉमी की स्थिरता के लिए रिड्यूस, रीसाइकिल, रीयूज (3आर) के लिए सूक्ष्मजीवों और शैवाल को नियोजित करने वाली जैविक प्रणालियों और प्रक्रियाओं का अनुप्रयोग। *एआईएमएस माइक्रोबायोलॉजी*। (2022) 8 (1): 83–102।	स्कोपस	2.7	एआईएमएस स स्कोपस	2471-1888
5	**राई, ए.के.** सतत कृषि में छोटे दिग्गज एंडोफाइट्स: रुझान और संभावनाएं. आईजेएफएमआर, **2024.** खंड **6,** अंक **2,** https://doi.org/10.36948/ijfmr.2024.v06i02.17686. ई-आईएसएसएन : 2582-2160	स्कोपस/वेब साइन्स	9.24	भविष्यवादी अनुसंधान प्रकाशन और पत्रिकाएँ	2582-2160
6	खनाल एम, राई एस.के., कुमार डी, **चेत्री ए** और सरकार एस. गैस्ट्रोडिया बम्बू (ऑर्किडेसी: एपिडेंड्रोइडी), भारत के ऑर्किड फ्लोरा में अद्वितीय अतिरिक्त विशेषता और रेड लिस्ट मूल्यांकन के साथ एक नया संसकरण. जे. जाप. बॉट., 98 (6): 328-334. 2023. डीओआई: https://doi.org/10.51033/jjapbot.ID0181	वेब ऑफ साइन्स	0.225	त्सुमुरा एंड को	2436-6730
7	यादव पी, ओरांव पीके, लेप्चा डी, चंद्रा ए, टंडन आर, **चेत्री ए,** डार टीयूएच, बैश्य आर, बेहरा एमडी, बारिक एसके और गोयल एस. प्रिमुला डेंटिकुलाटा से जीनोम-वाइड माइक्रोसैटेलाइट्स का विकास और जीनस की विभिन्न प्रजातियों में उनकी उपयोगिता. एस. अफ्र. जे. बॉट. 165: 384-393. 2024	स्कोपस/वेब साइन्स	3.1	एल्सेवियर	0254-6299
8	खनाल, एम., सरकार, एस., **राई, एस. के.,** कुमार, डी., रावत, एस., राई, पी., ए., डी. के. *गैस्ट्रोडिया सिक्किमेंसिस* (ऑर्किडेसी: गैस्ट्रोडिए): सिक्किम, भारत से एक नई होलोमाइकोट्रोपिक प्रजाति. *फाइटोटैक्सा* 635 (2):157-164. 2024 https://doi.org/10.11646/phytotaxa.635.2.5	डबल्यूओएस	1.1	मैगनोलिया प्रेस, ऑकलैंड न्यूज़ीलैंड	1179-3163
9	खनाल, एम., **राई, एस.के.,** कुमार, डी., छेत्री, ए., सरकार, एस. *गैस्ट्रोडिया बांस* (ऑर्किडेसी: एपिडेंड्रोइडी), अद्वितीय अतिरिक्त लक्षण वर्णन और रेड लिस्ट मूल्यांकन के साथ भारत के ऑर्किड वनस्पतियों में एक नया जोड़। *जर्नल ऑफ जापानी बॉटनी* 98(6):328-334. 2023. doi: https://doi.org/10.51033/jjapbot.ID0181	डबल्यूओएस	लागू नहीं	त्सुमुरा प्रयोगशाला, जापान	0022-2062
10	सुब्बा, ए.आर., **राई, एस.के.,** गुरुंग, जे., सिंह, बी. सिक्किम हिमालयी क्षेत्र से *रयूम नोबेल* हुक.एफ. और थॉमसन की एंटीऑक्सीडेंट और गठिया रोधी गतिविधि पर एक जांच। *इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स एंड रिसोर्सेज*, वॉल्यूम14(3): 434-443. 2023, डीओआई: 10.56042/ijnpr.v14i3.4786	डबल्यूओएस	0.8	सीएसआईआर-एनआईसीएससीएआरई	0976-0512
11	खनाल, एम., छेत्री, एम., छेत्री, बी., **राई, एस.के.,** देवेन्द्र, के., शेरपा, एन. सिक्किम, भारत से *इम्पेतिन्स रिव* एक्स एल. (बालसामिनेसी) की एक नई प्रजाति। एनई बाओ.वॉल्यूम14(1):1-4.2023. आईएसएसएन:2278-2281.	डबल्यूओएस	लागू नहीं	पूर्वोत्तर पर्यावरण शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, इम्फाल	2278-2281

पुस्तकें :

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
डॉ. संतोष कुमार राई	छेत्री, अरुण और **राई, संतोष कुमार** (2023) *सिक्किम के जंगली औषधीय पौधे*, (संपादक: जे.एच. फ्रैंकलिन बेंजामिन और राजीब गोगोई)। राज्य औषधीय पौधे बोर्ड, गैर-लकड़ी वन उपज क्षेत्र, वन और पर्यावरण विभाग, सिक्किम सरकार, आईएसबीएन: 978-81-960622-0-0
डॉ. अरुण कुमार राई	**छेत्री, अरुण** और राय, संतोष कुमार (2023) *सिक्किम के जंगली औषधीय पौधे*, (संपादक: जे.एच. फ्रैंकलिन बेंजामिन और राजीब गोगोई)। राज्य औषधीय पौधे बोर्ड, गैर-लकड़ी वन उपज क्षेत्र, वन और पर्यावरण विभाग, सिक्किम सरकार। आईएसबीएन: 978-81-960622-0-0

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
एन. बिजयालक्ष्मी देवी	**देवी, एन.बी.,** लेप्चा, एन.टी., भूटिया, पी.टी., रॉकी, पी., साहू, यू.के., पांडे, आर., नाथ, ए.जे. (2023)। हिमालयी क्षेत्र की कृषि वानिकी प्रणालियों की जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ: एक अवलोकन। डागर, जे.सी., गुप्ता, एस.आर., सिलेशी, जी.डब्ल्यू. (संपादक), एशिया और अफ्रीका में कृषि के सतत गहनीकरण के लिए कृषि वानिकी। एशिया और अफ्रीका में सतत विज्ञान। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-19-4602-8_15.
अरुण कुमार राई	**राई, ए.के.**, शर्मा, एच. (2022) अध्याय 14. शीत-अनुकूलित सूक्ष्मजीव और पौधों की वृद्धि में उनकी संभावित भूमिका। में: *शीत-अनुकूलित सूक्ष्मजीवों में जीवित रहने की रणनीतियाँ।* स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड। आईएसबीएन 978-981-16-2625-8 (ईबुक)। **राई, ए.के.,** गुरुंग, एस.ए. (2022) अध्याय 3. अगली पीढ़ी के लिए माइक्रोएल्गल वादा: कॉस्मेटिक्स और बायोफ्यूल्स के दोहरे संभावित परिप्रेक्ष्य। में: *माइक्रो-एलगे: नैक्सट-जेनेरेशन फीडस्टॉक फॉर बायोरिफाइनरिस*। आईएसबीएन 978-981-19-0793-7 (ईबुक)। **राई, ए.के.,** गुरुंग, एस.ए. (2022) माइक्रोएल्गल बायोरिसोर्स से तीसरी पीढ़ी के जैव ईंधन: संभावित रणनीति और वर्तमान रुझान। में - *माइक्रो-एलगे: नैक्सट-जेनेरेशन फीडस्टॉक फॉर बायोरिफाइनरिस*, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड. आईएसबीएन 978-981-19-0680-0 (ईबुक). **राई, ए.के.,** गुरुंग, एस.ए. गोगोई, बी., शर्मा, एच. (2022) अध्याय 8. पौधों की वृद्धि और सुरक्षा के लिए माइक्रोबियल बायोप्रोडक्ट्स: रुझान और संभावनाएँ। में: केमिकल्स से बायोलॉजिकल्स तक प्लांट प्रोटेक्शन. वाल्टर डी ग्रुइटर जीएमबीएच, जेन्थिनर स्ट्रेस 13, 10785 बर्लिन, जर्मनी। आईएसबीएन 978-311-077-1558। डीओआई 10.1515/9783110771558-008। शर्मा, एच., **राई, ए.के.** (2023) अध्याय 5. सतत ई-कचरा प्रबंधन के लिए बायोरेमेडिएशन रणनीतियाँ। में: सतत ई-कचरा प्रबंधन के लिए बायोरेमेडिएशन रणनीतियाँ। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड एजी गेवरबेस्ट्रैस 11, 6330 चाम, स्विट्जरलैंड। आईएसबीएन 978-3-031-25677-6 आईएसबीएन 978-3-031-25678-3 (ईबुक)। https://doi.org/10.1007/978-3-031-25678-3. सुनर, के., दास, के, **राई, ए.के.** और गुरुंग, एस. (2022) लाभकारी माइक्रोबियल कंसोर्टिया और जलवायु परिवर्तन की स्थितियों में टिकाऊ कृषि में उनकी भूमिका। माथुर, पी, कपूर, आर और रॉय, एस., (संपादक), *माइक्रोबियल सिम्बियन्ट्स और प्लांट हेल्थ: बदलती जलवायु के लिए रुझान और अनुप्रयोग* (पृष्ठ 41)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड: सिंगापुर। आईएसबीएन: 978-981-99-0030-5 (ईबुक)।https://doi.org/10.1007/978-981-99-0030-5 गुरुंग, एस., **राई, ए.के.**, सुनर, के., दास, के. **(2023)**। प्लांट-एंडोफाइट इंटरैक्शन: जलवायु परिवर्तन की स्थितियों में प्लांट हेल्थ को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरक घटना। में - माथुर, पी, कपूर, आर और रॉय, एस., (संपादक) में। माथुर, पी, कपूर, आर और रॉय, एस., (संपादक) *माइक्रोबियल सिम्बियन्ट्स और प्लांट हेल्थ: बदलती जलवायु के लिए रुझान और अनुप्रयोग* (पृष्ठ **233**)। आईएसबीएन: **978-981-99-0030-5** (ईबुक)। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड: सिंगापुर **https://doi.org/10.1007/978-981-99-0030-5_10** **राई, ए.के.** (2023) कृषि क्षेत्र में एक्टिनोमाइसेट्स की बायोएक्टिव क्षमता। माइक्रोबियल बायोएक्टिव यौगिकों में: औद्योगिक और कृषि अनुप्रयोग। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड: सिंगापुर। आईएसबीएन 978-3-031-40081-0 आईएसबीएन 978-3-031-40082-7 (ईबुक) https://doi.org/10.1007/978-3-031-40082-7 **राई, ए.के.,** गोगोई, बी., गुरुंग, आर. (2023) मीठे पानी के नीले-हरे शैवाल: भविष्य के ग्रह पृथ्वी के कल्याण के लिए टिकाऊ कृषि और पर्यावरण के लिए एक संभावित उम्मीदवार। पृष्ठ 409. में - मीठे पानी के माइक्रोबायोलॉजी की वर्तमान स्थिति। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड: सिंगापुर। आईएसबीएन 978-981-99-5017-1 आईएसबीएन 978-981-99-5018-8 (ईबुक) https://doi.org/10.1007/978-981-99-5018-8 **राई, ए.के. (2023)** कृषि क्षेत्र में एक्टिनोमाइसेट्स की बायोएक्टिव क्षमता। माइक्रोबियल बायोएक्टिव कम्पाउंड में; औद्योगिक और कृषि अनुप्रयोग। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड: सिंगापुर। आईएसबीएन **978-3-031-40081-0** आईएसबीएन **978-3-031-40082-7** (ईबुक) https://doi.org/10.1007/978-3-031-40082-7

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
बिनु गोगोई (शोधार्थी)	जैविक विज्ञान में उभरती सीमाओं : जलवायु परिवर्तन, कृषि प्रौद्योगिकी और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: (आईसीईएफ़बीएस), 2024	गुवाहाटी 15 से 17 मार्च, 2024	लागू नहीं	सिक्किम हिमालय क्षेत्र के औषधीय पौधे *ए.रिव्यूलेरिस* से पृथक किए गए एंडोफाइटिक कवक पीएआरएलएफ़1 की रोगाणुरोधी क्षमता।
पुष्पांजलि चेतिया (शोधार्थी)	प्लांट सिस्टमैटिक्स, बायोजियोग्राफी और जैव विविधता संरक्षण में प्रगति पर आईएएटी और इंटरनेशनल सेमिनार का XXXIII वार्षिक सम्मेलन, 2023।	कोलकाता 25 से 27 नवंबर 2023	लागू नहीं	फाम्बोंगलो वन्यजीव अभयारण्य में उन्नयन ढाल के साथ एपीफाइटिक मॉस समुदायों के वितरण को प्रभावित करने वाले छाल कारक।
रोहित दत्ता (शोधार्थी)	परिवर्तनकारी और टिकाऊ समाज की दिशा में उच्च शिक्षा और अनुसंधान: उप विषय: प्रकृति, पृथ्वी, पर्यावरण और अनुप्रयुक्त विज्ञान	त्रिपुरा 12/10/2023	लागू नहीं	फ़र्न के बीजाणु लक्षण और उसका वर्गीकरण महत्व, त्रिपुरा, भारत

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं :

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)
डी.आर.छेत्री	सिक्किम के दो गांवों में केसर की खेती और पद्धतियों तथा कटाई के बाद प्रबंधन का अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक।	नाबार्ड	2023-25	9.95 लाख	06
एन. बिजयालक्ष्मी	पूर्वी हिमालय में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कृषि-वानिकी प्रबंधकों के बीच जलवायु परिवर्तन के प्रति सामाजिक-पारिस्थितिक संवेदनशीलता का आकलन।	डीएसटी, नई दिल्ली	2020-2024	30.5 लाख	02
डॉ. अरुण कुमार राई	"पूर्वोत्तर भारत में पौधों और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए साइट्रस माइक्रोबायोम से एंडोफाइट्स और अर्बुस्कुलर माइकोराइजल कवक का उपयोग"	डीबीटी	3 yrs	1.13 करोड़	01
डॉ. अरुण कुमार राई	सिक्किम के दो गांवों में केसर की खेती और पद्धतियों तथा कटाई के बाद प्रबंधन का अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक	नाबार्ड	2023-25	9.95 लाख	06
डॉ. संतोष कुमार राई	हिमालय में जल सुरक्षा के लिए वसंत ऋतु का कायाकल्प	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार	2023-24	17.95 लाख	01 (एसआरएफ़)

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषिक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	प्रोफेसर एकलव्य शर्मा, पद्मश्री का अभिनंदन तथा 'पूर्वी हिमालय की जैव विविधता को समझना: चुनौतियाँ और आगे का रास्ता' विषय पर संगोष्ठी	राष्ट्रीय	स्वयं (एसयू)	12/03/2024	03	150	डी.आर.छेत्री
2	सिक्किम विश्वविद्यालय के यांगयांग परिसर में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम और वृक्षारोपण अभियान	स्थानीय	स्वयं (एसयू)	27/09/2023	07	40	एस.के. राई और ए. छेत्री

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना:

क्र.सं.	उपकरण का विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी	उद्देश्य	अनुमानित उपयोग (%)
1.	फ्लोरोसेंट माइक्रोस्कोप (ओलंपस)	18.03.2024	12,50000/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	शोध	50%

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1.	श्री दीपक छेत्री	सिक्किम हिमालय की देशी चावल किस्मों का आनुवंशिक और पोषण संबंधी विश्लेषण.	डॉ. एन. सत्यनारायण	16.12.2022	24.04.2023
2.	श्री अभिजीत छेत्री	दार्जिलिंग हिल्स के एंटोमोपैथोजेनिक कवक इसारिया के एंटीऑक्सीडेंट और कैंसर विरोधी गुणों का मूल्यांकन	डॉ. धनी राज छेत्री	03.04.2023	07.09.2023
3.	सुश्री रक्षा मुखिया	सिक्किम हिमालय के शीत प्रतिरोधी वनस्पतियों से एल-मायो-इनोसिटोल-1-फॉस्फेट सिंथेस के लिए जैव-पूर्वेक्षण: *हिप्पोफे सैलिसिफोलिया* डी. डॉन से एंजाइम का आंशिक शुद्धिकरण और जैव-रासायनिक लक्षण वर्णन	डॉ. धनी राज छेत्री	29.12.2023	10.05.2024
4.	श्री भूपेन रोका	संकेतक प्रजातियों के संदर्भ में सिंगालीला राष्ट्रीय उद्यान, दार्जिलिंग की वनस्पति पारिस्थितिकी पर अध्ययन	डॉ. धनी राज छेत्री	16.12.2022	02.10.2023

वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र: 01

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1.	मदन सन्यासी	पुरुष	सीएसआईआर-नेट

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्ति :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
प्रणिता छेत्री	चौथे सेमेस्टर	कृषि विभाग, सिक्किम सरकार	गंगटोक, सिक्किम
रूपेश सुब्बा	चौथे सेमेस्टर	कृषि विभाग, सिक्किम सरकार	गंगटोक, सिक्किम
यांगचेन भूटिया	चौथे सेमेस्टर	शिक्षा विभाग, सिक्किम सरकार	गंगटोक, सिक्किम
मायाल्मित लेप्चा	चौथे सेमेस्टर	पशुपालन विभाग, सिक्किम सरकार	गंगटोक, सिक्किम
रिन्जिंग भूटिया	चौथे सेमेस्टर	शिक्षा विभाग, सिक्किम सरकार	गंगटोक, सिक्किम
डॉ. रक्षा मुखिया	पीएचडी	समाज कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार	सोरेंग, सिक्किम

विभाग/केन्द्र/विश्वविद्यालय द्वारा आउटरीच कार्यक्रम और समुदायों को जोड़ना (यदि कोई हो):

सिक्किम हिमालय के विभिन्न गांवों में केसर (क्रोकस सैटाइवस) के उत्पादन और कटाई के बाद प्रबंधन के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास और केसर का 'प्रयोगशाला से भूमि तक' हस्तांतरण।

उद्यानिकी विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. नीलाद्रि बाग

परिचय:

उद्यानिकी विभाग की स्थापना 2009 में सिक्किम विश्वविद्यालय के अग्रणी व्यावसायिक पाठ्यक्रम विभागों में से एक के रूप में की गई थी। विभाग चार विशेषज्ञताओं, जैसे फल विज्ञान, सब्जी विज्ञान, पुष्प विज्ञान, और वृक्षारोपण, मसाले, औषधीय और सुगंधित फसलें के साथ उद्यानिकी में स्नातकोत्तर और पीएचडी डिग्री पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए एनईपी और आईसीए संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार अपना पाठ्यक्रम तैयार किया है। विभाग का लक्ष्य इसे शिक्षण और बागवानी अनुसंधान में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करना है, जो मुख्य रूप से स्थानीय फसल जर्मप्लाज्म, उत्पादन प्रौद्योगिकियों, जैविक खेती, फसल सुधार और कटाई के बाद के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है। विभाग क्षेत्र में बागवानी फसलों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार के संस्थानों/संगठनों के साथ तालमेल और अच्छे संबंध स्थापित करने का प्रयास करता है।

प्रमुख क्षेत्र :

- जैविक खेती- उत्पादन और कीट, नाशीजीव और रोग प्रबंधन
- बागवानी फसल उत्पादन में सुधार और
- स्थानीय बागवानी फसलों का संरक्षण और मूल्य संवर्धन

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 38

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छत्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातकोत्तर	15	लागू नहीं	16	लागू नहीं	9	22	31
पीएचडी	3	लागू नहीं	4	लागू नहीं	5	2	7
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-एनईटी-जेआरएफ़	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	1	लागू नहीं	1

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रो.लक्ष्मण शर्मा	पीएचडी	प्रोफेसर	23.06.2014	96; 17	08	03
2	प्रोफेसर नीलाद्रि बाग	पीएचडी	प्रोफेसर	10.02.2016	45; 15	05	03

3	डॉ. सुजाता उपाध्याय	पीएचडी	सह प्राध्यापक	17/03/2023	06;	06	-
4	डॉ. अमृत लामिचानी	पीएचडी	सह प्राध्यापक	26.12.2023	42; 13	-	01
5	डॉ. मंजू राणा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	29.03.2012	20; 05	04	-
6	डॉ. कर्मा डिकी भूटिया	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	23.05.2014	25; 05	04	-
7	डॉ. राजेश कुमार	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	08.12.2015	35; 07	03	02
8	डॉ अनामिका गुरुंग	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	21.11.2023	12; 02	-	-
अतिथि संकाय							
1	डॉ. कबिता गुरुंग	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	गगन गुरुंग	एमएससी	तकनीकी सहायक	20/01/2021	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	ओमा गुरुंग	बीएससी	प्रयोगशाला परिचारक	20/01/2021	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण

जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1	बामनिया, बी.एस., दास, टी., शेरपा, टी.एल., तारे, के., राना, एम., **बाग, एन.** *राल्स्टोनिया सोलानासीरम* के कारण होने वाला जीवाणु विल्ट: सिक्किम, भारत में उगाए जाने वाले बैंगन के लिए एक संभावित खतरा। नेशनल अकादमी साइन्स लेटर्स 2024 (स्वीकृत)	लागू नहीं	1.2	स्प्रिंगर	2250-1754
2	**लामिचाने, ए,** तिवारी, के., कटियार, पी.के., परिहार, ए.के., प्रताप, ए. मूंग *(विग्ना रेडिएटा एल.)* के पौधे को उच्च सीओ2 सांद्रता के संपर्क में लाने से इसकी वृद्धि और उपज पर प्रभाव पड़ता है। नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स। 2024. 47(2):195-198 https://doi.org/10.1007/s40009-023-01340-w	लागू नहीं	1.2	स्प्रिंगर	2250-1754
3	**लामिचाने. ए.,** सतीश, एन. एस. जे., काली, के. एच., दत्ता, डी., परिहार, ए. के., रेवा नासिद्दा, ए., कटियार, पी. के. कैजानस और राइनोशिया की जंगली प्रजातियों में बीज आवरण द्वारा क्रॉप साइन्स 64(1): 386-398।	लागू नहीं	2.0	विली	1435-0653

	https://doi.org/10.1002/csc2.21130				
4	सूगन्ना, जैन, एस.के., **लामिचेनी, ए.,** साहा, एस., एएनएंड, ए., लाल, एस.के. सोयाबीन के बीज की दीर्घायु के तंत्र को समझने के लिए टोकोफेरोल और एंटीऑक्सीडेंट परख। लेग्यूम रिसर्च। 2024. 47(3):397-403। https://doi.org/10.18805/LR-4516	लागू नहीं	0.8	कृषि अनुसंधान संचार केंद्र	0976-0571
5	शेर्पा, पी., भट्टाराई, बी., **राणा, एम..** नार्दोस्ताचिस ग्रैंडिफ्लोरा का पारिस्थितिक अध्ययन: सिक्किम हिमालय का एक लुप्तप्राय औषधीय पौधा. *एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी*. 2023. 41 (4ए): 2446-2451 डीओआई: https://doi.org/10.60151/envec/ पीजीएनएच3076	वेब ऑफ साइन्स	लागू नहीं	एमकेके प्रकाशक	0970-0420
6	राई, सी.के., **राणा, एम.,** शर्मा, एल. लिलियम की इब-विवो स्थिति के तहत बल्बलेट वृद्धि की वृद्धि पर पादप वृद्धि पदार्थों और जैव-वर्धक की प्रतिक्रिया. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस. 2023. 35(14): 57-68 डीओआई: 10.9734/IJPSS/2023/v35i143021	एनएएएस रेटिंग: 5	लागू नहीं	पादप एवं मृदा विज्ञान सोसायटी	2320-7035
7	बामनिया, बी.एस., दास, टी., शेरपा, टी.एल., तारे, के., **राणा, एम.,** बैग, एन. *राल्स्टोनिया सोलानासीरम* के कारण होने वाला जीवाणु विल्ट: सिक्किम, भारत में उगाए जाने वाले बैंगन के लिए एक संभावित खतरा। नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स. 2024. (स्वीकृत)	लागू नहीं	लागू नहीं	स्प्रिंगर	2250-1754
8	शर्मा, डी., **उपाध्याय, एस.,** मणिवन्नन एस., भूटिया के.डी. मैंगो जिंजर *(करकुमा आमाडा)* का मूल्य संवर्धन और उत्पाद विविधीकरण। *जर्नल ऑफ पोस्टहार्वेस्ट टेक्नोलॉजी* 2023 11(1): 66-76।	यूजीसी केयर सूचीबद्ध	एनएएएस स्कोर: 4.25	बिहार कृषि विश्वविद्यालय, भागलपुर, सबौर, बिहार	2348-4330
9	तिमसीना एन., **उपाध्याय, एस,** रामाएनए, एम.डी., थापा, बी. पूर्वी हिमालयी क्षेत्र के चयनित आरईटी औषधीय पौधों की फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग और आयनोमिक विश्लेषण. फार्मा इनोवेशन जर्नल, 2023. 12 (11): 06-11	समकक्ष समीक्षित	एनएएएस स्कोर: 5.23	फार्मा इनोवेशन, नई दिल्ली, भारत	2349-8242
10	बुधाथोकी, आर., भूटिया, के.डी., दास, टी., छेत्री, एस., शर्मा, एल., **उपाध्याय, एस.** नेपाल के विभिन्न स्थानों से ड्रैगन फ्रूट *हाइलोसेरेस पॉलीरिज़स (वेबर)* ब्रिटन और रोज़ के भौतिक-रासायनिक लक्षण। एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी 2023. 41 (4सी): 2853-2858।डीओआई: https://doi.org/10.60151/envec/JFTT4959	वेब ऑफ साइंस में सूचीबद्ध	एनएएएस स्कोर: 5.25	एमकेके पब्लिकेशन, कोलकाता	0970-0420
11	**कुमार, आर.,** कुमार, आर., प्रसाद, बी.डी., कुमार, जे., बामनिया, बी.एस. पूर्वी भारत के लौकी *[लेगेनेरिया सिसेरिया (मोल.) स्टैंडल.]* जीनोटाइप की आनुवंशिक विविधता कृषि-आकृति विज्ञान संबंधी लक्षणों और आईएसएसआर मार्कर्स के माध्यम से: भविष्य के प्रजनन के लिए निहितार्थ। जेनेटिक रिसर्च क्रॉप ईवोल्यूशन 2024.71, 873-891। डीओआई: 10.1007/s10722-023-01670-0	स्कोपस, वेब ऑफ साइंस	2.0	स्प्रिंगर	0925-9864
12	प्रसाद, एस.के., **कुमार, आर.,** देबनाथ, ए., शर्मा, एन. भारत के उत्तर पूर्वी हिमालय के विभिन्न ऊंचाई वाले स्थानों पर उगाए जाने वाले पेड़ टमाटर *(सोलनम बीटासियम कैव.)* जीनोटाइप में मॉर्फो-बायोकेमिकल विविधता। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडीशनल नॉलेज 2024. 23 (1), 25-34doi: 10.56042/ijtk.v23i1.8140	स्कोपस, वेब ऑफ साइंस	0.7	सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर	0972-5938
13	कौशिक, के., और **कुमार, आर.** भूरे रंग की सरसों ब्रैसिका जंसिया एल.में एफिड *लिपाफिसरीसिमी* (काल्ट) के खिलाफ पौधे के अर्क की प्रभावकारिता इंडियन जर्नल एनटॉम । 2024. डीओआई 10.55446/IJE. 2024.1664	वेब ऑफ साइंस	लागू नहीं	भारतीय कीटविज्ञान सोसायटी	0367-
14	शर्मा, एल., **कुमार, आर.,** यादव, ए. सिक्किम हिमालय से चायोट *[सेचियम एडुले (जैक)]* जीनोटाइप का मॉर्फो-बायोकेमिकल लक्षण वर्णन। एनवा. इको. 2023. 41(3डी), 2181-2192	वेब ऑफ साइंस	लागू नहीं	एमकेके प्रकाशन	0970-0420

15	शर्मा डी., उपाध्याय, एस., मणिवन्नन, एस., **भूटिया, के.डी**. आम अदरक *(करकुमा आमदा)* का मूल्य संवर्धन और उत्पाद विविधीकरण। जर्नल ऑफ पोस्टहार्वेस्ट टेक्नोलॉजी। 2023.11(1): 66-76. आईएसएसएन: 2348-4330	यूजीसी सूचीबद्ध	लागू नहीं	खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	2348-4330
16	लेगो, ए., उपाध्याय, एस., **भूटिया, के.डी.,** शर्मा, एल. सिक्किम मंदारिन वाइन की भौतिक-रासायनिक विशेषताएँ और संवेदी मूल्यांकन। जर्नल ऑफ पोस्टहार्वेस्ट टेक्नोलॉजी. 2023. 11(1):54-65. आईएसएसएन:2348-4330 https://doi.org/10.1007/s11274-022-03396-0	यूजीसी सूचीबद्ध	लागू नहीं	खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	2348-4330
17	पौडेल, आर., **भूटिया, के.डी.,** कुमार, आर., यादव, ए.के., खरका, ए. भिंडी *(एबेलमोस्चस एस्कुलेंटस एल.)* की वृद्धि, उपज और गुणवत्ता विशेषताओं पर जैविक उर्वरकों और वर्मीवॉश स्प्रे का प्रभाव। इको. एनवा. एंड कन्स. 2024. 11(1): 30, 631-635.	12454	लागू नहीं	ईएम इंटरनेशनल	0971-765X
18	छेत्री, के., उपाध्याय, एस., **भूटिया, के.डी.,** शर्मा, एल. कीवी फलों (एक्टिनिडिया डेलिसिओसा प्लैंच) के भंडारण और गुणवत्ता विशेषताओं पर विभिन्न पैकेजिंग सामग्री का प्रभाव. जर्नल ऑफ पोस्टहार्वेस्ट टेक्नोलॉजी. 2024. 12(2): 34-43. https://doi.org/10.48165/jpht.2024.12.2.04	लागू नहीं	लागू नहीं	खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	2348-4330
19	बुधाथोकी, आर., **भूटिया, के.डी.,** दास, टी., चेत्री, एस., शर्मा, एल., उपाध्याय, एस. नेपाल के विभिन्न स्थानों से ड्रैगन फ्रूट हाइलोसेरेस पॉलीरिज़स (वेबर) ब्रिटन और रोज़ के भौतिक-रासायनिक लक्षण। एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी 2023. 41 (4सी), 2853-2858lhttps://doi.org/10.60151/envec/JFTT4959	लागू नहीं	लागू नहीं	एमकेके	0970-0420
20	यादव, ए.के., **भूटिया, के.डी.,** राय, जी., यादव, ए. माइक्रोग्रीन्स: पोषक तत्वों से भरपूर फसल जो खाद्य प्रणाली में विविधता ला सकती है। 2023. एग्री आर्टिकल्स। 3(5): 585-587.	लागू नहीं	लागू नहीं	www.agriarticles.com	2853-2858

पुस्तकें :

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साठा प्रकाशन
डॉ. राजेश कुमार	श्रीनिवास, जे., और **कुमार, आर.** (2024) उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय सब्जी फसलें। नई दिल्ली: नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस। आईएसबीएन: 978-93-56512-10-8

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
डॉ. सुजाता उपाध्याय	**उपाध्याय सुजाता,** पांडे यमुना, भूटिया कर्मा डिकी, शर्मा लक्ष्मण और मणिवन्नन एस. (2023) सिक्किम के स्वदेशी फलों और सब्जियों का पोषण संबंधी महत्व। में - कृषि विज्ञान में उभरते रुझान। वॉल्यूम 15. संपादक: याद वीर सिंह, एकीकृत प्रकाशन, नई दिल्ली, पृष्ठ 67-82 आईएसबीएन: 978-93-5834-677-0
डॉ. सुजाता उपाध्याय	राई गुड्डू और **उपाध्याय सुजाता** (2024) काली मिर्च के रोग और कीट प्रबंधन। मसाला फसलों के प्रमुख कीट और रोग तथा उनका प्रबंधन। संपादक: भावना वर्मा, कमल तनवर, अहमद अफ्तारिका आज़मी, हसन वाजिद, वैशम्पायन संजय, एम्पायरियल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, भारत, पृ. 80-88 आईएसबीएन: 978-81-967311-9-9
डॉ. राजेश कुमार	**कुमार, आर.,** शर्मा, एल. कुशवाह, जे.के. और बामनिया, बी.एस. (2023) बारहमासी सब्जियों के उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और शमन रणनीतियाँ एक पुस्तक में; एस.एस. सोलंकी, एम. कुमारी (संपादकों) द्वारा बदलती जलवायु के तहत सब्जी उत्पादन पर शोध में प्रगति, ओलेरीकल्चर में

	प्रगति, स्प्रिंगर नेचर.https://doi.org/10.1007/978-3-031-20840-96 Pages- 127-148.
डॉ. राजेश कुमार	लामिचाने, एस., **कुमार, आर.,** प्रकाश और थंजाम, आर. (2023) सब्जी फसलों में बायोफोर्टिफिकेशन पर एक किताब में चर्चा; *फ्रंटियर्स इन हॉर्टिकल्चर सस्टेनेबिलिटी* पृष्ठ- 93-107. नई दिल्ली इंटीग्रेटेड पब्लिकेशन्स, आईएसबीएन: 978-93-5834-036-5

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं: 01

संकाय सदस्य	**परियोजना शीर्षक**	**वित्तपोषक एजेंसी**	**परियोजना अवधि**	**प्राप्त कुल अनुदान**	**परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)**
प्रो. लक्ष्मण शर्मा (पीआई) और अमृत लामिचाने (सीओ-पीआई)	सिक्किम में दालों को बढ़ावा देना	आईसीएआर-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर	2 वर्ष	15.5 लाख	शून्य

वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र: 01

क्र.सं.	**छात्रों का नाम**	**लिंग**	**फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा**
1.	लकी डेम भूटिया	महिला	सीएसआईआर-जेआरएफ

छात्र और पूर्व छात्र सुर्खियों में (यदि कोई हो):

विभाग के सात पूर्व छात्रों को कृषि विकास अधिकारी आउटरीच कार्यक्रम और समुदाय को जोड़ने (यदि कोई हो) के लिए एसएससी में चुना गया:

17.03.2024 को बिरिंग, पाकयोंग में "वर्षा ऋतु की दलहनी फसलों के उत्पादन के लिए उन्नत तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा बाह्य रूप से वित्तपोषित "सिक्किम विश्वविद्यालय में बायोटेक-कृषि नवाचार विज्ञान अनुप्रयोग नेटवर्क (बायोटेक-किसान) हब" परियोजना के अंतर्गत 20 किसानों (5 दिन) के लिए जैव उर्वरक, जैव कीटनाशकों के उपयोग और गुणवत्तापूर्ण खाद बनाने और संवर्धन पर प्रशिक्षण।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा बाह्य रूप से वित्तपोषित "सिक्किम विश्वविद्यालय में बायोटेक-कृषि नवाचार विज्ञान अनुप्रयोग नेटवर्क (बायोटेक-किसान) हब" परियोजना के अंतर्गत 80 किसानों (7 दिन) के लिए सब्जी नर्सरी प्रबंधन और कम लागत वाली नर्सरी इकाई की स्थापना पर प्रदर्शन।

किसानों के खेतों में वर्षा आश्रय/निम्न सुरंग और सुरंग में चलकर सब्जियों की खेती और ब्रोकोली, गोभी, फूलगोभी, पालक जैसी सब्जियों के साल भर उत्पादन तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा बाह्य रूप से वित्तपोषित "सिक्किम विश्वविद्यालय में बायोटेक-कृषि नवाचार विज्ञान अनुप्रयोग नेटवर्क (बायोटेक-किसान) हब" परियोजना के अंतर्गत 80 किसानों (7 दिन) के लिए सब्जी नर्सरी प्रबंधन और कम लागत वाली नर्सरी इकाई की स्थापना पर प्रदर्शन।

नाबार्ड, गंगटोक, सिक्किम द्वारा स्वीकृत परियोजना के तहत 12 किसानों के लिए सिक्किम के दो गांवों (खामडोंग और ओखरे) में केसर की खेती पर प्रशिक्षण और प्रदर्शन।

विभाग द्वारा कल्याणकारी गतिविधियाँ और परोपकार (यदि कोई हो):

विभाग ने किसानों के बीच प्रशिक्षण आयोजित किया और रोपण सामग्री वितरित की। नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ: विभाग मास्टर्स और पीएचडी दोनों में 'स्वयं' पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. नागेंद्र ठाकुर

परिचय:

सिक्किम विश्वविद्यालय में सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग पहला विभाग है, जिसे 2008 में स्थापित किया गया था। वर्तमान में विभाग दो प्रकार के कार्यक्रम, यानी एमएससी और पीएचडी कार्यक्रम संचालित कर रहा है। सूक्ष्म जीवविज्ञान में दो वर्षीय मास्टर ऑफ साइंस कार्यक्रम का उद्देश्य विषय के मौलिक और लागू दोनों क्षेत्रों जैसे पर्यावरण, खाद्य और औद्योगिक सूक्ष्म जीवविज्ञान पर वैचारिक स्पष्टता प्रदान करना है। एमएससी पाठ्यक्रम सामग्री राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई है और इसे 2023-2024 एमएससी बैच से सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इसकी स्थापना के बाद से 300 से अधिक स्नातकोत्तर छात्रों ने विभाग से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है, जिनमें से पच्चीस ने अपनी पीएचडी पूरी की है। पिछले पांच वर्षों में, विभाग ने अच्छे प्रभाव कारक के साथ प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अस्सी से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं, साथ ही बीस से अधिक समीक्षाएं और दस पुस्तक अध्याय भी प्रकाशित किए हैं। संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों जैसे एफएनए, एफएनएएससी, एफएनएएएस, वरिष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार और सेमिनारों के लिए डीबीटी यात्रा अनुदान से प्रतिष्ठित पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।

प्रमुख क्षेत्र :

- खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान, पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान और औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान

1. **वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :** 33

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
पीजी	16	लागू नहीं	17	लागू नहीं	20	13	33
पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	1	3	4
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ	2	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2	2

2. संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रोफेसर डॉ. ज्योति प्रकाश तमांग	पीएचडी, पोस्ट-डॉक	वरिष्ठ प्रोफेसर	12.04.2012	200; 53	7 (सम्मानित); 2 (जमा); 5 (जारी	1
2	डॉ. नागेंद्र ठाकुर	पीएचडी, पोस्ट-डॉक	सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	23.04.2014	40; 23	4 (सम्मानित 1)	1
3	डॉ बुद्धिमान तामांग	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	27.02.2012	03; 13	03 (सम्मानित)	शून्य
4	डॉ बिमला सिंह	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	27.02.2012	9; 4	2	शून्य
5	डॉ. अनिल	पीएचडी, पोस्ट-डॉक	सहायक	23-01-2018	50; 13	02	1

	कुमार वर्मा		प्राध्यापक				
6	डॉ विजय शंकर सिंह	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	22.11.2023	14; 6	0	शून्य
अतिथि संकाय							
1	डॉ. मीरा ओंगमू भूटिया	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	राधा कुमारी बासनेट	एमएससी (सूक्ष्म जीव विज्ञान)	तकनीकी सहायक	07/05/2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	पुकार बिश्वकर्मा	बी. कॉम	प्रयोगशाला सहायक	28/08/2017	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण

जर्नलों में प्रकाशन

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	**तमांग, जे.पी.** किनेमा का अनावरण: हिमालयन किण्वित सोया व्यंजन में परंपरा और विज्ञान का सम्मिश्रण। **2024.** *जर्नल ऑफ एथनिक फूड्स* **doi10.1186/s42779-024-00247-1**	स्कोपस-2021 (यूजीसी केयर सूची-II)	1.37	स्प्रिंगर नेचर	2352-6181
2	**तामांग, जे.पी.**, खारनेयर,, परियार, पी. γ-पॉलीग्लूटामिक एसिड-उत्पादक नवीन *बैसिलस सबटिलिस* तमांग स्ट्रेन का संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण, जिसे स्वतः किण्वित किनेमा से अलग किया गया। फूड *रिसर्च इंटरनेशनल* **2024.190, 114655.doi.10.1016/j.foodres.2024.114655**	A3288	8.1	एल्सेवियर	0963-9969
3	**तामांग, जे.पी.**, खारनेयर,, पी., हलामी, पी. कुछ भारतीय किण्वित खाद्य पदार्थों में लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया और उनकी पूर्वानुमानित कार्यात्मक प्रोफाइल। *ब्राजीलियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी।* **2024. doi.10.1007/s42770-024-01251-y**	A1492	2.2	स्प्रिंगर	1678-4405
4	**तामांग, जे.पी.,** खारनेयर,, पी., दास, एम., सोफ़ेप, ई., थापा, एन. मेटाजीनोमिक्स और मेटाजीनोम-असेम्बल्ड जीनोम *सीयेंग* का विश्लेषण, कंबोडिया का एक जातीय किण्वित सोयाबीन भोजन. फूड *बायोसाइन्स* 2023. 103277.https://doi.org/10.1016/j.fbio.2023.103277.	A3274	5.2	एल्सेवियर	2212-4291
5	खारनेयर, पी. **तामांग, जे.पी.** भारत के घरेलू किण्वित सोयाबीन खाद्य पदार्थों में माइक्रोबायोम और मेटाबोलोम का खुलासा मेटाजीनोम-असेम्बल्ड जीनोम और मेटाबोलोमिक्स द्वारा किया गया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड माइक्रोबायोलॉजी.2023.407, 110417.https://doi.org/10.1016/j.ijfoodmicro.2023.110417.	A4341	5.4	एल्सेवियर	0168-1605
6	दास, एस.. **तामांग, जे.पी.** ताड़ी का मेटाजीनोमिक्स और मेटाबोलोमिक्स, एक भारतीय किण्वित खजूर पेय। फूड रिसर्च इंटरनेशनल 2023. 172, 113205. https://doi.org/10.1016/j.foodres.2023.113205	A3288	8.1	एल्सेवियर	0963-9969

7	शांगप्लियांग, एच.एन.जे., तामांग, जे.पी. जीनोम विश्लेषण संभावित प्रोबायोटिक *लेविलैक्टोबैसिलस ब्रेविस* एसीसीएच91 का भारतीय घरेलू किण्वित दूध उत्पाद (छुरपी) से पृथक किया गया। प्रोबायोटिक्स और एंटीमाइक्रोबियल प्रोटीन. 2023. डीओआई 10.1007/s12602-023-10125-y.	A7919	4.9	स्प्रिंगर	1867-1306
8	शांगप्लियांग, एच.एन.जे., **तामांग, जे.पी.** मेटाजीनोमिक्स और मेटाजीनोम-असेंबल जीनोम से *जलेबी बैटर* में स्वास्थ्य लाभों की खोज, जो भारत का प्राकृतिक रूप से किण्वित अनाज आधारित भोजन है। फूड *रिसर्च इंटरनेशनल* 2023. 402, 113130. https://doi.org/10.1016/j.foodres.2023.113130.	A3288	8.1	एल्सेवियर	0963-9969
9	शांगप्लियांग, एच.एन.जे., **तामांग, जे.पी.** *लाल दही*, एक भारतीय जातीय किण्वित दूध उत्पाद में जैव-कार्यों के बायोमार्करों के लिए मेटाजीनोम-असेंबल जीनोम। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड माइक्रोबायोलॉजी*। 2023. 402, 110300.https://doi.org/10.1016/j.ijfoodmicro.2023.110300.	A4341	5.4	एल्सेवियर	0168-1605
10	दास, एस., नज़र, आई.एन., शेर्पा, एम.टी. कुमार, एस., शर्मा, पी., मंडल, के., तामांग, एस., **ठाकुर, एन.** भारतीय हिमालयी भूतापीय बेल्ट (आई.एच.जी.बी.) से सिक्किम के गर्म झरनों का बेसलाइन मेटाजीनोम-असेम्बल्ड जीनोम (एम.ए.जी.) डेटा, जो इसके संभावित सी.ए.जाइम्स और सल्फर-नाइट्रोजन मेटाबोलिक गतिविधि को दर्शाता है। वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी। 2023. 39:179	लागू नहीं	4.1	स्प्रिंगर	1573-0972
11	कुमार, एस., दास, आर., शर्मा, पी., तमांग, एस., मोंडल, के., दास, एस., शेरपा, एम.टी., **ठाकुर, एन.** विभिन्न तापमान स्थितियों में उच्च ऊंचाई वाली मिट्टी में फंगल विविधता का मूल्यांकन। जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, 2023. 9(2): 65-75.	लागू नहीं	लागू नहीं	आईओएस प्रैस	2395-7697
12	कुमार, एस., नज़र, आई.एन., शर्मा, पी., तामांग, एस., रंजन, आर.के., और **ठाकुर, एन.** (2023)। तापमान - एक महत्वपूर्ण अजैविक प्रतिमान जो प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में जीवाणु विषमता को नियंत्रित करता है। एनवायरनमेंटल रिसर्च. 2023. 234. 116547. आईएसएसएन 0013-9351।	लागू नहीं	8.3	एल्सेवियर	0013-9351.
13	तामांग, एस., शर्मा, पी., कुमार, एस., **ठाकुर, एन.** अंटार्कटिका के बैक्टीरिया में बैक्टीरिया समुदाय संरचना, अनुकूलन और रोगाणुरोधी प्रतिरोध की व्यापकता: एक समीक्षा। पोलर साइंस। 2023. 101034	लागू नहीं	1.5	एल्सेवियर	1873-9652
14	तिर्वा, आर. के., भट्टाराई, ए., और **तामांग, बी.** लैक्टिप्लांटिबैसिलस प्लांटारम डीएमआर09 का ड्राफ्ट जीनोम अनुक्रम, स्वतः किण्वित दही से पृथक किया गया. माइक्रोबायोलॉजी रिसोर्स अनाउंसमेंट. 2023. 12(6), ई01097-22 (2023)। https://doi.org/10.1128/mra.01097-22	स्कोपस में सूचीबद्ध	0.7	एएसएम जर्नल्स	2576-098X
15	दास, आर., **तामांग, बी.,** नज़र, आई. एन., ठाकुर, एन., और मंडल, के. त्रिपुरा, उत्तर पूर्व भारत के किण्वित बैम्बू शूट भोजन के मेटाजीनोमिक्स और उनके पूर्वानुमानात्मक कार्यात्मक विश्लेषण पर पहली रिपोर्ट। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी 2023. 14, 1158411(2023)। https://doi.org/10.3389/fmicb.2023.1158411	स्कोपस में सूचीबद्ध	4.0	फ्रंटियर्स	1664-302X
16	पुनिया, ए.के., जैन, यू., ढिल्लों, एच.एस., हुआंग, जे.वाई., रस्तोगी, एन., और **तामांग, बी.** माइक्रोबायोलॉजिकल खाद्य सुरक्षा: प्रसंस्करण, भंडारण और परिवहन का आकलन। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी 2023. 14, 1184341.	स्कोपस में सूचीबद्ध	4.0	फ्रंटियर्स	1664-302X

	(2023)https://doi.org/10.3389/fmicb.2023.1184341				
17	वर्मा, ए.के., चेत्री, ए., **वर्मा, ए.के.** सेल्वराज, एम., असिरी, एम.ए. बायोरिफाइनरी के लिए लिग्निन की बायोप्रोस्पेक्टिंग: माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी में उभरते नवाचार और रणनीतियाँ। बायोमास एंड बायोएनर्जी। 2024. 181, 107052.https://doi.org/10.1016/j.biombioe.2024.107052	लागू नहीं	5.8	स्प्रिंगर	1573-0972
18	छेत्री, डी., **वर्मा, ए.के**. सिक्किम हिमालय के याक के गोबर से पृथक बैसिलस प्रजाति वाईई16 से बायोएथेनॉल उत्पादन में पूर्व उपचारित गन्ने की खोई का उपयोग करके सेल्यूलेज उत्पादन का सांख्यिकीय अनुकूलन, माइक्रोबायोलॉजिकल रिसर्च। 2023. एल्सेवियर doi.org/10.1016/j.micres.2024.127623	लागू नहीं	6.7	एल्सेवियर	0944-5013
19	छेत्री, डी.,, वर्मा, ए.के, **वर्मा, ए.के**. बायोऑग्मेंटेशन: प्रदूषकों के जैविक उपचार के लिए एक दृष्टिकोण। **बायोडिग्रेडेशन** 2023. स्प्रिंगर *https://doi.org/10.1007/s10532-023-10050-5*	लागू नहीं	**3.0**	स्प्रिंगर	1572-9729
20	छेत्री, डी., वर्मा, ए.के., घोष, एस., **वर्मा, ए.के.** लिग्नोसेल्यूलोसिक फीडस्टॉक से बायोगैस: वर्तमान स्थिति और चुनौतियाँ। पर्यावरण विज्ञान प्रदूषण अनुसंधान। 2023. 31, 1–26. https://doi.org/10.1007/s11356-023-29805-x	लागू नहीं	5.8	स्प्रिंगर	1614-7499
21	छेत्री, डी., राठौड़, जे., वर्मा, ए.के., घोष, एस., **वर्मा, ए.के.** सतत जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों में एंडोफाइटिक सूक्ष्मजीवों की जैव-पूर्वेक्षण क्षमताएँ। सिम्बायोसिस। **2023.** स्प्रिंगर। *https://doi.org/10.1007/s13199-023-00928-6*	लागू नहीं	2.5	स्प्रिंगर	0334-5114
22	छेत्री, डी, **वर्मा, ए.के.,** वर्मा, ए.के. जैव ईंधन के उत्पादन के लिए माइक्रोएल्गी सेल कारखानों की क्षमता की खोज। बायो फ्यूल, 2023. 1-13. *https://doi.org/10.1080/17597269.2023.2233805*	लागू नहीं	2.1	टेलर और फ्रांसिस	1759-7269
23	चेत्री, डी., अहमद, एस., मलिक, ए.ए., **वर्मा, ए.के.** लिग्निन के मूल्य निर्धारण के लिए उसका डीपोलीमराइजेशन। बायोएनर्जी रिसर्च 2023. स्प्रिंगर https://doi.org/10.1007/s12155-022-10561-8	लागू नहीं	**3.6**	स्प्रिंगर	1939-1234
24	बोरो, एम., **वर्मा ए.के.** सांख्यिकीय विधियों का उपयोग करके *कोहेनेला प्रजाति* आरयू14 द्वारा सेल्यूलेज उत्पादन का अनुकूलन। एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी। 2023. स्प्रिंगर https://doi.org/10.1007/s12010-023-04447-4	लागू नहीं	**3.0**	स्प्रिंगर	0273-2289
25	छेत्री, डी., **वर्मा, ए.के.** कार्बोहाइड्रेट सक्रिय एंजाइमों का जैविक महत्व और उनके अवरोधकों का अनुप्रयोग। कार्बोहाइड्रेट रिसर्च. 2023. एल्सेवियर 529, पृ.108853 https://doi.org/10.1016/j.carres.2023.108853	लागू नहीं	**3.1**	एल्सेवियर	0008-6215
26	छेत्री, डी., पति, टी., **वर्मा, ए.के.** अपशिष्टों से माइक्रोप्लास्टिक्स का माइक्रोब-मध्यस्थ जैव-अपघटन। जल और पर्यावरण जर्नल। 2023 विले yhttps://doi.org/10.1111/wej.12882	लागू नहीं	**2.0**	विले	1747-6585
27	जैसवाल, एल.के., सिंह, आर.के., नायक, टी., कक्कड़, ए., कंडवाल, जी., **सिंह, वी.एस.,** गुप्ता, ए. माइकोबैक्टीरियल राइबोन्यूक्लिऐसेस का तुलनात्मक विश्लेषण: एक चिकित्सीय नवीन औषधि लक्ष्य की ओर। इन्फेक्शन, जीनेटिक्स एंड इवल्यूशन 2024। https://doi.org/10.1016/j.meegid.2024.105645	लागू नहीं	3.2	एल्सेवियर	1567-7257

ख : पुस्तकें

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग	तामांग, जे.पी. **(2024)** पारंपरिक मादक पेय पदार्थों के माइक्रोबायोलॉजी और स्वास्थ्य लाभ। एल्सेवियर साइंस पब्लिशिंग कंपनी आईएनसी, लंदन, यूके। आईएसबीएन: **9780443133237**

ग : पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग	शांगप्लियांग, एच.एन.जे., थापा, एन., **तामांग, जे.पी.** (2024) एशिया में लैक्टिक-किण्वित खाद्य पदार्थ और मादक पेय। में : लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया: माइक्रोबायोलॉजिकल और फंक्शनल पहलू, छठा संस्करण' (संपादक: गेब्रियल विंडरोला, आर्थर ओवेहैंड, सेप्पो सालमिनेन, एटे वॉन राइट), पृष्ठ 328-363। सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, न्यूयॉर्क
डॉ. नागेंद्र ठाकुर	मंडल, के., कुमार, एस., सिंह, ए.के., नजर, आई.एन., ठाकुर, एन., मंडल, के.सी., दास, एस. (2024) अध्याय 1 - माइक्रोबियल बायोरेमेडिएशन में औद्योगिक चुनौतियों पर काबू पाना: आधुनिक तकनीकों और सतत प्रथाओं का लाभ उठाना, संपादक: मौलिन पी. शाह, में - डेवलपमेंट्स इन एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, फंक्शनल मेटाजीनोमिक्स, एकेडमिक प्रेस, पृष्ठ 1-20, आईएसबीएन 9780323983723, https://doi.org/10.1016/B978-0-323-98372-3.00005-8.
डॉ. अनिल कुमार वर्मा	1. छेत्री, डी., वर्मा, ए.के. (2023) एंडो-अरबीनेस: स्रोत और अनुप्रयोग, में - **ग्लाइकोसाइड हाइड्रोलेस** , पृष्ठ 243-254, एल्सेवियर https://doi.org/10.1016/B978-0-323-91805-3.00007-1 2. शर्मा, बी., छेत्री, डी., **वर्मा, ए.के.,** सोनी, यू. (2023) नैनोमटेरियल आधारित प्लांट सिस्टम में आनुवंशिक सामग्री की डिलीवरी, में - कृषि और मिट्टी पर नैनोकणों का प्रभाव, पृष्ठ 41-56, एल्सेवियर https://doi.org/10.1016/B978-0-323-91703-2.00015-4 3. छेत्री, डी., **वर्मा, ए.के.,** वर्मा, ए.के. (2023) यीस्ट इंजीनियरिंग का अतीत, वर्तमान और भविष्य, में - जैव ईंधन और स्थिरता के लिए यीस्ट जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति, पृ. 3-20, एल्सेवियर https://doi.org/10.1016/B978-0-323-95449-5.00016-3 4. छेत्री, डी., बोरो, एम., अंसारी, एस., वर्मा, **वर्मा, ए.के.** (2023) न्यूट्रास्युटिकल्स: माइक्रोबियल उत्पादन में प्रगति और बायोमेडिकल संभावनाएं. में- वर्मा, पी. (संपादक) औद्योगिक माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी. स्प्रिंगर, सिंगापुर https://doi.org/10.1007/978-981-99-2816-3_12 5. बोरो, एम., **वर्मा, ए.के.** (2023) चावल के भूसे पर आधारित जैव ईंधन उत्पादन में अंतर्दृष्टि। में : ग्रीन अप्रोच टू अल्टरनेटिव फ्यूल फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर पीपी. 297-309 एल्सेवियर https://doi.org/10.1016/B978-0-12-824318-3.00028-X

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग	फेडरेशन ऑफ यूरोपियन माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटीज (एफ़ईएमएस 2023) के यूरोपीय माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स की 10वीं कांग्रेस, कांग्रेस सेंटर,	हैम्बर्ग, जर्मनी; 9-13 जुलाई 2023	आमंत्रित वक्ता	भारतीय किण्वित खाद्य पदार्थों में स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्षमता के बायोमार्करों के लिए मेटाजीनोम-संयोजन जीनोम का डिकोडिंग
प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग	"खाद्य सुरक्षा को समर्थन देने में जैविक विविधता की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करें" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"	जीव विज्ञान विभाग, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ यूनिवर्सिटास पदजादजारन, बांडुंग, इंडोनेशिया; 4 नवंबर 2023	मुख्य वक्ता	कुछ एशियाई किण्वित खाद्य पदार्थों में मेटाजीनोमिक्स और मल्टी-ओमिक्स दृष्टिकोण
प्रो. ज्योति प्रकाश	"किण्वित खाद्य पदार्थ, स्वास्थ्य स्थिति और सामाजिक कल्याण" पर ग्यारहवां	नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (नेहु),	मुख्य वक्ता	खाद्य विरासत से लेकर भारतीय किण्वित खाद्य

तामांग	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	शिलांग ; 21-22 नवंबर 2023		पदार्थों की सर्वव्यापकता तक
प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग	समुद्री भोजन सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन	आईसीएआर-केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई; 4-5 जनवरी 2024	मुख्य वक्ता	पूर्वोत्तर भारत में मछली किण्वन: खाद्य संस्कृति, मेटाटैक्सोनोमिक और खाद्य सुरक्षा
डॉ. नागेन्द्र ठाकुर	सूक्ष्म जीवीय ओडिसी : जैव प्रौद्योगिकी और उद्योग का अभिसरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात 22-23 दिसंबर 2024।	आमंत्रित वक्ता	उत्तरी सिक्किम, भारत के युमेसमडोंग उच्च-ऊंचाई वाले पारिस्थितिकी तंत्र में सूक्ष्मजीव विविधता और एंटीबायोटिक प्रतिरोध पर तापमान का प्रभाव
डॉ. नागेन्द्र ठाकुर	सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकियों और नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (टीआईएसडी-2023)	मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद 27-29 अक्टूबर, 2023 तक	आमंत्रित वक्ता	तापमान - एक महत्वपूर्ण अजैविक प्रतिमान जो प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में जीवाणुओं की विविधता और उसके एंटीबायोटिक प्रतिरोध का नियंत्रण
सुश्री प्रणिता प्रधान	*"सामाजिक विकास के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान का योगदान"* पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	गंगटोक, सिक्किम, भारत 15 दिसंबर 2023	लागू नहीं	प्रधान, पी और सिंह, बी. (2023, दिसंबर) *बर्गेनिया सिलिएटा (हॉ.) स्टर्नब.* राइज़ोम मेथनॉल अर्क की बहुऔषधि प्रतिरोधी *स्यूडोमोनास एरुगिनोसा* के विरुद्ध जीवाणुरोधी गतिविधि। सिक्किम, भारत।
श्री कुंडहे हांग लिम्बो	*"सामाजिक विकास के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान का योगदान"* पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	गंगटोक, सिक्किम, भारत 15 दिसंबर 2023	लागू नहीं	लिंबू, के.एच. और सिंह, बी. (2023, दिसंबर) *स्टैफिलोकोकस ऑरियस* के क्लिनिकल आइसोलेट्स के विरुद्ध आर्टेमिसिया वल्गेरिस एल. और *बर्गेनिया सिलिएटा (हॉव.) स्टर्नब. के विलायक अंशों की न्यूनतम निरोधात्मक सांद्रता का तुलनात्मक विश्लेषण।* सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, भारत के माइक्रोबायोलॉजी विभाग।

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई परियोजनाएं :

संकाय सदस्य	**परियोजना शीर्षक**	**वित्तपोषक एजेंसी**	**परियोजना अवधि**	**प्राप्त कुल अनुदान**	**परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)**
प्रो. जे.पी.तामांग	भारतीय हिमालय के जातीय किण्वित खाद्य पदार्थों से कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के विकास के लिए तकनीकी नवाचार [हिमालयी जैवसंसाधन मिशन	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2023-2026	16.53 लाख	2 जेआरएफ़
डॉ. नागेन्द्र ठाकुर	जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव आकलन के लिए भारत के उत्तरी सिक्किम के ग्लेशियरों के सूक्ष्मजीवों की पारिस्थितिकीय और शारीरिक भूमिकाएं	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	20.03.2023-19.03.2026	53.55	1 आरए

वर्ष 2023-24 **के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:** 01

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1.	दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "सामाजिक विकास में सूक्ष्म जीव विज्ञान का योगदान"	राष्ट्रीय	विज्ञान और इंजीनियरिंग बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार	15-16 दिसंबर, 2024	04 – प्रख्यात वैज्ञानिक और विशेषज्ञ 14 – शोध विद्वानों द्वारा मौखिक प्रस्तुति	76	डॉ. बुद्धिमान तामांग अध्यक्ष: प्रो. ज्योति पी. तामांग

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान : 1

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1	डॉ. संतोष कुमार	सिक्किम में विभिन्न प्राकृतिक तापीय स्थितियों से पृथक बैक्टीरिया में एंटीबायोटिक संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल	डॉ. नागेंद्र ठाकुर	21.09.2023	20.12.2023

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1	प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग	भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसएआई), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के मादक पेय पदार्थों पर वैज्ञानिक पैनल के अध्यक्ष (2023-2026)।
2	प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग	भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली की वैज्ञानिक समिति के सदस्य (2023-2026)
3	डॉ बिमला सिंह	सिक्किम विश्वविद्यालय अनुसंधान निधि पुरस्कार अधिसूचना -39/2023 दिनांक 09-06-2023

वर्ष 2023-24 **के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:**

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1	चिरंतन साहा	पुरुष	यूजीसी-नेट
2	सयंतन साहा	पुरुष	यूजीसी-नेट

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
संतोष कुमार	पीएचडी	सिक्किम विश्वविद्यालय	गंगटोक, सिक्किम, भारत
शांगप्लियांग, एच.एन.जे.	पीएचडी	पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय	बठिंडा, पंजाब, भारत
राहुल महापात्र	चतुर्थ	सिप्ला फार्मास्युटिकल लिमिटेड,	गंगटोक, सिक्किम, भारत
राधेश्याम महतो	चतुर्थ	एल्केम फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड	गंगटोक, सिक्किम, भारत
शुवम थापा	चतुर्थ	सन फार्मा गंगटोक, सिक्किम	गंगटोक, सिक्किम, भारत
पुनम सरकार	चतुर्थ	टोरेंट फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, गंगटोक	गंगटोक, सिक्किम, भारत
साहिल अंसारी	चतुर्थ	पीएचडी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी	हैदराबाद, भारत

नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ: माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने एनईपी-2022 के दिशानिर्देशों के अनुसार एमएससी और पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया है और 2023 से नया पाठ्यक्रम लागू किया है।

प्राणी विज्ञान विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. बिसु सिंह

परिचय :

प्राणी विज्ञान विभाग की स्थापना 2013 में जीवन विज्ञान के महत्वपूर्ण विषयों में से एक के रूप में की गई थी। विभाग वर्तमान में एमएससी और पीएचडी कार्यक्रम संचालित करता है। प्राणी विज्ञान के संकाय सदस्य विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय संगठनों/विभागों जैसे विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार के हिमालयी अध्ययन पर राष्ट्रीय मिशन और सिक्किम सरकार के वन और पर्यावरण विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से वित्तीय सहायता के साथ जीव विज्ञान के विभिन्न विषयों में सक्रिय रूप से शोध करते हैं। विभाग समय-समय पर विद्वानों, छात्रों और विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, आम नागरिकों और हितधारकों के साथ-साथ देश के अन्य संस्थानों के वैज्ञानिक बिरादरी को शामिल करते हुए कार्यशालाओं, सम्मेलनों, सेमिनारों, प्रशिक्षणों और जागरूकता गतिविधियों जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है। विभाग को 2019 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के डीएसटी-एफ़आईएसटी कार्यक्रम के तहत समर्थन दिया गया है। विभाग के पास प्राणी विज्ञान और संबद्ध विषयों के बुनियादी और अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान करने के लिए प्रमुख और मामूली उपकरणों से सुसज्जित पूरी तरह कार्यात्मक प्रयोगशालाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग में तितली भंडार, आरएस-जीआईएस प्रयोगशाला और पशु गृह सुविधा भी है। विभाग शिक्षण और शोध को समान महत्व देता है, और छात्र और विद्वान दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, जो विश्वविद्यालय परीक्षा और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा जैसे कि नेट, गेट, स्लेट आदि में उनके प्रदर्शन के साथ-साथ प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में गुणवत्तापूर्ण प्रकाशनों में भी परिलक्षित होता है।

प्रमुख क्षेत्र :

- अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र पारिस्थितिकी, संरक्षण जीवविज्ञान, जैव भूगोल, वर्गीकरण, जलवायु परिवर्तन, जैव भूगोल, प्रतिरक्षा विज्ञान, जनसंख्या आनुवंशिकी, स्वास्थ्य विज्ञान, नृवंशविज्ञान और परजीवी विज्ञान पर केंद्रित हैं।
- विभाग जैविक (जैसे वनस्पति विज्ञान, बागवानी/कृषि वानिकी, चिकित्सा विज्ञान, नृवंशविज्ञान) के साथ-साथ सामाजिक-पारिस्थितिक विज्ञान के अन्य विषयों को शामिल करते हुए अंतःविषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है।

1. वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या **: 74**

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातकोत्तर	19	22	22	21	42	20	62
पीएचडी	3	3	1	5	5	7	12
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-एनईटी-जेआरएफ़	लागू नहीं	लागू नहीं	1	लागू नहीं	1	लागू नहीं	1

2. संकाय विवरण

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रो. भोज के. आचार्य	पीएचडी	प्रोफेसर	05.05.2014	37; 15	सम्मानित: 02 पंजीकृत: 04	05
2	डॉ बिसु सिंह	पीएचडी	सह प्राध्यापक	27.5.2014	30; 9	सम्मानित:1 प्रस्तुत:1	04

						पंजीकृत:2	
3	डॉ. बसुंधरा छेत्री	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	02.04.2012	26; 12	सम्मानित: 02 पंजीकृत: 02	01
4	डॉ.सुदीप घाटानी	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	24.11.2015	16; 10	सम्मानित:-1 पंजीकृत:2	
5	डॉ. अर्नब बनर्जी	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	13.07.2023	29; 10	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ. सुमन दाहाल	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	डॉ किशोर शर्मा	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	बेदांत पी सैकिया	बीएससी	तकनीकी सहायक	2.12.2015	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	अशेष शर्मा	बीएससी	प्रयोगशाला परिचारक	25.1.2021	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. प्रकाशनों का विवरण (1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक)

जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1	तामांग, आर., जिन्स, वी.जे., दीवान, एस., चौधरी, एस., रावत, एस., **आचार्य, बी.के.** दो जल-निर्भर पक्षियों की पारिस्थितिक आला मॉडलिंग पूर्वी हिमालय, भारत में संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क के बाहर नदी के पारिस्थितिकी तंत्र की संरक्षण आवश्यकताओं की जानकारी देती है। पीएलओएस वन। 2023. 18(11): ई0294056।	डबल्यूओएस एवं स्कोपस	2.9	पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ साइंस	1932-6203
2	रावत, एन., **आचार्य, बी.के.** सिक्किम हिमालय, भारत से दुर्लभ एनीसोप्टेरा, कैमासिनिया हार्टर्टी, कार्श 1890 (ओडोनाटा: लिबेलुलिडे) की पुनः खोज। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ट्रॉप इन्सेक्ट साइन्स 2024. 44: 989–993।	डबल्यूओएस एवं स्कोपस	1.1	स्प्रिंगर	1742-7592
3	दीवान, एस., **आचार्य, बी.के.** रैपोपोर्ट का नियम पूर्वी हिमालयी ऊंचाई ढाल के साथ तितलियों के रेंज आकार वितरण की व्याख्या करता है। बायोट्रोपिका 2024. 56: e13311	डबल्यूओएस एवं स्कोपस	1.8	उष्णकटिबंधीय जीव विज्ञान और संरक्षण संघ	1744-7429
4	सांचेज़-माज़ास, एलिसिया और अन्य. दुनिया भर में सबसे ज़्यादा पाए जाने वाले एचएलए एलील्स: एक बुनियादी सारांश। सर्वश्रेष्ठ अभ्यास और शोध। क्लिनिकल हेमाटोलॉजी। 2024. 37:2	डबल्यूओएस एवं स्कोपस	2.2	एल्सेवियर	1521-6926
5	चामलागई, डी., गुरुंग, जे., **सिंह, बी.** भारत के पश्चिम बंगाल और सिक्किम के उप-हिमालयी क्षेत्र से भारतीय कामी आबादी के बीच एबीओ और रीसस (डी) रक्त समूह एंटीजन का वितरण। एशियन जर्नल ऑफ ट्रांसफ्यूजन साइंस। 2024. ऑनलाइन प्रकाशित डीओआई: 10.4103/ajts.ajts_158_23	डबल्यूओएस एवं स्कोपस	0.6	मेडनो पब्लिकेशन्स	1998-3565

6	दीपेन्द्र, सी., गुरुंग, जे., **सिंह, बी.** उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल की कामी आबादी में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस और उच्च रक्तचाप के साथ एचएलए का संबंध। इंट जे ह्यूमन जेनेट। 2024. 24(2): 199-204।	डबल्यूओएस	0.1	कमला राज एंटरप्राइजेज	2456-6330
7	गुरुंग, जे., लामा, डी., प्रधान, एस., बेरा, एन.के., **सिंह, बी.** 5 एचटीटीएलपीआर एसएलसी6ए4 जीन का बहुरूपता और सिज़ोफ्रेनिया का जोखिम: उत्तर बंगाल, भारत से एक केस-कंट्रोल अध्ययन। भारतीय मनश्चिकित्सा के इतिहास। **स्वीकृत**	डबल्यूओएस	0.2	मेडनो	2588-8366
8	राइ, ए., मोथे, आर. **छेत्री बी.** पूर्वी हिमालय, भारत में सिक्किम की स्थानिक घास छिपकली टाकीड्रोमस सिक्किमेंसिस (स्क्वामाटा: लैसेर्टिडे) का लैंगिक द्विरूपता और प्रजनन जीव विज्ञान। हेर्पेटोलॉजिकल कंजर्वेशन एंड बायोलॉजी 2023. 18:508-519	वेब ऑफ साइन्स	0.8	हेर्पेटोलॉजिकल कंजर्वेशन एंड बायोलॉजी	2151-0733
9.	दत्ता, ए., दासगुप्ता, डी., **बनर्जी, ए.**, हसनैन, एस.ए., सेन, डी., कुलेरी, एम.एस., भट्टाचार्जी, पी., पॉल, एम. बाएँ या दाएँ: शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में रहने वाले हनुमान लंगूर, *सेमनोपिथेकस एंटेलस* में स्वतंत्र रूप से रहने की आदत। एनिमल बिहैवियर. 2024. 210: 409–418. https://doi.org/10.1016/j.anbehav.2024.01.017	लागू नहीं	2.3	एल्सेवियर	0003-3472

ख : पुस्तकें : शून्य

ग : पुतकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
प्रो. भोज कुमार आचार्य	आचार्य, बी.के., ठाकुरी, बी., दीवान, एस., जिन्स, वी.जे. और चेत्री, एन. (2024) हिमालय जैव विविधता हॉटस्पॉट के पक्षी: विविधता, वितरण और संरक्षण। में - हिमालय के जैव विविधता हॉटस्पॉट (टी. पुलैया एड.), एप्पल एकेडमिक प्रेस, सीआरसी प्रेस (टेलर और फ्रांसिस समूह) द्वारा वितरित, पृ. 293-318.
प्रो. भोज कुमार आचार्य	दीवान, एस., छेत्री, आई.के., सुब्बा लिंबू, ए.एच. और आचार्य, बी.के. (2024) नेपाल और भूटान के साथ भारतीय हिमालय की तितलियाँ। में : हिमालय के जैव विविधता हॉटस्पॉट (टी. पुलैया एड.), एप्पल एकेडमिक प्रेस, सीआरसी प्रेस (टेलर और फ्रांसिस समूह) द्वारा वितरित, पृ. 271-292.
डॉ. बसुंधरा छेत्री	छेत्री, बी और तमांग, आर. (2024) हिमालय जैव विविधता हॉटस्पॉट में हर्पेटोफ़्यूनल विविधता की स्थिति और रुझान। इन: हिमालय के जैव विविधता हॉटस्पॉट (टी. पुलैया एड.), एप्पल एकेडमिक प्रेस, सीआरसी प्रेस (टेलर और फ्रांसिस समूह) द्वारा वितरित, पृ. 251-244.
डॉ. बसुंधरा छेत्री (योगदान देने वाली लेखिकाओं में से एक के रूप में)	मानव-सांप संघर्ष को कम करने के लिए दिशा-निर्देश – सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व दृष्टिकोण अपनाना। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार।
डॉ. अर्नब बनर्जी	बनर्जी, ए., फतह, बी.डी., शार्लर, यू.एम., रे, एस., 2023. पर्यावरण प्रबंधन में पारिस्थितिक मॉडलिंग: इतिहास और अनुप्रयोग, में: पृथ्वी प्रणालियों और पर्यावरण विज्ञान में संदर्भ मॉड्यूल. एल्सेवियर। *https://doi.org/10.1016/B978-0-323-90798-9.00097-4*

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
प्रो. भोज कुमार आचार्य	एक अद्यतन: जैव चिकित्सा अनुसंधान में पशु प्रयोग और नैतिकता	फार्माकोलॉजी विभाग, सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गंगटोक, सिक्किम 20 नवंबर 2023	आमंत्रित वक्ता	भारतीय जैविक अधिनियम 2002 के प्रावधान, तथा वन्य जीवों से संबंधित अनुसंधान से संबंधित नैतिकता

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं :

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)
प्रो. भोज कुमार आचार्य	प्रभावी संरक्षण और प्रबंधन योजना के लिए भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) के चयनित उच्च-ऊंचाई वाले आर्द्रभूमियों की पारिस्थितिक गतिशीलता और पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य का बहुआयामी मूल्यांकन	पर्यावरण एवं वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (एनएमएचएस) के तहत	मार्च 2023-फरवरी 2026	21,06,230/-	04 (चार)
प्रो. भोज कुमार आचार्य	उच्च एल-डीओपीए युक्त पौधों की रासायनिक पारिस्थितिकी और शाकाहारी जीवों के साथ उनकी अंत:क्रिया	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	30 मार्च 2021 से 29 मार्च 2025 तक	18,83,259/-	02 (दो)
डॉ. बिसु सिंह	सिक्किम के रोगियों में अवसाद के पैथोफिज़ियोलॉजी में तनाव, 5-एचटीटीएलपीआर और एपिजेनेटिक परिवर्तनों के विशेष संदर्भ के साथ जीन-पर्यावरण अंत:क्रिया की जांच	डीएसटी-एसईआरबी	3 वर्ष	12,45,000/-	1 जेआरएफ़

4. वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	"जीव विज्ञान में रुझान: अतीत और वर्तमान" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	1.12.2023	प्रो.सुशील दत्ता प्रो.सौरभ रघुवंशी प्रो. शांतनु रे डॉ. वी.एस विजयन डॉ. ललिता विजयन	70	प्रो. भोज कुमार आचार्य

5. वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना :

क्र.सं.	उपकरण विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी	उद्देश्य	अनुमानित उपयोग (%)
1	कैनन कैमरा एसएक्स 70 एचएस	5.2.2024	रु 53,400/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी प्रायोगिक और शोध गतिविधियाँ	85%
2	मिनिन सेंट्रीफ्यूज रेमी आरएम 03	5.2.2024	59,295/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी प्रायोगिक और शोध गतिविधियाँ	85%
3	डेल डेस्कटॉप (03)	5.2.2024	3,66,486/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी प्रायोगिक और शोध गतिविधियाँ	85%
4	एचपी वर्कस्टेशन	5.2.2024	4,57,368/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी प्रायोगिक और शोध गतिविधियाँ	85%
5	टार्सन माइक्रो सेंट्रीफ्यूज	5.2.2024	28,672/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी प्रायोगिक और शोध गतिविधियाँ	85%
6	क्लीवर जेल इमेजिंग सिस्टम	20.2.2024	10,60,584/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी प्रायोगिक और शोध गतिविधियाँ	85%
7	इनसिनरेटर	20.2.2024	38,200/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी प्रायोगिक और शोध गतिविधियाँ	85%
8	इन्सेक्त ग्रोथ चेम्बर	27.2.24	2,64,000/-	सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी प्रायोगिक और शोध गतिविधियाँ	85%

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान : 01

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1	प्रेरणा ढकाल	"सिक्किम में तीस्ता और रंगीत घाटी के साथ उभयचरों का वितरण पैटर्न और चुनिंदा प्रजातियों का फिलोजेनी"	डॉ. बसुंधरा छेत्री/ डॉ. नम्रता थापा	2023	8 जून 2023

1. **वर्ष 2023-24 में छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:**

वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र: 01

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1	नीरा रावत	महिला	इंस्पायर

(v) भौतिक विज्ञान विद्यापीठ

रासायनिकी विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता

परिचय :

रसायनिकी विभाग की स्थापना 2010 में हुई थी, तब से यह विभाग छात्रों के बीच रसायन विज्ञान के सिद्धांतों की समझ और अनुप्रयोगों की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रसायन विज्ञान के कौशल और गहन समझ प्रदान करना है। विभाग रसायन विज्ञान में उन्नत अनुसंधान और मूल बातों के बीच की खाई को पाटने के लिए वैकल्पिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला भी प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में रसायन विज्ञान की सभी तीन प्रमुख धाराओं - अर्थात् अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन में पढ़ाए जाते हैं। विभाग रसायन विज्ञान में वाद्य विधियों पर दो पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। ये सभी पाठ्यक्रम छात्रों को कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी पेश की है जो कार्यक्रम में कौशल और क्षमता-आधारित पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर देती है। विभाग से स्नातक करने वाले छात्रों को उद्योगों, उच्च शिक्षा प्रणाली में नियुक्त किया जाता है

प्रमुख क्षेत्र :

छात्र रसायन विज्ञान के साथ-साथ संबद्ध विषय क्षेत्रों में एक मजबूत आधार प्राप्त करते हैं। वे विज्ञान के क्षेत्र में जटिल समस्याओं की पहचान करने, उन्हें तैयार करने, शोध साहित्य की समीक्षा करने और उनका विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करते हैं। पर्यावरण, सामग्री और दवा डिजाइनिंग की समकालीन समस्याओं की पहचान करना और शोध समस्याओं को हल करना। विभिन्न रसायन विज्ञान समस्याओं को हल करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग। छात्रों की वैज्ञानिक लेखन क्षमताओं को बढ़ाएं। वर्तमान शोध दवा डिजाइनिंग, विभिन्न ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपयोग के लिए उपयुक्त नैनोमटेरियल विकसित करने और उनके कई महत्वपूर्ण उपयोगों के लिए माइक्रोप्रोस और मेसोपोरस सामग्रियों को संश्लेषित करने पर केंद्रित है।

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों का नामांकन :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	18	लागू नहीं	18	लागू नहीं	16	20	36
एमफिल (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं			
पीएचडी	5		3		2	6	8
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1.	प्रोफेसर संजय दाहाल	पीएचडी एवं पोस्ट डॉक	प्रोफेसर	29.10.2020	31;9	3	2
2	डॉ.अखिलेश	पीएचडी एवं पोस्ट डॉक	सह प्राध्यापक	27.07.2021	30;9	एमफिल-4 पीएचडी-	0

	गुप्ता					2	
3	डॉ. सोमेंद्र नाथ चक्रवर्ती	पीएचडी एवं पोस्ट डॉक	सहायक प्राध्यापक	02.04.2012	23;8	पीएचडी उपाधि प्राप्त: 1 पंजीकृत: 3 एमफिल: 2	0
4	डॉ. सुदर्शन तमांग	पीएचडी एवं पोस्ट डॉक	सहायक प्राध्यापक	07.03.2012	24;13	पीएचडी उपाधि प्राप्त:2 पंजीकृत:2 एमफिल उपाधि प्राप्त:2	3
5.	डॉ विश्वजीत गोपाल रॉय	पीएचडी एवं पोस्ट डॉक	सहायक प्राध्यापक	23.04.2014	35;15	एमफिल - 7 पीएचडी-7	4
6.	डॉ. आनंद परियार	पीएचडी एवं पोस्ट डॉक	सहायक प्राध्यापक	22.08.2017	30;16	एमफिल-2 पीएचडी-3	2
विजिटिंग प्रोफेसर							
अतिथि संकाय							
1			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	योग्यता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	लागू नहीं		
1	श्री बिनोद छेत्री	बीएससी, एमए (समाजशास्त्र)	प्रयोगशाला सहायक	15.05.2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण :

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	प्रतिम हजारिका, एम., त्रिपाठी, ए., और **नाथ चक्रवर्ती**, एस. (2024) आणविक गतिकी सिमुलेशन से एकअक्षीय लोडिंग के तहत एचएफएनबीटीएटीआई के समपरमाण्विक और असमपरमाण्विक मिश्रणों में चरण संक्रमण और स्थानीय क्रम का अध्ययन। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 135(14)। https://doi.org/10.1063/5.0200629	लागू नहीं	2.7	एआईपी	0021-8979
2.	प्रतिम हजारिका, एम., और **नाथ चक्रवर्ती,** एस. (2024) आणविक गतिकी सिमुलेशन से गोलाकार रिक्तियों वाले टीआई क्रिस्टल के पिघलने को समझना। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 135(7)। https://doi.org/10.1063/5.0186850	लागू नहीं	2.7	एआईपी	0021-8979
3.	कार्की, एस., और **नाथ चक्रवर्ती, एस.** (2024) एसआई-एलटीए और एलटीए-4ए जिओलाइट्स में हाइड्रोजन सोखना: एक गिब्स एनसेंबल मोंटे कार्लो सिमुलेशन	लागू नहीं	4.8	एल्सेवियर	1879-3312

	अध्ययन। मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 313, 128722। https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2023.128722				
4.	प्रसाद, एम., इंग्लिश, एन. जे., और **चक्रवर्ती, एस. एन.** (2023) तरल जल, इसकी संरचना, गतिकी और हाइड्रोजन बॉन्ड विषमता पर स्थैतिक विद्युत क्षेत्रों का प्रभाव: टीआईपी4पी/2005 जल मॉडल का आणविक गतिकी सिमुलेशन अध्ययन, जर्नल ऑफ केमिकल फिजिक्स, 159(5) https://doi.org/10.1063/5.0153851	लागू नहीं	3.1	एआईपी	0021-9606
5	पेरोक्सीडेज जैसी गतिविधि के लिए कॉपर ऑक्साइड पहलू नियंत्रित प्रतिक्रियाशीलता एस. छेत्री, एल.-टी.वू, एस. रसैली, डी. शर्मा, बी. गुरुंग, आर. दीवान, **एस. तामांग**, जे.-सी. जियांग और ए. परियार कैटेलिसिस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 2024, 14, 202-2012।	लागू नहीं	4.4	रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, यू.के.	2044-4761
6	कॉपर फेनालेनिल आधारित चुंबकीय सुरंग जंक्शनों में इंटरफ़ेस-सहायता प्राप्त कक्ष-तापमान मैग्नेटोरेसिस्टेंस झा, एन.; परियार, ए.; परवीनी, टी.एस.; डेनकर, सी.; वर्धनपु, पी.के.; विजयकुमार, जी.; अहरेंस, ए.; मेयर, टी.; सीबट, एम.; एटोडिरेसी, एन.; मूडेरा, जे.एस.; मंडल, एस.के.; और मुंजेनबर्ग, एम. एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक मटेरियल्स, 2023, 5, 3, 1471 1477।	लागू नहीं	4.3	अमेरिकन केमिकल सोसायटी, यूएसए	2637-6113
7	2डी कॉपर मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क का उपयोग करके एज़िरिडीन से चिरल इमिडाज़ोलिडीन के लिए स्टीरियोस्पेसिफिक सिंगल-पॉट रूट शर्मा, डी.; रसाइली, एस.; छेत्री, एस.; सुरेका, डी.; **तामांग, एस.; और परियार ए.** इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 2023, 62, 11, 4540-4549।	लागू नहीं	4.3	अमेरिकन केमिकल सोसायटी, यूएसए	1520-510X
8	अनुपातिक रूप से डिजाइन किए गए मैंगनीज-आधारित धातु-कार्बनिक ढांचे, नोबल धातु-मुक्त ऑक्सीजन कमी प्रतिक्रिया के लिए एक परोपकारी धातु ऑक्साइड अग्रदूत के रूप में रसैली, एस.; बरुआ, के.; शर्मा, डी.; लेप्चा पी.; बिस्वास एस.; बिस्वास ए.; **तामांग, एस.; और परियार**, एक अकार्बनिक रसायन विज्ञान, 2023, 62, 11, 30	लागू नहीं	4.3	अमेरिकन केमिकल सोसायटी, यूएसए	ISSN: 1520-510X
9	विविध रूप से प्रतिस्थापित ओलेफिन से ए-फ्लोरोकेटोन के लिए एक बहुमुखी दृष्टिकोण: हरित फ्लोरोफार्मास्युटिकल्स की ओर कदम, के. छेत्री, एस. भूयाँ के. पी. फुकन, **बी. जी. रॉय** सस. केम. और फार्म. 2024, 41, 101687 https://doi.org/10.1016/ j.scp.2024.101687	लागू नहीं	6.00	एल्सेवियर	2352-5541
10	धातु-मुक्त दृश्य-प्रकाश उत्प्रेरक अजारिल एन-ऑक्साइड का ऑक्सीजन-मुक्त होना: कुशल हरित संश्लेषण के लिए फोटॉनों का उपयोग करना एस. मंडल, के. पी. फुकन, जे. बसुमतारी, **बी. जी. रॉय,** केम एशियन जे. 2024, doi.org/10.1002/asia.202400147	लागू नहीं	4.57	विले	861-471X
11	ट्रांसग्लाइकोसिलेशन प्रतिक्रिया: कार्बोहाइड्रेट-केस्ड सी2-सिमेट्रिक 20- और 22-मेम्बर्ड मैक्रोसाइक्लिक डायन्यूक्लियोसाइड्स का संश्लेषण और सुपरमॉलेक्यूलर अध्ययन, एन. हुदैत, ए. कर्मकार, ए. बसु, बी. कर, एस. भूयाँ, के. छेत्री, एस. कुंडू, **बी. जी. रॉय**, और जे. सेनगुप्ता केम. सेलेक्ट 2023, 8, e202204311 डीओआई :10.1002/slct.202204311	लागू नहीं	**2.31**	विले	2365-6549

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
डॉ. आनंद परियार	अंतर्राष्ट्रीय रासायनिक सम्मेलन-2023: सतत विकास के लिए रसायन विज्ञान	मई 2023, काठमांडू, नेपाल	आमंत्रित वक्ता	धातु कार्बनिक फ्रेमवर्क के बहुक्रियाशील उत्प्रेरक गुण
डॉ. सुदर्शन तामांग	अंतर्राष्ट्रीय रासायनिक सम्मेलन-2023: सतत विकास के लिए रसायन विज्ञान	मई 2023, काठमांडू, नेपाल	आमंत्रित वक्ता	फ्लोरोसेंट क्वांटम डॉट्स और एमआरआई कंट्रास्ट एजेंटों का संयोजन: मल्टीमॉडल इमेजिंग जांच का विकास
डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता	विज्ञान में नवाचार और प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआईएएस)	10 मई, 2024. महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय	आमंत्रित वक्ता	सैलिसिलएल्डिहाइड और एसिटाइलैसेटोन से व्युत्पन्न शिफ बेस के संक्रमण धातु परिसर

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं:

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)
डॉ. विश्वजीत गोपाल रॉय	डिवैलपमेंट ऑफ नॉवेल एंटीकैंसर एंड एंटी वाइरल थेरेप्युतिक लीड (एस) थ्रू कार्बोहाइड्रेट बेस्ड स्टेरिओसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ स्ट्रक्चरली डाइवर्स न्यूलोसाइड्स एनालॉग्स एंड देयर बायोएक्टिविटी एसे, परियोजना सं CRG/2023/007728, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली, 3 वर्ष (पीआई)	डीएसटी	4 मार्च 2024-3 मार्च 2027	लाख	1 जेआरएफ़

वर्ष 2023-24के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) आउटरीच कार्यक्रम	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	05-12-2023	2	60	डॉ. आनंद परियार
2	'विज़न 2047: विकसित भारत'	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	14-12-2023	3	50	डॉ. सुदर्शन तामांग

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना:

क्र.सं.	उपकरण विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी	उद्देश्य	अनुमानित उयपयोग (%)
1	बिजली की आपूर्ति प्रोग्राम करने योग्य प्रयोगशाला एकल चैनल रैखिक	18.03.2024	79060.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
2	थेमिस्टो टीएचएम 98 डिजिटल मल्टीमीटर	18.03.2024	2800.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
3	बानाना प्लग	18.03.2024	3048.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
4	त्रुटि समाधान ओडबल्यूओएन	18.03.2024	23644.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
5	पीई या पीटीएफई के साथ 10 मिलीलीटर ग्लास इलेक्ट्रो रिएक्टr	18.03.2024	14871.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
6	5 एमएल ग्लास इलेक्ट्रो रिएक्टर पीई पीटीईई कैप के साथ	18.03.2024	13473.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
7	प्लैटिनम इलेक्ट्रोड	18.03.2024	234000.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
8	एक्वेरियम पंप	18.03.2024	1650.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
9	रियूजेबल इलेक्ट्रोड होल्डर	18.03.2024	10932.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
10	रिवेरा पोर्टेबल ऑयल फ्री वैक्यूम पंप	18.03.2024	28388.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
11	उच्च वैक्यूम पंप तोशनीवाल वैक्यूम पंप	18.03.2024	75422.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
12	हॉट प्लेट आईकेए के साथ चुंबकीय स्टिरर	18.03.2024	110168.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%
13	हॉट प्लेट एआरईएक्स के साथ चुंबकीय स्टिरर	18.03.2024	163388.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	अनुसंधान और शिक्षण	2023-24 के दौरान 75%

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1	सागरमणि रसाइली	उत्प्रेरक अनुप्रयोगों के लिए धातु कार्बनिक ढांचा और उनके व्युत्पन्न कंपोजिट	डॉ. आनंद परियार	मई 2023	दिसंबर 2024
2	देवेश शर्मा	धातु कार्बनिक फ्रेमवर्क एज़िरिडीन के उत्प्रेरित गठन और इसके रिंग ओपनिंग परिवर्तन	डॉ. आनंद परियार	जुलाई 2023	मार्च 2024
3	करण छेत्री	कार्बनिक फोटोरेडॉक्स उत्प्रेरकों का सिंथेटिक डिजाइन और विभिन्न कार्बनिक रूपांतरणों के लिए उनका अनुप्रयोग	डॉ. विश्वजीत गोपाल रॉय	29.05.2023	20.12.2023

4	करिश्मा भारद्वाज	बायो-इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए दूसरे निकट-अवरक्त क्षेत्र में उत्सर्जित होने वाले फ्लोरोसेंट क्वांटम डॉट्स का विकास	डॉ. सुदर्शन तामांग	22.02.2023	30.11.2023
5	सिद्धांत बसेल	कोलाइडल III-V सेमीकंडक्टर क्वांटम डॉट्स गठन की यांत्रिक समझ	डॉ. सुदर्शन तामांग	26.04.2023	20-1202023

वर्ष 2023-24 **के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:** 01

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1	लोकेश राई	पुरुष	स्लेट
2	किम्रोन प्रतिम फुकन	पुरुष	गेट
3	तुषार शर्मा बांसटोला	पुरुष	गेट
4	देबाशीष बोरा	पुरुष	गेट
5	नबीन शर्मा	पुरुष	गेट
6	तुलतुल गोगोई	पुरुष	गेट

कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. मोहन पी प्रधान

परिचय :

कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को संबोधित करने वाले सॉफ़्टवेयर अनुप्रयोगों को डिज़ाइन, विकसित और कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक कौशल से अवगत कराना है। विभाग आमतौर पर स्नातकोत्तर मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है, जो सैद्धांतिक ज्ञान के साथ साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

नई एनईपी (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) 2020 आधारित पाठ्यक्रम में प्रोग्रामिंग भाषाएं, डेटा संरचनाएं, डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, कंप्यूटर नेटवर्क, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, वेब डेवलपमेंट, साइबर सुरक्षा और अनुशासन-विशिष्ट वैकल्पिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से, छात्र मजबूत समस्या-समाधान क्षमता, विश्लेषणात्मक सोच और तकनीकी दक्षता विकसित करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा साइंस जैसी उभरती हुई तकनीकों पर भी जोर दिया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्नातक तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी उद्योग में प्रतिस्पर्धी बने रहें।

कक्षा में सीखने के अलावा, विभाग अक्सर छात्रों को कार्यशालाओं, इंटर्नशिप और लाइव प्रोजेक्ट में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और उद्योग के रुझानों से अपडेट रहने का मौका मिलता है। विभाग अनुसंधान पहलों को भी बढ़ावा देते हैं, छात्रों और शिक्षकों को अभिनव परियोजनाओं पर सहयोग करने में सक्षम बनाते हैं।

कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग के स्नातक सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम विश्लेषण, डेटाबेस प्रशासन, आईटी परामर्श और अनुसंधान सहित विविध कैरियर पथों का अनुसरण कर सकते हैं। विभाग का मिशन ऐसे पेशेवरों को तैयार करना है जो तकनीकी रूप से कुशल, नवोन्मेषी हों और तेजी से विकसित हो रही डिजिटल दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हों।

प्रमुख क्षेत्र :

डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, डीप लर्निंग, ऑप्टिमाइजेशन तकनीक, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा माइनिंग, क्रिप्टोग्राफी और नेटवर्क सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बायोइनफॉरमैटिक्स और ऑपरेशन रिसर्च।

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 8

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	10	लागू नहीं	6	लागू नहीं	लागू नहीं	16	लागू नहीं
एमफिल (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	3	लागू नहीं	5	7	12
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	स्वरूप रॉय	पीएचडी	प्रोफेसर	05-10-2017	82, एच-इंडेक्स: 16	4	1
2	रतिका प्रधान	पीएचडी	प्रोफेसर	03-07-2023	59, एच-इंडेक्स-13	7	0
3.	मोहन पी प्रधान	पीएचडी	सह प्राध्यापक	07-12-2015	27, एच-इंडेक्स-8	6	0
4.	चुन्नू खवास	एमटेक	सहायक प्राध्यापक	27-02-2012	3,एच-इंडेक्स: 2		0
5.	रेबिका राई	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	03-07-2012	31, एच-इंडेक्स-10	2	0
6.	श्री पार्थ प्रतिम राय	एमटेक	सहायक प्राध्यापक	20-07-2012	166, एच-इंडेक्स-37	0	0
7.	सुश्री लेखिका छेत्री	एमटेक	सहायक प्राध्यापक	12-05-2014	10, एच-इंडेक्स-5	0	0
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

क्र	नाम	योग्यता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	लागू नहीं		
1	केशव बिशुंकेय	एमसीए	प्रयोगशाला सहायक	15-07-2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण :

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1	तेजी, बी., **रॉय, एस.**, धामी, डी.एस., भंडारी, डी., और गुज्जी, पी.एच. (2023) जैविक नेटवर्क में लुप्त लिंक की भविष्यवाणी करने के लिए ग्राफ एम्बेडिंग तकनीक: एक अनुभवजन्य मूल्यांकन। आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन इमर्जिंग टॉपिक्स इन कंप्यूटिंग, 12(1), 190-201.	लागू नहीं	5.1	आईईईई	1664302X
2	जी ट्रेडिगो, जे.के. दास, पी विज्जा, **स्वरूप रॉय,** पी एच गुज्जी, पी वेल्ट्री, "कोविड-19 टीकाकरण वितरण में	लागू नहीं	5.2	एमडीपीआई	2076-393X

	रणनीतियां और रुझान: हम क्या सीखते हैं और भविष्य के लिए हम क्या उपयोग कर सकते हैं", टीके (एमडीपीआई), वॉल्यूम1, संख्या 1496 (2023) https://doi.org/10.3390/vaccines11091496				
3	रेड्डी, डी. ए., **रॉय, एस.,** कुमार, एस., और त्रिपाठी, आर. (2023) स्वचालित त्वचा रोग वर्गीकरण के लिए एन्सेम्बल कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क के साथ उन्नत यू-नेट सेगमेंटेशन। नॉलेज एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम, 65(10), 4111-4156	लागू नहीं	2.5	स्प्रिंगर	0219-1377
4	सेनगुप्ता, ए., चक्रवर्ती, एस., चौधरी, **पी.पी., रॉय**, एस., दास, जे.के., मलिक, डी., और जे.एन.ए., एस.एस. (2023) संख्यात्मक प्रतिनिधित्व और कोडन वर्गीकरण के माध्यम से दो न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में कोडन परिवर्तन पैटर्न की जांच। जीन रिपोर्ट, 31, 101771	लागू नहीं	1	एल्सेवियर	2452-0144
5	छेत्री., और **राई, आर.** (2024) एक परिप्रेक्ष्य समीक्षा: एम-हेल्थ सेवाओं पर अत्याधुनिक तकनीक। एसएन कंप्यूटर साइंस, 5(5), 480	लागू नहीं	3.78	स्प्रिंगर	2661-8907
6	बसु, ए., सेनापति, पी., देब, एम., **राई, आर.,** और ढाल, के.जी. (2024)हिस्टोपैथोलॉजी छवियों से न्यूक्लियस सेगमेंटेशन के लिए डीप लर्निंग में हाल के रुझानों पर एक सर्वेक्षण। इवोल्विंग सिस्टम, 15(1), 203-248	लागू नहीं	3.59	स्प्रिंगर	1868-6486
7	ढल, के.जी., दास, ए., सासमल, बी., रे, एस., **राई, आर.,** और गराई, ए. (2024) इमेज सेगमेंटेशन के लिए फ़ज़ी सी-मीन्स: चुनौतियाँ और समाधान। मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन, 83(9), 27935-27971।	लागू नहीं	4.27	स्प्रिंगर	1573-7721
8	ढाल, के.जी., सासमल, बी., दास, ए., रे, एस., और **राई, आर**. (2023) अंकगणितीय अनुकूलन एल्गोरिथ्म पर एक व्यापक सर्वेक्षण। इंजीनियरिंग में कम्प्यूटेशनल विधियों के अभिलेखागार, 30(5), 3379-3404।	लागू नहीं	11.19	स्प्रिंगर	1134-3060
9	ढाल, के.जी., रे, एस., **राई, आर.,** और दास, ए. (2023) आर्किमिडीज ऑप्टिमाइज़र: सिद्धांत, विश्लेषण, सुधार और अनुप्रयोग। अर्काइव्स ऑफ कम्प्यूटेशनल मेथड्स इन इंजीनियरिंग, 30(4), 2543-2578।	लागू नहीं	11.19	स्प्रिंगर	1134-3060
10	**राई, आर.**, और ढाल, के.जी. **(2023)** संतुलन अनुकूलक एल्गोरिथ्म में हाल के विकास: इसके प्रकार और अनुप्रयोग। अर्काइव्स ऑफ कम्प्यूटेशनल मेथड्स इन इंजीनियरिंग, **30(6), 3791-3844**।	लागू नहीं	11.19	स्प्रिंगर	1134-3060
11	राई, आर., ढाल, के.जी., दास, ए., और रे, एस. (2023) समुद्री शिकारियों के एल्गोरिदम पर एक समावेशी सर्वेक्षण: वेरिएंट और अनुप्रयोग। अर्काइव्स ऑफ कम्प्यूटेशनल मेथड्स इन इंजीनियरिंग, 30(5), 3133-3172	लागू नहीं	11.19	स्प्रिंगर	1134-3060
12	ढाल, के.जी., **राई, आर**., दास, ए., रे, एस., घोषाल, डी., और कांजीलाल, आर. (2023) सुपरपिक्सल आधारित श्वेत रक्त कोशिका विभाजन के लिए अराजक फिटनेस-निर्भर अर्ध-परावर्तित एक्विला अनुकूलक। न्यूरल कंप्यूटिंग	लागू नहीं	6.94	स्प्रिंगर	1433-3058

	एंड एप्लीकेशन, 35(21), 15315-15332				
13	प्रधान, जी., थापा, जी., **प्रधान, आर.,** खंडेलवाल, बी., पाणिग्रही, आर., भोई, ए. के., और बारसोची, पी. (2024) मधुमेह मेलिटस का बेहतर पता लगाने के लिए बाइनरी मल्टीनेबरहुड आर्टिफिशियल मधुमक्खी कॉलोनी के साथ अनुकूलित वन ढांचा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस सिस्टम, 17(1), 194।	लागू नहीं	2.5	स्प्रिंगर	1875-6883
14	प्रधान, ए., **प्रधान, एम.पी., और प्रधान, आर**. (2024)। जीआईएस अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए स्ट्रीम विशेषताओं के निर्माण की दिशा में एक स्वचालित दृष्टिकोण। मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन, 83(7), 20307-20356।	लागू नहीं	3	स्प्रिंगर	1573-7721
15	प्रमाणिक, एम., **प्रधान, आर.,** नंदी, पी., भोई, ए. के., और बारसोची, पी. (2023) पार्किंसंस रोग का मज़बूत पता लगाने के लिए फ़ॉरेक्स++ आधारित निर्णय वृक्ष समूह दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ एम्बिएंट इंटेलिजेंस एंड ह्यूमनाइज़्ड कंप्यूटिंग, 14(9), 11429-11453।	लागू नहीं	-	स्प्रिंगर	1868-5137
16	प्रधान, ए., **प्रधान, एम.पी., और प्रधान, आर.** (2023) जीआईएस अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए स्ट्रीम विशेषताओं के निर्माण की दिशा में एक स्वचालित दृष्टिकोण। मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन, 1- 50.	लागू नहीं	3	स्प्रिंगर	1573-7721
17	प्रधान, ए., **प्रधान, एम.पी**. (2023) खराब गुणवत्ता वाले स्थलाकृतिक मानचित्र से निकाली गई टूटी हुई समोच्च रेखाओं के स्वचालित पुनर्निर्माण के लिए एक संशोधित बेजियर वक्र तकनीक। मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन, 82(12), 18299-18325	लागू नहीं	3	स्प्रिंगर	1573-7721
18	**रय. पी. पी.**, "भूकंपीय इंजीनियरिंग में संचार को बदलने में चैटजीपीटी: केस स्टडीज, निहितार्थ, प्रमुख चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं", अर्थक्वेक साइन्स, एल्सेवियर, **2023**	स्कोपस	1.9	एल्सेवियर	1674-4519
19	**रय. पी. पी.**, "रेडियोलॉजी अनुसंधान के लिए बड़े भाषा मॉडल के उपयोग पर एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन", यूरोपीय रेडियोलॉजी, स्प्रिंगर, **2023**	एससीआई	5.9	स्प्रिंगर	1432-1084
20	**रय. पी. पी.**, "जेनरेटिव एआई: स्वास्थ्य सेवा के सुधार के बचाव में", वर्ल्ड जर्नल ऑफ यूरोलॉजी, स्प्रिंगर, **2023**	एससीआई	3.4	स्प्रिंगर	1433-8726
21	**रय. पी. पी.**, "क्या चैटजीपीटी वास्तव में अन्य एलएलएम को मात दे सकता है?", कैनेडियन एसोसिएशन ऑफ रेडियोलॉजिस्ट जर्नल, सेज, **2023**	एससीआई	3.1	सेज	1488-2361
22	**रय. पी. पी.**, "आईओटी के लिए वेब असेंबली पर एक अवलोकन: पृष्ठभूमि, उपकरण, अत्याधुनिक, चुनौतियाँ और भविष्य की दिशा", फ्यूचर इंटरनेट, एमडीपीआई, **2023**	स्कोपस	3.4	एमडीपीआई	1999-5903
23	**रय. पी. पी.**, "क्या एलएलएम स्वास्थ्य सेवा के मौजूदा परिदृश्य में सुधार कर सकते हैं?", जर्नल ऑफ हेपेटोलॉजी, ईएएसएल, **2023**	एससीआई	25.7	ईएएसएल	1600-0641
24	**रय. पी. पी.**, "क्या चैटजीपीटी क्लिनिकल निर्णय समर्थन	एससीआई	6.4	ऑक्सफोर्ड	1527-974X

	प्रदान करने के लिए पर्याप्त है?", जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स एसोसिएशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, **2023**			यूनिवर्सिटी प्रेस	
25	**रय. पी. पी.**, "संवादात्मक एआई के लिए बेंचमार्किंग, नैतिक संरेखण और मूल्यांकन ढांचा: चैटजीपीटी के जिम्मेदारीपूर्ण विकास को आगे बढ़ाना", बेंच काउंसिल ट्रैंज़ैक्शन्स ऑन बेंचमार्क, स्टैंडर्डस एंड इवैल्यूएशन्स, केएआई, 2023	स्कोपस	4.8	केईएआई	2772-4859
26	**रय. पी. पी.**, "रेडियोलॉजी में संरचित रिपोर्टिंग के लिए बड़े भाषा मॉडल के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा और सुझाव", ला रेडियोलोजिया मेडिका, स्प्रिंगर, **2023**	एससीआई	8.9	स्प्रिंगर	1826-6983
27	**रय. पी. पी.**, "मेडिकल रिसर्च और प्रैक्टिस के लिए जीपीटी-**4** के अंदर झांकना", जर्नल ऑफ द चाइनीज मेडिकल एसोसिएशन, द चाइनीज मेडिकल एसोसिएशन, ताइपेई, ताइवान, **2023**	एससीआई	3.396	चीनी मेडिकल एसोसिएशन	1726-4901
28	**रय. पी. पी.**, मजूमदार, पी., "प्रचार से परे: जेनेटिक्स में चैटजीपीटी की प्रयोज्यता की व्यापक आलोचना", यूरोपियन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, नेचर, **2023**	एससीआई	5.2	नेचर	1476-5438
29	**रय. पी. पी.**, "रेडियोलॉजी रिपोर्ट तैयार करने में जीपीटी-**4** की भूमिका का मूल्यांकन करने की आवश्यकता", रेडियोलॉजी, आरएसएनए, **2023**	एससीआई	19.7	आरएसएनए	1527-1315
30	**रय. पी. पी.**, "चैटजीपीटी: अकादमिक चिकित्सा की एआई क्रांति में एक खेल परिवर्तक", अकादमिक चिकित्सा, वोल्टर्स क्लूवर, **2023**	एससीआई	7.4	वोल्टर्स क्लूवर	1040-2446
31	**रय. पी. पी.**, "रेडियोलॉजी में चैटजीपीटी: एआई चैटबॉट्स के साथ रोगी देखभाल में बदलाव", जर्नल ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी, अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी - एल्सेवियर, **2023**	एससीआई	6.24	अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी - एल्सेवियर	1558-349X
32	रय. पी. पी., "जल संसाधन प्रबंधन, अनुसंधान और नीति-निर्माण में क्रांतिकारी बदलाव लाने में डीप लर्निंग और भाषा मॉडल का लाभ उठाना: चैटजीपीटी के लिए एक मामला", एसीएस ईटी एंड वाटर, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, **2023**	स्कोपस	4.8	अमेरिकन केमिकल सोसायटी	2690-0637
33	**रय. पी. पी.**, मजूमदार. पी., "चैटजीपीटी की स्वास्थ्य सेवा को बदलने और एआई-संचालित चिकित्सा में नैतिक चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता", जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूरोलॉजी, कोरियन न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन, **2023**	एससीआई	3.701	कोरियन न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन	1738-6586
34	**रय. पी. पी.**, "सेंसर रिसर्च में एआई: एक वास्तविकता जाँच और चैटजीपीटी की कम आंकी गई क्षमता", एसीएस सेंसर, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, **2023**	एससीआई	9.618	अमेरिकन केमिकल सोसायटी	2379-3694
35	**रय. पी. पी.**, "जल क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग को परिष्कृत करना: चैटजीपीटी की क्षमता की खोज", साइंस ऑफ द टोटल एनवायरनमेंट, एल्सेवियर, **2023**	एससीआई	10.754	एल्सेवियर	0048-9697
36	**रय. पी. पी.**, "एआई-सहायता प्राप्त सतत खेती: आधुनिक	स्कोपस	2.3	अमेरिकन केमिकल	2692-1952

	कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में चैटजीपीटी की शक्ति का उपयोग", एसीएस कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, **2023**			सोसायटी	
37	**रय. पी. पी.**, मजूमदार, पी., "बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में एआई की दोधारी तलवार: चैटजीपीटी का शोध और सहयोग प्रतिमानों पर विवादास्पद प्रभाव", एनल्स ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के इतिहास, स्प्रिंगर, 2023	एससीआई	4.31	स्प्रिंगर	1573-9686
38	**रय. पी. पी.**, "वेब**3:** पृष्ठभूमि, प्रौद्योगिकी, अनुप्रयोग, जीरो-ट्रस्ट आर्किटेक्चर, चुनौतियां और भविष्य की दिशाओं पर एक व्यापक समीक्षा", इंटरनेट ऑफ थिंग्स एंड साइबर-फिजिकल सिस्टम, एल्सेवियर, **2023**	स्कोपस	13.8	एल्सेवियर	2667-3452
39	**रय. पी. पी.**, "चैटजीपीटी: पृष्ठभूमि, अनुप्रयोग, प्रमुख चुनौतियाँ, पूर्वाग्रह, नैतिकता, सीमाएँ और भविष्य के दायरे पर एक व्यापक समीक्षा", इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स एंड साइबर-फ़िज़िकल सिस्टम, एल्सेवियर, 2023	स्कोपस	13.8	एल्सेवियर	2667-3452
40	**रय. पी. पी.**, मजूमदार, पी., "ब्लॉकचेन का उपयोग करके कैंसर डेटा प्रबंधन पर एक समीक्षा: प्रगति और चुनौतियाँ", एडवांस इन कंप्यूटर्स, एल्सेवियर, **2023**	एससीआई	3.067	एल्सेवियर	0065-2458

ख: पुस्तकें

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
स्वरूप रॉय	कलिता, जे. के., भट्टाचार्य, डी. के., और रॉय, एस. (2023)। डेटा साइंस के मूल सिद्धांत: सिद्धांत और व्यवहार। अकादमिक प्रेस-एल्सेवियर, आईएसबीएन: 9780323972635
पार्थ प्रतिम रय	रय, पी. पी. (2023). *भारत के महान गणितज्ञ*, राजमंगल पब्लिशर्स, आईएसबीएन: 9788119251841
पार्थ प्रतिम रय	रय. पी. पी. (2023). *मेटावर्स अनबाउंड: डिजिटल फ्रंटियर में अनंत संभावनाओं की खोज*, नोशन प्रेस, आईएसबीएन: 979-8890265005.

ग: पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
स्वरूप रॉय	डीए रेड्डी, एस रॉय, एस कुमार, आर त्रिपाठी, "त्वचा रोग का पता लगाने के लिए हाइब्रिड वर्गीकरण के साथ बेहतर फ़ज़ी आधारित विभाजन", प्रोक. मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमएलडीई-2023), एल्सेवियर-प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, भारत, 2023
स्वरूप रॉय	डीए रेड्डी, एस रॉय, एस कुमार, आर त्रिपाठी, "प्रभावी हल्के वजन वाली त्वचा रोग जांच के लिए ट्रांसफर लर्निंग फ्रेमवर्क को एकीकृत करना", इन प्रोक. आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर इनोवेशन इन हेल्थकेयर इंडस्ट्रीज (आईसीएआईआईएचआई -2023), आईईईई, इंडिया, 2023
स्वरूप रॉय	डीए रेड्डी, एस रॉय, एस कुमार, आर त्रिपाठी, "त्वचा रोग का पता लगाने के लिए हाइब्रिड वर्गीकरण के साथ बेहतर फ़ज़ी आधारित विभाजन", प्रोक. इंटरनेशनल कॉन्फ़ ऑन मशीन लर्निंग एंड डेटा इंजीनियरिंग (आईसीएमएलडीई-2023), एल्सेवियर-प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, भारत, 2023।
पार्थ प्रतिम रय	रय, पी. पी. (2024)। नैनोकार्बन सामग्रियों के साथ आईओटी ऊर्जा भंडारण पर एक समीक्षा: आवश्यकताएँ, अत्याधुनिक, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएँ, आर.के. (संपादक) नैनोकार्बन: ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए एक अद्भुत सामग्री। इंजीनियरिंग सामग्री. स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-9931-6_3, आईएसबीएन: 978-981-99-9931-6

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
रेबिका राई / दिब्या थापा	आईसीईटी-24: इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	कोलकाता-भारत, 2 मार्च 2024	दिब्या थापा	उथले मशीन लर्निंग और गहन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके ईईजी संकेतों के माध्यम से भावना वर्गीकरण
आशीष प्रधान, स्नेहा सुप्रिया, मोहन पी. प्रधान, रतिका प्रधान	संचार, उपकरण और नेटवर्किंग पर सातवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीएन 2024), 19-20 जनवरी, 2024	जनवरी 2024	आशीष प्रधान	स्थलाकृतिक शीट में ऊंचाई मानों के स्थानीयकरण और पहचान की दिशा में एक प्रयास

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ (केवल स्थायी)

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1	पार्थ प्रतिम रय को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार इंजीनियर्स संस्थान का फेलो चुना गया	फैलोशिप
2	स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा पार्थ प्रतिम रय को शीर्ष 2% वैज्ञानिक के रूप में नामित किया गया भारत में वार्षिक रैंक: 44 वार्षिक विश्व रैंक: 6106 भारत में कैरियर रैंक: 516 कैरियर विश्व रैंक: 77247	मान्यता
3	भौतिक विज्ञान विद्यापीठ में सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय प्रकाशन पुरस्कार - 2023 से सम्मानित किया गया।	पुरस्कार

वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1	शुवम रॉय	पुरुष	नेट

नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ :

विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रम को संशोधित किया है।

भूविज्ञान विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. राकेश कुमार रंजन

विभागीय सूचना प्रारूप

परिचय :

सिक्किम विश्वविद्यालय में भूविज्ञान विभाग भूविज्ञान और पर्यावरण विज्ञान के अध्ययन के लिए समर्पित एक अग्रणी शैक्षणिक और शोध संस्थान है, जिसमें पूर्वी हिमालय की अनूठी गतिशीलता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। भूगर्भीय रूप से समृद्ध सिक्किम हिमालय में स्थित, यह विभाग क्षेत्र की जटिल भूवैज्ञानिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का पता लगाने के लिए आदर्श स्थान पर है। एम.एस.सी. और पी.एच.डी. कार्यक्रम प्रदान करते हुए, विभाग छात्रों को भूवैज्ञानिक सिद्धांतों में एक मजबूत आधार प्रदान करता है, साथ ही जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक खतरों और संसाधन प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी कार्य करता है।
विभाग की एक प्रमुख विशेषता डीएसटी का जल संसाधन, क्रायोस्फीयर और जलवायु परिवर्तन पर उत्कृष्टता केंद्र है, जो इसकी शोध क्षमताओं को बढ़ाता है। यह केंद्र हिमालयी क्रायोस्फीयर और जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो इस क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र और समुदायों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विभाग का शोध व्यापक रूप से विभिन्न क्षेत्रों में फैला हुआ है, जिसमें पेट्रोलॉजी, जियोकेमिस्ट्री, जियोफिजिक्स, सेडिमेंटोलॉजी, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, ग्लेशियोलॉजी, प्राकृतिक खतरे का आकलन, पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन अध्ययन शामिल हैं। प्रतिष्ठित विद्वानों और शोधकर्ताओं से बना संकाय, कक्षा निर्देश, प्रयोगशाला कार्य और क्षेत्र अध्ययन के संयोजन के माध्यम से एक उत्साहपूर्ण शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देता है। व्यावहारिक दृष्टिकोण छात्रों को शिक्षा, उद्योग और सरकार में करियर के लिए तैयार करता है।

पीएचडी कार्यक्रम मूल शोध पर जोर देता है जो भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं, प्रदूषण, जल संसाधन प्रबंधन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, क्रायोस्फीयर और जलवायु परिवर्तन को समझने में योगदान देता है, जिसमें हिमालय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। विभाग की व्यापक शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अग्रणी शोध इसे वर्तमान और भविष्य की भूवैज्ञानिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने में अग्रणी बनाते हैं।

प्रमुख क्षेत्र :

1. हिमालयी भूविज्ञान और टेक्टोनिक्स: पूर्वी हिमालय में जटिल भूवैज्ञानिक संरचनाओं और टेक्टोनिक प्रक्रियाओं का गहन अध्ययन, जिसमें पर्वत निर्माण तंत्र और भूकंपीय गतिविधि को समझने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

2. जलवायु परिवर्तन और क्रायोस्फीयर: हिमालय में ग्लेशियरों, पर्माफ्रॉस्ट और बर्फ के चादर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर शोध, जिसमें क्षेत्रीय जल संसाधनों और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य पर प्रभाव शामिल हैं।

3. जल संसाधन और जल विज्ञान: सिक्किम हिमालय में सतही और भूजल संसाधनों का आकलन, सतत प्रबंधन और जल उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करना।

4. प्राकृतिक संकटों का आकलन: भूस्खलन, भूकंप और बाढ़ जैसे भूवैज्ञानिक खतरों का अध्ययन, जिसका लक्ष्य क्षेत्र में जोखिम न्यूनीकरण रणनीति विकसित करना और आपदा तैयारी को बढ़ाना है।
5. पर्यावरण प्रदूषण और संसाधन प्रबंधन: प्रदूषण स्रोतों की जांच, पर्यावरण क्षरण, तथा सतत संसाधन प्रबंधन के लिए रणनीति, जिसमें नाजुक हिमालयी पर्यावरण पर मानवीय प्रभाव को कम करने पर जोर दिया जाएगा।
6. रिमोट सेंसिंग और जीआईएस अनुप्रयोग: भूवैज्ञानिक मानचित्रण, प्राकृतिक खतरे के आकलन और हिमालय में पर्यावरणीय परिवर्तनों की निगरानी के लिए उन्नत रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रौद्योगिकियों का उपयोग।
7. शैलविज्ञान, भू-रसायन विज्ञान और खनिज संसाधन: क्षेत्र के शैलविज्ञान, भू-रसायन विज्ञान और खनिज संसाधनों की खोज और विश्लेषण, जो पृथ्वी की प्रक्रियाओं और संभावित आर्थिक जमाओं की हमारी समझ में योगदान देगा।

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	20		22		16	26	42
पीएचडी	02				02	00	02
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. राकेश कुमार रंजन	एम.फिल., पीएचडी	अध्यक्ष एवं सह प्राध्यापक	29/03/2012	22,5	5	4
2	प्रो. अनिल कुमार मिश्र	एमएससी., पीएचडी	प्रोफेसर	29/11/2017	70, 22	5	1
3	प्रो. विक्रम गुप्ता	एम.फिल., पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट	प्रोफेसर	03 Aug 2023	93, 25		
4	डॉ निश्चल वंजरी	पीएचडी	सह प्रध्यपक	30/04/2012	29, 7	2	1
5	डॉ. मोहम्मद अब्दुल्ला खान	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	09/04/2012	14,4	2	
6	श्री आनंद गणपति वाडेकर	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	15/05/2014	10, 5	2	
7	श्री ओम प्रकाश कप्तान	एमएससी	सहायक प्राध्यापक	30/11/2015	1, 1		
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ. प्रमाणन कुमार	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक (अतिथि संकाय)				
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी							
	नाम	योग्यता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	लागू नहीं		
1	श्री भानु मंगर	बीएससी	प्रयोगशाला सहायक	11-05-2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	श्री दिनेश राई	बीएससी	प्रयोगशाला सहायक	11-05-2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क: जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	राम, बी., और **गुप्ता वी** (2024) विभिन्न ताप-शीतलन स्थितियों के थर्मल उपचार के तहत उच्च हिमालयी ग्रेनाइट का भौतिक-यांत्रिक लक्षण वर्णन, एक्टा जियोटेक्निका, 19,2841-2854 https://doi.org/10.1007/s11440-023-02224-5	लागू नहीं	5.6	स्प्रिंगर	1861-1133
2.	राम, बी.के., शावेज, एम., **गुप्ता, वी**, और रावत, जी. (2024) दार गांव (दारमा घाटी), पिथौरागढ़ जिला, कुमाऊं हिमालय, भारत में भू-अवसादन: हिमालय में आपदा का इंतजार, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 133 (लेख संख्या 34) https://doi.org/10.1007/s12040-023-02244-5	लागू नहीं	1.3	स्प्रिंगर	0973-774X
3.	**गुप्ता, वी.,** कौर, आर., कुमार एस., राम बी.के., टैंटन आर.एस. **(2023)** पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तर-पश्चिमी हिमालय, भारत के लिए क्षेत्रीय स्तर पर भूस्खलन संवेदनशीलता का आकलन, करंट साइंस **125 (12), 1369-1380,** https://doi: 10.18520/cs/v125/i12/1369-1380	लागू नहीं	1.1	भारतीय विज्ञान अकादमी	0011-3891
4.	दत्ता, के., वंजारी, एन., **मिश्रा, ए.के.** (2024) सिक्किम हिमालय में भूस्खलन संवेदनशीलता का आकलन आरएस और जीआईएस के साथ, बेहतर सांख्यिकीय तरीकों से संवर्धित। अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंस.https://doi.org/10.1007/s12517-024-11944-1	लागू नहीं		स्प्रिंगर	1866-7538
5.	दत्ता, डी., **मिश्रा, ए.के.,** और श्रीवास्तव, ए. (2023) बैंक स्थिरता का विश्लेषण और बाढ़ के मैदान के कटाव को कम करना: माजुली द्वीप में सुबनसिरी नदी का एक व्यापक अध्ययन। **अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंस.https://doi.org/10.1007/s12517-023-11760-z.**	लागू नहीं		स्प्रिंगर	1866-7538
6.	दत्ता, डी., **मिश्रा, ए. के.,** और श्रीवास्तव, ए. (2023) भू-तकनीकी मापदंडों की संवेदनशीलता विश्लेषण के आधार पर नदी तट कटाव भेद्यता सीमांकन: माजुली द्वीप, भारत, **जर्नल ऑफ एप्लाइड वाटर इंजीनियरिंग एंड रिसर्च**, 12(2): 224-243. डीओआई : 10.1080/23249676.2023.2256223	लागू नहीं	1.4	टेलर और फ्रांसिस	2324-9676
7	कुमारी, पी., **मिश्रा, ए. के.** (2023) मुंगेर जिले, बिहार, भारत में प्रभावी भूजल पुनर्भरण योजना के लिए भू-सूचना-आधारित वाटरशेड विश्लेषण। सस्टेनेबल वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट, डीओआई: 10.1007/s40899-023-00929-9.	लागू नहीं	2.1	स्प्रिंगर	2363-5045

8	श्रीवास्तव, तान्या; हैरिस, निगेल; मोत्रम, कैथरीन; जोशी, कुमार बटुक; **वंजारी, निश्चल**; "स्रोत से स्थापना तक: सिक्किम-दार्जिलिंग हिमालय, भारत से ल्यूकोग्रेनाइट्स की उत्पत्ति", जियोसाइंस फ्रंटियर्स, 15,1,101733,2024,https://doi.org/10.1016/j.gsf.2023.101733	लागू नहीं	2.2	एल्सेवियर	ऑनलाइन आईएसएसएन: 2588-9192प्रिंट आईएसएसएन: 1674-9871
9	कुमार, पी., शर्मा, के., मालू, ए., रजक, आर., गुप्ता, ए., बरुआ, बी., यादव, एस. के., अंगचुक, टी., शर्मा, जे., **मिश्रा, ए. के., वंजारी, एन., और रंजन, आर. के.** (2024) गंगटोक, सिक्किम में काले/भूरे कार्बन की अंतर-वार्षिक परिवर्तनशीलता और मौसम संबंधी स्थितियों के साथ इसका अंतर्संबंध। *एट्मोस्फेरिक कैमिस्ट्रि एंड फिजिक्स * प्रकाशन के लिए स्वीकृत	लागू नहीं	6.1	ईजीयूस्फीयर	1680-7316 (प्रिंट); 1680-7324 (वेब)
10	**मिश्रा, ए.के.**, दोलुई, एस., दत्ता, के., बरुआ, बी., **रंजन, आर.के., और वंजारी, एन. (2024)** सिक्किम हिमालयी क्षेत्र में सतत जल प्रबंधन: वर्षा जल संचयन जलाशयों के लिए अभिनव समाधान। *जियोलॉजी, इकोलॉजी एंड लैंडस्केप*, एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन https://doi.org/10.1080/24749508.2024.2373496	लागू नहीं		टेलर और फ्रांसिस	
12	यादव, एस., अत्री, बी., शुक्ला, एस., दत्ता, एस., शर्मा, के., रजक, आर., गुप्ता, ए., बरुआ, बी., और **रंजन, आर. के.** (2024) धेमाजी, असम, भारत के भूजल में भारी धातुओं का वितरण, विषाक्तता भार और जोखिम मूल्यांकन। *केमोस्फीयर, 358*, 141979. https://doi.org/10.1016/j.chemosphere.2024.141979	लागू नहीं	8.1	एल्सेवियर	0045-6535
13	राय, के., **खान, एम.ए., मिश्रा, ए.के., रंजन, आर.के., वंजारी, एन.,** रजक, आर., यादव, एस.के., और राय, आर. (2024) सिक्किम हिमालय, भारत के पूर्वी और दक्षिणी जिलों के जल स्रोतों में भारी धातु और *ई. कोली* संदूषण का आकलन। *वॉटर कंजर्वेशन साइन्स एंड और इंजीनियरिंग, 9*, 2364-5687 https://doi.org/10.1007/s41101-024-00257-9	लागू नहीं	1.3	स्प्रिंगर	
14	गोस्वामी, पी., प्रकाश, एम., **रंजन, आर. के.,** और प्रकाश, ए. (2023) भारत भर में पीएम 2.5 सांद्रता के बहु-चरणीय पूर्वानुमान के लिए एक हाइब्रिड डीप लर्निंग मॉडल। *एनवायरनमेंटल मॉडलिंग एंड इवैल्यूएशन *, 1-14	लागू नहीं	2.7	स्प्रिंगर	
15	कुमार, एस., दास, आर., शर्मा, पी., तमांग, एस**., रंजन, आर. के.,** और ठाकुर, एन. (2023) विभिन्न तापमान स्थितियों में उच्च ऊंचाई वाली मिट्टी में फंगल विविधता का मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, 9*(2), 65-75	लागू नहीं	0.7	आईओएस प्रैस	
16	शर्मा, के., कुमार, पी., शर्मा, जे., थापा, एस. डी., गुप्ता, ए., रजक, आर., बरुआ, बी., प्रकाश, ए., और **रंजन, आर. के.** (2023) सिक्किम हिमालय में उच्च ऊंचाई वाले शहरी वातावरण के परिवेशी वातावरण में महीन एरोसोल से जुड़े पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) का लक्षण वर्णन। *साइंस ऑफ द टोटल एनवायरनमेंट, 870*, 161987https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2023.161987	लागू नहीं	8.2	एल्सेवियर	0048-9697
17	मिश्रा आर. के., शुक्ला एस., **खान एम. ए.** (2023) मृदा स्वास्थ्य पर कीटनाशकों का प्रभाव - पश्चिम बंगाल के दोआर्स क्षेत्र के पारंपरिक और जैविक चाय बागानों पर किया गया एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल, बायोलॉजिकल फोरम – एन इंटरनेशनल जर्नल, 15(5ए): 473-480। आईएसएसएन प्रिंट: 0975-1130 और आईएसएसएन ऑनलाइन: 2249-3239	लागू नहीं		शोध प्रवृत्ति	**0975-1130** (प्रिंट) **2249-3239** (ऑनलाइन)

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
विक्रम गुप्ता	वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून में राष्ट्रीय भू-शोध विद्वान सम्मेलन (एनजीआरएसएम)	देहरादून (उत्तराखंड) 13 -14 सितंबर 2023	संसाधन व्यक्ति	हिमालय के सतत विकास के लिए भूस्खलन क्षेत्र मानचित्रों का उपयोग कैसे किया जाए।
विक्रम गुप्ता	हिमाचल प्रदेश के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भूगर्भीय खतरों, विशेषकर भूकंप और भूस्खलन की चुनौतियाँ	शिमला (हिमाचल प्रदेश)5 - 6 अक्टूबर 2023	आमंत्रित वक्ता	विक्रम गुप्ता (2023, अक्टूबर) भूस्खलन संवेदनशील मानचित्र और सतत विकास के लिए उनका अनुप्रयोग - शिमला (हिमाचल प्रदेश) में कार्यशाला में प्रस्तुत पेपर
विक्रम गुप्ता	आपदा प्रबंधन पर 6वां विश्व सम्मेलन (डबल्यूसीडीएम)	देहरादून (उत्तराखंड) 28 नवंबर - 01 दिसंबर, 2023	सत्र की अध्यक्षता	ग्राफिक एरा (मानद विश्वविद्यालय), देहरादून (उत्तराखंड) में तकनीकी सत्र - पहाड़ों में बाढ़ और अचानक आने वाली बाढ़ की अध्यक्षता की।
विक्रम गुप्ता	विकसित भारत: इंडिया विज़न 2047	सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक 14 दिसंबर 2023	आमंत्रित वक्ता	हिमालय में भूस्खलन आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एल-डीआरआर)
विक्रम गुप्ता	उत्तर-पश्चिमी हिमालय में भूस्खलन के खतरे, भारी वर्षा और बाढ़ के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग,	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 12 फरवरी 2024	मुख्य वक्ता	विक्रम गुप्ता (12 फरवरी 2023) पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में वर्तमान जलवायु परिवर्तन परिदृश्य में भूस्खलन के खतरे और उन्हें कम करने के उपाय
अनिल कुमार मिश्रा	हिमालय में भूगतिकी और आपदा प्रबंधन	हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय 6-8 नवंबर, 2023	आमंत्रित वक्ता	ढलान स्थिरता मानक भू-तकनीकी तकनीकों का उपयोग करके चयनित भूस्खलन का विश्लेषण और जोखिम मूल्यांकन: सिक्किम से एक मामले का अध्ययन

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं :

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)
डॉ. राकेश कुमार रंजन (वैज्ञानिक सलाहकार)	सिक्किम हिमालय में भू-स्थानिक तकनीकों के माध्यम से ग्लेशियर गतिशीलता का अध्ययन और जलवायु परिवर्तनशीलता का आकलन	डीएसटी, भारत सरकार	3 वर्ष	32,75,856.00	1

वर्ष 2023-24 **के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम :**

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1		राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय		7	50	डॉ. राकेश कुमार रंजन

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/*स्थापना (केवल प्रयोगशाला-आधारित विभागों के लिए, यदि कोई हो):*

क्र.सं.	उपकरण विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी	उद्देश्य	अनुमानित उपयोग (%)
1	ओटी 21-ऑप्टिकल ट्रांसमिसोमीटर	08/01/2024	₹1,253,282.00	सिक्किम विश्वविद्यालय	शोध के उद्देश्य से	2023-24 के दौरान 90%

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1	तान्या श्रीवास्तव	सिक्किम क्षेत्र में उच्च हिमालयी ल्यूकोग्रेनाइट्स का पेट्रोजेनेटिक विकास	डॉ निश्चल वंजरी	13/03/2023	22/08/2023
2	खुशबू शर्मा	सिक्किम हिमालय में परिवेशी एरोसोल और संबद्ध पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन का लक्षण-निर्धारण	डॉ. राकेश कुमार रंजन/डॉ. अमित प्रकाश	31/03/2023	09/02/2024

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
	विक्रम गुप्ता	'राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार - 2022' से सम्मानित
	विक्रम गुप्ता	इंजीनियरिंग भूविज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 'भारतीय भूवैज्ञानिक सोसायटी (जीएसआई) 150 साल पुराना स्मारक पुरस्कार - 2022' से सम्मानित किया गया
	विक्रम गुप्ता	स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए रैंकिंग के अनुसार शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया
	विक्रम गुप्ता	आपदा जोखिम न्यूनीकरण रणनीति के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एचपीएसडीएमए) की सलाहकार समिति के सदस्य

गणित विभाग
(वर्ष 2012 में प्रारम्भ)

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : प्रो. अमित चक्रवर्ती

विभागीय सूचना प्रारूप

परिचय: सिक्किम विश्वविद्यालय में गणित विभाग का उद्देश्य छात्रों को गणित में गहन ज्ञान और कौशल प्रदान करना है, साथ ही शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विद्वानों का योगदान भी प्रदान करना है। यह कार्यक्रम छात्रों को मुख्य गणितीय विषयों में ठोस आधार प्रदान करने के साथ-साथ गणित के विशिष्ट क्षेत्रों में विशेष ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और शोध कौशल के विकास पर भी जोर देता है। एमएससी और पीएचडी गणित कार्यक्रम शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित दोनों में कई विषयों को शामिल करता है जो छात्रों को उनकी रुचियों और कैरियर के लक्ष्यों के अनुसार अपनी शिक्षा को अनुकूलित करने में मदद करते हैं।

प्रमुख क्षेत्र: अंतःविषयक अनुसंधान अनुप्रयोगों के साथ शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित।

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	22	20	19	19	32	48	80
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी						06	06
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ							

संकाय विवरण

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	प्रो. अमित चक्रवर्ती	पीएचडी और पोस्टडॉक	प्रोफेसर	15.10.2020	35+02 पुस्तकें एच-इंडेक्स-13	3 (जारी) (उपाधि प्राप्त 5	1 (पूर्ण)+1(परामर्श)
2	डॉ. रिंकिला भूटिया	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	14.05.2014	02	0	0
3	डॉ नमिता बेहरा	पीएचडी और पोस्टडॉक	सहायक प्राध्यापक	19.09.2017	08 एच-इंडेक्स-5	3 (जारी)	0
4.	डॉ. आलोक कुमार यादव	पीएचडी और पोस्टडॉक	सहायक प्राध्यापक	10.05.2023	04 एच-इंडेक्स: 3	0	0

5.	डॉ राज भवन यादव	पीएचडी और पोस्टडॉक	सहायक प्राध्यापक	20.12.2023	7 एच-इंडेक्स-3	1 (जारी)	0
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ. वर्षा प्रधान	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	डॉ. झरना तामांग	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क: जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	घाटानी वाई, मैती एस, रोशन टी, लिंबू एमवाई, **चक्रवर्ती ए** (2023) चुंबकीय क्षेत्र की उपस्थिति में अस्थिर पारगम्य स्ट्रेचिंग शीट पर कैसन हाइब्रिड-एनएएन लिक्विड प्रवाह का फिल्म थिनिंग और हीट ट्रांसफर विश्लेषण। *यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस* 138: 732	स्कोपस	2.8	स्प्रिंगर	2190-5444
2.	ठाकुरी बी, दास जेके, रॉय एके, चक्रवर्ती ए* (2023) परिसंचारी रेनिन-एंजियोटेंसिन सिस्टम मध्यस्थता प्रतिक्रिया औसत धमनी दबाव पर नियंत्रण करती है। *जर्नल ऑफ थियोरेटिकल बायोलॉजी* 572: 111589	स्कोपस	1.9	एल्सेवियर	0022-5193
3.	**बेहेरा एन (2024)** एक नियमित अनुपात मैट्रिक्स के अनुमानित आइजेनेलीमेंट्स की पिछड़ी त्रुटि, *जर्नल ऑफ द इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी*, **91: 203-216**।	यूजीसी केयर सूची	-	इन्फॉरमेटिक्स पब्लिशिंग लिमिटेड, भारतीय गणितीय सोसायटी	2455-6475
4.	**बेहेरा एन,** बिस्ट ए., और मेहरमन वी **(2024)** आयताकार अनुपात मैट्रिक्स कार्यों के फ़िडलर रैखिकीकरण। *बुलेटिन ऑफ द ईरानी गणितीय सोसायटी* **50:8**	यूजीसी केयर सूची	*0.7*	स्प्रिंगर	1735-8515
5.	चौधरी एम, फराको जी, यादव ए.के. (2024) गोले पर कुछ मानचित्रों की दूरी और विस्तार पर। *डायने. सिस्टम.* 39 (1): 166–181.	यूजीसी केयर सूची	0.5	टेलर और फ्रांसिस	1468-9375

ग: पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
रिंकिला भूटिया	राय, एन., प्रधान, पी.सी., सैकिया, एच., सिंह, ओ.पी., भूटिया, आर. (2023) रेस्टिंग-स्टेट एफ़एमआरआई डेटा से प्राप्त फंक्शनल कनेक्टिविटी विशेषताओं का उपयोग करके एएसडी और न्यूरोटिपिकल विषयों का गहन न्यूरल नेटवर्क-आधारित वर्गीकरण। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में मशीन लर्निंग। लैक्चर नोट्स इन नेटवर्क एंड सिस्टम, वॉल्यूम 498 स्प्रिंगर, सिंगापुर।https://doi.org/10.1007/978-981-19-5090-2_12

वर्ष 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
रिंकिला भूटिया	हाइपैशियन वॉयस: गणितीय विज्ञान पर एक स्त्री-केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी।	गणित विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय। 16-17 मार्च 2023		लाइ ट्रिपल सिस्टम्स की समतुल्य सह-समरूपता।
रिंकिला भूटिया	ग्राफ सिद्धांत और इसके अनुप्रयोगों पर तीन दिवसीय कार्यशाला	गणित विभाग, एनबीबीजीसी, ताडोंग, 22-24 फरवरी 2023	संसाधन व्यक्ति	समूह क्रियाएँ और गणना
शोधार्थी	अनुप्रयुक्त गणित और यांत्रिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमएम 2023)	18-20 अक्टूबर 2023, आईआईटी इंदौर		प्रारूप **1:** (सम्मेलन कार्यवाही में प्रकाशित पेपर)। प्रारूप **2:** (सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर) एन. बेहेरा और ए. बिस्ट, **(2023,** अक्टूबर) मल्टीवेरिएबल स्टेट-स्पेस सिस्टम और इसके एसोसिएटेड सिस्टम मैट्रिक्स के फिडलर लीनियराइजेशन, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एप्लाइड मैथमेटिक्स एंड मैकेनिक्स (आईसीएएमएम **2023), 18-20** अक्टूबर **2023,** आईआईटी इंदौर, भारत, सम्मेलन कार्यवाही में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।
शोधार्थी	गणितीय विज्ञान में हाल के विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन फरवरी, 2024	12-14 फरवरी, 2024, हैदराबाद विश्वविद्यालय		नमिता बेहरा, अविसेक बिस्ट, और वोल्कर मेहरमन, (2024, फरवरी) आयताकार मैट्रिक्स कार्यों के फिडलर रैखिकीकरण गणित विज्ञान में हाल के विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन 12-14 फरवरी, 2024, हैदराबाद विश्वविद्यालय। (प्रस्तुत)।

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम विवरण	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1.	टोपोलॉजिकल डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	21-22 मार्च 2024	5	40	प्रो. अमित चक्रवर्ती; डॉ. आलोक कुमार यादव; डॉ राजभवन यादव

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1.	बिकाश ठकुरी	साधारण अंतर समीकरण ढांचे और इन-सिलिको दृष्टिकोणों का उपयोग करके जैविक प्रणालियों का गणितीय और कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग	प्रो. अमित चक्रवर्ती	11/05/2023	07/12/2023
2.	योगेन घटानी	खिंचती/सिकुड़ती चादर पर तरल पदार्थ के प्रवाह का संख्यात्मक अध्ययन	प्रो. अमित चक्रवर्ती	27/09/2023	05/05/2024

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1.	प्रो. अमित चक्रबर्ती	01/2022 से 31/2024 तक कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, रिवरसाइड, यूएसए के स्कूल ऑफ नेचुरल एंड एग्रीकल्चरल साइंसेज में मानद रिसर्च एसोसिएट (टाइटल कोड 003298/CWR022) के रूप में मान्यता प्राप्त।

भौतिकी विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. अजय त्रिपाठी

विभागीय सूचना प्रारूप

परिचय

भौतिकी विभाग को सिक्किम विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत वर्ष 2009 में प्रारम्भ किया गया था। पिछले 15 वर्षों में केवल 4 संकाय सदस्यों, 4 छात्रों और एक कार्यक्रम यानी एम.एससी. के साथ शुरू होकर यह 6 संकाय सदस्यों, लगभग 35 पीजी छात्रों और 15 शोध छात्रों के साथ एक पूर्ण विभाग बन गया है। पिछले 5 वर्षों में 13 छात्रों को पहले ही डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की जा चुकी है। विभाग ने ईपीआर, एसक्यूआईडी, रमन स्पेक्ट्रोमीटर से युक्त एकीकृत एएफएम और अन्य उच्च अंत उपकरणों से युक्त अनुसंधान प्रयोगशालाएं विकसित की हैं। उभरते क्षेत्रों के महत्व को देखते हुए विभाग ने उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटेशनल सुविधा भी स्थापित की है। ये सभी सुविधाएं पूर्वोत्तर क्षेत्र के किसी भी शोधकर्ता के लिए सुलभ हैं। हमारे संकाय सदस्य लगातार शिक्षण और अनुसंधान में लगे हुए हैं हमारे विभागों से स्नातक करने वाले छात्र भारत भर के विभिन्न संगठनों और संस्थानों में कार्यरत हैं। हम निकट भविष्य में एक विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थान बनने की ओर अग्रसर हैं।

प्रमुख क्षेत्र :

संकाय सदस्य और शोध छात्र भौतिकी और संबद्ध विषयों के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। मुख्य जोर देने वाले क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी, नैनोमैटेरियल्स,
- आणविक इलेक्ट्रॉनिक संरचनाएं, आणविक इलेक्ट्रॉनिक्स, क्वांटम परिवहन
- नरम संघनित पदार्थ
- अंतरिक्ष भौतिकी
- प्लाज्मा भौतिकी और परमाणु संलयन
- सैद्धांतिक उच्च ऊर्जा भौतिकी

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या: 19 (एम.एस.सी. भौतिकी-18+ पीएच.डी. भौतिकी-1)

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
स्नातकोत्तर	शून्य	17	शून्य	18	6+5	11+13	35
एमफिल (अगर कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
पीएचडी	शून्य	लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं	04	11	15
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ							

संकाय विवरण

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम.कॉम/ पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ सुबीर मुखोपाध्याय	पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टर	प्रोफेसर	27.2.2012	37 एच-इंडेक्स 12	302 (सम्मानित) 03 (जारी)	1
2	डॉ अमिताभ भट्टाचार्य	पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टर	सह प्राध्यापक	30.03.2012	40 एच-इंडेक्स 11	03 (सम्मानित) 01 (जारी)	0
3	डॉ. अजय त्रिपाठी	पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टर	सह प्राध्यापक	27.02.2012	46 एच-इंडेक्स 15	02 (सम्मानित)04 (जारी)	1
4	डॉ. हेमाम दिनेश सिंह	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	27.02.2012	15 एच-इंडेक्स 09	01 (सम्मानित) 02 (जारी)	
5	डॉ धुर्बा राई	पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टर	सहायक प्राध्यापक	30.06.2023	22 एच-इंडेक्स 11	02 (सम्मानित)02 (जारी)	1
6	डॉ. रूपक मुखर्जी	पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टर	सहायक प्राध्यापक	28/07/2022	14 एच-इंडेक्स 66	01 (जारी) सह-पर्यवेक्षक	0
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी

	नाम	योग्यता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	लागू नहीं		
1	श्री एन. बी. सुब्बा लिम्बू	बीएससी.एमए	प्रयोगशाला सहायक	09-05-2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	श्री बिक्रम थापा	एमएससी	प्रयोगशाला सहायक	03-05-2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क: जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम : अमिताभ भट्टाचार्य

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	रोनल राई, अजय त्रिपाठी और **अमिताभ भट्टाचार्य** (2023) प्राकृतिक और रासायनिक सर्फेक्टेंट समाधानों में बुलबुला मापदंडों की तुलना: एक बल विश्लेषण, *जर्नल ऑफ डिस्पर्सन साइंस एंड टेक्नोलॉजी*,डीओआई: 10.1080/01932691.2023.2271561	लागू नहीं	2.042	टेलर और फ्रांसिस	0193-2691
2.	आशा टोंगब्रम और **अमिताभ भट्टाचार्य** (2023) प्राकृतिक सर्फेक्टेंट के सतह गुण और कॉफी ड्रॉप गठन: अल्बिजिया प्रोसेरा का एक केस स्टडी, टेनसाइड सर्फेक्ट। डिट. 2023; 60(1): 82–94https://doi.org/10.1515/tsd-2022-2459	लागू नहीं	1.2	डी ग्रुइटर	2195-8564
3	सिंह, बिबेक कुमार, दीपांजन बनर्जी, ए. मंगबाबू, याग्नेश षडंगी, एन. के. मुखोपाध्याय, राजेश रावत, ए. पी. पाठक, एस. वेणुगोपाल राव, अर्चना तिवारी, और ए. त्रिपाठी। "डेकागोनल AlCoNi और AlCoCuNi क्वासिक्रिस्टल का अल्ट्रा-शॉर्ट पल्स्ड लेजर एब्लेशन।" *जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स* 968 (2023): 172238।	लागू नहीं	6.2	एल्सेवियर	0925-8388
4	राय, रोनल, **अजय त्रिपाठी**, और अमिताभ भट्टाचार्य। "प्राकृतिक और रासायनिक सर्फेक्टेंट समाधानों में बबल मापदंडों की तुलना: एक बल विश्लेषण।" *जर्नल ऑफ डिस्पर्सन साइंस एंड टेक्नोलॉजी* (2023): 1-11।	लागू नहीं	1.9	टेलर और फ्रांसिस	0193-2691.
5	शडंगी, वाई., भट्ट, एस., प्रधान, पी., तिवारी, ए., **त्रिपाठी, ए.,** चट्टोपाध्याय, के., और मुखोपाध्याय, एन. के. (2023) यांत्रिक मिलिंग और उसके बाद एनीलिंग द्वारा तैयार सिलिकन प्रबलित एलूमीनियम-कॉपर-फेरम क्वासिक्रिस्टलाइन मैट्रिक्स कंपोजिट की संरचना, विद्युत और तापीय परिवहन गुण। *जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स*, 960, 170586।	लागू नहीं	6.2	एल्सेवियर	0925-8388
6	गुरुंग, स्वेता, निम्माला अरुण, मयंक जोशी, तान्या जायसवाल, एएनएंडपी पाठक, परिमल दास, अमरेश कुमार सिंह, **अजय त्रिपाठी** और अर्चना तिवारी। "सिनोडोन डेक्टीलॉन से संश्लेषित फ्लोरोसेंट कार्बन क्वांटम डॉट्स का उपयोग करके दोहरी धातु आयन (Fe3+ और As3+) सेंसिंग और सेल बायोइमेजिंग।" केमोस्फीयर 339 (2023): 139638	लागू नहीं	8.1	एल्सेवियर	1879-1298
7	शर्मा, परसु राम, राजेश रावत, पूजा प्रधान, नागेंद्र ठाकुर, अर्चना तिवारी, ए.पी. पाठक, और **अजय त्रिपाठी**। "लेजर-प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी और उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों के साथ सिक्किम हॉट-स्प्रिंग जल की मौलिक संरचना और वर्गीकरण का अनावरण।" *एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फोकस* 7, संख्या 2 (2023): 177-188	लागू नहीं	लागू नहीं	एएसपी	2326-3040

8	राय, रोनल, **अजय त्रिपाठी**, और अमिताभ भट्टाचार्य। "सर्फेक्टेंट सॉल्यूशन में बबल ग्रोथ और डिटैचमेंट प्रक्रिया: 90% शुद्ध सोडियम डोडेसिल सल्फेट का एक अध्ययन।" *पार्टिकुलेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी* 41, नंबर 5 (2023): 740-748	लागू नहीं	2.3	टेलर और फ्रांसिस	0974-5645
9	सिंह, रंजीत कुमार, नयन शर्मा, इंद्र हंग सुब्बा, सौविक चटर्जी और **अजय त्रिपाठी**। "परमाणु वाष्प में विद्युत चुम्बकीय रूप से प्रेरित अनुनादों का प्रकाश परिवर्तन प्रेरित संशोधन।" *ऑप्टिक्स कम्युनिकेशंस* 537 (2023): 129466	लागू नहीं	2.4	एल्सेवियर	0030-4018
10	गुरुंग, एस., अरुण, एन., पाठक, ए.पी., नेलामरी, एस.आर., **त्रिपाठी, ए.** और तिवारी, ए., 2023. कम किए गए ग्रेफीन ऑक्साइड और सिल्वर नैनोकणों के नैनोकंपोजिट में थर्मल और प्रकाश-प्रेरित विद्युत गुण। *जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स*, 34(13), पृ.1108।	लागू नहीं	2.478	स्प्रिंगर	0957-4522
11	शर्मा, नयन, रंजीत कुमार सिंह, इंद्र हांग सुब्बा, सौविक चटर्जी, और **अजय त्रिपाठी**। "इलेक्ट्रोमैग्नेटिकली इंड्यूस्ड ट्रांसपेरेंसी में एंटी-रिलैक्सेशन कोटिंग-इंड्यूस्ड वेलोसिटी-डिपेंडेंट पॉपुलेशन री-डिस्ट्रीब्यूशन।" *एप्लाइड फिजिक्स* बी 129, नंबर 5 (2023): 68।	लागू नहीं	2.0	स्प्रिंगर	0946-2171
12	प्रोतिम हज़ारिका, मानश, **अजय त्रिपाठी,** और सोमेंद्र नाथ चक्रवर्ती। "फेमटोसेकंड और पिकोसेकंड लेजर पल्स के साथ तांबे की पतली फिल्म विकिरण का दो-तापमान आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन।" *जर्नल ऑफ़ लेजर एप्लीकेशन* 35, नंबर 2 (2023)।	लागू नहीं	2.5	एआईपी	1938-1387
13	राई, एस., राई, डी., और गोबरे, वी. वी. (2024)। विद्युत क्षेत्रों में जल नैनो-रिंग। *मोलेक्युलर फिजिक्स*, 122(9), e2273977।	लागू नहीं	1.6	टेलर और फ्रांसिस	0026-8976 (प्रिंट) 1362-3028 (वेब)
14	बर्नार्ड टीएन, हैल्पर्न एफडी, फ्रांसिसक्वेज एमआर, जूनो जेएल, मैंडेल एनआर, हैमेट जीडब्ल्यू, हकीम एएच, हंबल ई, और मुखर्जी आर (2023) जाइरोकैनेटिक स्क्रैप-ऑफ लेयर सिमुलेशन में समानांतर परिवहन और ब्लॉब डायनामिक्स पर तटस्थ इंटरैक्शन का प्रभाव, फिजिक्स ऑफ प्लाज़्मा, 30, 112501; https://doi.org/10.1063/5.0160588	लागू नहीं	1.9	अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स (एआईपी)	1070-664X

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
अमिताभ भट्टाचार्य	लिक्विड क्रिस्टल पर 30वां राष्ट्रीय सम्मेलन	आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम 2 से 4 नवंबर 2023	आमंत्रित वक्ता	*एगेव अमेरिकाएनए एक प्राकृतिक सर्फेक्टेंट के रूप में: एक प्रारंभिक अध्ययन*
अमिताभ भट्टाचार्य	नवीन सामग्रियों में प्रगति पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची, 20-22 जनवरी, 2024	आमंत्रित वक्ता	*प्राकृतिक सर्फेक्टेंट: स्वच्छ तरीके से साफ करें*
अमिताभ भट्टाचार्य	संगीत वाद्ययंत्रों पर सी वी रमन की विरासत	वेबिनार: भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ, आरसी 14, केरल, 25.02.2024	आमंत्रित वक्ता	*सी वी रमन और भारतीय संगीतमय ड्रम के पीछे का विज्ञान*
अमिताभ भट्टाचार्य	विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुझान	सेल्सियन कॉलेज, सिलीगुड़ी, 28-29 फरवरी, 2024	आमंत्रित वक्ता	*क्या हम स्वच्छ तरीके से सफाई कर सकते हैं: प्राकृतिक सर्फेक्टेंट इसका रास्ता दिखाते हैं।*
अमिताभ भट्टाचार्य	'अच्छे जीवन' और विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: सिक्किम और उससे आगे के दृश्य इतिहास और संस्कृति की खोज	इतिहास विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, 14-15 मार्च 2024	आमंत्रित वक्ता	*लॉस्ट-वैक्स कास्टिंग तकनीक, जहाँ अच्छा जीवन और विकास एक साथ मिलते हैं*
अजय त्रिपाठी	पीएमक्यूएम2023	आईसीटीएस, बैंगलोर	आमंत्रित वक्ता	*आरबी87 वाष्प में विद्युत चुम्बकीय प्रेरित पारदर्शिता को समझना*
अजय त्रिपाठी	एनडब्ल्यूक्यूटी-2023	बीएचयू	आमंत्रित वक्ता	*आरबी87 वाष्प में विद्युत चुम्बकीय प्रेरित पारदर्शिता को समझना*
अजय त्रिपाठी	एएसटीएम-2024	आईएसएम, धनबाद	आमंत्रित वक्ता	*अल्ट्राफास्ट लेजर का उपयोग करके नैनोकणों का संश्लेषण: प्रवाह, विलायक और पल्स चौड़ाई प्रभाव*
रूपक मुखर्जी	सापेक्षवादी खगोलभौतिकी में हाल के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	गंगटोक, सिक्किम, भारत। 11 – 13 दिसंबर, 2023.	आमंत्रित वक्ता	*(सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र) ठंडे चुम्बकीय प्लाज्मा में पुनरावृत्ति।*
भास्कर ज्योति खनिकर	शुद्ध और अनुप्रयुक्त भौतिकी की सीमाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (01/03/2024)	प्रस्तोता	*(*सम्मेलन में प्रस्तुत पोस्टर*) विश्लेषणात्मक कार्यात्मक बूटस्ट्रैप विधि का उपयोग करके सामान्यीकृत मुक्त क्षेत्र के ओपीई गुणांक की गणना।* (कार्यवाही में प्रकाशन के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया)
सुभदीप रक्षित	XXV डीएई-बीआरएनएस एचईपी संगोष्ठी	आईआईएसईआर-मोहाली 12 दिसंबर-16 दिसंबर, 2022	प्रस्तोता	(सम्मेलन में प्रस्तुत पोस्टर) *4डी एन =2 एससीएफ़टी के लिए स्ट्रेस टेंसर और चिरल ऑपरेटर के लिए सुपर कॉन्फ़ॉर्मल ब्लॉक*
पेमा चिदा शेर्पा	शुद्ध और अनुप्रयुक्त भौतिकी में सीमाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेघालय 29/01/2024-0 2/03/2024	प्रस्तोता	*क्रायोमिलिंग के माध्यम से संसाधित नैनोस्ट्रक्चर्ड AlSiCrMnFeNiCu HEA के संरचनात्मक, चुंबकीय व्यवहार और थर्मोइलेक्ट्रिक गुण।* (कार्यवाही में प्रकाशन के लिए प्रस्तुत नहीं)

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना:

क्र.सं.	उपकरणों का विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी	उद्देश्य	अनुमानित उपयोग (%)
1	वेपौर सेल	14-03-2023	2,31,040	सिक्किम विश्वविद्यालय	ऑप्टिकल शोध प्रयोगशाला	उदाहरणार्थ 2023-24 के दौरान 85%
2	एसटीएम प्रणाली का उन्नयन	14-02-2024	6,49,000	सिक्किम विश्वविद्यालय	प्रायोगिक शोध प्रयोगशाला	50%
3	थर्मोपाइल पावर सेंसर	11-01-2024	2,65,500	सिक्किम विश्वविद्यालय	लेजर शोध प्रयोगशाला	75%
4	क्विंके विधि द्वारा चुंबकीय संवेदनशीलता	16-02-2024	1,69,722	सिक्किम विश्वविद्यालय	प्रायोगिक प्रयोगशाला	75%
5	एयर कंप्रेसर	17-02-2024	47,790	सिक्किम विश्वविद्यालय	आरएफ स्पटरिंग लैब	80%
6	स्पेसिफिक हिट ऑफ सॉलिड एक्सपेरिमेंट सेटअप	11-04-2023	47,082	सिक्किम विश्वविद्यालय	इलेक्ट्रॉनिक लैब	75%
7	अक्रोमैटिक फाइबर पोर्ट	21-11-2023	83,583	सिक्किम विश्वविद्यालय	ऑप्टिकल शोध प्रयोगशाला	75%
8	ग्रीन डायोड लेजर	29-02-2024	35,000	सिक्किम विश्वविद्यालय	इलेक्ट्रॉनिक लैब	75%
9	एसटीएम नमूना टूल किट किट नमूना वॉल्यूम-I के साथ	05-03-2024	95,000	सिक्किम विश्वविद्यालय	आरएफ स्पटरिंग लैब	50%
10	वीआरएलए 12वी 200 एएच एमरॉन बैटरी	21-03-2024	14,08,000	सिक्किम विश्वविद्यालय	स्क्विड लैब	100%
11	परावैद्युत मापन प्रयोग सेट-अप	28-03-2024	68,580	सिक्किम विश्वविद्यालय	इलेक्ट्रॉनिक लैब	75%
12	फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव द्वारा प्लैंक स्थिरांक	28-03-2024	37,250	सिक्किम विश्वविद्यालय	इलेक्ट्रॉनिक लैब	75%
13	चार प्रोब मिजरमेंट सेट अप	28-03-2024	1,24,200	सिक्किम विश्वविद्यालय	इलेक्ट्रॉनिक लैब	50%
14	डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप	28-03-2024	28,000	सिक्किम विश्वविद्यालय	ऑप्टिकल शोध प्रयोगशाला	75%

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1	उमेश ढकाल	आणविक और नैनोस्केल जंक्शन उपकरणों में क्वांटम लूप करंट: सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण	डॉ. डी राई	30.07.2022	24.11.2023
2	रोनल राई	सर्फेक्टेंट विलयनों में बुलबुला गतिकी और प्रेरित द्रव गति का अध्ययन	अमिताभ भट्टाचार्य/ अजय त्रिपाठी	18.09.2023	19-02-2024

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
सुश्री अलीजा राय	IV	सिक्किम सरकार	नामची, साउथ सिक्किम
सुश्री शनिवा राय	IV	सिक्किम सरकार	गंगटोक, ईस्ट सिक्किम
श्री मोहन चन्द्र शर्मा	IV	सिक्किम सरकार	डेंटाम, वेस्ट सिक्किम
श्रीमान शे शे हांग सुब्बा	IV	सिक्किम सरकार	वेस्ट सिक्किम
पदम बहादुर छेत्री	IV	सिक्किम सरकार	साउथ सिक्किम
ज़ुबेन शेर्पा	IV	सिक्किम सरकार	जीएमसी, गंगटोक
प्रकाश बासनेट	IV	सिक्किम सरकार	शिक्षा विभाग गंगटोक
मदन गोपाल सिन्टुरी	IV	सिक्किम सरकार	एसएनटी, जोरेथांग
रितु पराजुली	IV	हिल पॉइंट सेकेंडरी स्कूल, मटेपानी-12 पोखरा नेपाल	पोखरा नेपाल
इंदिरा घिमिरे	IV	पोखरा नर्सिंग कैंपस, थापथली, काठमांडू	थापथली, काठमांडू

14. छात्र एवं पूर्व छात्र सुर्खियों में (यदि कोई हो)

हमारे छात्रों में से एक डॉ. इंद्र हांग सुब्बा अपने दूसरे कार्यकाल के लिए संसद सदस्य (लोकसभा) के रूप में काम कर रहे हैं।

15. नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ:

विभाग ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप भौतिकी के लिए एम.एससी. पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक तैयार किया है।

(vi) व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ

वाणिज्य विभाग

अध्यक्ष का नाम : प्रो. ए.एन.शंकर

परिचय :

वाणिज्य विभाग की शुरुआत वर्ष 2014 में स्नातकोत्तर स्तर पर 25 छात्रों की प्रवेश क्षमता के साथ की गई थी। विभाग ने वर्ष 2015 में पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया। अपने कोष से विभाग ने सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय, एसआरएम विश्वविद्यालय, सिक्किम सरकार और मिजोरम विश्वविद्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के 3 सेमिनार आयोजित किए हैं। तब से विभाग ने सफलतापूर्वक 9 पीएचडी थीसिस को उपाधि प्रदान की हैं। उपाधि धारकों को सिक्किम राज्य के भीतर और बाहर उच्च शिक्षा के सरकारी और निजी संस्थानों में नियुक्ति दी जाती है। 11 वर्षों की अवधि में विभाग ने स्नातकोत्तर और विद्या वाचस्पति कार्यक्रम के लिए अपने पाठ्यक्रम को तीन बार संशोधित किया है। अंतिम संशोधन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को समायोजित करने के लिए किया गया था।

विभाग ने संबद्ध महाविद्यालयों में वाणिज्य स्नातक (बी.कॉम) के लिए स्नातक कार्यक्रम तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आवश्यकतानुसार विस्तार केंद्र को वर्ष 2020 से नामची सरकारी महाविद्यालय द्वारा सुविधा प्रदान की जा रही है, जो 20 छात्रों की क्षमता के साथ एम.कॉम कार्यक्रम संचालित करता है। विभाग को लेखा, वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और विपणन के क्षेत्र में विशेषज्ञता और रुचि के साथ संकाय के 7 सदस्यों द्वारा संचालित किया जाता है। विभाग सक्रिय रूप से सामुदायिक कल्याण को शामिल करके व्यावसायिक विकास के इच्छुक लोगों के बीच स्थानीय लोकाचार और मूल्य प्रणाली के साथ वाणिज्य के ज्ञान के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छत्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	24	24	24	24	10+12	14+13	49
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी	4				3	1	4
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ	1				2	1	3

संकाय विवरण

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
न्यामित संकाय सदस्य							
1	प्रो अभिजीत दत्ता	पीएचडी	प्रोफेसर	4-12-2015		10	1
2	प्रोफेसर एस एस महापात्रा	पीएचडी	प्रोफेसर	4-5-2014		6	1
3	प्रो ए एन शंकर	एम.कॉम पीएच.डी, बी.एड, डेटा एनालिटिक्स में मास्टर, बीए और बीआई	प्रोफेसर	9-3-2012	(10) एच इंडेक्स 2	4	*(सांख्यिकी सलाहकार 1)*
4	श्री बी तमांग		सहायक प्राध्यापक	30-4-2012			
5	श्री आर बसनेत		सहायक प्राध्यापक	6-5-2014			
6	डॉ. आर एस विशाल		सहायक प्राध्यापक	23 दिसंबर 2014			
7	डॉ. बी मुथु पांडियन डॉ. आर एस विशाल		सहायक प्राध्यापक	16 मई 2014			1
विजिटिग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

सहायक कर्मचारी							
	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क: जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम :

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	सुस्मिता सुब्बा, मुथु पांडियन बी, विशाल आर एस *(2023)*, स्पॉट और फ्यूचर मार्केट वोलैटिलिटी का अस्थायी अध्ययन: भारत में इक्विटी, कमोडिटी और फॉरेक्स मार्केट्स के बीच क्रॉस लिंकेज, *इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन कैपिटल मार्केट्स, 10(3-4)*जुलाई दिसंबर *2023, 8-28.*डीओआई*i: http://doi.org/10.17010\ijrcm\2023\v10i3-4\173428*	समकक्ष समीक्षित	लागू नहीं	एसोसिएशन	2394-3459
2.	***उदाहरण 2:*** शर्मा, पी., मोंडल, के., मोंडल, के.सी., **ठाकुर, एन.** (2022) मेटाजीनोम से α-एमाइलेज की खोज और इसकी थर्मोस्टेबिलिटी में सुधार करने की रणनीतियाँ: एक व्यवस्थित समीक्षा। *वर्ल्ड जे माइक्रोबायोल बायोटेक्नोलोजी* 38, 203 (2022)।https://doi.org/10.1007/s11274-022-03396-0		4.25	स्प्रिंगर	1573-0972
	दत्ता ए (2024) जनजातीय निवेशकों के व्यवहार का एक अनुभवजन्य विश्लेषण - उत्तर पूर्व भारत में चयनित राज्यों का एक अध्ययन। *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑन एडवांस्ड इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*. 2(3),192-197				ई आईएसएसएन: 2584-2854

ग : पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
अभिजीत दत्ता	दास सुलगना और दत्ता अभिजीत (2024), भारत के डिजिटल वित्तीय समावेशन से डिजिटल अपनाने तक: एक यादगार यात्रा, में - समकालीन डिजिटल परिवर्तन और संगठनात्मक व्यवसाय 4.0 (संपादक) नीलांजन रे, सुदीन बाग और तापस कुमार चटर्जी, एप्पल अकादमिक प्रेस, आईएसबीएन: 978177491655441

1. **वर्ष** 2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
डॉ. बी मुथु पांडियन	शिक्षा उद्योग में तकनीकी हस्तक्षेप पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन (26 जुलाई 2023)	माउंट कार्मेल कॉलेज बैंगलोर	पैनलिस्ट	
	एचआरडीसी मदुरै कामराज विश्वविद्यालय शिक्षा और शारीरिक शिक्षा पर यूजीसी प्रायोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (22-8-2023)	कामराज कॉलेज थूथुकुडी, तमिलनाडु	संसाधन व्यक्ति	बुनियादी डेटा प्रबंधन और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन
	जमोवी - एक मुफ़्त ओपन सोर्स सॉफ़्टवेयर (एफ़ओएसएस) का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स और व्याख्या पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला	कामराज कॉलेज थूथुकुडी, तमिलनाडु	संसाधन व्यक्ति	17- अक्टूबर 2023, डेटा के प्रकार चर, डेटा कोडिंग और विज़ुअलाइज़ेशन।

	17,18,19 अक्टूबर 2023			18 अक्टूबर 2023, वर्णनात्मक सांख्यिकी, क्रॉस टेबुलेशन, ची-स्क्वायर टेस्ट, फैक्टर और क्लस्टर विश्लेषण। परीक्षण। 19 अक्टूबर 2023: सहसंबंध प्रतिगमन, पैरामीट्रिक और गैर-पैरामीट्रिक परिकल्पना परीक्षण।
	एसपीएसएस, एएमओएस और जमोवी का उपयोग करके अनुसंधान डेटा विश्लेषण और व्याख्या पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (25- 31 अक्टूबर 2023)	वाणिज्य विभाग, मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु	संसाधन व्यक्ति	25-अक्टूबर डेटा के प्रकार चर, डेटा कोडिंग और विज़ुअलाइज़ेशन। 26 अक्टूबर: क्रॉस टेबुलेशन, ची-स्क्वायर टेस्ट। पैरामीट्रिक और नॉन-पैरामीट्रिक परिकल्पना परीक्षण।
	जामोवी का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला। (3-4 जनवरी 2024)	वाणिज्य विभाग, मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु	संसाधन व्यक्ति	3 जनवरी 2024: डेटा के प्रकार चर, डेटा कोडिंग और विज़ुअलाइज़ेशन। क्रॉस टेबुलेशन, ची-स्क्वायर टेस्ट 4 जनवरी 2024: सहसंबंध प्रतिगमन, पैरामीट्रिक और गैर-पैरामीट्रिक परिकल्पना परीक्षण।
	पूंजी बाज़ारों में निवेश के अवसरों और जोखिम प्रबंधन पर 1 दिवसीय सेमिनार: (19 जनवरी 2024)	पीजी और रिसर्च डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, नेहरू मेमोरियल कॉलेज, तिरुचिरापल्ली	संसाधन व्यक्ति	पूंजी बाजार में निवेश के अवसर और जोखिम प्रबंधन
	सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला (27 फरवरी से 2 मार्च 2024)	व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय	संसाधन व्यक्ति	28 फरवरी 2024: डेटा के प्रकार चर, डेटा कोडिंग जामोवी का परिचय। 29 फरवरी 2024: वर्णनात्मक सांख्यिकी, क्रॉस टेबुलेशन, ची-स्क्वायर टेस्ट, फैक्टर और क्लस्टर विश्लेषण। परीक्षण। 1 मार्च 2024: सहसंबंध प्रतिगमन, पैरामीट्रिक और गैर-पैरामीट्रिक परिकल्पना परीक्षण।
डॉ. रवि शेखर विशाल	सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला (27 फरवरी से 2 मार्च 2024)	व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय	संसाधन व्यक्ति	27 फरवरी: साहित्य की व्यवस्थित समीक्षा। 2 मार्च 2024: शोध प्रस्ताव का मसौदा तैयार करना।
प्रो. ए एन शंकर	डेटा एनालिटिक्स और बिजनेस इंटेलिजेंस में ऑनलाइन मास्टर प्रोग्राम (दिसंबर 2023-मई 2024)	बेंगलुरु	छात्र	
डॉ. बी मुथु पांडियन	कम्प्यूटेशनल सामाजिक विज्ञान में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	एमएमटीटीसी हैदराबाद विश्वविद्यालय, 4-16 मार्च 2024	प्रतिभागी	
डॉ. आर एस	कम्प्यूटेशनल सामाजिक विज्ञान में ऑनलाइन	एमएमटीटीसी हैदराबाद		

विशाल	रिफ्रेशर कोर्स	विश्वविद्यालय, 4-16 मार्च 2024	प्रतिभागी	
प्रो.एस.एस.महापात्र	एनईआईसीएमए का छठा वार्षिक सम्मेलन और "सतत विकास: व्यापार नीति और प्रबंधन अभ्यास" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	शिलांग कॉलेज, 5 और 6 मई 2023	संसाधन व्यक्ति	महिला स्वयं सहायता समूह (डब्ल्यूएसएचजी: सिक्किम, भारत के सोरेंग जिले के अंतर्गत चुम्बोंग चाकुंग ब्लॉक के विशेष संदर्भ में सतत ग्रामीण विकास के लिए एक उपकरण)
प्रो.एस.एस.महापात्र	उड़ीसा वाणिज्य संघ का 43वां वार्षिक सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी	रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर 22 और 23 दिसंबर 2023	संसाधन व्यक्ति	महिलाओं की निवेश रणनीति में नवाचार और वित्तीय साक्षरता: एक साहित्य सर्वेक्षण
प्रो.एस.एस.महापात्र	दिल्ली सरकार द्वारा संचालित एएनडीसी इनस्टार्ट फाउंडेशन (एआईएफ) द्वारा आयोजित गोलमेज चर्चा	एएनडीसी इनस्टार्ट फाउंडेशन, नई दिल्ली 17 अप्रैल 2023	संसाधन व्यक्ति	भारत में उद्यमिता, नवाचार, इनक्यूबेटर और स्टार्ट-अप इकोसिस्टम

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
	सामाजिक विज्ञान में शोध किरया प्रविधि पर एक सप्ताह की कार्यशाला	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	(27 फरवरी-2 मार्च 2024)	7 2 बाह्य 5 आंतरिक	46	पैटर्न: प्रो. अविनाश खरे, मुख्य सलाहकार: प्रो. ए.एस. चंदेल, प्रो. एस.एस. महापात्र, प्रोग निदेशक: प्रो. ए.एन. शंकर, डॉ. बिलंबिता बारीसुधा, डॉ. अमित कुमार सिंह, सह-निदेशक: डॉ. रसी शेखर विशाल, डॉ. बी मुथु पांडियन

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1	श्रेया बार	ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं के गंतव्य पर जोर देने के साथ भारत के आवक और जावक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का एक अनुभवजन्य अध्ययन	प्रो.ए.दत्ता	2 जनवरी 2024	5 मई 2024

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं स्थान)
शशांक गुरुंग	III	सिक्किम सरकार	गंगटोक, सिक्किम
श्रेया बार		एडमस यूनिवर्सिटी कोलकाता	पश्चिम बंगाल
प्रपंच शर्मा		एचएसएस विभाग, सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी	गंगटोक सिक्किम,
सुष्मिता लामा		सरकारी कॉलेज, शांतिनिकेतन	पश्चिम बंगाल
प्रमेश छेत्री		रामपुरहाट, सरकारी डिग्री कॉलेज,	रामपुर हाट, पश्चिम बंगाल
ग्रेसी लामा		सरकारी डिग्री कॉलेज, पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल
दिनेश गुप्ता		यूनिवर्सिटी बीटी और इवनिंग कॉलेज कूच बिहार	पश्चिम बंगाल
सोपान जेना		किरोडीमल कॉलेज साउथ दिल्ली	नई दिल्ली

नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ :

विभाग ने एनईपी पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है, जिसमें पीएचडी छात्रों के लिए एमओओसीएस पाठ्यक्रम और मास्टर ऑफ कॉमर्स प्रोग्राम शामिल हैं।

शिक्षा विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. टीजेएमएस राजू

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 59

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	एम.ए. (20) एम.एड. (14) =34		एमए(16) एम.एड (9) =25		41	18	59
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी							
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ							

संकाय विवरण

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. टीजेएमएस राजू	पीएचडी	अध्यक्ष	27-11-2015	12	02	शून्य
2	प्रो. योदिदा भूटिया	पोस्ट-डॉक	प्रोफेसर	01.09.2017		01	1
3	डॉ अंजू वर्मा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	28.04.2014	03	उपाधि प्रदान 03 एवं पर्यवेक्षक 02	शून्य
4	डॉ. आबृती शर्मा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	17.09.2017	03	पर्यवेक्षक 02	शून्य
5	डॉ.कनगराज.के	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	25.01.2021		पर्यवेक्षक 02	शून्य
6	डॉ. मनीषा सुब्बा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	05.07.2023	03	शून्य	शून्य
अनुबंध आधारित संकाय							
1	डॉ. आरएसएस नेहरू		सहायक प्राध्यापक (अनुबंध पर)	25.09.2017		लागू नहीं	लागू नहीं

2	श्री. बप्पादित्य अधिकारी	एमए, एमएड	सहायक प्राध्यापक (अनुबंध पर)	06/05/202 I	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3	डॉ. पवन कुमार राय	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक (अनुबंध पर)	07-07-23	02	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	सुश्री स्नीम लेप्चा	एमए, एमएड	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क. जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	लेप्चा, एस., और भूटिया, वाई. (2023) सिक्किम में उच्च शिक्षा के छात्रों के बीच मानवाधिकारों के प्रति दृष्टिकोण। *गुरुकुल इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल*, 3(11), 3-9. http://gurukuljourNAl.com/		7.352	गुरुकुल जर्नल	2394-8426
2.	मंगर, एन.; भूटिया, वाई. और किशोर, वी. (2023) सिक्किम राज्य में समग्र शिक्षा अभियान के राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा में पहुँच और गुणवत्ता हस्तक्षेप। *थर्ड कॉन्सैप्ट : एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आइडियाज*, 37(439), 67-70 https://www.thirdconceptjourNAl.com/archives.html		3	थर्ड कॉन्सैप्ट	09707247
3.	छेत्री, डी., और भूटिया, वाई. (2023)। दार्जिलिंग में कॉलेज जाने वाले छात्रों में ड्रग्स और शराब के प्रति रवैया। *गुरुकुल इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल,* 3(11), 34-42 https://gurukuljourNAl.com/wp-Content/uploads/2023/10/Document3.pdf		7.352	गुरुकुल जर्नल	2394-8426
4.	लेप्चा, एम.ओ. और भूटिया वाई. (2024) उच्च शिक्षा में सिक्किम की महिला छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर सामाजिक दृष्टिकोण। *द अकादमिक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च*, 2(2)। 125-146।, 2(2). 125-146.		3	द अकादमिक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च	2583-973X

5.	चेत्री, बी. और भूटिया, वाई. (2024) सिक्किम के मंगेर समुदाय में प्रचलित पारिस्थितिकी-शैक्षणिक प्रथाएँ। द *अकादमिक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च*, 2(4)। 142-157।		3	द अकादमिक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च	2583-973X
	वर्मा, अंजू और महापात्र, सुनीता रानी, कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूली शिक्षा पर आईसीटी का प्रभाव, *ज्ञानकोश जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च*, वॉल्यूम3 अंक-1, जनवरी-जून 2023, पृष्ठ- 87-98	समकक्ष समीक्षित वार्षिक राष्ट्रीय जर्नल	-	शिक्षा विद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय	2347-3290
	घोष, सौमिता और वर्मा, अंजू, सिक्किम के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच शिक्षण दक्षता, *अ जर्नल ऑफ एडुकेशन एंड सोसाइटी*, वर्ष: 46, अंक-3, खंड-3, अप्रैल-जून 2023, पृष्ठ- 277-282	यूजीसी-केयर अनुमोदित ग्रुप-I जर्नल्स	-	भारतीय शिक्षा संस्थान, जे.पी. नाइक पथ, कोथरुड, पुणे	2278-6864
	शर्मा, प्रणीशा और शर्मा, कोविड-19 महामारी के दौरान छात्रों की आब्रिती ऑनलाइन शिक्षा, *अ जर्नल ऑफ एडुकेशन एंड सोसाइटी*, वर्ष:46, अंक-2, खंड-3, जनवरी-मार्च 2023, पृष्ठ-277-282.	यूजीसी-केयर अनुमोदित ग्रुप-I जर्नल्स	-	भारतीय शिक्षा संस्थान, जे.पी. नाइक पथ, कोथरुड, पुणे	2278-6864
	सुब्बा, एम., और अन्य (2023). प्राथमिक स्तर पर इतिहास विषय के बारे में शिक्षार्थियों की धारणा। *समीक्षा: अ मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल*, 2(1), 1-5.			समीक्षा: अ मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल, माता सुंदरी महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	2583-827X
	शर्मा, डी., और सुब्बा, एम. (2023) प्री-सर्विस टीचर एजुकेशन में पीयर मेंटरिंग की संभावनाएँ: फील्ड से प्रतिबिंब। *इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च ट्रेंड्स एंड इनोवेशन*, 8(7), 433-437 DOI:10.6084/m9.doionc.IJRTI2307065		8.14	शोध के रुझान एवं नवाचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	2456-3315
	टी. शेरोन राजू, के. मधुरा वाणी, और आर.एस.एस. नेहरू। (2023)। मछुआरा समुदाय के बच्चों में सशक्तीकरण, सतत परिवर्तन: गायत्री विद्या परिषद एमएलबीटी स्कूल, विशाखापत्तनम में इंफोसिस-डिजिटल साक्षरता का एक केस स्टडी। *एडुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन : थियरि एंड प्रैक्टिस* , 29(4), 396–408। (स्कोपस इंडेक्स्ड)https://doi.org/10.53555/kuey.v29i4.2281 https://kuey.net/index.php/kuey/article/view/2281	(स्कोपस में सूचीबद्ध)	0.19	ऑरिकल ग्लोबल सोसाइटी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च	***ई-आईएसएसएन:*** 2148-2403
	आर.एस.एस. नेहरू, सैंड्रा गुडिनो पारडेस, सुभाष चंद्र रॉय, टोन क्वांग कुओंग और बुई थी थान हुआंग (2023) डिजिटल और ऑनलाइन लर्निंग एनवायरनमेंट में संशोधित ब्लूम टैक्सोनॉमी (2001) को लागू करना: एक रणनीतिक दृष्टिकोण। *एडुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन : थियरि एंड प्रैक्टिस* 29(2), 345–354https://doi.org/10.53555/kuey.v29i2.2473 *https://kuey.net/index.php/kuey/article/view/2473*	(स्कोपस में सूचीबद्ध)	0.19	ऑरिकल ग्लोबल सोसाइटी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च	***ई-आईएसएसएन:*** *2148-2403*

ख : पुस्तकें

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
प्रो. योदिदा भूटिया	सिक्किम की महिलाएँ। मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन-978-93-94569-61-4

ग : पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
डॉ. अंजू वर्मा	छेत्री देकराज और वर्मा, अंजू (2023)। लैंगिक अल्पसंख्यकों (ट्रांसजेंडर) के प्रति मनोसामाजिक प्रभाव और भेदभाव, में - डॉ. अरुण कुमार और सुश्री निकिता श्रीवास्तव द्वारा संपादित पुस्तक "भारत के अल्पसंख्यक, मुद्दे और चुनौतियाँ" ब्लूरोज़ प्रकाशक, नई दिल्ली से प्रकाशित, पहली बार प्रकाशित-2023, आईएसबीएन: 978-93-6261-815-3
डॉ मनीषा सुब्बा	सुब्बा, एम. (2023) एक शैक्षिक निर्माण के माध्यम से लिंग को समझना। सी. चक्रवर्ती और डी. पाल (संपादक), लिंग असमानता और शिक्षा और स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव (पृष्ठ 69-78) एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटे। (अगस्त, 2023) आईएसबीएन 978-1-83753-181-3, ईआईएसबीएन 978-1-183753-180-6
आर.एस.एस.नेहरू	सौविक पाल, क्वांग कुओंग टोन, और आर एस एस नेहरू (2023) इंटेलिजेंट लर्निंग पैराडाइम और स्टूडेंट एम्पावरमेंटडिजिटल इंटीग्रेशन और ट्रांसफॉर्मेशन, एप्पल एकेडमिक प्रेस; बोका रैटन, फ्लोरिडा, यू.एस.ए.; एबिंगडन, ऑक्सन, यू.के.आईएसबीएन:9781774915967 https://appleacademicpress.com/intelligent-learning-paradigm-and-student-empowerment-digital-integration-and-transformation/9781774915967
आर.एस.एस.नेहरू	सैंड्रा पेरेडेस और आर.एस.एस. नेहरू *(2023)* **नवाचार और समावेशन के माध्यम से भविष्य के विश्वविद्यालय परिवर्तन: उच्च शिक्षा के लिए नई वैश्विक दिशाएँ) बुद्धिमान शिक्षण प्रतिमान और छात्र सशक्तिकरण डिजिटल एकीकरण और परिवर्तन।** एप्पल अकादमिक प्रेस; बोका रैटन, फ्लोरिडा, यू.एस.ए.; एबिंगडन, ऑक्सन, यू.के. आईएसबीएन: *9781774915967*
आर.एस.एस.नेहरू	नेहरू, आर.एस.एस., क्यूंग, टी.क्यू., (2023) **भारत (एनईपी-2020) और वियतनाम (जीईपी-2018) में डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक प्रभाव के उदय पर नीतिगत दृष्टिकोण, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: शिक्षा में नए रुझान,** शैक्षणिक और शैक्षिक विज्ञान पर तीसरा हनोई फोरम, वियतनाम नेशनल यूनिवर्सिटी प्रेस, हानोई वीएनयू-यूईडी, होएनएआई.पृष्ठ 896-914. आईएसबीएन: 978-604-000-000
आर.एस.एस.नेहरू	नेहरू, आर.एस.एस., क्यूओंग, टी.क्यू., प्रकाश, ए.आर., हुआंग, बी.टी.टी. (2023) उच्च शिक्षा: ब्लॉकचेन-आधारित आईओटी तकनीक और नेटवर्क के लिए एआई अनुप्रयोग। भूषण, बी., संगैया, ए.के., गुयेन, टी.एन. (संपादक) आईओटी सिस्टम में ब्लॉकचेन-आधारित बुद्धिमान नेटवर्क के लिए एआई मॉडल। इंजीनियरिंग साइबर-फिजिकल सिस्टम और क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर, वॉल्यूम 6, स्प्रिंगर, चाम. https://doi.org/10.1007/978-3-031-31952-5_12 https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-3-031-31952-5_12#citeas आईएसबीएन- 978-3-031-31952-5(ऑनलाइन)
डॉ.पवन कुमार राय	रे.पी.(2023)युवा और कल्याण: युवा पूर्व-सेवा प्राथमिक शिक्षकों की जीवन कौशल शिक्षा पर बुद्धिमत्ता का प्रभाव, कुएनएल प्रकाशन नई दिल्ली आईएसबीएन 978-93-95651-24-0 पृष्ठ संख्या 145-153, 2023
डॉ.पवन कुमार राय	रे.पी.(2024) शिक्षा में योग्यता-आधारित दृष्टिकोण: एनईपी-2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण कुएनएल बुक्स, नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-81-971396-1-1, पृष्ठ संख्या 166-179, 2024।

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति*(केवल स्थायी संकाय सदस्यों और एमफिल/पीएचडी छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोधपत्र। केवल भागीदारी का उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए):*

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
टीजेएमएस राजू	उभरती वैश्विक व्यवस्था पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन गांधीवादी विचार की प्रासंगिकता	आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम 2 से 3 अक्टूबर, 2023	पेपर प्रस्तुत	गांधीजी की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार अनुभवात्मक शिक्षा
टीजेएमएस राजू	एनईपी-2020 के कार्यान्वयन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी: दृष्टिकोण और रणनीतियां	डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, श्रीकाकुलम 4 और 5 अक्टूबर, 2023	संसाधन व्यक्ति	एनईपी-2020 के अनुसार उच्च शिक्षा में मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों का महत्व
टीजेएमएस राजू	एनईपी-2020 पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक: भारत में शिक्षक शिक्षा में बदलाव	एनआईईपीए, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली। 26 और 27, अक्टूबर, 2023	आमंत्रित वक्ता	एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के घटक और शिक्षक शिक्षा के लिए इसकी उपयोगिता
टीजेएमएस राजू	विश्वविद्यालयों के डीन और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला	एनआईईपीए, नई दिल्ली 6 और 7 नवंबर, 2023	आमंत्रित वक्ता	नेतृत्व क्षमताओं को बढ़ाना और विभाग को प्रभावी तरीके से चलाना।
टीजेएमएस राजू	शिक्षा पर 4 सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	नेहु, मेघालय 29 अगस्त 2023	संसाधन व्यक्ति	एनईपी-2020 के अनुसार शिक्षक शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण
टीजेएमएस राजू	एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला	ग्लोबेथिक्स, बैंगलोर 18-25 सितंबर, 2023	आमंत्रित वार्ता	अच्छा शोध और अच्छा शोधकर्ता
टीजेएमएस राजू	21वीं सदी के शैक्षिक परिदृश्य को नेविगेट करने, एनईपी-2020 में चुनौतियों और रोड मैपिंग पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन	नेहु, तुरा परिसर	संसाधन व्यक्ति	एनईपी-2020 के अनुसार शिक्षक शिक्षा में शैक्षिक प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन
अंजु वर्मा				वर्मा, अंजू (2024) चिंतनशील शिक्षण अभ्यास पर शिक्षक का दृष्टिकोण, सिक्किम विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक और शिक्षण: व्यावसायिकता का निर्माण, आलोचनात्मक सोच और चिंतनशील शिक्षण पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी
अंजु वर्मा				वर्मा, अंजू (2024) एनईपी 2020 : शिक्षक व्यावसायिक मानक, प्रबंधन और शिक्षक शिक्षा पर कार्यशाला: एनआईईपीए और एनआईटी अगरतला द्वारा

				आयोजित।
डॉ. कनगराज के.	एनईपी 2020 का कार्यान्वयन और इसकी तैयारी	सिक्किम सरकारी कॉलेज, बुर्टुक	संसाधन व्यक्ति	
डॉ.आर.एस.एस. नेहरू	राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: परिणाम आधारित शिक्षा (एनईपीओबीई -2020)	9-10 फरवरी 2024 आंचल कॉलेज, पालमपुर, ओडिशा	संसाधन व्यक्ति	"शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव: एनईपी -2020 पाठ्यक्रम ढांचे में एआई और ओबीई को एकीकृत करना" आंचल कॉलेज, पालमपुर, ओडिशा
डॉ.आर.एस.एस. नेहरू	राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: कार्यान्वयन और चुनौतियाँ	डॉ. बी. आर. ए. विश्वविद्यालय, श्रीकाकुलम 4 और 5 अक्टूबर 2023	पेपर प्रस्तोता	डिजिटल नागरिकता का निर्माण: 2020 कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ और दृष्टिकोण
डॉ.आर.एस.एस. नेहरू	2023 व्यापार, अर्थशास्त्र और स्थिरता के लिए प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीबीईएम), चिहली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, न्यू ताइपे शहर, ताइवान।	ताइवान नेशनल यूनिवर्सिटी, ताइपे अक्टूबर, 24 और 25 2023 (हाइफ्लेक्स मोड))	पेपर प्रस्तोता	कृषि में हरित नवाचार के लिए नीतियां वियतनाम के थान होआ प्रांत के क्वेन फार्म में केस स्टडी,
डॉ. पवन कुमार रय, संकाय	उच्च शिक्षा : मुद्दे, चुनौतियाँ और आगे की राहें पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	25-27 अक्टूबर 2023 आइजोल, मिज़ोरम।	प्रो. ब्रिंदा बेज़ले खरबिरिंबाई, शिक्षा विभाग, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय	रे. पी. के. (2023). भारत में उच्च शिक्षा में नेतृत्व और नेता की भूमिका के मुद्दे और चुनौतियाँ, मिजोरम विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ द्वारा आयोजित।
डॉ. पवन कुमार रय, संकाय	शिक्षकों और शिक्षण : व्यावसायिकता का निर्माण, आलोचनात्मक चिंतन और चिंतनशील शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन	8-9 अप्रैल 2024, गंगटोक, सिक्किम	प्रो. पद्मा एम. सारंगपानी अध्यक्ष, शिक्षक शिक्षा उत्कृष्टता केंद्र, टीआईएसएस, मुंबई	रे. पी. के. (2023). स्कूली शिक्षकों के लिए सतत व्यावसायिक विकास का महत्व, चुनौतियाँ और प्रभावशीलता, शिक्षा विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा आयोजित।

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1.	"शिक्षक और शिक्षण: व्यावसायिकता का निर्माण, आलोचनात्मक चिंतन और चिंतनशील शिक्षाशास्त्र" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	राष्ट्रीय	आईसीएसएसआर-एनईआरसी	8-9 अप्रैल, 2024	प्रोफेसर पद्मा एम. सारंगपानी (टीआईएसएस-सीईटीई), प्रो. योडिडा भूटिया (सिक्किम) विश्वविद्यालय), डॉ. -राधिका मेनन (संबंधित विश्वविद्यालय दिल्ली), डॉ. शमीनपाडलकर (टीआईएसएस-सीईटीई), डॉ. ऋचा शर्मा (टीआईएसएस-सीईटीई), डॉ. रॉबिन छेत्री, निदेशक, एससीईआरटी, सिक्किम	लगभग 80 (हाइब्रिड मोड)	प्रो. योडिडा भूटिया (अध्यक्ष) डॉ. मनीषा सुब्बा (आयोजन सचिव)

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1	अनुपम पोखरेल	सिक्किम के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के आत्मसम्मान, शैक्षिक परिपक्वता और समायोजन के बीच संबंध	टीजेएमएस राजू	दिसंबर 2023	31-10-2023
2	संतोष सुब्बा	सिक्किम के अनुसूचित जनजाति के छात्रों के बीच अध्ययन के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित करने वाले मनोसामाजिक परिवर्तन	टीजेएमएस राजू और विमल किशोर	दिसंबर 2023	30-05-2024
3	नबीन मंगर	सिक्किम राज्य में समग्र शिक्षा अभियान का राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए)- एक मूल्यांकन अध्ययन।	प्रो. योदीदा भूटिया	8.11.2023	6.05.2024
4	रोकीना खातून	सिक्किम के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच व्यक्तित्व विशेषताएँ, शैक्षिक आकांक्षा, आत्म-अवधारणा	डॉ. अंजु वर्मा	2022	2023
5	सौमिता घोष	सिक्किम के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में चिंतनशील शिक्षण और शिक्षण योग्यता के प्रति दृष्टिकोण	डॉ. अंजु वर्मा	2023	2024

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
सुश्री नोर्किंत लेप्चा	एमए-IV	सिक्किम राज्य सरकार	गंगटोक
सुश्री नमिता शर्मा	एमए-IV	सिक्किम राज्य सरकार	गंगटोक
सुश्री अनामिका छेत्री	एमए-II	सिक्किम राज्य सरकार	रंगली
सुश्री येंकिला भूटिया	एमए-II	सिक्किम राज्य सरकार	गंगटोक
श्री संजय	एमए-IV	सिक्किम राज्य सरकार	गंगटोक

विभाग/केन्द्र/विश्वविद्यालय द्वारा कल्याणकारी गतिविधियाँ और परोपकार (यदि कोई हो):

- कल्याणकारी गतिविधियाँ जैसे विभाग की सफाई और स्वच्छता, इंदिरा बाईपास क्षेत्र में प्लास्टिक और फाइबर प्लास्टिक के उपयोग का उन्मूलन, बाढ़ पीड़ितों के लिए खाद्यान्न और किराने का सामान दान करना आदि।

- नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ: एनईपी -2020 पाठ्यक्रम को 2023 से लागू किया जा चुका है और साथ ही शिक्षा पाठ्यक्रमों में एम.ए. (शिक्षा), एम.एड. और पीएच.डी. के 2024 छात्रों को प्रवेश दिया गया है।.

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम: डॉ. श्री राम (12.09.2023 तक); डॉ. सर्बदा प्रधान (13.09.2023 - 13.11.2023); प्रो. ए.एस. चंदेल (14.11.2023 – 10.12.2023); डॉ. सर्बदा प्रधान (11.12.2023 – 09.02.2024); प्रो. ए.एस. चंदेल (10.02.2024 – 31.03.2024)

परिचय: पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने 10 सीटों के साथ 2022-23 से अपना शैक्षणिक सत्र शुरू कर दिया है। विभाग विषय के बहुविषयक पहलू पर ध्यान केंद्रित करते हुए पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात (एम.लिब.आई.एससी) कार्यक्रम चला रहा है। कार्यक्रम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि छात्र पुस्तकालय और सूचना की सैद्धांतिक अवधारणा को सीखने में सक्षम होंगे और साथ ही पुस्तकालय के माहौल में इसका अभ्यास करने में भी सक्षम होंगे। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान कार्यक्रम दो साल (चार सेमेस्टर) की है।

प्रमुख क्षेत्र : पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि इसमें एनईपी 2020 की सिफारिशें शामिल हैं। इसलिए, पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों घटक शामिल हैं, जिसमें सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का मजबूत समावेश है। लाइब्रेरी मैनेजमेंट, लाइब्रेरी ऑटोमेशन, डिजिटल लाइब्रेरी, सूचना और संसाधन प्रबंधन फोकस के प्रमुख क्षेत्र हैं। इसमें शोध डेटा प्रबंधन जैसी नवीनतम सामग्री का भी समावेश है।

वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या:

शिक्षण पाठ्यक्रमो का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर		03		09	08	04	12
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी							
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ							

संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ श्री राम	पीएचडी	पुस्तकालयाध्यक्ष और सहायक संकाय (12.09.2023 तक)	19.04.2021	62; एच-इंडेक्स: 12	-	-
2	डॉ सुजीत कुजूर	पीएचडी	उप पुस्तकालयाध्यक्ष एवं सहायक संकाय	22.02.2021	8; एच-इंडेक्स 1		
3	डॉ. सर्बदा प्रधान	पीएचडी	सहायक	05.12.2015			

			पुस्तकालयाध्यक्ष और सहायक संकाय				
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	प्रो. ए एस चंदेल	पीएचडी, यूजीसी एमेरिटस	लागू नहीं	14.11.2023 (सम सेमेस्टर 2023)		लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	डॉ. दिबांज्योति बुरागोहाईं	पीएचडी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	सुश्री पबित्रा शर्मा (28.02.2024 तक)	एमएलआईएस-नेट, पीएचडी जारी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

1. **प्रकाशनों का विवरण**

पुस्तकों का अध्याय :

संकाय सदस्य	**प्रकाशन**
डॉ. सर्बदा प्रधान	राई, ए., और प्रधान, एस. (2023) *शैक्षणिक पुस्तकालयों में ई-पुस्तकों का विकास, वर्तमान परिदृश्य और भविष्य: एक अवलोकन* पुणे: कृपा दृष्टि. आईएसबीएन: 978-93-94570-39-9
	प्रधान, एस. और राआइ, ए. (2023). *लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान पेशेवरों के लिए डिजिटल क्षमता: एक कथात्मक चर्चा*, नोएडा, यूपी: ईडीएसओएल इंफॉर्मेटिक्स, आईएसबीएन: 978-81-958779-6-6
	प्रधान, एस. और राई, ए. (2023). *ई-संसाधन चयन: प्रक्रिया और चुनौतियाँ।* बैंगलोर: एचएसआरए प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-93-5506-932-0
	प्रधान, एस. और राआइ, ए. (2024).*डिजिटल वातावरण में सेवाएँ प्रदान करना: सिक्किम विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली पुस्तकालय सेवाओं का एक अध्ययन।* नई दिल्ली: एमजेपी, आईएसबीएन: 978-93-5528-249-1
	प्रधान, एस. और राई, ए. (2024). *शैक्षणिक पुस्तकालयों में परिवर्तन प्रबंधन: एक पुस्तकलायाध्यक्षके नज़रिए से परिप्रेक्ष्य।* आगरा, यूपी: करेंट पब्लिकेशन्स। आईएसबीएन: 978-81-9701-063-7

2023-24 **के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:**

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
डॉ. सुजीत कुजूर	साक्ष्य आधारित पुस्तकालय परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन: अगली पीढ़ी के उपयोगकर्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं (ईबीएलटी) - 2024)	विशाखापत्तनम, 24-25, जनवरी 2024	पेपर प्रस्तोता	सब्जेक्ट्सप्लस का उपयोग करते हुए विषय और अनुसंधान सहायता सेवा: तीस्ता-सिंधु केंद्रीय पुस्तकालय, सिक्किम विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में
डॉ. सर्बदा प्रधान	विद्यालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम	एससीईआरटी, सिक्किम 06-08 फरवरी 2024	संसाधन व्यक्ति	पुस्तकालय विज्ञान: अवलोकन; पुस्तकालय वर्गीकरण; पुस्तकालय सूचीकरण, स्कूल पुस्तकालयों में अभिलेख प्रबंधन

2. **वर्ष** 2023-24 **के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना:**

क्र.सं.	उपकरणों का विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी		उद्देश्य	अनुमानित उपयोग (%)
1	स्मार्ट बोर्ड		4.95 लाख	एसयू		कक्षा	100%

प्रबंधन विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. शैलेंद्र कुमार

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 12

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	17		12				29
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी							14
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ							5

संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. रचना राआइ	पीएचडी, एमबीए	सहायक प्राध्यापक	08/12/2015		1	
2	डॉ शैलेन्द्र कुमार	पीएचडी, एमबीए	सहायक प्राध्यापक	09/03/2012	3	3	2
3	डॉ प्रदीप कुमार दास	पीएचडी, एमए	सहायक प्राध्यापक	23/03/2012	4	4	3
4	डॉ. अचंता रवि प्रकाश	पीएचडी, एमकॉम	सहायक प्राध्यापक	01/05/2014		4	
5	डॉ. शालिनी शुक्ला	पीएचडी, एमबीए	सहायक प्राध्यापक	02/02/2021	2	2	1
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							

	नाम	योग्यता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	लागू नहीं		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	मानक नैतिकता, मानवाधिकार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता		3.4	एआई और नैतिकता (स्प्रिंगर-नेचर))	2730-5961 प्रिंट आईएसएसएन: 2730-5953
2.	मनुष्य, सुपर मानव और सुपर ह्यूमनॉइड: स्टीफन हॉकिंग के प्रलय संबंधी एआई पूर्वानुमान पर बहस		3.4	एआई और नैतिकता (स्प्रिंगर-नेचर)	ईआईएसएसएन: 2730-5961 | प्रिंट आईएसएसएन: 2730-5953
3.	संज्ञानात्मक नैतिकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई): कोहलबर्ग के संज्ञानात्मक नैतिकता के सिद्धांत का उपयोग करके एआई प्रणालियों का प्रस्तावित वर्गीकरण		1.6	तकनीकी स्थिरता (एमराल्ड)	आईएसएसएन:2754-1312
4	कुमार, आर., शुक्ला, एस., शर्मा, ए., और विश्वकर्मा, ए. के. (2024)। उद्यमशीलता के जुनून का उद्यमशीलता के इरादों पर प्रभाव की जांच करना: एक समानांतर मध्यस्थता दृष्टिकोण। मिजारमेंट : इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड पर्सपेक्टिव, 1-20।https://doi.org/10.1080/15366367.2024.2353005		-	टेलर और फ्रांसिस	प्रिंट आईएसएसएन: 1536-6367 ऑनलाइन आईएसएसएन: 1536-6359
5	शुक्ला, एस., और कुमार, आर. (2024)। नए व्यवसाय में उतरना: क्या आत्म-प्रभावकारिता और जोखिम लेने की प्रवृत्ति मदद करती है? *विकल्प*, 49(1), 25-44।https://doi.org/10.1177/02560909241234226		1	सेज	ईआईएसएसएन : 23953799 आईएसएसएन: 0256090960909

वर्ष 2023-24 के दौरान यूजीसी-नेट/यूजीसी-जेआरएफ/आईसीएसएसआर/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट/एसएलईटी/गेट/कैट/यूपीएससी/आईएएस/आईपीएस आदि उत्तीर्ण करने वाले छात्र:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	लिंग	फेलोशिप/पुरस्कार/सेवा
1	भावना गुरुंग	महिला	आईसीएसएसआर दिसंबर-2023 (पीएचडी स्कॉलर)

जनसंचार विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. जैस्मिन विमचुंगर

परिचय :

जनसंचार विभाग की स्थापना 2010 में मीडिया और संचार के क्षेत्र में कौशल और ज्ञान प्रदान करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के साथ-साथ विभिन्न शोध गतिविधियों के माध्यम से क्षेत्र के ज्ञान आधार में योगदान देने के विचार से की गई थी। अखिल भारतीय भर्ती अभियान के माध्यम से भर्ती किए गए चार संकाय सदस्यों की एक टीम को विभाग को एक आधारभूत आधार देने का काम सौंपा गया था। एमए कार्यक्रम का पहला बैच न केवल सिक्किम से बल्कि पूर्वोत्तर क्षेत्र और पूर्वी भारत के कई हिस्सों से छात्रों के साथ शुरू हुआ। केरल और लक्षद्वीप से भी छात्रों ने विभाग की सांस्कृतिक विविधता में योगदान दिया।
विभाग के एकीकृत एम.फिल और पीएचडी कार्यक्रम 2012 में पांच विद्वानों के साथ शुरू हुए। इसके बाद, शोध कार्यक्रम बदले हुए विश्वविद्यालय के नियमों के अनुरूप गैर-एकीकृत एम.फिल और पीएचडी कार्यक्रमों में स्थानांतरित हो गया। पांच विद्वानों को उनकी डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है, और अन्य तीन अपने शोध अध्ययन जारी रख रहे हैं। विभाग में चार नियमित संकाय सदस्य हैं, और यह कई अतिथि संकाय सदस्यों की सेवा लेता है। विभाग आज लगभग एक करोड़ रुपये की लागत वाली अत्याधुनिक बुनियादी संरचना के साथ एक बहुत अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला का दावा करता है। प्रयोगशाला छात्रों को मीडिया उत्पादन और संपादन के विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, विभाग के छात्रों और शोध विद्वानों ने काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिन्होंने न केवल विभाग को बल्कि विश्वविद्यालय को भी अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थान दिलाने में योगदान दिया है।

प्रमुख क्षेत्र :

स्नातकोत्तर स्तर पर विभाग छात्रों के बीच कौशल विकसित करने पर ज़ोर दे रहा है, साथ ही इस विषय में एक मजबूत सैद्धांतिक आधार सुनिश्चित करने के प्रयास भी किए गए हैं। इस प्रकार सिद्धांत और व्यवहार का एक अनूठा संतुलन महत्वपूर्ण हो जाता है, जैसा कि इसके पाठ्यक्रम में परिलक्षित होता है। समाचार, ऑडियो-विजुअल उत्पादन, विज्ञापन, रेडियो उत्पादन, जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार, अभिसारी पत्रकारिता और फिल्म निर्माण, अन्य के अलावा, एमए कार्यक्रम के डोमेन कौशल-आधारित क्षेत्र हैं, जो छात्रों के लिए कई करियर विकल्प और रुचि क्षेत्र खोलते हैं। विभाग के शोध कार्यक्रम के लिए, विद्वानों ने वीडियो गेमिंग, पर्यावरण संचार, पत्रकारिता अध्ययन, टेलीविजन अध्ययन, मीडिया-धर्म अध्ययन और नए मीडिया और सिनेमा अध्ययन सहित विभिन्न अध्ययन किए हैं। अध्ययन क्षेत्रों की विविधता विभाग में संकाय सदस्यों की विविध शोध रुचि को दर्शाती है। शोध विद्वानों द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों को जोड़ने वाला एक व्यापक सूत्र उन मुद्दों की सीमांतता है जो अन्यथा महत्वपूर्ण हैं लेकिन अब तक विद्वानों के क्षेत्र में मौनता देखी गई है।

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 09

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)							
स्नातकोत्तर	09	09	12	12	15	06	21
एमफिल (अगर कोई हो)							
पीएचडी	01		01			01	01
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ							

संकाय विवरण

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ. जैस्मीन यिमचुंगर	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	26.03.2012		एमफिल: 2 (सम्मानित) पीएचडी: 1 (जारी)	
2	डॉ. मनोज कुमार दास	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	23.01.2012		पीएचडी:04 (सम्मानित) एम.फिल:07 (सम्मानित) पीएचडी:01(जारी)	01
3	डॉ. निहारिका बुरागोहेन	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	12.06.2014		पीएचडी:01(जारी)	
4	डॉ. पूजा बस्नेत	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	11.09.2017	5; एच-इंडेक्स-3	पीएचडी:02 (जारी) पीएचडी:03 (सम्मानित) एमफिल: 01 (सम्मानित)	
5	डॉ. सिलाजीत गुहा	पीएचडी	सह प्राध्यापक	29.05.2014			
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	श्री दाउद मोहम्मद खान	एमफिल	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	श्री दोरजी शेर्पा	बीए, पीजीडीवी	तकनीकी सहायक	15.06.2012	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	श्री कुश नारायण बस्नेत	बीए	प्रयोगशाला सहायक	23.08.2017	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क: जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1.	दास, एम.के., और रॉय, बी. (2023)। संघर्ष रिपोर्टिंग में मिथकों का आह्वान: भारत में गोरखालैंड आंदोलन से साक्ष्य। *क्रिटिकल आर्ट्स*, 37(4), 94–107.https://doi.org/10.1080/02560046.2023.2230252	स्कोपस	1.1	टेलर और फ्रांसिस	0256-0046 1992-6049

ख : पुस्तकें

संकाय सदस्य	आईएसबीएन के साथ प्रकाशन
डॉ. मनोज कुमार दास	दास, एम.के. (2023). भारत में धर्म का टेलीविज़नीकरण: एक मानवशास्त्रीय वाचन। नई दिल्ली: रूटलेज। (दक्षिण एशियाई संस्करण)। आईएसबीएन: 978-1032468501;1032468505

ग : पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
डॉ. पूजा बस्नेत	मंडल, एस., बस्नेत, पी. (2023) सुदीप्ता चक्रवर्ती: वह सितारा जो खूब चमकी। में - *भारतीय महिला सुपरस्टार्स* (पृष्ठ 86 - 93) संपादक राजेंद्रन. ए. यूनिवर्सिटी बुक हाउस, आईएसबीएन: 978-81-19009-94-7

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
डॉ. मनोज कुमार दास	मीडिया, धर्म और संस्कृति अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी का 13वां द्विवार्षिक मीडिया, धर्म और संस्कृति सम्मेलन	बोचुम, जर्मनी 2 अगस्त, 2023	पेपर प्रस्तुत	
डॉ. पूजा बस्नेत	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित की जा रही है 'प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला'	जनसंचार विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, राजा राममोहनपुर, जिला दार्जिलिंग, 22 मार्च, 2024	आमंत्रित वक्ता/ संसाधन व्यक्ति	
स्मृति राई और डॉ. पूजा बस्नेत	7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - नए मीडिया युग में संस्कृति और समाज	दृश्य संचार विभाग, एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (कट्टानकुलथुर) भारतीय संचार कांग्रेस के सहयोग से, 21-22 मार्च, 2024	पेपर प्रस्तोता	
स्मृति राई और डॉ. पूजा	मीडिया, संस्कृति और समाज-अंतर-संबंध और	सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, न्यू टाउन,	पेपर प्रस्तोता	

बस्नेत	विकास	कोलकाता, 25- 27 सितंबर, 2023		
उग्याल छिरिंग लामा योल्मो और डॉ. पूजा बस्नेत	एशियाई सामाजिक मनोविज्ञान एसोसिएशन का द्विवार्षिक सम्मेलन (AASP 2023)	हांगकांग शिक्षा विश्वविद्यालय, 13-15 जुलाई, 2023	पेपर प्रस्तोता	
सोनम सुल्ताना शाह	'पर्यावरण नैतिकता: जलवायु परिवर्तन पर सामाजिक प्रतिक्रिया' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	शिक्षा विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय के सहयोग से सेंट क्लैरेट कॉलेज, जीरो, लोअर सुबनसिरी, अरुणाचल प्रदेश 28-29 अप्रैल 2023	पेपर प्रस्तोता	
सोनम सुल्ताना शाह	खोज- शोध कार्यशाला- 2023	एसआरएम यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम, 24 नवंबर 2023	पेपर प्रस्तोता	

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1.	पॉडकास्ट बनाने पर कार्यशाला	-	सिक्किम विश्वविद्यालय	15 मार्च, 2024	पॉल राय	एम.ए. छात्र, जनसंचार विभाग	डॉ. पूजा बस्नेत
2	अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला	विभागीय स्तर	सिक्किम विश्वविद्यालय	6-15 दिसंबर, 2023	प्रो के वी नागराज	पीएचडी और एमए छात्र	डॉ. निहारिका बुरागोहाईं
3	वीडियो प्रॉडक्शन पर कार्यशाला	विभागीय स्तर	सिक्किम विश्वविद्यालय	18-23 मार्च, 2024	श्रीमती शोभा दास मल्लिक और डॉ अर्कोप्रवा चट्टोपाध्याय	एम.ए. छात्र	डॉ. निहारिका बुरागोहाईं

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद/स्थापना :

क्र.सं.	उपकरणों का विवरण	अधिग्रहण की तिथि	लागत (रु)	वित्तपोषक एजेंसी		उद्देश्य	अनुमानित उपयोग (%)
1	16 एक्साइड/क्वांटा 12वी/42एएच एसएमएफ़ बैटरी	26/07/2023	1,06,960/-	एसयू	एसयू	प्रयोगशाला के लिए	100%
2	जैक्वार 18वाट स्क्वायर एलईडी पैनल लाइट्स	26/07/2023	22,560/-	एसयू	एसयू	प्रयोगशाला के लिए	100%
3	02 50L कैमरा ड्राई कैबिनेट	20/11/2023	75,900	एसयू	एसयू	कैमरा लेंस के लिए	100%

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1.	एरोन एलिज़ा लेप्चा	मोबाइल फोन गेम्स और संतुष्टि का उपयोग: सिक्किम के किशोरों की प्रतिक्रियाओं पर एक अध्ययन	डॉ. पूजा बस्नेत	30 जून, 2022	24 अप्रैल, 2023
2.	पृवत गिरी	सोशल मीडिया और उभरता सार्वजनिक क्षेत्र: पूर्वोत्तर भारत का एक अध्ययन	डॉ. पूजा बस्नेत	27 जनवरी, 2023	04 दिसंबर, 2023

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
	डॉ. मनोज कुमार दास	2023 जलवायु परिवर्तन संचार पुरस्कार से सम्मानित। 13 जुलाई, 2023 को फ्रांस के ल्योन में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में मीडिया और संचार अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईएएमसीआर) द्वारा सम्मानित किया गया। (कृपया देखेंhttps://iamcr.org/awards/ccc-2023-awarded)

संगीत विभाग

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. बिलम्बिता वाणीसुधा

परिचय :

सिक्किम विश्वविद्यालय में संगीत विभाग संगीत का अध्ययन और प्रचार करने के लिए समर्पित है, जिसमें सिक्किम और पूर्वी हिमालय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर विशेष जोर दिया जाता है। यह विभाग पदर्शन कला विद्यापीठ का हिस्सा है और पारंपरिक और समकालीन संगीत शिक्षा को मिलाने वाले कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग संगीत में कला स्नातक (बीए) जैसे स्नातक कार्यक्रम संचालित करता है, जहाँ छात्र विभिन्न संगीत रूपों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। संगीत में कला निष्णात (एमए) संगीत में उन्नत ज्ञान और कौशल चाहने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध है। विभाग संगीतशास्त्र, नृवंशविज्ञान और संगीत अध्ययन के अन्य क्षेत्रों में शोध करने में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान करता है। संगीत विभाग सिक्किम और आसपास के क्षेत्रों में स्वदेशी संगीत परंपराओं और संगीत के सांस्कृतिक महत्व पर शोध को प्रोत्साहित करता है। विभाग स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ, सेमिनार और प्रदर्शन आयोजित करता है। सिक्किम विश्वविद्यालय में संगीत विभाग क्षेत्र की संगीत विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पारंपरिक और समकालीन संगीत दोनों में व्यापक शिक्षा भी प्रदान करता है।

प्रमुख क्षेत्र :

सिक्किम विश्वविद्यालय में संगीत विभाग के मुख्य क्षेत्र मुख्य केंद्र बिंदु हैं जो विभाग की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों का मार्गदर्शन करते हैं। इन क्षेत्रों को क्षेत्रीय संस्कृति को संरक्षित करने और संगीत में नवीन शोध को बढ़ावा देने के विश्वविद्यालय के मिशन के साथ संरेखित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सिक्किम और पूर्वी हिमालयी क्षेत्र की स्वदेशी संगीत परंपराओं पर शोध, जिसमें लोक संगीत, अनुष्ठान संगीत और विभिन्न जातीय समुदायों की संगीत प्रथाओं का अध्ययन शामिल है। ये मुख्य क्षेत्र क्षेत्र की समृद्ध संगीत विरासत को संरक्षित करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, साथ ही संगीत शिक्षा और अनुसंधान में समकालीन विकास को भी अपनाते हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	4	03	10		07	10	17
स्नातकोत्तर	10	10			07	13	20
एमफिल (अगर कोई हो)	लागू नहीं						
पीएचडी	5				02	03	05
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)							
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ	01						

संकाय सदस्य :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ कृष्णेंदु दत्ता	पीएचडी	सह प्राध्यापक	10 नवंबर 2015	05	06	शून्य
2	डॉ बिलंबिता वाणीसुधा	पीएचडी	सह प्राध्यापक	8 मई 2023	08	01	01
3	डॉ. जयंत बर्मन	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	27.02.2012		03	02
4	डॉ.समिधा वेदबाला	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	02/03/2012	6 एच-इंडेक्स- 3	04	1
5	डॉ. संतोष कुमार	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	28-04-2014	4	04	1
विजिटिंग प्रोफेसर							
1			लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	अनुराग गजमेर	पीएचडी	अतिथि संकाय	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	सुमना बनर्जी	पीएचडी	अतिथि संकाय	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3	संदीप पटेल	पीएचडी	अतिथि संकाय				

सहायक कर्मचारी							
	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	किशोर थापा	लागू नहीं	लागू नहीं		लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

क्र.सं.	प्रकाशन सूची	यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या	प्रभावी कारक, अगर कोई हो	प्रकाशक	आईएसएसएन
1	मिथिला के करण कायस्थ समाज के लोकप्रिय अनुष्ठान गीतों का एक संक्षिप्त संगीत अध्ययन- डॉ. प्रियंका हाउलादार, डॉ. कृष्णेंदु दत्ता, श्रद्धा सुमन, खंड 12, अंक 01, जनवरी-जून, 2024	समूह I	-	स्वर सिंधु	2320-7175
2	चिड़ियाघर-संगीतशास्त्र: संगीत का पशु-पक्षियों से संबंध-डॉ. कृष्णेंदु दत्ता, प्रियंका हाउलादार, जूही कुमारी			संगीत गैलेक्सी	2319-9695
3	राजबंशियों के अनुष्ठानिक गीतों पर एक संक्षिप्त अध्ययन: काती गीत, डॉ. कृष्णेंदु दत्ता, डॉ. प्रियंका हाउलदार, जबा बर्मन			अनहद लोक	2349-137X
4.	सिक्किम और दार्जिलिंग जिले की महिला गायकों के उत्थान में सामाजिक प्रतिनिधित्व और दृश्यता, डॉ. कृष्णेंदु दत्ता, डॉ. प्रियंका हावलादार, रेमंती राई, अनहद लोक			अनहद लोक	2349-137X
5	नेपाल और आसपास के क्षेत्रों के गंधर्व समुदाय की विभिन्न संगीत शैलियाँ, डॉ. अनुराग गजमेर, सुश्री परिश्मिता फुकन, डॉ. कृष्णेंदु दत्ता			संगीत गैलेक्सी	2319-9695
6	वाणीसुधा बी. (2024), "ओडिशा के पवित्र गीत: भारत की संस्कृति में सामंजस्यपूर्ण अंतर्दृष्टि", संगीत गैलेक्सी ई-जर्नल यूजीसी-केयर सूचीबद्ध, वॉल्यूम 13, संख्या 2 (जुलाई 2024) पृष्ठ 48-66	समूह I	-	संगीत गैलेक्सी	2319-9695
7	वाणीसुधा बी. (2024), "ओडिशा के पाला: स्वदेशी बैलार्ड रूप का एक अध्ययन, इसके गीत-पाठ के विशेष संदर्भ के साथ" संगीत गैलेक्सी ई-जर्नल, यूजीसी केयर सूचीबद्ध,, वॉल्यूम 13, संख्या 1 जनवरी 2024, पृष्ठ संख्या-97-109।	समूह I		संगीत गैलेक्सी ई-जर्नल	2319-9695
8	वाणीसुधा बी. (2023), "मनोबोध चौतीसा: ओडिशा के प्रख्यात भक्त कवि, श्री भक्त चरण दास द्वारा एक शानदार साहित्यिक रचना", एसटीओएम, यूजीसी केयर इंडेक्स, खंड X (1), पृ.सं.918-926	समूह I		एसटीओएम	2231-1041
9	वाणीसुधा बी. (2023), राष्ट्रीय एकीकरण और भारत की राष्ट्रीयता: संगीत का महत्व, जूनी ख्यात, वॉल्यूम -14, अंक-2।	समूह I		जूनी ख्यात	2278-4632
10	वाणीसुधा बी. (2024), "जयदेव का गीत गोविंदा और जगन्नाथ मंदिर: इसकी संरचना का एक अध्ययन", मुक्त शब्द, यूजीसी केयर सूचीबद्ध, वॉल्यूम XIII, (II)।	समूह I		मुक्त शब्द	2347-3150
11	वाणीसुधा बी. (2023), "मानसून की धुनें: कजरी पर विशेष जोर देते हुए एक रचनागत विश्लेषण। वॉल्यूम11, अंक 02 2023.पृष्ठ संख्या-274-289	समूह I		स्वर-सिंधु	2320-7175
12	वाणीसुधा बी.. (2023), भारत में उच्च शिक्षा में प्रदर्शन कला के निहितार्थ: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च, वॉल्यूम 5, अंक-1, 1-14	समूह I		इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च	2582-2160
13	बर्मन, जयंत, बर्मन सुतापा (2023) राजबंशी विवाह गीत: मौखिक		9.24	(आईजेएफ़एमआर)	ई-आईएसएसएन

	शिक्षा के साथ सीखने पर एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर) वॉल्यूम 5, अंक 4, जुलाई-अगस्त 2023https://doi.org/10.36948/ijfmr.2023.v05i04.4228				2582-2160
14	बर्मन, जयंत कुमार, रॉय, रिया (2023), राजबंशी लोक नृत्य: 'हस्त संचलन पर विशेष महत्व देते हुए, इंटरनैशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, वॉल्यूम: 13 लेख आईडी: 26883,https://doi.org/10.37118/ijdr.26883.06.2023		8.058	आईजेडीआर	2230-9926
15	बर्मन, जयंत कुमार, बर्मन सुतापा, राजबंशी विवाह गीत: मौखिक शिक्षा के साथ सीखने पर एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर) ई-https://doi.org/10.36948/ijfmr.2023.v05i04.4228		9.24	(आईजेएफएमआर)	आईएसएसएन-2582-2160
16	बर्मन, डॉ. जयंत, राय धनंजय, राजबंशी 'देशी ढोल': 'वर्ण' के बारे में एक संगीतशास्त्रीय अध्ययन, इंटरनैशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च वॉल्यूम 15, अंक, 07, पृ.25317-25320, जुलाई, 2023 डीओआई : https://doi.org/10.24941/ijcr.45645.07.2023		8.132	आईजेसीआर	आईएसएसएन-0975-833X
17	बर्मन, जयंत कुमार, राजबंशी के स्वदेशी नृत्य आंदोलनों पर एक अध्ययन, वॉल्यूम 8 अंक 6, जून-2023, राजबंशी के स्वदेशी नृत्य आंदोलनों पर एक अध्ययन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग डेवलपमेंट रिसर्च (www.ijsdr.org), खंड 8, अंक 6, पृष्ठ संख्या 88 - 98, जून-2023, उपलब्ध: http://www.ijsdr.org/papers/IJSDR2306016.pdf		8.15	आईजेएसईडी	आईएसएसएन:2455-2631
18	वेदबाला, एस., और बरैली, डी. जे. (2023)। लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट की समस्याएं: उत्तर पूर्व भारत का एक अध्ययन। *शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स*, 4(2), 123–132https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v4.i2.2023.504	समूह I	-	ग्रंथालय पब्लिकेशन्स एंड प्रिंटिंग्स	2582-7472
19	वेदबाला, एस. (2024). पूर्वोत्तर भारत के संगीत परिदृश्य में नारीवाद: एक गहन विश्लेषण। शोधकोश: *जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स*, 5(1), 214–221.https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i1.2024.869	समूह I	-	ग्रंथालय पब्लिकेशन्स एंड प्रिंटिंग्स	2582-7472
20	वेदबाला, एस. (2024). विभिन्न संप्रदायों के बीच ईसाई संगीत प्रथाओं में सिक्किमी सांस्कृतिक तत्व, *स्वर सिंधु*, 11(2), 131–139.	समूह I	-	प्रतिभा स्पंदन	2320-7175
21	गज़मेर एस. वेदबाला एस (2024)। बनझाकरी : हिमालय की शाम, *एसटीओएम* 2.62-67	समूह I		शिवम सांस्कृतिक मंच	2231-1041
22	नंदी पी, वेदबाला एस (2023)। गिटार और भारतीय संगीत में इसका उपयोग। भैरवी, 25 (2), 221-224	समूह I		मिथिलांचल संगीत परिषद	0975-5217
23	धमाला एम एम और कुमार एस (2024) गंगटोक में भारतीय शास्त्रीय संगीत का दायरा। स्वर सिंधु: संगीत की राष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित/संदर्भित पत्रिका। वॉल्यूम 12, अंक 01, जनवरी-जून 2024, पृष्ठ 182-189, doi:10.33913	यूजीसी-केयर		प्रतिभा स्पंदन	2320–7175(O)
24	कुमार एस (2024) लोक कला रूप 'मारुनी'। स्टोम, विशेष संस्करण वॉल्यूम -11, पृष्ठ 409-415	यूजीसी-केयर		शिवम सांस्कृतिक मंच	2231-1041

25	कुमार एस (2024) संगीत और प्रौद्योगिकी संगीत गैलेक्सी ई-जर्नल, वॉल्यूम 13, संख्या 1 (जनवरी 2024) पृष्ठ 200-206	यूजीसी-केयर		संगीत गैलेक्सी फाउंडेशन	2319-9695
26	कुमार एस (2024) सोराठी: सिक्किम का एक लोक संगीत, संगीत गैलेक्सी ई-जर्नल वॉल्यूम 13, नंबर 1 (जनवरी 2024) पृष्ठ 207-218	यूजीसी-केयर		संगीत गैलेक्सी फाउंडेशन	2319-9695
27	कुमार एस (2023) संगीत, संगीत अध्ययन और शिक्षा, स्वर सिंधु, वॉल्यूम 11, अंक 02, जुलाई-दिसंबर, 2023 पृष्ठ 124-130	यूजीसी-केयर		प्रतिभा स्पंदन	2320–7175
28	कुमार एस (2023) "बालन"- सिक्किम का एक लोक-नृत्य नाटक, संगीत गैलेक्सी ई-जर्नल, वॉल्यूम 12, संख्या 2 (जुलाई 2023), पृष्ठ 70-77	यूजीसी-केयर		संगीत गैलेक्सी फाउंडेशन	2319-9695

ख : पुस्तकें

संकाय सदस्य	**आईएसबीएन के साथ प्रकाशन**
	उदाहरण: छेत्री, पी., और महापात्रा, एस.एस. (2021) पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता। मुंबई: हिमालयन पब्लिशिंग हाउस। आईएसबीएन: 978-93-5433-393-4

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	**प्रकाशन**
डॉ. जयंत कुमार बर्मन	बर्मन, कुमार, रॉय धनंजय (2023) पूर्वोत्तर भारतेर देशी ढोलर वर्ण, वाणी, बोल ओ ताल परिचय, निर्बान कोलकाता, आईएसबीएन:
डॉ. जयंत कुमार बर्मन	बर्मन, जयंत कुमार, (2023) सृजिता, निर्बान प्रकाशन, कोलकाता, आईएसबीएन: 9789394356429
डॉ. संतोष कुमार	कुमार एस. (2024) भारतीय स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव, संगीत एवं बांसुरी: एक विशेषणात्मक लेख। में - घोष पी. (सं.) शिल्पायन संगीत लेख समुह (77-100) वाराणसी: शारदा संस्कृत संस्थान, आईएसबीएन 978-81-956789-7-6

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	**सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम**	**स्थान एवं तिथि**	**आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति**	**प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो**
समिधा वेदबाला	मीडिया और संगीत के बदलते परिदृश्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	आरबीयू, कोलकाता	संसाधन व्यक्ति	
समिधा वेदबाला	अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों में शैमनवादी प्रथाओं और कथाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, 18 सितंबर 2023	आमंत्रित वक्ता	
समिधा वेदबाला	लोकगीत : भारतीय संस्कृति की आत्मा और प्रौद्योगिकी का प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	राजस्थान विश्वविद्यालय, 3-4 अगस्त 2023	आमंत्रित वक्ता	परंपरा से परिवर्तन तक: सिक्किम के लोक संगीत के बदलते आयामों की

				खोज
समिधा वेदबाला	भक्ति गीतों की परंपराओं के माध्यम से भारत की समग्र संस्कृति को समझना विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	बीएचयू, 28-30 अक्टूबर 2023	संसाधन व्यक्ति	
बिलंबिता वाणीसुधा	भक्ति गीतों की परंपराओं के माध्यम से भारत की समग्र संस्कृति को समझना विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	बीएचयू, 28-30 अक्टूबर 2023	संसाधन व्यक्ति	ओडिशा की पवित्र गीत परंपरा: भारत की बहुमुखी संस्कृति की सामंजस्यपूर्ण अंतर्दृष्टि
बिलंबिता वाणीसुधा	प्रसार भारती, ऑल इंडिया रेडियो, प्रसार भारती ऑल इंडिया रेडियो, वाराणसी में रिकॉर्ड किया गया	27 जून 2023	आमंत्रित वक्ता/ग्रेडेड कलाकार	शास्त्रीय संगीत में राग बिलासखानी तोड़ी और राग सुधा सारंग
बिलंबिता वाणीसुधा	प्रसार भारती, ऑल इंडिया रेडियो, प्रसार भारती ऑल इंडिया रेडियो, वाराणसी में रिकॉर्ड किया गया	27 अक्टूबर 2023	आमंत्रित वक्ता/ग्रेडेड कलाकार	अर्धशास्त्रीय संगीत में राग खमाज, भैरवी और पीलू पर ठुमरी और दादरा
बिलंबिता वाणीसुधा	शिल्पीर पृथ्वी, रेडियो ज्ञान मालिनी 90.8 एफएम डिब्रूगढ़ असम	3 जनवरी 2024	संसाधन व्यक्ति	भारतीय शास्त्रीय संगीत, रागों के विशेष संदर्भ के साथ

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं:

संकाय सदस्य	**परियोजना शीर्षक**	**वित्तपोषक एजेंसी**	**परियोजना अवधि**	**प्राप्त कुल अनुदान**	**परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)**
समिधा वेदबाला	पेशेवर संगीतकार के रूप में महिलाएँ: पूर्वोत्तर भारत से एक अंतर्दृष्टि	आईसीएसएसआर	1 वर्ष	4,69,333	1
डॉ. संतोष कुमार	'भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के सांस्कृतिक परिदृश्य में पवन संगीत वाद्ययंत्रों और उनकी स्थापत्य कला पर शोध'	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए)	24 माह	19.65 लाख	2
डॉ. जयंत कुमार बर्मन	'भवैया लोकगीत में महिला कलाकारों का योगदान: सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू पर एक अध्ययन'	आईसीएसएसआर	1 वर्ष	5 लाख	03
डॉ. जयंत कुमार बर्मन	सिक्किम के लोकगीतों के विलुप्त होने पर एक अध्ययन: बोलों और माधुर्य संरचना के संरक्षण पर विशेष जोर	(सिक्किम विश्वविद्यालय शोध निधि)	6 माह	75000	0
बिलम्बिता वाणीसुधा	हिंदुस्तानी संगीत में मानसून राग: रचना का विश्लेषणात्मक अध्ययन	(सिक्किम विश्वविद्यालय शोध निधि)	6 माह	75000	0

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम *(प्रत्येक कार्यक्रम का केवल एक चित्र उपलब्ध कराएं)*:

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	भारतीय संगीत की पारंपरिक रचनाओं पर कार्यशाला	राष्ट्रीय	विश्वविद्यालय अनुदान	18 -22 मार्च, 2024	पद्मश्री गीता रॉय बर्मन संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता विदुषी सुचरिता गुप्ता श्री सौरव बोस	40	डॉ. बिलम्बिता वाणीसुधा

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
01	एरिक ड्यूरल	धर्म और संगीत: सिक्किम में ईसाई संगीत का अध्ययन	डॉ.समिधा वेदबाला	अप्रैल 2023	नवंबर 2023

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1	डॉ. बिलम्बिता वाणीसुधा	प्रसार भारती, वाराणसी के ऑल इंडिया रेडियो ग्रेडेड कलाकार
2	डॉ. संतोष कुमार	9 सितंबर 2023 को जी-20 शिखर सम्मेलन के मुख्य कार्यक्रम भारत मंडपम में राष्ट्रपति रात्रिभोज में भारत वाद्य दर्शन नामक संगीत समूह में सहायक संगीत निर्देशक के रूप में काम किया।

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
अंशू पाठक	पीएचडी	सहायक शिक्षक, बिहार सरकार	यू.एस.एच पघारी बिहार
मधुपर्ण	पीएचडी	प्राथमिक शिक्षक	केन्द्रीय विद्यालय
जूही कुमारी	पीएचडी	सहायक शिक्षक, बिहार सरकार	बिहार
श्रद्धा सुमन	एमपीए	सहायक शिक्षक, बिहार सरकार	बिहार

छात्र एवं पूर्व छात्र सुर्खियों में (यदि कोई हो)

छबिलाल और रोहन को सिक्किम के संस्कृति मंत्रालय में कलाकार के रूप में नियुक्त किया गया

विभाग/केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा आउटरीच कार्यक्रम और समुदायों को जोड़ना (यदि कोई हो)

- हमारे विभाग ने पारंपरिक और समकालीन संगीत को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए थे, जहां संकाय और छात्रों दोनों ने माननीय कुलपति प्रो. अविनाश खरे की अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति में 21 जून 2023 को विश्व संगीत दिवस कार्यक्रम, 29 अगस्त 2023 को सावनी झाड़ी और 22 मार्च 2023 को वसंतोत्सव कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- हमारे विभाग के संकायों और छात्रों ने 17 फरवरी 2024 और 18 फरवरी को सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण आचार्य जी की गरिमामयी उपस्थिति में गवर्नर हाउस कार्यक्रम "हामरो संकल्प विकसित भारत विकसित सिक्किम" में सक्रिय रूप से प्रदर्शन किया।
- 24 फरवरी 2024 को सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित खेलो इंडिया कार्यक्रम में छात्रों ने फ्यूजन संगीत (भारतीय और पश्चिमी संगीत) का प्रदर्शन किया।.
- हमारे छात्र भाग्यदीप ठाकुर ने 21 जुलाई 2024 को नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय, यूनेस्को द्वारा आयोजित विश्व धरोहर समिति में प्रदर्शन किया।

पर्यटन विभाग

अध्यक्ष का नाम : डॉ. अमित कुमार सिंह

परिचय: सिक्किम विश्वविद्यालय का पर्यटन विभाग 2013 से प्रारम्भ हुआ है। यह पर्यटन और यात्रा प्रबंधन में परास्नातक और पर्यटन में पीएचडी प्रदान करता है। विभाग ने छात्रों के लिए साहसिक पर्यटन पाठ्यक्रम के भाग के रूप में पर्वतारोहण, स्कीइंग, ट्रैकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग आदि जैसे कई अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित किए हैं। राज्य के भीतर और बाहर पर्यटकों की रुचि के स्थानों की यात्राएं पाठ्यक्रम की एक नियमित विशेषता रही हैं। विभाग ने पर्यटन में नए रुझानों जैसे जिम्मेदार पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, होमस्टे प्रबंधन और सतत पर्यटन पर सेमिनार आयोजित किए हैं।

प्रमुख क्षेत्र : पर्यटन विभाग ने **2018** में अपना पहला पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया और तब से दो पीएचडी डिग्री प्रदान की जा चुकी हैं और पांच जारी हैं। हालाँकि, शोध का क्षेत्र व्यापक है लेकिन मुख्य रूप से जिस क्षेत्र में शोध चल रहा है, वह होम स्टे, सतत पर्यटन, विरासत पर्यटन, इको-पर्यटन, पर्यटन योजना और नीति से संबंधित है।

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या :

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	शून्य						
स्नातकोत्तर	10		18		19	09	28
एमफिल (अगर कोई हो)	शून्य						
पीएचडी					05	03	05
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)	शून्य						
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ						01	01

संकाय विवरण :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	डॉ.अखिलेश कुमार सिंह	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	30/08/2017	5	एम.फिल. सम्मानित- 2 पीएचडी. जारी- 2	लागू नहीं
2	डॉ अमित कुमार सिंह	पीएचडी	सह प्राध्यापक	21/09/2017	04	पीएचडी- सम्मानित 1 जारी -1	शून्य
3	डॉ. जिग्मी वांचुक भूटिया	पीएचडी	सह प्राध्यापक	05/05/2014		पीएचडी जारी-3	शून्य
4	सुश्री आशी डब्ल्यू पेम्पेम		सहायक प्राध्यापक	01-05-2014			शून्य
विजिटिंग प्रोफेसर							

1	शून्य		लागू नहीं			लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2			लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2					लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

क : जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्र

संकाय सदस्यों का नाम : डॉ. अमित कुमार सिंह

क्र.सं.	**प्रकाशन सूची**	**यूजीसी-केयर में सूचीबद्ध जर्नल संख्या**	**प्रभावी कारक, अगर कोई हो**	**प्रकाशक**	**आईएसएसएन**
1.	दिव्यजीत, रानी आर, और सिंह ए के (2023) पर्यटन में ई-मार्केटिंग: कोविड-19 के बाद एक आवश्यकता	यूजीसी केयर	शून्य	अनहदलोक, खंड-**18** संख्या-**18**	**2349-137X**

ख : पुस्तकें

संकाय सदस्य	**आईएसबीएन के साथ प्रकाशन**
डॉ अमित कुमार सिंह	फंडामेंटल ऑफ टूरिज्म, सेल्फीपेज डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, चिकमगलुरु, कर्नाटक आईएसबीएन (9789357476591

ग : पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	**प्रकाशन**
डॉ अमित कुमार सिंह	"पर्यटन और आतिथ्य: जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक संघर्ष और संकट प्रबंधन" नामक पुस्तक में "होम स्टे आवास के संदर्भ में अतिथि संतुष्टि का आकलन" आईएसबीएन-**9788194910473** बनारसदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
डॉ. अखिलेश कुमार सिंह	विश्व पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के भविष्य के लिए टिकाऊ मॉडल और प्रतिमान: नवाचार, चुनौतियां और अवसर	एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल 09-10 फरवरी, 2024		कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य उत्तर प्रदेश में समुदाय आधारित इकोटूरिज्म (सीबीईटी) के अवसर और चुनौतियां
डॉ. अखिलेश कुमार सिंह	पर्यटन एवं आतिथ्य: जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक संघर्ष और संकट प्रबंधन	बनारसी दास चांदीवाला आईएचएमसीटी, नई दिल्ली, 06-07 मार्च 2024		स्थानीय समुदाय पर होम स्टे संचालन के आर्थिक लाभों का विश्लेषण: लेपचाजगत- दार्जिलिंग भारत का एक केस अध्ययन
डॉ अमित कुमार सिंह	पर्यटन एवं आतिथ्य: जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक संघर्ष और संकट प्रबंधन	बनारसी दास चांदीवाला आईएचएमसीटी, नई दिल्ली, 06-07 मार्च 2024	संसाधन व्यक्ति	सिक्किम में होम स्टे ऑपरेशन

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रमों का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1.	सामाजिक विज्ञान में शोध क्रिया प्रविधि	राष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय	27/02/2024से 02/03/2024	08	60	प्रो. एस.एस. महापात्र

वर्ष 2023-24 के दौरान एमफिल उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1.	सुश्री सुबेचा छेत्री	सिक्किम राज्य के चुनिंदा मेलों और त्योहारों में भाग लेने के लिए युवाओं को प्रभावित करने वाले कारक	डॉ.अमित कुमार सिंह	20/12/2022	19/06/2023

वर्ष 2023-24 के दौरान पीएचडी उपाधि प्रदान :

क्र.सं.	प्रार्थी	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुति की तिथि एवं वर्ष	उपाधि प्रदान की तिथि
1.	सुश्री रितु रानी	संतुष्टि और वफादारी व्यवहारिक इरादे (एलबीआई) पर यादगार पर्यटन अनुभव (एमटीई) के प्रभाव को मापना: सिक्किम पर्यटन का एक अध्ययन	डॉ.अमित कुमार सिंह	14/03/2023	14/09/2023

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं.	नाम	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1.	डॉ.अमित कुमार सिंह	शिक्षक श्री पुरस्कार, अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ:

क्र.सं. .	छात्रों का नाम	लिंग	प्राप्त विशेष योग्यता (राष्ट्रीय विज्ञान/सामाजिक विज्ञान अकादमियों के पुरस्कार/पदक/फेलोशिप)
1.	सोनम दोरजी लेप्चा	पुरुष	यूजीसी नेट

वर्ष 2023-24 के दौरान छात्रों की नियुक्तियाँ :

छात्रों का नाम	सेमेस्टर	नियोजक संस्थान	स्थान (शहर एवं देश)
बुदुप लेप्चा		स्किल कैंपस	गंगटोक
प्रेरणा राई		इंटरग्लोब एविएशन	हरियाणा
बिशाल छेत्री		पर्यटन विभाग (सिक्किम सरकार)	गंगटोक
सैमुअल दोर्जी		बजाज फाइनेंस लिमिटेड	गंगटोक

- विभाग/केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा कल्याणकारी गतिविधियाँ और परोपकार (यदि कोई हो)

- नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियाँ: एमटीटीएम और पीएचडी कोर्स वर्क के लिए पाठ्यक्रम को एनईपी-2020 दिशानिर्देशों के अनुसार डिजाइन और कार्यान्वित किया गया है।

1. केंद्र

1. अध्ययन केंद्र का नाम : इग्नू लर्नर सपोर्ट सेंटर (एलएससी) 2420, सिक्किम विश्वविद्यालय

केंद्र का उद्देश्य/जिम्मेदारी: इग्नू के पांच सक्रिय कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों को अकादमिक सहायता प्रदान करना इस केंद्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

समन्वयक का नाम: प्रो. एस.एस. महापात्र

सदस्यों का विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि	कार्यक्षेत्र
1	प्रो. एस.एस. महापात्र	सहायक संयोजक	1610..2017	शैक्षिक परामर्शदाताओं का समन्वय, अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के बीच संपर्क, वित्तीय मामले जैसे शैक्षिक परामर्श के लिए मानदेय का भुगतान, गृह कार्य मूल्यांकन आदि।
2	प्रो. सत्यानंद पंडा	सहायक संयोजक	01.01.2018	व्यावहारिक सत्र, परियोजना, इंटर्नशिप, परामर्श कार्यक्रम आदि का समन्वय।
3	डॉ. जेम्स वी. हाओकिप	सहायक संयोजक	09.03.2023	परामर्श कार्यक्रम, परियोजना कार्य आदि का समन्वय और तैयारी।
4	श्री टी.बी.लिम्बू, एलडीसी	अंशकालिक सहायक	01.11.2017	रोकड़ बही रखरखाव, गृह कार्य संग्रहण, मूल्यांकनकर्ताओं को गृह कार्यों का वितरण, पुरस्कार सूची भरना, बिल तैयार करना आदि।
5	श्री देवेश गुरुंग, एमटीएस	अंशकालिक परिचर	16.02.2018	कार्यालय संदेशवाहक, शैक्षणिक परामर्शदाता को शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध कराना तथा सौंपे गए अन्य कार्य करना.
6.	सुश्री रुबिला मोक्तान, प्रयोगशाला तकनीशियन	अंशकालिक सहायक	01.09.2023 to 29.02.2024	प्रायोगिक परीक्षण वितरण, प्रायोगिक फाइलों का संग्रहण, गृह कार्यों का संग्रहण, मूल्यांकनकर्ताओं को गृह कार्यों का वितरण, पुरस्कार सूची भरना, बिल तैयार करना तथा सौंपे गए अन्य कार्य।

वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/कार्यशाला

क्र.सं.	कार्यक्रमों का शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
				संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	दीक्षारंभ बैठक	इग्नू	13-05-2023	04	40	• प्रो. एस.एस. महापात्र • प्रो सत्यानंद पंडा • डॉ. जेम्स वी. हाओकिप
2.	दीक्षारंभ बैठक	इग्नू	20-12-2023	04	32	• प्रो. एस.एस. महापात्र • प्रो सत्यानंद पंडा • डॉ. जेम्स वी. हाओकिप

दिनांक 01.04.2023 **से** 31.03.2024 **के दौरान प्रकोष्ठ/समिति/फोरम/एसोसिएशन की विस्तृत गतिविधियाँ :**

इग्नू एलएससी-2420, सिक्किम विश्वविद्यालय की स्थापना 15-09-2017 को हुई थी। वर्ष 2023-24 के दौरान, लर्नर सपोर्ट सेंटर (एलएससी) ने पाँच कार्यक्रम संचालित किए, जैसे कि एम.ए.-मनोविज्ञान (एमएपीसी), एम.ए.-मानव विज्ञान (एमएएएन), एम.ए.-शिक्षा (एमएईडीयू), एम.कॉम. और बी.ए.-मनोविज्ञान (ऑनर्स)। यह सिक्किम और उत्तरी बंगाल क्षेत्र का एकमात्र एलएससी है जो एम.ए.-मनोविज्ञान, एम.ए.-मानव विज्ञान और बी.ए.-मनोविज्ञान (ऑनर्स) कार्यक्रम संचालित करता है। एलएससी इग्नू शिक्षार्थियों के लाभ के लिए नियमित रूप से दीक्षारंभ कार्यक्रम, शैक्षणिक परामर्श, व्यावहारिक परामर्श सत्र आदि आयोजित करता है।

2. **प्रकोष्ठ का नाम : चरक स्वास्थ्य केंद्र**

प्रकोष्ठ के उद्देश्य/जिम्मेदारी: सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशासन और रोगी देखभाल

मुख्य चिकित्सा अधिकारी का नाम: डॉ. मंजूश्री थापा मंगर

कर्मचारियों का विवरण :

क्र.सं.	**नाम**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि**	**कार्य क्षेत्र**
स्थायी कर्मचारी				
1	डॉ. मंजूश्री थापा मंगर	मुख्य चिकित्सा अधिकारी	4.5.2021	स्वास्थ्य केंद्र का समग्र प्रभार। रोगियों का परामर्श और देखभाल।
2	डॉ. लोक बहादुर लिंबू	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	25.07.2021	1. सामान्य चिकित्सक यांगयांग में नियुक्त
3	श्रीमती चुंगचुंग भूटिया	स्टाफ नर्स	07.05.2012	1.रोगियों का देखभाल
4	श्रीमती मिंगमा एंजी शेर्पा	फार्मासिस्ट	18.11.2019	1.दवा वितरण
5	अंजना बिस्ता	नर्सिंग परिचारक	25.01.21	1.रोगियों का देखभाल
बाह्य कर्मचारी				
6	रुचिता सुब्बा	स्टाफ नर्स	23.08.2022	1.रोगियों का देखभाल
7	प्रणिता गुरुंग	स्टाफ नर्स	28.11.2022	1.रोगियों का देखभाल यांगयांग में नियुक्त
8	पेम्पा डोमा शेरपा	नर्सिंग परिचारक	05.08.2022	रोगियों का देखभाल
9	दीपेंद्र तामांग	एम्ब्युलेन्स ड्राईवर	22.07.2022	दिन के समय के लिए
अनुबंध आधारित कर्मचारी				
11	श्रीमति जोनेट शेर्पा	एमटीएस	11.10.2014	सफाई और कीटाणुशोधन

वर्ष 2023-24 के दौरान प्रशिक्षण

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
			संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1	तीव्र चिकित्सा कार्यक्रम(आपातकालीन चिकित्सा)	11 जुलाई 2023	एनएचएस	200	एनएचएस, यूके (ओसी अकादमी)
2	डॉक्टरों के कल्याण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - चिकित्सा, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य का एक व्यापक और परस्पर संबंधित पहलू)	7.4.23		3000	एसवी मेडिकल कॉलेज पूर्व छात्र संघ, एपी
3.	गहन चिकित्सा में प्रमाणन पाठ्यक्रम	11 जुलाई 2023	एनएचएस	200	एनएचएस, यूके (ओसी अकादमी)

2023-2024 के दौरान की विस्तृत गतिविधियाँ

	नए मामले	अनुवर्ती मामले	कुल मामले	रेफर किए गए मामले	आंतरिक रोगी
2012-13	587	176	763	105	24
2013-14	912	268	1180	150	35
2014-15	1348	254	1612	131	30
2015-16	1580	401	1981	205	13
2016-17	2175	464	2639	404	22
2017-18	2571	554	3125	230	44
2018-19	2382	577	3182	238	16
2019-20	2618	744	3362	271	10
2020-21	920	505	1425	87	1
2021-22	546	294	840	42	5
2022-23	1666	701	2367	310	52
2023-24	2721	1025	3746	686	65

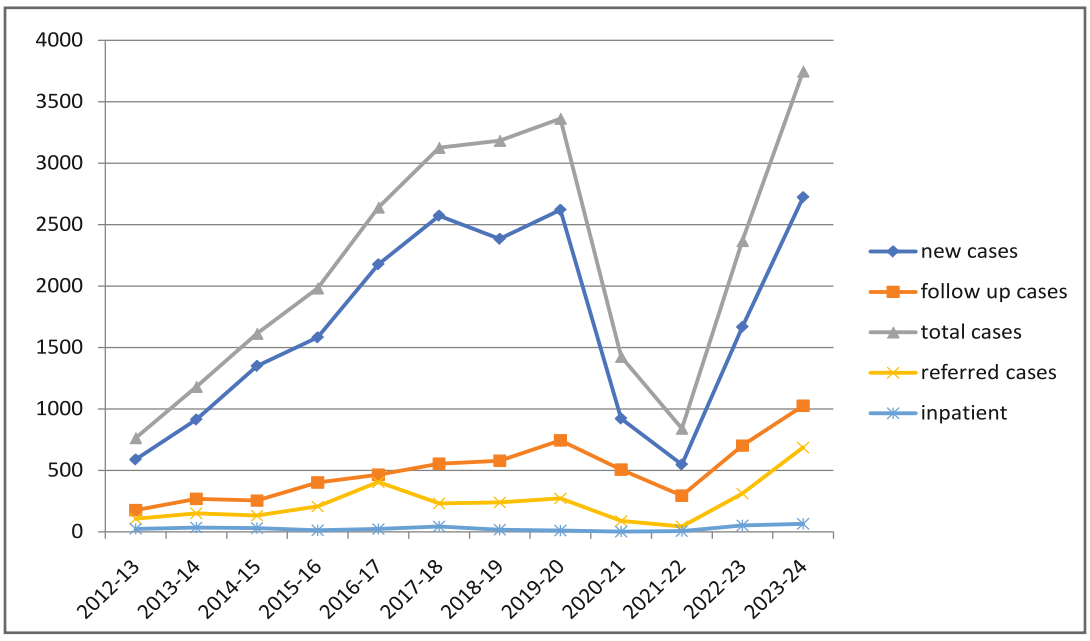

वर्ष 2023–24 के आंकड़ों का ग्राफिक प्रस्तुति

3. हिंदी प्रकोष्ठ

हिंदी अधिकारी का नाम: जुतिका गोस्वामी

एक केंद्रीय संस्थान होने के नाते, सिक्किम विश्वविद्यालय अपने आधिकारिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों एवं छात्रों के बीच हिंदी को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सिक्किम विश्वविद्यालय सभी अधिसूचनाओं, परिपत्रों, कार्यालय आदेशों, स्वीकृति आदेशों, वित्तीय स्वीकृति आदेशों, छुट्टी स्वीकृति आदेशों, नियमों और विनियमों, दिशानिर्देशों, क्रय आदेशों, मानक प्रपत्रों आदि को द्विभाषी रूप में जारी करना सुनिश्चित करता है। वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खातों का हिंदी संस्करण हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा बहुत ही सीमित समय अवधि में तैयार किया गया था। सिक्किम विश्वविद्यालय हिंदी वेबसाइट पर सभी सामग्री को हिंदी में अपलोड करना सुनिश्चित करने के लिए अनुभाग द्वारा ध्यान रखा जा रहा है।

तिमाही रिपोर्ट:हिंदी अनुभाग विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रयोग के संबंध में हिंदी तिमाही रिपोर्ट तैयार करता है और प्रत्येक तिमाही के अंत में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, यूजीसी, राजभाषा विभाग और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी-टोलिक) को रिपोर्ट भेजता है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक : विश्वविद्यालय ने इस वर्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित कीं, जिनमें तिमाही रिपोर्ट पर चर्चा की गई तथा विश्वविद्यालय में हिंदी की स्थिति में सुधार के लिए उपाय सुझाए गए।

एक दिवसीय राष्ट्रीय राजभाषा संगोष्ठी – 23 जून 2023

सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 23 जून, 2023 को रापज्योर कावेरी हॉल में 'राजभाषा के विविध आयाम – चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर एक दिवसीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के राजभाषा विभाग के निदेशक श्री जगदीश राम पौरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा गृह मंत्रालय के राजभाषा कार्यान्वयन विभाग (उत्तर पूर्व) के उप निदेशक (प्रभारी) एवं कार्यालयाध्यक्ष श्री बद्री यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अविनाश खरे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री के.वी.एस. कामेश्वर राव, विश्वविद्यालय के भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ की डीन प्रो. रोजी चामलिंग भी मंच पर उपस्थित थीं। संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह दीप प्रज्ज्वलन एवं मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुआ।

प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि श्री जगदीश राम पौरी, निदेशक, राजभाषा विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने राजभाषा नीति तथा कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग से संबंधित विभिन्न चुनौतियों एवं समाधानों पर चर्चा की। विशिष्ट अतिथि श्री बद्री यादव, कार्यालयाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन (पूर्वोत्तर) ने पूर्वोत्तर में हिंदी की स्थिति पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने हमारे विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के बढ़ते कार्य को रेखांकित किया तथा भविष्य में विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी को बढ़ाने का आश्वासन दिया। इसी अवसर पर विश्वविद्यालय की अर्धवार्षिक राजभाषा पत्रिका ***"राजभाषा सिक्किम"*** के लोकार्पण अंक का विमोचन किया गया।

उद्घाटन सत्र के बाद ***'राजभाषा के विविध आयाम - चुनौतियाँ एवं समाधान'*** विषय पर दो सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र की अध्यक्षता प्रो. प्रदीप कुमार शर्मा, हिंदी विभाग ने की। दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ गोरखनाथ तिवारी, सह प्राध्यापक हिंदी विभाग ने की, जिसमें सिक्किम के स्थानीय विद्वानों को आमंत्रित किया गया तथा सिक्किम विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के शोधकर्ताओं ने अपने-अपने विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए। शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले सभी शोधकर्ताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

अंत में विश्वविद्यालय के छात्रों एवं कर्मचारियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाड़ा - 2023

सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 14 सितम्बर से 5 अक्टूबर, 2023 तक हिंदी पखवाड़ा-2023 का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े के दौरान विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए सात प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कर्मचारियों के लिए हिंदी श्रुतलेख, पत्र लेखन, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण तथा हिंदी आशुभाषण का आयोजन किया गया। हमारे विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए कविता पाठ, निबंध लेखन का आयोजन किया गया। छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह दिनांक 5 अक्टूबर, 2023 को हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अविनाश खरे, कुलसचिव श्री के.वी.एस. कामेश्वर राव और वित्त अधिकारी श्री प्रताप केशरी दाश ने उपस्थिति दर्ज कराई। अन्य सांविधिक अधिकारी, सभी अध्ययन विद्यापीठ के डीन, विभिन्न विभागों के संकाय, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र कार्यक्रम में शामिल हुए। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को विशिष्ट अतिथियों द्वारा नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। दिनांक 5 अक्टूबर 2023 को सिक्किम में तीस्ता नदी में बहुत विनाशकारी बाढ़ आई। स्थिति की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटक रद्द कर दिए गए।

पांच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 11-15 दिसंबर 2023 तक)

केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली एवं राजभाषा कार्यान्वयन (पूर्वोत्तर) गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 11 दिसंबर 2023 से 15 दिसंबर 2023 तक सिक्किम विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष, बराद सदन में पांच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ हरदीप सिंह, हिंदी विभागाध्यक्ष ने की। उद्घाटन समारोह में प्रो प्रदीप कुमार शर्मा, हिंदी विभाग तथा केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के विषय विशेषज्ञों के दो प्रतिनिधि श्रीमती लेखा सरीन (सहायक निदेशक) एवं श्री जगत सिंह रोहिल्ला (सहायक निदेशक) उपस्थित थे। उक्त प्रशिक्षण में पूर्वोत्तर भारत के भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों से राजभाषा से संबंधित लगभग 40 प्रतिभागी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिदिन दो सत्र आयोजित किए गए। दूसरे सत्र में वाक्यांशों एवं अभिव्यक्तियों पर व्यावहारिक चर्चा केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के सहायक निदेशक श्री जगत सिंह रोहिल्ला ने की। पांच दिनों के दौरान अनुवाद एवं राजभाषा से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा की गई।

अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 15.12.2023 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के समापन समारोह में श्री के.वी.एस. कामेश्वर राव, कुलसचिव, सिक्किम विश्वविद्यालय, श्री बद्री यादव, प्रभारी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गुवाहाटी (उत्तर पूर्वी क्षेत्र) और केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से सहायक निदेशक श्रीमती लेखा सरीन एवं सहायक निदेशक श्री जगत सिंह रोहिल्ला ने भाग लिया। उक्त पाँच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

हिंदी प्रकोष्ठ की विभिन्न गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

23 जून 2023 को सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राजभाषा संगोष्ठी में सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अविनाश खरे का संबोधन और मंच पर (बाएं से) सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री कामेश्वर राव, शिक्षा मंत्रालय के राजभाषा विभाग के निदेशक श्री जगदीश राम पौड़ी, गुवाहाटी के राजभाषा कार्यान्वयन (पूर्वोत्तर) कार्यालय के उप निदेशक (प्रभारी) श्री बदरी यादव और भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ की डीन प्रो. रोजी चामलिंग

5 अक्टूबर 2023 को कावेरी हॉल, 5 माइल में हिंदी पखवाड़ा 2023 के समापन समारोह में माननीय कुलपति प्रो. अविनाश खरे जी का संबोधन

दिनांक 11 दिसंबर से 15 दिसंबर 2023 तक बाराद सदन, 5 माइल, गंगटोक में आयोजित पांच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण का समापन समारोह (मंच पर बाएं से) श्री जगत सिंह रोहिल्ला, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली, श्री बदरी यादव, कार्यालय प्रभारी, राजभाषा कार्यान्वयन (पूर्वोत्तर) कार्यालय, गुवाहाटी, श्री के.वी.एस. कामेश्वर राव, कुलसचिव, सिक्किम विश्वविद्यालय और श्रीमती लेखा सरीन, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली

4. **बौद्ध अध्ययन (एनआईटी में संचालित)**

अध्यक्ष/प्रभारी का नाम : डॉ. सेवाङ्ग ग्यात्सो भूटिया

वर्ष 2023-24 के दौरान नामांकित छात्रों की संख्या : 06 छात्र

शिक्षण पाठ्यक्रमों का नाम	सेमेस्टर				कुल छात्र		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	लड़कियां	लड़के	कुल
स्नातक (अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
स्नातकोत्तर	06	06	06	-	03	03	06
एमफिल (अगर कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
पीएचडी	-	-	-	-	-	-	-
पोस्ट-डॉक/रिसर्च एसोसिएट (यदि कोई हो)	-	-	-	-	-	-	-
यूजीसी/सीएसआईआर/आईसीएआर-नेट-जेआरएफ	-	-	-	-	-	-	-

संकाय सदस्य :

क्र.	नाम	डिग्री (एमए/एमएससी/एम. कॉम/पीएचडी/पोस्ट-डॉक)	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)	आज तक के प्रकाशन (केवल संख्या) एवं गूगल स्कॉलरों के एच-इंडेक्स (यदि कोई हो)	एमफिल/पीएचडी पीएचडी छात्रों के पर्यवेक्षक (केवल संख्या)	बाह्य शोध परियोजनाएं (केवल संख्या)
नियमित संकाय सदस्य							
1	-	-	-	-	-	-	-
2	-	-	-	-	-	--	-
3	-	-	--	-	-	-	-
4	-	-	-	-	-	-	-
5	-	-	-	-	-	-	--
6	-	-	-	-	-	-	-
7	-	-	-	-	-	-	-
विजिटिंग प्रोफेसर							
1	-	-	लागू नहीं	-	-	लागू नहीं	लागू नहीं
अतिथि संकाय							
1	श्री नोर्बु गुरुंग	पीएचडी (जारी)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	श्री तेनज़िंग लोंगसेल बारफुंगपा	एमए	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सहायक कर्मचारी							
	नाम	**अर्हता**	**पदनाम**	**कार्यग्रहण की तिथि (नियमित)**	**लागू नहीं**		
1	-	-	--	-	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2	-	-	-	-	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रकाशनों का विवरण

पुस्तकों का अध्याय

संकाय सदस्य	प्रकाशन
श्री नोर्बु गुरुंग	• सांस्कृतिक संदर्भ में भावनाओं में एक पुस्तक अध्याय *"बोधिचित्त और शांति का अभ्यास"*। संपादक: गिरीश्वर मिश्रा और इंदीवर मिश्रा। श्रृंखला संपादक: एंथनी जे. मार्सेल, पीएच.डी. स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित। आईएसबीएन 978-3-031-46348-8
श्री तेनज़िंग लोंगसेल बारफुंगपा	• लेख: **चुम्बी और सिक्किम का बारा काग्यू त्रुलकु वंश**, प्रकाशित: बुलेटिन ऑफ तिब्बतोलॉजी वॉल्यूम। 54 नंबर 2 (2023) • लेख: पुस्तक समीक्षा: **पारंपरिक पड़ोसी, विभिन्न आधुनिकताएं: भूटान, सिक्किम और मोन क्षेत्र,** प्रकाशित: बुलेटिन ऑफ तिब्बतोलॉजी खंड 55 अंक 1 (2024)

वर्ष 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण में पेपर प्रस्तुति:

संकाय सदस्य/शोधार्थी	सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला का नाम	स्थान एवं तिथि	आमंत्रित वक्ता/संसाधन व्यक्ति	प्रकाशित कार्यवाही में प्रस्तुति का शीर्षक, यदि कोई हो
श्री नोर्बु गुरुंग	सम्मेलन	3-5 मार्च 2023, भोपाल, मध्य प्रदेश		7वें अंतर्राष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन डीडीसी ***2023*** पूर्वी मानवतावाद नए युग के लिए पर ***"बोधिसत्व व्रत और उसके अभ्यास: व्यक्तिगत और वैश्विक शांति और सद्भाव में इसकी भूमिका"*** पर चर्चा। सांची बौद्ध-भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय और इंदा फाउंडेशन द्वारा आयोजित
	सम्मेलन	12 सितंबर, 2023 को टाउन हॉल, कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल		"21***वीं सदी में नालंदा बौद्ध धर्म: चुनौतियाँ और प्रतिक्रिया।***" नालंदा बौद्ध परंपरा की भारतीय हिमालय परिषद द्वारा आयोजित। ***21***वीं सदी में नालंदा बौद्ध धर्म पर राष्ट्रीय सम्मेलन।
	सेमिनार	8 मार्च 2024, नामग्याल तिब्बतोलॉजी संस्थान		सिक्किम विश्वविद्यालय के एम.ए. बौद्ध अध्ययन के सहयोग से नामग्याल तिब्बतोलॉजी संस्थान के बौद्ध और तिब्बती अध्ययन विभाग द्वारा ***"हिमालयी बौद्ध परंपराएँ: इतिहास, दर्शन और प्रथाएँ"*** विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वयंसेवा की।
	सेमिनार	14-15 मार्च, 2024 को सिक्किम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित		***"अच्छे जीवन की तलाश में हिमालयी क्षेत्रों में गुरुंग जनजातियों का प्रवास: सिक्किमी गुरुंग जनजाति के विशेष संदर्भ में।"*** अच्छे जीवन और विकास : सिक्किम और उससे आगे के दृश्य इतिहास और संस्कृति की खोज पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

	कार्यशाला	10 *मई* 2024 *को एनआईटी में.*		बुर्तुक कॉलेज द्वारा आयोजित "**एनईपी 2020 के कार्यान्वयन और इसकी तैयारी पर राज्य स्तरीय कार्यशाला**" में भाग लिया।
	कार्यशाला	25 जून, 2024 को एनआईटी में।		बौद्ध और तिब्बती अध्ययन विभाग, नामग्याल तिब्बतोलॉजी संस्थान और एनएर बहादुर भंडारी सरकारी कॉलेज, तादोंग द्वारा आयोजित "***एनईपी 2020 (यूजी कार्यक्रम के लिए) के अनुसार शिक्षण के परिणाम आधारित पाठ्यक्रम के लिए उन्मुखीकरण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला"*** में भाग लिया।
श्री तेनज़िंग लोंगसेल बारफुंगपा	सेमिनार	8 मार्च 2024 को नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी, गंगटोक में आयोजित		***'हिमालयी बौद्ध परंपराएं': इतिहास, दर्शन और प्रथाएं*** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पेपर: **भारतीय सेना और बॉर्डरलेंस की त्रिशक्ति कोर"** द्वारा बौद्ध धर्म, ऐतिहासिक संबंध और ट्रांस-हिमालयी संपर्क" **पर आयोजित सेमिनार में** बारा काग्यू मास्टर द्रुबथोब कुंचोग ज्ञलत्सेन (1601-1687) का जीवन और समय: पूर्वी हिमालय का बौद्ध सांस्कृतिक इतिहास पर पेपर प्रस्तुत
	सेमिनार	दिनांक: 27/12/2023 स्थल: मेफेयर होटल, सिलीगुड़ी		पेपर : चोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल और सिक्किम का परिवर्तन: सिक्किम के **"अच्छे जीवन" में उनके योगदान के माध्यम से एक दृश्य यात्रा और "अच्छे जीवन और विकास: सिक्किम और उससे आगे के दृश्य इतिहास और संस्कृति की खोज" सिक्किम विश्वविद्यालय** द्वारा आयोजित।
	सेमिनार	दिनांक: 14/03/2024 स्थान: कॉन्फ्रेंस हॉल, एनआईटी।		बर्तुक कॉलेज द्वारा आयोजित **"एनईपी 2020 के कार्यान्वयन और इसकी तैयारी पर राज्य स्तरीय कार्यशाला"** में भाग लिया।
	कार्यशाला	*10* मई *2024* को एनआईटी में *25* जून *2024* को एनआईटी में		तादोंग द्वारा आयोजित **"एनईपी 2020 (यूजी प्रोग्राम के लिए) के अनुसार लर्निंग आउटकम आधारित पाठ्यक्रम के लिए उन्मुखीकरण**" पर राज्य स्तरीय कार्यशाला" में भाग लिया।

वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई शोध परियोजनाएं:

संकाय सदस्य	परियोजना शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	परियोजना अवधि	प्राप्त कुल अनुदान	परियोजना कार्मिकों की संख्या (प्रोजेक्ट फेलो/जेआरएफ/ एसआरएफ/आरए)
-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय	वित्तपोषक एजेंसी	दिनांक	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
					संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागिता	
01	हिमालयी बौद्ध परंपरा, इतिहास, दर्शन और प्रथाएँ.	राष्ट्रीय सेमिनार	सिक्किम विश्वविद्यालय और नामग्याल तिब्बती विज्ञान संस्थान	8 मार्च 2024	03	60-70	डॉ. त्सेवांग ग्यात्सो भूटिया

हिमालयी बौद्ध परंपराएंरू इतिहास, दर्शन और प्रथाएं विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की गरिमामयी उपस्थिति

8 .केंद्रीय सुविधाएं

केंद्रीय पुस्तकालय का विभागीय सूचना प्रारूप

पुस्तकालयाध्यक्ष (प्रभारी) का नाम : *डॉ. सुजीत कूजर, पीएचडी*

कर्मचारियों का विवरण :

क्र.	कर्मचारियों का नाम	अर्हता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि	कार्य क्षेत्र
स्थायी कर्मचारी					
1	डॉ. सुजीत कुजूर	पीएचडी	उप पुस्तकालयाध्यक्ष	22-02-2021	• प्रशासनिक गतिविधियाँ, • कर्मचारी प्रबंधन, • ड्यूटी रोस्टर • अधिग्रहण और अंतरविभागीय संपर्क • संयुक्त संकाय, डीएलआईएस
2	डॉ. सर्बदा प्रधान	पीएचडी	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	07-12-2015	• इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन • अनुसंधान सहायता • छात्र सेवाएँ • विभागों के साथ पत्राचार • समन्वयक - उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम • थीसिस का वर्गीकरण • पुस्तकालयाध्यक्ष एवं उप पुस्तकालयाध्यक्ष को सहायता प्रदान
3	अभिजीत राई	एमए, एमएलआईएससी	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	21-08-2017	1. मुद्रित और ई-बुक्स के अधिग्रहण, सर्कुलेशन से संबंधित मुद्दों, सत्यापन और नो ड्यूज जारी करने, उपयोगकर्ताओं की सहायता का काम देखता है 2. अधीनस्थ कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं को काम सौंपना 3. विक्रेताओं के साथ पत्राचार 4. नए उपयोगकर्ताओं (सर्कुलेशन) को ओरिएंटेशन देना 5. पुस्तकालय आगंतुकों के उपयोगकर्ता आँकड़े का रखरखाव 6. पुस्तकों का वर्गीकरण 7. डीस्पेस में संग्रह का प्रबंधन 8. व्यय और स्टॉक का रिकॉर्ड बनाए रखना
4	मनीष सोनी	बीई., बीएलआईएससी., एमबीए.	सूचना वैज्ञानिक	25-01-2016	1. रिमोट एक्सेस सर्वर और एप्लीकेशन का प्रबंधन। 2. शोधगान, शोधसुधि (साहित्यिक चोरी एप्लीकेशन) और आईआरआईएनएस एप्लीकेशन के लिए विश्वविद्यालय समन्वयक/ नोडल अधिकारी। 3. डिजिटल रिपोजिटरी और लाइब्रेरी मैनेजमेंट सर्वर का प्रबंधन। 4. आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास। 5. संरक्षक पंजीकरण और आईडी कार्ड 6. विश्वविद्यालय द्वारा सौंपा गया कोई अन्य संबंधित कार्य।
5	प्रदीप कुमार	एमए	पुस्तकालयाध्यक्ष के	12-03-	1. पत्राचार से संबन्धित कार्य के लिए प्रथम संपर्क बिंदु के रूप में कार्य

	तामांग		निजी सचिव	2012	करें। 2. नोट्स या डिक्टेशन लेना और मामलों को बहुत ही तत्परता और सावधानी से प्रस्तुत करें। 3. बैठकों और नियुक्तियों का आयोजन करने सहित व्यस्तताओं, बैठकों के कार्यवृत्त की सटीक सूची रखना। 4. सामान्य पत्राचार/नोट्स का प्रारूप तैयार करें। 5. विभाग की फाइलिंग प्रणाली को बनाए रखना। 6. पुस्तकालय कर्मचारियों के अवकाश रिकॉर्ड को बनाए रखना। 7. प्रशासनिक और वित्तीय संबंधित मामलों में सहायता करना। 8. वार्षिक बजट की तैयारी और खरीद से संबंधित मुद्दों में सहायता करना 9. पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा सौंपे जाने वाले अन्य कार्य
6	माधुरी	एम.कॉम, बी.एड, एमएलआईएससी	व्यावसायिक सहायक	04-12-2015	1. पत्रिकाओं और अन्य ई-संसाधनों की सदस्यता का प्रबंधन 2. डीस्पेस और शोधगंगा में थीसिस की सूची बनाना 3. डीस्पेस में पत्रिकाओं की वर्तमान सामग्री को अपडेट करना 4. बाइंडिंग के लिए पत्रिकाओं की छंटाई और रिकॉर्ड रखना 5. पूरक पत्रिकाओं का रिकॉर्ड रखना
7	रिंकू तामांग	एमए, एमएलआईएससी	व्यावसायिक सहायक	09-11-2015	1. शिक्षा-मनोविज्ञान और विज्ञान पुस्तकालय के संचालन की देखभाल करता है
9	सुकांत देब	एमएससी कंप्यूटर विज्ञान	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	23-11-2015	1. डिजिटल रिपोजिटरी और लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का प्रबंधन। 2. केंद्रीय पुस्तकालय में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न सॉफ्टवेयर का विकास और प्रबंधन। 3. रिमोट एक्सेस सर्वर और एप्लीकेशन का प्रबंधन। 4. केंद्रीय पुस्तकालय में सर्वर और अन्य बाह्य उपकरणों का प्रबंधन। 5. डिजिटल साइनेज और लाइब्रेरी वेबसाइट पर सामग्री को फीड करना और अपडेट करना।
8	मंजू सुब्बा	एमएलआईएससी	अर्ध-व्यावसायिक सहायक	10-11-2015	शिक्षा-मनोविज्ञान के प्रसार की देखभाल करना
10	पिंकी राई	एम.ए., एम.एल.आई.एस.सी.	अर्ध-व्यावसायिक सहायक	22-06-2023	1. वर्गीकरण 2. सूचीकरण 3. पुस्तकों का ऑर्डर देना 4. नई पुस्तकों और बिलों का प्रसंस्करण 5. पुस्तकों और अग्रिम राशि, समाचार पत्रों के व्यय रिकॉर्ड बनाए रखना 6. पुस्तकालय कार्डों की छपाई 7. ऑनलाइन पुस्तकों का प्रसंस्करण 8. छात्रों और कर्मचारियों से नई पुस्तक के सुझाव प्राप्त करना 9. परियोजना पुस्तकों की देखरेख करना।
11	पवन लामा	बीएलआईएससी	पुस्तकालय सहायक	29-03-2012	1. शेल्फ़िंग 2. पुस्तकों का सत्यापन 3. लेबल लगाना और स्पाइन लेबल और आरएफआईडी टैग चिपकाना 4. जुर्माना एकत्र करना और रिकॉर्ड बनाए रखना

					5. स्कैनिंग
12	कुंतल प्रामाणिक	एमएलआईएससी	पुस्तसकलय अटेंडेंट	07-12-2015	1. शेल्फ़िंग 2. ई-बुक्स सहित कैटलॉगिंग 3. कोहा से संबंधित कार्य जिसमें विभिन्न रिपोर्ट तैयार करना 4. पुस्तकों के प्रसंस्करण में सहायता करना
13	केसांग तामांग	एम.ए., एम.एल.आई.एस.	एलडीसी	21-11-2023	1. शेल्फ़िंग 2. मुद्रण से संबंधित कार्य 3. बाउंड जर्नल और शोध प्रबंधों के लिए कोड लेबल तैयार करना और चिपकाना 4. पुस्तकों के प्रसंस्करण में सहायता करना
14	सृजना छेत्री	बी.ए., बी.एल.आई.एस.	पुस्तकालय अटेंडेंट	20-11-2019	1. शेल्विंग 2. स्टैम्पिंग और एक्सेसिंग 3. थीसिस एंट्री सहित कैटलॉगिंग 4. डीस्पेस में डेटा एंट्री 5. पुस्तकों के प्रसंस्करण में सहायता करना 6. जीबी बुक्स एंट्री 7. डी.स्पेस एंट्री
15	कुमार मंगर	उच्चतर माध्यमिक	एमटीएस	10-11-2015	1. सफाई 2. पत्र/पार्सल आदि भेजना और प्राप्त करना 3. पुस्तक कवर का लेमिनेशन 4. फोटोकॉपी और स्कैनिंग

वर्ष 2023-24 के दौरान कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण में प्रतिभागिता

कर्मचारियों का नाम	कार्यशाला/प्रशिक्षण का शीर्षक	स्थान	तिथि एवं अवधि	आयोजक/प्रयोजक का नाम
डॉ. सुजीत कुजूर	1. राजभाषा संगोष्ठी	गंगटोक	23/06/2023	सिक्किम विश्वविद्यालय
	2. साक्ष्य आधारित पुस्तकालय परिवर्तन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन: अगली पीढ़ी के उपयोगकर्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ - ईबीएलटी - 2024	विशाखापत्तनम	24-25 जनवरी 2024	भारतीय पेट्रोलियम एवं ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई)
माधुरी	1. खुली पहुंच और विद्वत्तापूर्ण संचार	ऑनलाइन	31 अक्टूबर 2023	डेलनेट -डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क -एआईएसएमएसकोएपुणे
	2. वैश्विक लाइब्रेरियनशिप का जश्न मनाना: कनेक्शन, सहयोग और दक्षताओं को मजबूत करना			
	3. ओपन ब्रॉडकास्टर सॉफ्टवेयर (ओबीएस) का उपयोग करके शैक्षिक वीडियो बनाना	ऑनलाइन	17 अप्रैल 2023	डेलनेट -डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क
	4. प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी): सूचना पुनर्प्राप्ति को मानवीय बनाना			
	5. रैंसमवेयर हमलों से बचाव के लिए सर्वोत्तम अभ्यास करना		31 मई 2023	डेलनेट -डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क

		ऑनलाइन	28 जुलाई 2023	डेलनेट -डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क
		ऑनलाइन	16 जून 2023	डेलनेट डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क
		ऑनलाइन		

वर्ष 2023-24 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/कार्यशाला कार्यक्रम: शून्य

वर्ष 2023-24 के दौरान पुस्तकालय संग्रह का विवरण:

कृपया पुस्तकालय की निम्नलिखित स्थिति सहित विस्तृत जानकारी दें

पुस्तकालय की स्थिति	**संख्या केवल**	
	01.04.2023 से 31.03.2024 के दौरान	**31.03.2024 तक कुल संग्रह**
केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकें	808+308 (उपहार में दी गई पुस्तकें)	57086
ऑनलाइन पहुँच के लिए उपलब्ध ई-पुस्तकें	116	3252
ई-पत्रिकाएँ	8954	8954
पत्रिकाएँ	17	17
विश्वकोश	1	306
पीएचडी थीसिस	46	218
एमफिल थीसिस	24	421
ऑनलाइन डेटाबेस	9	9

- कृपया वर्ष 2022-23 के दौरान केंद्रीय पुस्तकालय, पुस्तकालय स्वचालन और बुनियादी ढांचे, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों, पुस्तकालय सेवाओं और विभाग द्वारा की गई अन्य पहलों के बारे में संक्षिप्त विवरण लिखें।

पुस्तकालय के बारे में

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वविद्यालय का हृदय है, जो शिक्षण और अधिगम के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है। केंद्रीय पुस्तकालय का क्षेत्रफल लगभग 1000 वर्ग फीट है एवं इसमें लगभग 70,000 पुस्तकें रखी जा सकती हैं। अपनी स्थापना के समय से ही, विश्वविद्यालयों ने पर्याप्त संसाधनों और सेवाओं से सुसज्जित एक अच्छे विश्वविद्यालय पुस्तकालय के निर्माण को प्राथमिकता दी है जो किसी भी शैक्षणिक और शोध कार्य का ध्यान रख सके। केंद्रीय पुस्तकालय ने विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण को पूरा किया है और वर्तमान में किसी भी शिक्षण, सीखने और शोध प्रक्रिया के लिए आवश्यक सभी संसाधन और सेवाएँ प्रदान करता है। वर्तमान में, पुस्तकालय के चार प्रभाग हैं, तीस्ता-सिंधु केंद्रीय पुस्तकालय, यांगयांग परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय विज्ञान पुस्तकालय और एडुप्सी पुस्तकालय।

पुस्तकालय स्वचालन और बुनियादी ढांचा

पुस्तकालय पूर्णतः स्वचालित है, तथा नवीनतम आईटी अवसंरचना से सुसज्जित है, जैसे एकीकृत पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली (कोहा), ऑनलाइन सार्वजनिक पहुंच सूची (ओपीएसी), सामग्री प्रबंधन और संचलन के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी), आंतरिक प्रकाशन, शोध प्रबंध और शोध प्रबंध के प्रबंधन के लिए संस्थागत भंडार, शोध क्षमता के प्रदर्शन के लिए संकाय प्रकाशन प्रोफाइल (आईआरआईएनएस), परिसर के बाहर संसाधनों तक पहुंच के लिए रिमोट एक्सेस, तथा साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाली प्रणाली है।

जहाँ तक आधुनिकीकरण और बुनियादी ढाँचे की सुविधाओं का सवाल है, यह पुस्तकालय देश के किसी भी अन्य पुराने विश्वविद्यालय पुस्तकालय के बराबर है। पुस्तकालय वेब-आधारित सेवाओं और प्रणालियों और एक इंटरैक्टिव लाइब्रेरी वेबसाइट (https://library.cus.ac.in) को अपनाकर अनुसंधान सहायता सेवाएँ प्रदान करने में काफी सक्रिय है।

पुस्तकालय संग्रह और संसाधन

पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के सभी प्रमुख विषयों की लगभग 56,000 पुस्तकों का भौतिक संग्रह है। इस संग्रह में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह के संसाधन शामिल हैं।

संग्रहों का प्रकार	वॉल्यूम
मुद्रित पुस्तकें	57086
ब्रेल पुस्तकें	1178
इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकें	3252
इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाएँ	8954
इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस	9
थीसिस और शोध प्रबंध	639

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

केंद्रीय पुस्तकालय इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की सदस्यता संघ के साथ-साथ व्यक्तिगत सदस्यता के माध्यम से भी ले रहा है। पुस्तकालय इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं की सदस्यता के लिए निम्नलिखित संघों का सदस्य है:

2. **ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम** - ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम इनफ्लिबनेट सेंटर अहमदाबाद (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक आईयूसी) का प्रबंधन है। केंद्रीय पुस्तकालय ने *अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, एनुअल रिव्यू, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल रिव्यू वीकली, जेएसटीओआर और स्प्रिंगर नेचर* जैसे प्रकाशकों से 5003 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं की सदस्यता ली है। पुस्तकालय में वर्ल्ड ई-बुक लाइब्रेरी और *साउथ एशिया आर्काइव* से डिजिटल पुस्तकों तक भी पहुँच है।

3. **डेल्कॉन ई-लाइब्रेरी कंसोर्टियम**- डेल्कॉन जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित संसाधनों की इलेक्ट्रॉनिक सदस्यता का

प्रबंधन करने के लिए शुरू किया गया एक संघ है। केंद्रीय पुस्तकालय जैव प्रौद्योगिकी और जैव विज्ञान से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं की सदस्यता के लिए डीबीटी - डेलकॉन ई-लाइब्रेरी कंसोर्टियम का सदस्य है और *अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च* (एएसीआर); *अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ इम्यूनोलॉजिस्ट* (एएआई); *अमेरिकन सोसाइटी फॉर बायोकेमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी* (एएसबीएमएस); *अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी* (एएसएम); *कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लेबोरेटरी प्रेस जर्नल्स* (सीएसएचएल); *एल्सेवियर साइंस* (साइंस डायरेक्ट); *माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटी* (एमबीएस); *नेचर पब्लिकेशंस* (एनपीजी) *ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस* (ओयूपी); *नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की कार्यवाही* (पीएलएएस); *स्प्रिंगर नेचर* (स्प्रिंगर); *टेलर एंड फ्रांसिस* (टी एंड एफ); *विले-ब्लैकवेल* (विले)।जैसे प्रकाशकों से 1000 से अधिक ई-जर्नल्स तक इसकी पहुंच है;

4. **प्रत्यक्ष सदस्यता**: पुस्तकालय द्वारा भारत और विश्व के सभी प्रमुख प्रकाशकों की 1200 से अधिक ई-पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई है, जैसे *एपीएस फिजिक्स; एमराल्ड इनसाइट; जॉन बेंजामिन्स - तिब्बती-बर्मन क्षेत्र की भाषाविज्ञान*; *अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन* (एपीए) - *साइकार्टिकल्स; रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री*।

5. **इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस और इंडेक्स सदस्यता** – पुस्तकालय में निम्नलिखित बहु-विषयक और विषय-विशिष्ट डेटाबेस तक पहुंच है।
    1. वेब ऑफ साइंस - ग्रंथ सूची और उद्धरण डेटाबेस
    2. इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईएसआईडी) डेटाबेस
    3. जे-गेट (जेसीसीसी) (दस्तावेज़ वितरण सेवा प्रदान करता है)
    4. साइफाइंडर स्कॉलर
    5. सीएमआईई इकोनॉमिक आउटलुक
    6. सीएमआईई प्रोवेस डीएक्स
    7. चाइना नॉलेज रिसोर्स इंटीग्रेटेड डेटाबेस (सीएनकेआई)
    8. डेलनेट (ई-जर्नल और पुस्तकों का इंटर लाइब्रेरी लोन प्रदान करता है)
    9. ईबीएससीओ (शिक्षा, पर्यटन और प्रबंधन संग्रह)
    10. इंडियास्टेट सांख्यिकीय डेटाबेस
    11. मनुपात्रा - विधि डेटाबेस
    12. मैथसाइनेट
    13. सेज बिजनेस केस

6. **ई-पुस्तकें** - पुस्तकालय प्रमुख प्रकाशकों जैसे स्प्रिंगर, एल्सेवियर, विले, पियर्सन, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, एसएजीई, आदि की **3000** से अधिक ई-पुस्तकों तक पूर्ण-पाठ सतत पहुंच प्रदान करता है। ई-पुस्तक संग्रह को अमेज़न किंडल अनलिमिटेड की सदस्यता द्वारा और भी संपूरित किया जाता है, जो विभिन्न विषयों पर दस लाख से अधिक शीर्षकों तक पहुंच प्रदान करता है।

पुस्तकालय सेवाएँ:

पुस्तकालय विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट), नई दिल्ली का भी सदस्य है, जिसके माध्यम से अनेक पत्रिकाओं तक पहुँचा जा सकता है और यह देश के विभिन्न पुस्तकालयों से अंतर-पुस्तकालय ऋण के आधार पर पुस्तकें भी प्रदान करता है। पुस्तकों, पत्रिकाओं और अन्य संसाधनों तक आसान पहुँच की सुविधा के लिए, पुस्तकालय के पास एक व्यापक सेवा योजना है, जिसमें अनुसंधान सहायता सेवाएँ, विषय सहायता सेवाएँ, एक दूरस्थ पहुँच सुविधा, एक व्यापक पुस्तकालय वेबसाइट (http://library.cus.ac.in), उपयोगकर्ता के अनुकूल मोबाइल एप्लिकेशन - सेंट्रल लाइब्रेरी ऐप शामिल हैं। ये सुविधाएँ और सेवाएँ उपयोगकर्ता के अनुकूल तरीके से संपूर्ण पुस्तकालय संग्रह और सेवाओं तक आसान पहुँच सुनिश्चित करती हैं। पुस्तकालय क्यूरियस: आस्क-ए-लाइब्रेरियन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से टिकट-आधारित क्वेरी और सहायता सेवाएँ भी प्रदान करता है।

9. सामान्य प्रशासन अनुभाग

अध्यक्ष/प्रभारी : प्रो. लक्ष्मण शर्मा, कुलसचिव, प्रभारी, सिक्किम विश्वविद्यालय

स्थायी गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची				
क्र.सं.	**नाम**	**पदनाम**	**विभाग**	**टिप्पणियाँ**
1	डॉ. सुरेश कुमार गुरुंग	संयुक्त कुलसचिव	शैक्षणिक	
2	श्री मनोज ढेंबरे	कार्यकारी अभियंता	अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ	
3	सुश्री ग्रेस डीछेन चेंकापा	उप कुलसचिव	स्थापना	
4	डॉ सुजीत कुजूर	उप पुस्तकालयाध्यक्ष	केंद्रीय पुस्तकालय	
5	श्री सोनम वांगचुक	सहायक कुलसचिव	परीक्षा	
6	श्रीमती पुनम छेत्री		वित्त	
7	सुश्री जुतिका गोस्वामी	हिंदी अधिकारी	हिंदी प्रकोष्ठ	
8	डॉ. मंजुश्री थापा मंगर	मुख्य चिकित्सा अधिकारी	स्वास्थ्य केंद्र	
9	डॉ लोक बहादुर सुब्बा	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी		
10	सुश्री सरबदा प्रधान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	केंद्रीय पुस्तकालय	
11	श्री अभिजीत राई		केंद्रीय पुस्तकालय	
12	श्री विवेक मोक्तान	सिस्टम एनालिस्ट	सिस्टम मैनेजमेंट	
13	श्री मनीष सोनी	सूचना वैज्ञानिक	केंद्रीय पुस्तकालय	
14	श्रीमती कुंजिनी प्रकाश दर्नाल	जन संपर्क अधिकारी	कुलसचिव कार्यालय	
15	श्रीमती केसांग डोमा भूटिया	निजी सचिव	कुलपति कार्यालय	
16	श्री प्रदीप कुमार तमांग		केंद्रीय पुस्तकालय	
17	सुश्री रोशनी लामा तमांग		कुलसचिव कार्यालय	
18	श्री. लक्पा छिरिंग शेर्पा		वित्त	
19	श्रीमती कल्पना दाहाल	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन	
20	श्रीमती कल्पना राणा		स्थापना	
21	श्री विशाल तमांग		परीक्षा	
22	श्री सत्यम राणा		कुलसचिव कार्यालय	
23	श्री. हेमन्त शर्मा	सहायक अभियंता	अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ	
24	सुश्री नेत्र खरेल	सुरक्षा अधिकारी	सुरक्षा प्रकोष्ठ	
25	श्री निशाद सुब्बा	सहायक	प्रशासन	
26	सुश्री रेणुका छेत्री		स्थापना	
27	श्रीमती प्रभा मुखिया		स्थापना	
28	श्री कमल सुब्बा		डीएसडबल्यू	
29	श्रीमती क्रिस्टीना राई		परीक्षा	
30	सुश्री दक्षता लवर		परीक्षा	
31	सुश्री रेशू प्रधान		स्थापना	
32	श्रीमती छुंग छुंग भूटिया	स्टाफ नर्स	स्वास्थ्य केंद्र	
33	श्री. मंजिल दर्नाल	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ	
34	श्री कर्मा ग्यात्सो भूटिया	कनिष्ठ अभियंता (इलैक्ट्रिकल)	अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ	
35	सुश्री माधुरी	व्यवसायिक सहायक	केंद्रीय पुस्तकालय	
36	सुश्री रिंकू तामांग		केंद्रीय पुस्तकालय	

37	श्री अनिल खाती	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	सिस्टम मैनेजमेंट	
38	श्री सुकांत देब		परीक्षा	
39	श्री नवीन कुमार यादव	हिन्दी अनुवादक	हिंदी प्रकोष्ठ	
40	श्री विकास कुमार दाहाल	सुरक्षा पर्यवेक्षक	सुरक्षा प्रकोष्ठ	
41	श्रीमती राधा कुमारी बस्नेत	तकनीकी सहायक	सूक्ष्म जीव विज्ञान	
42	श्री दीपक छेत्री		वनस्पति विज्ञान	
43	श्री दोरजी शेरपा		लैब – जनसंचार	
44	श्री अदीप तिर्वा		केंद्रीय पुस्तकालय	
45	श्री किशोर छेत्री		वित्त	
46	सुश्री डिम्पल राय		सिस्टम मैनेजमेंट	
47	श्री बेदांत प्रकाश सैकिया		लैब- प्राणी विज्ञान	
48	श्री सुदीप विश्वास		लैब-मानवशास्त्र	
49	श्री दीपक कुमार ठाकुर		सिस्टम मैनेजमेंट	
50	सुश्री मंजू सुब्बा	अर्ध व्यावसायिक सहायक	केंद्रीय पुस्तकालय	
51	सुश्री पिंकी राई		केंद्रीय पुस्तकालय	
52	श्री बिजय कुमार छेत्री	यूडीसी	वित्त	
53	श्री ज्ञान छिरिंग लेप्चा		प्रशासन	
54	श्री गगन सेन छेत्री		शैक्षणिक	
55	श्री बिसुलाल सुब्बा		परीक्षा	
56	श्री अरुण थापा		वित्त	
57	श्री सुदीप गुरुंग		परीक्षा	
58	श्रीमती डोमा तमांग		वित्त	
59	श्री रोशन कुमार छेत्री		स्थापना	
60	सुश्री हिस्से गुरुंग	एलडीसी	वित्त	लिएन पर
61	श्री. दिवस राई		परीक्षा	
62	सुश्री जोशएनए राय		प्रशासन	
63	श्री ललित बहादुर गुरुंग		प्रशासन	
64	सुश्री पूजा खिलिंगे		वित्त	
65	श्री राकेश पासवान		परीक्षा	लिएन पर
66	श्री सैमसन मंगर		परीक्षा	
67	सुश्री सुजाता छेत्री		स्थापना	
68	श्रीमती रेजीना राई		सामान्य प्रशासन	
69	श्रीमती सरिता तिवारी		स्थापना	
70	श्रीमती नीरकला गुरुंग		प्रशासन (यांगयांग परिसर)	
71	श्री पेमा ओंग्याल शेर्पा		वित्त	
72	श्री पाल्डेन लेप्चा		अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ	
73	श्री टेक बहादुर लिंबू		सामान्य प्रशासन	
74	श्री थूब गेन तामांग		परीक्षा	
75	श्री केसांग तमांग		प्रोवोस्ट कार्यालय	
76	श्री पवन लामा	पुस्तकालय सहायक	केंद्रीय पुस्तकालय	
77	श्री. कुंतल प्रमाणिक	पुस्तकालय अटेंडेंट	केंद्रीय पुस्तकालय	
78	सुश्री सृजिना छेत्री		केंद्रीय पुस्तकालय	
79	श्री बी.एन. सुरेश कागटिपु		केंद्रीय पुस्तकालय	

80	श्री सुनील कुमार प्रसाद	प्रयोगशाला अटेंडेंट	शैक्षणिक	
81	श्रीमती अन्नू कुमारी		लैब- मनोविज्ञान	
82	सुश्री छिरिंग डिक्की भूटिया		स्थापना	
83	सुश्री ओमा गुरुंग		लैब – उद्यानिकी	
84	श्री महिन्द्र प्रधान		सामान्य प्रशासन	
85	श्री अशेष शर्मा		लैब- प्राणीविज्ञान	
86	श्री सत्यजीत सिंह		लैब- भूगोल	
87	श्री बिनोद छेत्री	प्रयोगशाला सहायक	लैब- रसायनिकी	
88	श्री दिनेश राई		लैब- भूविज्ञान	
89	श्री नर बहादुर सुब्बा		लैब- भौतिकी	
90	श्री तुलसी शर्मा		लैब—भूगोल	
91	श्री रोशन राई		लैब-वनस्पति विज्ञान	
92	श्री बिक्रम थापा		लैब- भौतिकी	
93	श्री केशव कुमार बिशुंकेय		लैब-कंप्यूटर अनुप्रयोग	
94	श्री भानु मंगर		लैब- भूविज्ञान	
95	श्री कुश नारायण बस्नेत		लैब-जन संचार	
96	श्री पुकार बिश्वकर्मा		लैब- सूक्ष्म जीवविज्ञान	
97	श्रीमती दीपिका सुब्बा	हिन्दी टंकक	परीक्षा	
98	सुश्री अंजना बिस्ता	नर्सिंग अटेंडेंट	स्वास्थ्य केंद्र	
99	सुश्री मिंगमा एंजी शेर्पा	फर्मासिस्ट	स्वास्थ्य केंद्र	
100	श्री अम्बर मंगर	एमटीएस	स्थापना	
101	श्री घन श्याम घिमिरे		प्रशासन	
102	श्री गोपाल बिश्वकर		यांगयांग परिसर	
103	श्री कुमार मंगर		केंद्रीय पुस्तकालय	
104	श्री लाल बहादुर छेत्री		प्रेषण (प्रशासन)	
105	श्री रिंजिंग नोर्बु भूटिया		बाई-पास (शिक्षा विभाग)	
106	श्री प्रेम बहादुर छेत्री	रसोइया	अतिथि गृह	
107	सुश्री बिमला राई		प्रशासन	
108	श्री संजीब बर्मन	सुरक्षा निरीक्षक	सुरक्षा कार्यालय (यांगयांग परिसर)	
109	श्री नवराज प्रधान	चालक	कुलपति कार्यालय	
110	श्री टेक बहादुर प्रधान		कुलसचिव कार्यालय	
111	श्री बिजय गजमेर		वित्त	
112	श्री मनोज राई		कुलसचिव कार्यालय	
113	श्री दोर्जी पिंट्सो लेप्चा		परीक्षा	
114	श्री परशुराम छेत्री	किचन अटेंडेंट	प्रशासन	
115	श्री बिष्णु कुमार गुरुंग	हॉस्टल अटेंडेंट	रंगीत बॉयज हॉस्टल	

वर्ष 2023-24 के दौरान संकाय सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	विभाग	पदनाम
1	डॉ. कोटरा राइन राम मोहन	मानवशास्त्र	प्रोफेसर
2	डॉ. माइबाम सैमसन सिंह	मानवशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
3	डॉ. करिश्मा कर्थक लेप्चा	मानवशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
4	डॉ. जेम्स वुंगजंगम हाओकिप	मानवशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
5	सुश्री गरिमा ठाकुरिया	मानवशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
6	डॉ. नीतीश मंडल	मानवशास्त्र	प्रोफेसर
7	डॉ. धनी राज छेत्री	वनस्पति विज्ञान	प्रोफेसर
8	डॉ अरुण छेत्री	वनस्पति विज्ञान	सह प्राध्यापक
9	डॉ. संतोष कुमार राई	वनस्पति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
10	डॉ. एन. बिजयलक्ष्मी देवी	वनस्पति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
11	डॉ अरुण कुमार राई	वनस्पति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
12	प्रो. संजय दाहाल	रसायनिकी	प्रोफेसर
13	डॉ.अखिलेश कुमार गुप्ता	रसायनिकी	सह प्राध्यापक
14	डॉ. सुदर्शन तामांग	रसायनिकी	सहायक प्राध्यापक
15	डॉ. सोमेंद्र नाथ चक्रवर्ती	रसायनिकी	सह प्राध्यापक
16	डॉ विश्वजीत गोपाल रॉय	रसायनिकी	सहायक प्राध्यापक
17	डॉ. ए.एन. और परियार	रसायनिकी	सहायक प्राध्यापक
18	डॉ. धृति रॉय	चीनी	सह प्राध्यापक
19	श्री मोरोमती बरूवा	चीनी	सहायक प्राध्यापक
20	श्री. इरफ़ान अहमद	चीनी	सहायक प्राध्यापक
21	श्री स्नेहल अजित उलमान	चीनी	सहायक प्राध्यापक
22	श्री आदित्य कुमार पांडे	चीनी	सहायक प्राध्यापक
23	प्रो अभिजीत दत्ता	वाणिज्य	प्रोफेसर
24	डॉ. सुधांशु शेखर महापात्र	वाणिज्य	प्रोफेसर
25	प्रो. अप्पल्ला नाग शंकर	वाणिज्य	प्रोफेसर
26	श्री बिवेक तामांग	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक
27	डॉ. बी. मुथु पांडियन	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक
28	श्री राकेश बस्नेत	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक
29	डॉ रवि शेखर विशाल	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक
30	डॉ. स्वरूप रॉय	कंप्यूटर अनुप्रयोग	प्रोफेसर
31	प्रो. रतिका प्रधान	कंप्यूटर अनुप्रयोग	प्रोफेसर
32	डॉ. मोहन प्रताप प्रधान	कंप्यूटर अनुप्रयोग	सह प्राध्यापक
33	सुश्री चुन्नू खवास	कंप्यूटर अनुप्रयोग	सहायक प्राध्यापक
34	डॉ. रेबिका राई	कंप्यूटर अनुप्रयोग	सहायक प्राध्यापक
35	श्री पार्थ प्रतिम राय	कंप्यूटर अनुप्रयोग	सहायक प्राध्यापक
36	श्रीमती लेखिका छेत्री	कंप्यूटर अनुप्रयोग	सहायक प्राध्यापक
37	डॉ मनेश चौबे	अर्थशास्त्र	प्रोफेसर
38	डॉ कोमल सिंघा	अर्थशास्त्र	प्रोफेसर
39	डॉ. राजेश राज एस.एन.	अर्थशास्त्र	सह प्राध्यापक
40	डॉ. प्रद्युत गुहा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
41	डॉ. रंगलाल महापात्र	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक

42	डॉ. रूमा कुंडू	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
43	डॉ. तल्लूरीजी मौनी सुवर्णा राजू	शिक्षा	प्रोफेसर
44	डॉ. योदिदा भूटिया	शिक्षा	प्रोफेसर
45	डॉ अंजू वर्मा	शिक्षा	सहायक प्राध्यापक
46	डॉ. आकृति शर्मा	शिक्षा	सहायक प्राध्यापक
47	डॉ. कनगराज के	शिक्षा	सहायक प्राध्यापक
48	डॉ. मनीषा सुब्बा	शिक्षा	सहायक प्राध्यापक
49	डॉ. रोज़ी चामलिंग	अंग्रेजी	प्रोफेसर
50	डॉ निपुण चौधरी	अंग्रेजी	सह प्राध्यापक
51	डॉ. शाश्वती साहा	अंग्रेजी	सहायक प्राध्यापक
52	डॉ. अब्रोना लपांडी एडेन	अंग्रेजी	सहायक प्राध्यापक
53	डॉ. राम भवन यादव	अंग्रेजी	सहायक प्राध्यापक
54	डॉ. परविंदर कौर	अंग्रेजी	सहायक प्राध्यापक
55	डॉ. सोहेल फिरडोस	भूगोल	प्रोफेसर
56	प्रो अमित कुमार	भूगोल	प्रोफेसर
57	डॉ. अब्दुल हन्नान	भूगोल	सह प्राध्यापक
58	डॉ उत्तम लाल	भूगोल	सहायक प्राध्यापक
59	डॉ. एलेंगबाम ईश्वरजीत सिंह	भूगोल	सहायक प्राध्यापक
60	डॉ. राजेश कुमार	भूगोल	सहायक प्राध्यापक
61	डॉ. अनंत गौतम	भूगोल	सहायक प्राध्यापक
62	डॉ. अनिल कुमार मिश्र	भूविज्ञान	प्रोफेसर
63	डॉ. विक्रम गुप्ता	भूविज्ञान	प्रोफेसर
64	डॉ. राकेश कुमार रंजन	भूविज्ञान	सह प्राध्यापक
65	डॉ. मोहम्मद अब्दुल्ला खान	भूविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
66	डॉ निश्चल वंजारी	भूविज्ञान	सह प्राध्यापक
67	डॉ. बाडेकर आनंद गणपति	भूविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
68	श्री ओम प्रकाश कसान	भूविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
69	प्रो. प्रदीप के. शर्मा	हिंदी	प्रोफेसर
70	डॉ गोरख नाथ तिवारी	हिंदी	सह प्राध्यापक
71	डॉ. दिनेश साहू	हिंदी	सहायक प्राध्यापक
72	डॉ. चुकी भूटिया	हिंदी	सहायक प्राध्यापक
73	डॉ.प्रदीप त्रिपाठी	हिंदी	सहायक प्राध्यापक
74	डॉ. वी. कृष्ण अनंत	इतिहास	प्रोफेसर
75	डॉ. वीनू पंत	इतिहास	प्रोफेसर
76	डॉ. अंबिका ढाका	इतिहास	प्रोफेसर
77	डॉ. सांगमु थेंडुप	इतिहास	सहायक प्राध्यापक
78	डॉ. अनिरा फ़िपोन लेप्चा	इतिहास	सहायक प्राध्यापक
79	डॉ. ख्वैराकपाम रेणुका देवी	इतिहास	सहायक प्राध्यापक
80	डॉ. लक्ष्मण शर्मा	उद्यानिकी	प्रोफेसर
81	डॉ. नीलाद्रि बाग	उद्यानिकी	प्रोफेसर
82	डॉ. मंजू राणा	उद्यानिकी	सहायक प्राध्यापक
83	डॉ. सुजाता उपाध्याय	उद्यानिकी	सह प्राध्यापक
84	डॉ. अमृत लामिचानी	उद्यानिकी	सह प्राध्यापक

85	डॉ. कर्मा डिकी भूटिया	उद्यानिकी	सहायक प्राध्यापक
86	डॉ. राजेश कुमार	उद्यानिकी	सहायक प्राध्यापक
87	डॉ अनामिका गुरुंग	उद्यानिकी	सहायक प्राध्यापक
88	श्री पी.एच. न्यूटन सिंह	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	सहायक प्राध्यापक
89	डॉ. सेबस्टियन एन.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	सहायक प्राध्यापक
90	डॉ दीपमाला रोका	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	सहायक प्राध्यापक
91	डॉ महिमा राई	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	सहायक प्राध्यापक
92	डॉ प्रवीण मिश्रा	विधि	प्रोफेसर
93	डॉ. वीर मयंक	विधि	सहायक प्राध्यापक
94	डॉ. डेंकिला भूटिया	विधि	सहायक प्राध्यापक
95	डॉ. निधि सक्सेना	विधि	सहायक प्राध्यापक
96	डॉ. सोनम यांगचेन भूटिया	विधि	सहायक प्राध्यापक
97	डॉ प्रमिता गुरुंग	विधि	सहायक प्राध्यापक
98	डॉ. कृष्ण मुरारी	प्रबंधन	सह प्राध्यापक
99	डॉ. शैलेन्द्र कुमार	प्रबंधन	सहायक प्राध्यापक
100	डॉ. अचंता रवि प्रकाश	प्रबंधन	सहायक प्राध्यापक
101	डॉ. प्रदीप कुमार दास	प्रबंधन	सहायक प्राध्यापक
102	डॉ. रचना राई	प्रबंधन	सहायक प्राध्यापक
103	डॉ. शालिनी शुक्ला	प्रबंधन	सहायक प्राध्यापक
104	डॉ. सिलाजीत गुहा	जनसंचार	Associate प्रोफेसर
105	डॉ. मनोज कुमार दास	जनसंचार	सहायक प्राध्यापक
106	डॉ. जैस्मीन यिमचुंगर	जनसंचार	सहायक प्राध्यापक
107	श्रीमती निहारिका बुरागोहेन	जनसंचार	सहायक प्राध्यापक
108	डॉ. पूजा बासनेट	जनसंचार	सहायक प्राध्यापक
109	श्री अमित चक्रवर्ती	गणित	प्रोफेसर
110	सुश्री रिंकिला भूटिया	गणित	सहायक प्राध्यापक
111	डॉ नमिता बेहरा	गणित	सहायक प्राध्यापक
112	डॉ. आलोक कुमार यादव	गणित	सहायक प्राध्यापक
113	डॉ. राज भवन यादव	गणित	सहायक प्राध्यापक
114	प्रो. ज्योति प्रकाश तमांग	सूक्ष्म जीव विज्ञान	वरिष्ठ प्रोफेसर
115	डॉ बिमला सिंह	सूक्ष्म जीव विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
116	डॉ. बुद्धिमान तामांग	सूक्ष्म जीव विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
117	डॉ. नागेन्द्र ठाकुर	सूक्ष्म जीव विज्ञान	सह प्राध्यापक
118	डॉ. अनिल कुमार वर्मा	सूक्ष्म जीव विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
119	डॉ विजय शंकर सिंह	सूक्ष्म जीव विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
120	डॉ. कृष्णेंदु दत्ता	संगीत	सह प्राध्यापक
121	डॉ. बिलंबिता वाणीसुधा	संगीत	सह प्राध्यापक
122	श्री जयन्त कुमार बर्मन	संगीत	सहायक प्राध्यापक
123	डॉ. समिधा वेदबाला	संगीत	सहायक प्राध्यापक
124	डॉ. संतोष कुमार	संगीत	सहायक प्राध्यापक
125	डॉ. सुरेंद्र कुमार	संगीत	सहायक प्राध्यापक
126	डॉ. कबिता लामा	नेपाली	प्रोफेसर
127	डॉ समर सिन्हा	नेपाली	सहायक प्राध्यापक

128	श्री बलराम पांडे	नेपाली	सहायक प्राध्यापक
129	डॉ देवचंद्र सुब्बा	नेपाली	सहायक प्राध्यापक
130	डॉ अरुणा राई	नेपाली	सहायक प्राध्यापक
131	डॉ नवल किशोर पासवान	शांति एवं द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन	प्रोफेसर
132	डॉ.विमल खवास	शांति एवं द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन	सह प्राध्यापक
133	डॉ. दिनेश कुमार अहिरवार	शांति एवं द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन	सहायक प्राध्यापक
134	डॉ. राकेश कुमार यादव	शांति एवं द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन	सहायक प्राध्यापक
135	डॉ सुबीर मुखोपाध्याय	भौतिकी	प्रोफेसर
136	डॉ. अमिताभ भट्टाचार्य	भौतिकी	सह प्राध्यापक
137	डॉ. अजय त्रिपाठी	भौतिकी	सह प्राध्यापक
138	डॉ. हेमाम दिनेश सिंह	भौतिकी	सहायक प्राध्यापक
139	डॉ. रूपक मुखर्जी	भौतिकी	सहायक प्राध्यापक
140	प्रो. दुर्गा प्रसाद छेत्री	राजनीति विज्ञान	प्रोफेसर
141	डॉ बिधान गोले	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
142	डॉ. गड्डे ओम प्रसाद	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
143	डॉ. अमित कुमार गुप्ता	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
144	श्री. बुद्ध बहादुर लामा	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
145	सुश्री स्वास्तिका प्रधान	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक
146	डॉ. सत्यानंद पंडा	मनोविज्ञान	प्रोफेसर
147	प्रो. स्नेहलता जसवाल	मनोविज्ञान	प्रोफेसर
148	डॉ.सौरभ माहेश्वरी	मनोविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
149	डॉ सुमनिमा राई	मनोविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
150	श्री सनम राज	मनोविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
151	डॉ. स्वाति अक्षय सचदेवा	समाजशास्त्र	प्रोफेसर
152	डॉ संध्या थापा	समाजशास्त्र	प्रोफेसर
153	डॉ. खंगेम्बाम इंदिरा	समाजशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
154	श्री शंकर नारायण बाग	समाजशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
155	श्रीमती सोना राई	समाजशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
156	श्री बिनोद भट्टराई	समाजशास्त्र	सहायक प्राध्यापक
157	डॉ. जिग्मी वानचुक भूटिया	पर्यटन	सह प्राध्यापक
158	सुश्री आशी पेम पेम वांग्मो	पर्यटन	सहायक प्राध्यापक
159	डॉ. अमित कुमार सिंह	पर्यटन	सह प्राध्यापक
160	डॉ.अखिलेश कुमार सिंह	पर्यटन	सहायक प्राध्यापक
161	डॉ भोज कुमार आचार्य	प्राणीविज्ञान	प्रोफेसर
162	डॉ. बसुंधरा छेत्री	प्राणीविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
163	डॉ बिसु सिंह	प्राणीविज्ञान	सह प्राध्यापक
164	डॉ. सुदीप घाटानी	प्राणीविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
165	डॉ. अर्नब बनर्जी	प्राणीविज्ञान	सहायक प्राध्यापक
166	सुश्री रिनचेन ओंगमू	लेप्चा	सहायक प्राध्यापक
167	श्री मिंगमा ओंगडुप लेप्चा	लेप्चा	सहायक प्राध्यापक
168	श्री अश बहादुर सुब्बा	लिम्बू	सहायक प्राध्यापक
169	श्री मुगिप हांग लिम्बू	लिम्बू	सहायक प्राध्यापक
170	श्री येशे नामग्याल भूटिया	भूटिया	सहायक प्राध्यापक

171	डॉ. कुंजांग नामग्याल	भूटिया	सहायक प्राध्यापक
172	डॉ. आरएसएस. नेहरू	शिक्षा	सहायक प्राध्यापक (अनुबंध आधारित)
173	डॉ. बप्पादित्य अधिकारी	शिक्षा	सहायक प्राध्यापक (अनुबंध आधारित)
174	डॉ पवन कुमार राय	शिक्षा	सहायक प्राध्यापक (अनुबंध आधारित)

10. परीक्षा अनुभाग

परीक्षा नियंत्रक : डॉ. मुरली मोहन

परीक्षा अनुभाग ने सभी 18 संबद्ध महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय के 33 विभागों से संबंधित सभी परीक्षा पूर्व और बाद के कार्यों को सफलतापूर्वक आयोजित किया और समय पर परीक्षा परिणाम घोषित किए। अनुभाग ने छात्रों की सुलभ पहुंच के लिए यूजीसी के एनएडी कार्यक्रम के तहत डिजिलॉकर पोर्टल में पिछले पांच वर्षों के ऑनलाइन डिग्री प्रमाण पत्र और मार्कशीट भी अपलोड किए। एनईपी 2020 के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में, परीक्षा विभाग ने एबीसी पोर्टल में पंजीकरण करने के लिए छात्रों को जुटाने की गतिविधि की। तदनुसार, एबीसी आईडी के साथ पंजीकृत 12911 छात्र और छात्र के संबंधित 3106 एबीसी क्रेडिट एनईपी 2020 के तहत क्रेडिट ट्रांसफर को सक्षम करने के लिए डिजिलॉकर पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं। संबद्ध महाविद्यालयों के सभी नए छात्रों (2022 प्रवेश) के लिए भी पंजीकरण सफलतापूर्वक किया गया और संबद्ध महाविद्यालयों (2022 बैच) के कुल 5088 छात्रों को सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया।

11. वित्त विभाग

1. **वित्त अधिकारी का नाम : श्री प्रताप केशरी दाश**

2. **कर्मचारियों का विवरण : स्थायी/अनुबंध आधारित**

क्र.सं.	नाम	अर्हता	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि	कार्य क्षेत्र
1	श्रीमती पुनम छेत्री	बीकॉम/एमबीए/एमकॉम/ पीजीआईबी	अनुभाग अधिकारी	09.01.2014	लेखा विभाग का पर्यवेक्षण
2	श्री लाकपा टी. शेर्पा	बीए/एमए	निजी सचिव	04.04.2012	सचिवीय कार्य
3	श्री बिजय के. छेत्री	बीकॉम/एमबीए (वित्त)	यूडीसी	19.11.2015	फ़ाइल प्रोसेसिंग वार्षिक खाते बजट परियोजना प्रावधान
4	सुश्री हिस्से गुरुंग	बीकॉम/एमकॉम	एलडीसी	10.11.2015	भुगतान प्रसंस्करण पीएफ़एमएस प्रबंधन निवेश विक्रेताओं के लिए आईटी
5	श्री अरुण के. थापा	बारहवीं	यूडीसी	22.11.2010	शैक्षणिक मामले फ़ाइल प्रोसेसिंग छात्रों के मामले
6	श्री पेमा ओ शेरपा	बीए/एमए	एलडीसी	02.02.2021	भुगतान प्रसंस्करण पीएफ़एमएस प्रबंधन
7	श्रीमती पूजा खिलिंगे	बीकॉम	एलडीसी	23.11.2015	वेतन और कर्मचारी मामले आयकर मामले एनपीएस मामले अतिथि संकाय
8	श्री किशोर छेत्री	बीएससी(आईटी) /एमटेक(आईटी)	तकनीकी सहायक	07.12.2015	छात्रों के मामले छात्रवृत्ति फ़ाइल प्रसंस्करण
	अनुबंध आधारित/बाह्य कर्मचारी				
9.	श्री प्रणबेन्द्र नारायण चौधुरी	कॉस्ट अकाउंटेंट/सीए (इंटरमीडिएट)/बीकॉम ऑनर्स		7.11.2023	समर्थ प्रविष्टियाँ और अद्यतनीकरण जीएसटी/कर संबंधी मामले
10	सुश्री रीता छेत्री	बीकॉम/एमकॉम/मेड	डीईओ-I	23.04.2018	परियोजना मामले आईसीएसएसआर डॉक्टरल फ़ेलोशिप
11.	श्री प्रवीण छेत्री	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा	डीईओ-III	02.03.2021	वेतन और कर्मचारी मामले
12.	श्री भीम के राई	बीकॉम/एमकॉम/पीडीसीए/टैली	डीईओ-II	20.01.2021	परियोजना मामले प्रोजेक्ट समर्थ प्रविष्टियाँ और अद्यतन
13.	श्री संदीप मुखिया	दसवीं	डीईओ-IV	20.01.2020	फ़ाइल / दस्तावेज़ों का रखरखाव मूवमेंट रजिस्टर

3. **वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित/भाग लेने वाले प्रशिक्षण/अभिविन्यास/कार्यशाला कार्यक्रम (प्रत्येक कार्यक्रम की केवल एक तस्वीर उपलब्ध कराएं):**

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी	तिथि	संख्या केवल		संयोजक/समन्वयक का नाम
				संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी	
1						

4. **कर्मचारियों की उत्कृष्ट उपलब्धियां:** लागू नहीं

5. **अनुदान स्थिति का विवरण:**

(i) **वित्तीय वर्ष** 2023-24 **के लिए अनंतिम वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है:**

(रुपये लाखों में)

क्र.सं.	विवरण	अव्ययित शेष	प्राप्त जीआईए	अन्य आय	उपलब्ध कुल निधि	किए गए व्यय	टीएसए में वापसी	अव्ययित शेष
1	वेतन	-725.20	5004.00	0	4278.80	5076.11	0.00	-797.31
2	आवर्ती	120.45	3000.02	372.62	3493.09	3369.62	0.00	123.47
3	पूंजी	230.35	8528.01	0	8758.36	8412.33	0.00	346.03
	कुल	**-374.40**	**16532.03**	**372.62**	**16530.25**	**16858.06**	**0.00**	**-327.81**

6. **शोध परियोजनाएं**

i) जारी शोध परियोजनाओं की कुल संख्या – 81
ii) वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान - 2,35.71 लाख रुपये
iii) परियोजनाओं की वित्तीय स्थिति बैलेंस शीट की अनुसूची 3 ए में उपलब्ध है

7. **वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान आयोजित वित्त समिति की संख्या**

क्र.सं.	बैठक की तिथि	टिप्पणियाँ
1.	वित्त समिति की 36वीं बैठक 05.06.2023 को आयोजित की गई	एजेंडा परिचालन के माध्यम से
2.	वित्त समिति की 37वीं बैठक 23.11.2023 को आयोजित की गई	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली - 110002 में ऑफलाइन/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से
3.	वित्त समिति की 38वीं बैठक 06.03.2024 को आयोजित की गई	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली - 110002 में ऑफलाइन/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से

12. छात्र कल्याण डीन

डीन : प्रो. संजय दाहाल

समिति/प्रकोष्ठ/फोरम/एसोसिएशन के उद्देश्य/जिम्मेदारी: प्रवेश, छात्रवृत्ति

छात्रों के बीच अनुशासन, छात्रों का डेटा प्रबंधन और छात्रों के कल्याण से संबंधित कोई अन्य कार्य, प्रवेश, छात्र और फेलोशिप प्रमाणपत्र, स्नातक (प्रवेश 2023-24) के लिए प्रवेश अधिसूचना 18.07.2023 को, पीजी के लिए 29.07.2023 को और पीएचडी के लिए 25.04.2023 को जारी की गई थी। प्रमाणपत्र, स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी T स्कोर के आधार पर किया गया था।

वर्ष के दौरान कुल 724 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया जबकि प्रवेश क्षमता 1056 (68.56%) थी। कुल मिलाकर 59.39% महिला अभ्यर्थी तथा 40.46% पुरुष अभ्यर्थी प्रवेश पा चुके हैं। सम्पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया में केन्द्र सरकार की आरक्षण नीति का सख्ती से पालन किया गया।

प्रोवोस्ट डॉ. बलराम पांडे की अध्यक्षता में गठित छात्रावास प्रवेश समिति द्वारा छात्रावासों में प्रवेश दिलाया गया था। सभी आवंटनों के लिए प्रवेश की प्रक्रिया समान रूप से अपनाई गई थी। आवंटन के लिए मुख्य मानदंड थे:

1. योग्यता
2. अभ्यर्थी गंगटोक नगरपालिका समूह से नहीं होना चाहिए।
3. केन्द्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार आरक्षण।
4. यूजी, पीजी और शोध छात्रों को 3:6:1 के अनुपात में आवंटित किया गया।

कुल 398 अभ्यर्थियों [174 पुरुष और 224 महिला] को छात्रावास आवंटित किया गया।

सिक्किम विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रमों में विभागों में नामांकित छात्रों के लिए योग्यता सह साधन छात्रवृत्ति प्रदान करता है। जिन छात्रों की औसत पारिवारिक आय 60,000/- रुपये प्रति वर्ष से कम है और जो कोई अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं करते हैं, वे इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। तदनुसार, 2023-24 में सिक्किम विश्वविद्यालय ने छात्रों को 3000/- रुपये प्रति माह की दर से 53 छात्रों को पूर्ण फेलोशिप प्रदान की। इसी तरह, जरूरतमंद छात्रों के लिए 32 पूर्ण निशुल्कता और 34 अर्ध निशुल्कता प्रदान की गई। कुल 85% आवेदक एक या दूसरे प्रकार की छात्रवृत्ति प्राप्त करने में सक्षम थे।

सिक्किम विश्वविद्यालय ने सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ [सूसा] नामक छात्र निकाय के लिए चुनाव आयोजित किया है। दिनांक 23 सितंबर 2016 को आयोजित चुनाव के बाद पहली बार 3 अक्टूबर 2016 को इसका गठन किया गया था। सिक्किम विश्वविद्यालय ने 08.09.2017 को दूसरा सूसा चुनाव, 19.09.2018 को तीसरा चुनाव और 27 सितंबर 2019 को चौथा चुनाव सफलतापूर्वक आयोजित किया। महामारी के कारण शैक्षणिक वर्ष 2020 और 2021 में चुनाव नहीं हो सके और सूसा की तत्कालीन मौजूदा कार्यकारिणी का अंतरिम निकाय बनाने का निर्णय लिया गया था। 5वां चुनाव 22 दिसंबर 2022 को हुआ। शैक्षणिक सत्र 2023 के लिए चुनाव 1.12.2023 को हुआ। सूसा के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं:

क्र.सं	कार्यकारी समिति में पद	नाम
1	अध्यक्ष	श्री अनुकूल लिंबू
2	उपाध्यक्ष	सुश्री प्रज्ञा भंडारी
3	महासचिव	श्री अवनीश द्विवेदी
4	संयुक्त सचिव	सुश्री अनीश बागदास
5	कोषाध्यक्ष	श्री तिरज खातीवोडा
6	शैक्षणिक मामलों के सचिव	श्री अरूपज्योति रॉय
7	सामाजिक सेवा मामलों के सचिव	श्री गौरी गोगोई
8	खेल और खेल मामलों के सचिव	श्री श्रृंगेश्वरी वाइबा
9	सांस्कृतिक मामलों के सचिव	सुश्री धान हैंग सुब्बा

छात्र कल्याण डीन का कार्यालय नॉन-नेट फेलोशिप का भी प्रबंधन करता है। 2023-24 में डीएसडब्ल्यू के कार्यालय ने 119 नॉन-नेट फेलोशिप की संस्तुति की, जिसमें 58 नए मामले और शेष नवीनीकरण के मामले शामिल हैं।

13. विश्वविद्यालय अतिथि गृह

प्रभारी का नाम: श्री सत्यम राणा

ईमेल: suguesthouse@cus.ac.in

हमारा यह निरंतर प्रयास रहा है कि हम सिक्किम विश्वविद्यालय में अपने मूल्यवान आगंतुकों को सर्वोत्तम सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करें। उस इच्छा को पूरा करने के लिए, यह गंगटोक के विकास क्षेत्र में एक पूरी तरह से सुसज्जित किराये की संपत्ति का रखरखाव कर रहा है, जिसमें अपने अतिथि गृह को चलाने के लिए 14 अच्छे कमरे हैं। गंगटोक शहर और पाल्जोर स्टेडियम का शानदार मनोरम दृश्य जो अतिथि गृह से दिखाई देता है, वास्तव में ताज़गी देने वाला है। गंगटोक के प्रमुख विपणन स्थान एमजी मार्ग से 10 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित, अतिथि गृह में 1 वीआईपी सुइट, 2 सुपर डीलक्स कमरे, 15 डीलक्स कमरे हैं और किसी भी समय लगभग 30 से अधिक मेहमान ठहर सकते हैं। पूरी इमारत वाई-फाई सक्षम है और प्रत्येक कमरे में एलईडी टीवी, इंटरकॉम कनेक्टिविटी के अलावा अन्य बुनियादी सुविधाएं जैसे अलमारी, लिखने की मेज, पानी बॉयलर, चाय/ कॉफी मेकर आदि मेहमानों के ठहरने को आरामदायक बनाने के लिए सुसज्जित हैं चौबीसों घंटे तैनात सुरक्षा गार्डों के अलावा, पूरी इमारत सीसीटीवी निगरानी में रहती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मेहमानों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो। इमारत में एक मानक लिफ्ट स्थापित है और वहां एक भारी-भरकम जनरेटर भी स्थापित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बिजली गुल होने से निवासियों को असुविधा न हो।

1 पर्यवेक्षक-सह-रिसेप्शनिस्ट, 2 हाउसकीपिंग स्टाफ और एक रसोइया के अलावा, अतिथि गृह में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों को अपने मेहमानों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, हालांकि यह मेहमानों की सर्वोत्तम सेवा करने में कोई कसर नहीं छोड़ता है। बुकिंग के मामले में, विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित आधिकारिक मेहमानों के लिए आवास को पहली वरीयता दी जाती है, जो आम तौर पर कुल बुकिंग का 80% होता है और उन्हें मुफ्त आवास प्रदान किया जाता है। शेष खाली कमरे आम जनता के लिए खुले हैं और अतिथि गृह प्रबंधन पहले आओ पहले पाओ के सिद्धांत पर चलता है और प्रति कमरा प्रति रात ₹1,000/- से ₹1500/- का मामूली किराया लेता है। ईमेल अनुरोध के माध्यम से आवास की ऑनलाइन बुकिंग सक्षम की गई है। कमरा उपलब्ध होने पर, बुकिंग की पुष्टि एक रिटर्न मेल द्वारा की जाती है।ऐसे मामलों को और अधिक कुशलतापूर्वक संभालने तथा अभिलेखों के रखरखाव के लिए, गेस्ट हाउस के प्रबंधन ने हाल ही में ऐसे कार्य के लिए समर्पित सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए अपने बुकिंग और बिलिंग अनुभाग को स्वचालित कर दिया है।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह के कमरे

14. छात्र सुविधाएं एवं गतिविधियां

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

संयोजकों का नाम: डॉ. मंजू राणा, सिक्किम विश्वविद्यालय, उद्यानिकी विभाग

समिति/फोरम/एसोसिएशन के उद्देश्य/जिम्मेदारी: युवाओं को राष्ट्रीय विकास की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना।

वर्ष 01.04.2023 – 31.09.2024 के दौरान एनएसएस विस्तृत गतिविधियाँ

- स्वच्छता पखवाड़ा के भाग के रूप में - स्वच्छता ही सेवा 2023 के एक हिस्से के रूप में, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर 2023 को सुबह 10 बजे महात्मा गांधी की 154वीं जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एक विशाल सफाई अभियान 'एक तारीख - एक घंटा' चलाया गया। सफाई अभियान का उद्देश्य आसपास के वातावरण को प्लास्टिक और अन्य प्रदूषकों से मुक्त करना और आसपास के वातावरण को पारिस्थितिक रूप से स्वच्छ बनाना था। सिक्किम विश्वविद्यालय के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने सफाई अभियान में भाग लिया।

1. युवाओं की चुनावों में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने युवा मामलों के मंत्रालय के साथ मिलकर 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान शुरू किया। इसके तहत 11 से 14 मार्च 2024 तक एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया और 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। गतिविधियाँ इस प्रकार थीं:

- चुनाव पर शिक्षा सामग्री का वितरण - सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ (सूसा) की मदद से व्हाट्सएप ग्रुप और फेसबुक पेज के माध्यम से छात्रों के बीच चुनाव प्रक्रिया, योजना और भागीदारी से संबंधित शिक्षा सामग्री व्यापक रूप से प्रसारित की गई। चुनाव से संबंधित कॉमिक बुक, ऑडियो और वीडियो भी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर मुफ्त देखने और डाउनलोड करने के लिए अपलोड किए गए हैं।
- वार्ता/सेमिनार: स्नातक छात्रों के लिए 'वोट और इसकी प्रक्रिया' पर एक वार्ता आयोजित की गई ताकि उन्हें मतदान क्यों, कैसे, कब और कहाँ करना है, इसके बारे में शिक्षित किया जा सके। यह वार्ता न केवल उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए थी, बल्कि मतदान से संबंधित भ्रम को दूर करने के लिए भी थी क्योंकि उनमें से कई पहली बार मतदाता थे। छात्रों को मतदान की सामान्य प्रक्रिया से अवगत कराया गया।
- मतदाता शपथ: छात्रों को चुनाव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें शारीरिक रूप से मतदाता शपथ दिलाई गई।
- ऑनलाइन मतदाता शपथ: छात्रों को ऑनलाइन मतदाता शपथ पर खुद को पंजीकृत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।
- मतदाता शपथ: छात्रों को चुनाव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मतदाता शपथ का आयोजन किया गया ... मतदाता शपथ: छात्रों को ऑनलाइन मतदाता शपथ पर खुद को पंजीकृत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।
- मतदाता सेल्फी: चूंकि आज की पीढ़ी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जीती है, इसलिए विश्वविद्यालय के सामान्य उपयोग वाले स्थानों जैसे केंद्रीय पुस्तकालय, लड़कियों और लड़कों के छात्रावासों में मतदाता सेल्फी काउंटर लगाए गए।

मतदाता शपथ लेते हुए छात्र

विद्यार्थियों के लिए 'वोट और उसकी प्रक्रिया' पर एक वार्ता का आयोजन

'वोट और इसकी प्रक्रिया' पर चर्चा के बाद समूह फोटो

समाधान

परामर्श सेवा का नाम: समाधान

संयोजक का नाम: प्रो. सत्यानंद पांडा

प्रोफ़ाइल (केवल सदस्य/कार्यकारी सदस्य):

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि	कार्य क्षेत्र
1	प्रो. सत्यानंद पांडा	संयोजक	अगस्त 2015	समन्वय, परामर्श
2	प्रो. स्वाति ए. सचदेवा	सदस्य एवं सलाहकार	अगस्त 2015	परामर्श
3	डॉ. मंजू राणा	सदस्य	अगस्त 2015	सलाहकार
4	डॉ. मंजूश्री थापा	चिकित्सा अधिकारी एवं सदस्य	अगस्त 2015	उपचार और रेफरल
छात्र परामर्शदाता				
1.	सुश्री अंकिता पॉल	पीएच.डी. स्कॉलर (मनोविज्ञान)	प्रशिक्षु परामर्शदाता	
2.	सुश्री किन्नरी कश्यप	पीएच.डी. स्कॉलर (मनोविज्ञान)	प्रशिक्षु परामर्शदाता	
3.	सुश्री सोनू दर्नाल	पीएच.डी. स्कॉलर (मनोविज्ञान)	प्रशिक्षु परामर्शदाता	
4.	सुश्री उदांगश्री बसुमतारी	पीएच.डी. स्कॉलर (मनोविज्ञान)	प्रशिक्षु परामर्शदाता	

2023-24 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/कार्यशाला कार्यक्रम: लागू नहीं

दिनांक 01.04.2023 से 31.03.2024 के दौरान प्रकोष्ठ की विस्तृत गतिविधियाँ

- हर महीने नए मामलों की संख्या: हमारे परामर्शदाताओं द्वारा 33 से 45 लोगों (मुख्य रूप से छात्रों) के औसत कॉल; और छात्रों और कर्मचारी सदस्यों की कुल लगभग 237 कॉलों को अटेंड किया गया है।
- इन नए मामलों के औसत सत्र: 2-3 सत्र (औसत)
- व्यक्तिगत परामर्श सत्र चलाए जाते हैं जिसमें विभिन्न व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर विचार किया जाता है। इन सत्रों में ऊपर बताए गए क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होती है।
- परामर्श टीम ने कुछ मामलों को चिकित्सा हस्तक्षेप करने के लिए रेफर करने के लिए सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय (एसएमयू), गंगटोक (प्रभारी: डॉ. गीता सूहिंदा) के मनोचिकित्सा विभाग के साथ संपर्क बनाए रखा है।
- समस्या की आवश्यकता के आधार पर कुछ ग्राहकों पर विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी किए जा रहे हैं।
- सिक्किम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों को भी सूचित किया गया है कि वे अपने विभाग के सभी छात्रों को समाधान केंद्र की टेलीफोन-परामर्श सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सूचित करें।

खेल बोर्ड

संयोजक का नाम: अरुण कुमार राई, सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग

राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह, 2023
मेजबान: खेल बोर्ड, सिक्किम विश्वविद्यालय
परिचय:
राष्ट्रीय खेल दिवस सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड द्वारा गंगटोक, सिक्किम में दिनांक 29 अगस्त 2023 को एचवीसी प्रोफेसर अविनाश खरे की अनुमति से दिनांक 26 अगस्त से 29 अगस्त 2023 तक मनाया गया। भारत में प्रत्येक वर्ष दिनांक 29 अगस्त को भारत के महानतम हॉकी खिलाड़ियों में से एक मेजर ध्यानचंद की जयंती का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए श्रद्धांजलि है और इसका उद्देश्य राष्ट्र में खेल और शारीरिक फिटनेस के महत्व को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय खेल दिवस न केवल महान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बल्कि फिटनेस, टीम वर्क और खेल कौशल की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भी महत्व रखता है। यह उन मूल्यों का जश्न मनाने का दिन है। खेल हमें सिखाते हैं - अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्टता की खोज।

कार्यक्रमों का सिंहावलोकन :

नर बहादुर भंडारी सरकारी महाविद्यालय (एनबीबीजीसी), तादोंग परिसर में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह का आयोजन एक शानदार सफलता थी, जिसमें एनबीबीजीसी और सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों और दर्शकों ने खेल भावना, टीम वर्क और शारीरिक स्वस्थता का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए।

उद्घाटन समारोह:

कार्यक्रम की शुरुआत एक जीवंत उद्घाटन समारोह के साथ हुई जिसमें राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और मशाल जलाई गई। माहौल देशभक्ति और उत्साह से भर गया क्योंकि प्रतिभागियों ने निष्पक्ष खेल और खेल भावना की शपथ ली।

खेल प्रतियोगिताएँ:

विभिन्न रुचियों और आयु समूहों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ और कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें शामिल हैं:

1. एथलेटिक्स: स्प्रिंट दौड़, 100 मीटर ((पुरुष और महिला)
2. टीम खेल: वॉलीबॉल मैच ने हमारे प्रतिभागियों के कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन किया।
3. इनडोर खेल: शतरंज ((पुरुष और महिला), टेबल टेनिस (पुरुष और महिला), और बैडमिंटन डबल्स (पुरुष और महिला) प्रतियोगिताओं ने खेल प्रेमियों के लिए इनडोर विकल्प पेश किए।

समय की कमी, बुनियादी ढांचे की कमी और विश्वविद्यालय के चल रहे विकास के कारण, आगे के खेल आयोजन नहीं किए जा सके।

मुख्य विशेषताएं:

उत्कृष्ट एथलीट: कई प्रतिभागियों ने असाधारण प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें अच्छी पहचान और पुरस्कार मिले।
- समावेशिता: यह कार्यक्रम समावेशी था, जिसमें सभी क्षमताओं के प्रतिभागियों ने खेल गतिविधियों में भाग लिया, जिससे इस विचार को बढ़ावा मिला कि खेल सभी के लिए है।
- सामुदायिक जुड़ाव: राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों सहित विविध दर्शकों ने भाग लिया, जिससे एकता और सामुदायिक भावना की भावना को बढ़ावा मिला।

अतिथियों की भूमिका :
प्रतिष्ठित एथलीटों और खेल हस्तियों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उनके प्रेरणादायक भाषणों और प्रतिभागियों के साथ बातचीत ने कार्यक्रम की प्रेरणा और उत्साह को बढ़ाया।

अतिथि:

श्री रूप सिंह प्रधान, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, एनबीबीजीसी, तादोंग

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों की सूची:

क्र.सं.	कार्यक्रम	विजेता	प्रथम उपविजेता	दूसरे उपविजेता
1.	पुरुष बैडमिंटन डबल्स	श्री भावेश तमांग और श्री तानचोक हैंग लिंबू (एनबीबीजीसी, तादोंग)	डॉ. अरुण कुमार राई और श्री सेसे हैंग लिंबू (सिक्किम विश्वविद्यालय)	लागू नहीं
2.	मैन ऑफ द टूर्नामेंट (पुरुष बैडमिंटन डबल्स)	डॉ. अरुण कुमार राई (ट्रॉफी (एनबीबीजीसी) द्वारा)		लागू नहीं
3.	महिला बैडमिंटन डबल्स	सुश्री टिमसॉन्ग लेप्चा और सुश्री वर्षा मोक्तान (एनबीबीजीसी, तादोंग)	सुश्री प्रेमिका राई और सुश्री रक्षा मुखिया (सिक्किम विश्वविद्यालय)	लागू नहीं
4.	पुरुष टीटी सिंगल्स	श्री दिवस राई (सिक्किम विश्वविद्यालय)	श्री मंज़िल दर्नाल (सिक्किम विश्वविद्यालय)	लागू नहीं
5.	महिला टीटी सिंगल्स	सुश्री रक्षा मुखिया (सिक्किम विश्वविद्यालय)	सुश्री सुजाता लिम्बू (सिक्किम विश्वविद्यालय)	लागू नहीं
6.	शतरंज पुरुष	श्री थेंडुप नामग्याल छिरिंग भूटिया (एनबीबीजीसी, तादोंग)	श्री सहायल छेत्री (सिक्किम विश्वविद्यालय)	लागू नहीं
7.	शतरंज महिला	सुश्री सुमित्रा छेत्री (केएसयू)	सुश्री मोनिका लाकन्द्री (सिक्किम विश्वविद्यालय)	लागू नहीं
8.	वॉलीबॉल पुरुष	गणित विभाग, (सिक्किम विश्वविद्यालय)	शारीरिक शिक्षा विभाग (एनबीबीजीसी, तादोंग)	लागू नहीं
9.	पुरुषों की 100 मीटर दौड़	श्री रोहित बाउरी (9.55); सिक्किम विश्वविद्यालय	श्री सोहिल राई (9.88); एनबीबीजीसी	श्री अनमोल सुब्बा (10.34); एनबीबीजीसी
10.	महिलाओं की 100 मीटर दौड़	सुश्री निशा छेत्री (11.24); एनबीबीजीसी	सुश्री प्रियंका प्रधान (11.53); सिक्किम विश्वविद्यालय	सुश्री दावा टी. शेर्पा (11.57)

दर्शको सहित प्रत्येक प्रतिभागी ने निम्नलिखित प्रतिज्ञा ली:

Fit India Pledge

I take the pledge:

- **TO LEAD AN ACTIVE AND A HEALTHY LIFESTYLE**
- **TO TAKEOUT 30 MINUTES EVERYDAY FOR MY FITNESS AND HEALTH**
- **TO ENCOURAGE MY FAMILY MEMEBERS, FRIENDS AND NEIGHBOURS TO STAY FIT AND HEALTHY**
- **TO TAKE THE FITNESS ASSESSMENT TEST ON THE FIT INDIA MOBILE APP REGULARLY**

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ:

- एक सक्रिय और स्वस्थ जीवन शैली जीऊँगा/जीऊँगी
- अपने फिटनेस और स्वास्थ्य के लिए हर दिन 30 मिनट का समय निकालूंगा/निकालूंगी
- अपने परिवार के सदस्यों, दोस्तों और पड़ोसियों को फिट और स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहित करूँगा /करूँगी
- फिट इंडिया मोबाइल ऐप पर नियमित रूप से फिटनेस मूल्यांकन करूंगा/करूंगी

राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह, 2023 की झलकियाँरू

खेल भावना और महानता की खोज के सम्मान हेतु ट्रॉफी और पदकों का प्रदर्शन

समर्पण और टीम वर्क की अवधारणों को पुनः परिभाषित करने वालों को ट्रॉफी प्रदान

100 मीटर ट्रैक पर सबसे तेज! राष्ट्रीय खेल दिवस 2023

हर चाल मायने रखती है! हमारे शानदार शतरंज खिलाड़ियों का जश्न मनाते हुए

मैच के बाद वॉलीबॉल खिलाड़ी

एनबीबीजीसी संकाय और छात्रों के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस 2023 का जश्न मनाते हुए

कड़ी मेहनत से जीत तक का सफर

स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय:

सभी प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमने मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया।

उपसंहार

सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड द्वारा नर बहादुर भंडारी सरकारी महाविद्यालय (एनबीबीजीसी), ताडोंग में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह शारीरिक फिटनेस, टीमवर्क और समुदाय के भीतर एकता की भावना को बढ़ावा देने में खेलों के महत्व का प्रमाण था। यह यादगार क्षणों, असाधारण प्रदर्शनों और खेल भावना के सामूहिक उत्सव से भरा दिन था।

हम आने वाले वर्षों में इस परंपरा को जारी रखने, अपने समुदाय में खेल और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने और मेजर ध्यानचंद की विरासत का सम्मान करने की आशा करते हैं।

आइए हम खेल भावना से एकजुट हों और उत्साह और ऊर्जा के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाएं।

हम सिक्किम विश्वविद्यालय परिवार इस विशेष अवसर के लिए आपके कैलेंडर पर निशान लगाते हैं, और आइये हम सब मिलकर राष्ट्रीय खेल दिवस को एक यादगार और प्रेरणादायक अवसर बनाएं।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023
विषय: भ्रष्टाचार को ना कहें
दिनांक: 19.10.2023
कार्यक्रम: सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड द्वारा वॉकथॉन का आयोजन

परिचय: सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 के हिस्से के रूप में सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड ने 19 अक्टूबर, 2023 को एक वॉकथॉन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भ्रष्टाचार से लड़ने और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के व्यापक राष्ट्रीय अभियान के साथ संरेखित करते हुए "भ्रष्टाचार को ना कहें" विषय के तहत आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का विवरण :

उद्देश्य: वॉकथॉन का प्राथमिक लक्ष्य भ्रष्टाचार के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और विश्वविद्यालय समुदाय और जनता के बीच ईमानदारी और नैतिक आचरण की संस्कृति को बढ़ावा देना था।

प्रतिभागी: इस कार्यक्रम में छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। 500 से अधिक व्यक्तियों ने वॉकथॉन में भाग लिया, जिससे इस उद्देश्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई।

मार्ग और गतिविधियाँ: वॉकथॉन विश्वविद्यालय खेल परिसर से शुरू हुआ और विश्वविद्यालय परिसर और आस-पास के सामुदायिक क्षेत्रों के प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरा। प्रतिभागियों ने भ्रष्टाचार विरोधी संदेशों वाले बैनर और तख्तियाँ लीं, नारे लगाए और जागरूकता फैलाई।

उद्घाटन समारोह: वॉकथॉन को सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलसचिव और वरिष्ठ प्रोफेसर शांति स्वरूप शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिन्होंने भ्रष्टाचार से निपटने में ईमानदारी और सतर्कता के महत्व पर एक प्रेरक भाषण दिया। समारोह में विश्वविद्यालय के अधिकारियों और छात्रों ने भाग लिया।

सहभागिता और संवाद: वॉकथॉन के दौरान, प्रतिभागियों ने भ्रष्टाचार के प्रभाव और नैतिक व्यवहार के महत्व के बारे में बातचीत की। सूचनात्मक पैम्फलेट वितरित किए गए, और सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी उपायों से संबंधित अतिरिक्त संसाधन प्रदान करने और प्रश्नों के उत्तर देने के लिए एक समर्पित स्टॉल स्थापित किया गया।

कवरेज: वॉकथॉन को आस-पास के स्थानीय लोगों से कवरेज मिला, जिससे संदेश को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद मिली। कार्यक्रम से जुड़े अपडेट और मुख्य अंशों को साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म का भी उपयोग किया गया।

निष्कर्ष: सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड द्वारा वॉकथॉन का आयोजन सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 में एक महत्वपूर्ण योगदान था। इस कार्यक्रम ने भ्रष्टाचार को

खत्म करने के लिए विश्वविद्यालय और स्थानीय समुदाय को साझा प्रतिबद्धता में प्रभावी रूप से शामिल किया। इस कार्यक्रम ने न केवल "भ्रष्टाचार को न कहें" विषय पर प्रकाश डाला, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी और सतर्कता की भावना को भी बढ़ावा दिया।

सिफ़ारिशें :

- निरंतरता और सामुदायिक सहभागिता बनाए रखने के लिए इसी तरह के जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखें।
- भ्रष्टाचार विरोधी उपायों की समझ को गहरा करने के लिए संवादपूर्ण चर्चाओं और कार्यशालाओं के लिए अतिरिक्त प्रारूपों का पता लगाएं।
- पहुंच और प्रभाव को व्यापक बनाने के लिए स्थानीय संगठनों और मीडिया के साथ सहयोग को मजबूत करना। .

वॉकथॉन की सफलता नैतिक व्यवहार और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में समुदाय द्वारा संचालित पहल की क्षमता को प्रदर्शित करती है, तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रहे प्रयासों को मजबूत करती है।

फिट इंडिया मूवमेंट: स्पोर्ट्स बोर्ड, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा मैराथन का आयोजन

दिनांक: 17 दिसंबर, 2023
कार्यक्रम: फिट इंडिया मूवमेंट मैराथन

परिचय: फिट इंडिया मूवमेंट के समर्थन में सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड ने 17 दिसंबर, 2023 को एक मैराथन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शारीरिक स्वस्थता को बढ़ावा देने और छात्रों, कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के बीच एक स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

कार्यक्रम का विवरण :

उद्देश्य: मैराथन का उद्देश्य स्वस्थता और कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देना था, जो बेहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक लोगों को नियमित शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप था।

प्रतिभागी: मैराथन में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक, कर्मचारी शामिल थे। विभिन्न आयु समूहों के प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जो स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति समुदाय की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं:

क. प्रारम्भ और समापन: मैराथन की शुरुआत खेल गांव परिसर, रांका से हुई और उसी स्थान पर इसका समापन हुआ। मार्ग में आस-पास की सामुदायिक सड़कों के प्रमुख क्षेत्र शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों के लिए एक सुंदर और आकर्षक मार्ग उपलब्ध हुआ।
ख. समारोह और भाषण: इस कार्यक्रम का उद्घाटन सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण के डीन ने किया, जिन्होंने स्वस्थता और सक्रिय जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन समारोह में फिटनेस विशेषज्ञों के नेतृत्व में एक संक्षिप्त वार्म-अप सत्र भी शामिल था।
ग. दौड़ की श्रेणियां: मैराथन में दौड़ श्रेणियां शामिल थीं, जिसमें 10 किलोमीटर की पूर्ण मैराथन भी शामिल थी, जिसमें प्रतिभागियों को उनके फिटनेस स्तर के अनुसार भाग लेने का मौका दिया गया।

कवरेज और आउटरीच: मैराथन को स्थानीय लोगों से सकारात्मक कवरेज मिला। अपडेट, प्रतिभागियों की कहानियों और कार्यक्रम की मुख्य बातों को साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म का सक्रिय रूप से उपयोग किया गया, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और जागरूकता बढ़ी।

निष्कर्ष: सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड द्वारा 17 दिसंबर, 2023 को आयोजित फिट इंडिया मूवमेंट मैराथन एक सफल आयोजन था, जिसने शारीरिक स्वस्थता और स्वस्थ जीवन शैली को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया। भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति और उत्साही भागीदारी ने स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए समुदाय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

सिफ़ारिशें :

- निरंतरता बनाए रखने और शारीरिक गतिविधियों में दीर्घकालिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक या अर्धवार्षिक फिटनेस कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखें।
- विभिन्न हितों को पूरा करने के लिए अधिक विविध फिटनेस गतिविधियों और कार्यशालाओं को शामिल करने के लिए कार्यक्रम सुविधाओं का विस्तार करें।
- कार्यक्रम संसाधनों को बढ़ाने और अधिक व्यापक स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थानीय स्वास्थ्य और फिटनेस संगठनों के साथ सहयोग करें।

यह मैराथन फिट इंडिया मूवमेंट के मिशन का समर्थन करने तथा विश्वविद्यालय और आसपास के समुदाय में स्वास्थ्य की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक सराहनीय प्रयास था।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स: अंतर-विश्वविद्यालय मुक्केबाजी चैंपियनशिप

कार्यक्रम की तिथि: 24-29 दिसंबर, 2024

आयोजक: खेल बोर्ड, सिक्किम विश्वविद्यालय और खेल एवं युवा मामले विभाग, सिक्किम सरकार

परिचय: खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के हिस्से के रूप में सिक्किम विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड ने सिक्किम सरकार के खेल और युवा मामलों के विभाग के सहयोग से 24-29 दिसंबर, 2024 से शुरू होने वाली एक अंतर-राज्यीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन किया। इस चैंपियनशिप का उद्देश्य मुक्केबाजी प्रतिभा को बढ़ावा देना और विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालय एथलीटों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम का विवरण :

- **उद्देश्य:** चैंपियनशिप का प्राथमिक उद्देश्य विश्वविद्यालय स्तर के मुक्केबाजों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने, खेल कौशल को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए होनहार प्रतिभाओं की पहचान करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।
- **प्रतिभागी:** इस चैंपियनशिप में भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगियों में पुरुष और महिला दोनों एथलीट शामिल थे, जिनमें कम वजन से लेकर भारी वजन तक की श्रेणियां शामिल थीं।
- **स्थान:** यह कार्यक्रम पालज़ोर स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया था, जो एथलीटों और दर्शकों दोनों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित था। इस स्थल ने प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजी के लिए एक बेहतरीन माहौल प्रदान किया और मैचों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया।
- **कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ :**
    - **उद्घाटन समारोह:** चैंपियनशिप का प्रारम्भ एक शानदार उद्घाटन समारोह के साथ हुआ जिसमें सिक्किम के मुख्यमंत्री, खेल और युवा मामलों के विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलपति मौजूद थे। समारोह में खिलाड़ियों की परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मशाल प्रज्वलन की रस्म निभाई गई।
    - **प्रतियोगिता संरचना:** चैंपियनशिप में प्रत्येक भार वर्ग के लिए प्रारंभिक दौर, सेमी-फ़ाइनल और फ़ाइनल शामिल थे। मैच राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित किए गए, जिसमें विजेता अगले चरणों में आगे बढ़े।
    - **उल्लेखनीय मैच:** कई मैच अपने कौशल और खेल कौशल के असाधारण प्रदर्शन के लिए उल्लेखनीय रहे, जिनमें मिडिलवेट और हेवीवेट श्रेणियों में कड़े मुकाबले शामिल थे।
- **अतिरिक्त गतिविधियां :**
    - स्वास्थ्य एवं फिटनेस बूथ: प्रतिभागियों के लिए चिकित्सा जांच, चोट का आकलन और स्वास्थ्य संबंधी सुझाव प्रदान करने के लिए एक स्वास्थ्य एवं फिटनेस बूथ स्थापित किया गया था।
- **मीडिया कवरेज और आउटरीच:** स्थानीय समाचार पत्रों, खेल चैनलों और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म से कवरेज के साथ चैंपियनशिप ने मीडिया का काफ़ी ध्यान आकर्षित किया। सोशल मीडिया अपडेट और प्रमुख मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग ने व्यापक दर्शकों तक पहुँचने और इवेंट में अधिक रुचि पैदा करने में मदद की।

निष्कर्ष: खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का हिस्सा अंतर-विश्वविद्यालय मुक्केबाजी चैंपियनशिप एक बेहद सफल आयोजन था, जिसमें विश्वविद्यालय स्तर के मुक्केबाजों की प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन हुआ। इस चैंपियनशिप ने एथलीटों को उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया और युवाओं के बीच एक लोकप्रिय खेल के रूप में मुक्केबाजी को बढ़ावा देने में योगदान दिया।

सिफ़ारिशें :

- भविष्य के आयोजन: उभरती प्रतिभाओं के लिए अवसरों को बढ़ाने और खेल विकास को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह की अंतर-राज्यीय प्रतियोगिताओं का आयोजन और विस्तार करना जारी रखें।
- उन्नत सुविधाएँ: प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए इष्टतम स्थितियाँ सुनिश्चित करने के लिए सुविधाओं और उपकरणों को उन्नत करने में निवेश करें।
- सामुदायिक सद्भाव: अतिरिक्त आउटरीच कार्यक्रमों और समर्थन पहलों के माध्यम से समुदाय और छात्र जुड़ाव बढ़ाएँ।

यह चैंपियनशिप मुक्केबाजी के प्रति बढ़ते उत्साह और विश्वविद्यालय स्तर पर खेलों को आगे बढ़ाने के लिए सिक्किम विश्वविद्यालय और सिक्किम सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण थी।

यह चौंपियनशिप मुक्केबाजी के प्रति बढ़ते उत्साह और विश्वविद्यालय स्तर पर खेलों को आगे बढ़ाने के लिए सिक्किम विश्वविद्यालय और सिक्किम सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण थी।

15. अन्य गतिविधियां

समिति/प्रकोष्ठ/फोरम/एसोसिएशन का नाम: एक भारत श्रेष्ठ भारत

अध्यक्ष/समन्वयक/प्रभारी/अध्यक्ष का नाम: डॉ. सुजाता उपाध्याय (नोडल अधिकारी)

सदस्यों का विवरण (केवल सदस्य/कार्यकरी सदस्य)

क्र.सं.	नाम	पदभार	कार्यग्रहण की तिथि	कार्यक्षेत्र
1	डॉ. सुजाता उपाध्याय सह प्राध्यापक, बागवानी विभाग	नोडल अधिकारी	02/11/2021	युग्मित राज्य दिल्ली और युग्मित विश्वविद्यालयों दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के साथ ईबीएसबी सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों का समन्वय और सुविधा प्रदान करना।
2	डॉ. संतोष कुमार, सहायक प्राध्यापक, संगीत विभाग	संयोजक	22/02/2022	नोडल अधिकारी की सहायता करना तथा विश्वविद्यालय स्तर पर तथा युग्मित राज्य एवं युग्मित विश्वविद्यालयों के साथ ईबीएसबी गतिविधियों के आयोजन में सहायता करना
3	डॉ. चुकी भूटिया, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग	सह-संयोजक	22/02/2022	विश्वविद्यालय स्तर पर तथा युग्मित राज्य दिल्ली और युग्मित विश्वविद्यालयों के साथ ईबीएसबी गतिविधियों के आयोजन में समन्वयक की सहायता करना।
4	सुश्री रिनचेन ओंगमू लेप्चा, सहायक प्राध्यापक, लेप्चा विभाग	सह-संयोजक	22/02/2022	-वही-
5	डॉ. समिधा वेदबाला, सहायक प्राध्यापक, संगीत विभाग	सह-संयोजक	22/02/2022	-वही-
6.	प्रोफेसर संध्या थापा, प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य	22/02/2022	विश्वविद्यालय स्तर पर तथा युग्मित राज्य दिल्ली और युग्मित विश्वविद्यालयों के साथ ईबीएसबी गतिविधियों के आयोजन में समिति की सहायता करना।
7.	प्रोफेसर वीनू पंत, प्रोफेसर, इतिहास विभाग	सदस्य	22/02/2022	- वही-
8.	डॉ. बलराम पांडे, सहायक प्राध्यापक, नेपाली विभाग	सदस्य	22/02/2022	-वही-
9.	श्री येशे नामग्याल भूटिया, सहायक प्राध्यापक, भूटिया विभाग	सदस्य	22/02/2022	-वही-
10.	श्री अश बहादुर लिंबू, सहायक प्राध्यापक, लिंबू विभाग	सदस्य	22/02/2022	-वही-
11.	डॉ. पूजा बस्नेत, सहायक प्राध्यापक, जनसंचार विभाग	सदस्य	22/02/2022	-वही-
12.	डॉ. अमित कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक, पर्यटन विभाग	सदस्य	22/02/2022	-वही-
13.	डॉ. जेम्स वी. हाओकिप, सहायक प्राध्यापक,	सदस्य	22/02/2022	-वही-

	मानव विज्ञान विभाग			
14.	श्रीमती आबृति शर्मा, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग	सदस्य	22/02/2022	-वही-

वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/कार्यशाला कार्यक्रम *(प्रत्येक कार्यक्रम की केवल एक तस्वीर उपलब्ध कराएं)*:

क्र.सं.	**कार्यक्रमों का शीर्षक**	**वित्तपोषक एजेंसी**	**तिथि**	**संख्या केवल**		**संयोजक/समन्वयक का नाम**
				संसाधन व्यक्ति	**प्रतिभागी**	
1.	ईबीएसबी के नोडल अधिकारी डॉ. सुजाता उपाध्याय और सिक्किम विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों के 14 छात्रों द्वारा ईबीएसबी अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ऑरोविले फाउंडेशन, पुडुचेरी का दौरा	यात्रा व्यय सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया गया, आवास और भोजन की व्यवस्था ऑरोविले फाउंडेशन, पुडुचेरी द्वारा की गई	29 जनवरी से 2 फरवरी, 2024 तक	22	15 (सिक्किम विश्वविद्यालय) 95 (भारत के 07 विभिन्न संस्थानों से कुल प्रतिभागी)	डॉ. सुजाता उपाध्याय

केवल 01.04.2023 से 31.03.2024 के दौरान प्रकोष्ठ/समिति/फोरम/एसोसिएशन की विस्तृत गतिविधियाँ:

(i) ऑरोविले फाउंडेशन, पुडुचेरी में ईबीएसबी अनुभवात्मक शिक्षण यात्रा पर रिपोर्ट
(29 जनवरी, 2024 से 2 फरवरी, 2024 तक)

सिक्किम विश्वविद्यालय की टीम में एक संकाय यानि डॉ सुजाता उपाध्याय, सह प्राध्यापक और 14 छात्र यानि सुश्री अजया चक्रवर्ती (एमएससी प्रथम सेमेस्टर, मानव विज्ञान विभाग), श्री हिमांशु राज बोरा (पीएचडी प्रथम सेमेस्टर, अंग्रेजी विभाग), श्री निखिल राज खत्री (एमएससी प्रथम सेमेस्टर, भूविज्ञान विभाग), सुश्री सबनम भुजेल (पीएचडी तृतीय सेमेस्टर, हिंदी विभाग), श्री प्रियांश मौर्य (एमए तृतीय सेमेस्टर, इतिहास विभाग), सुश्री सैलिका चामलिंग (पीएचडी तृतीय सेमेस्टर, अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग), श्री फुर शेरिंग लेप्चा (एमए तृतीय सेमेस्टर, लेप्चा विभाग), सुश्री सबित्रा लिंबू (एमए तृतीय सेमेस्टर, लिंबू विभाग), सुश्री गौरी गोगोई (एमबीए तृतीय सेमेस्टर, प्रबंधन विभाग और सामाजिक मामलों के सचिव, सूसा), सुश्री तुलसी छेत्री (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, मास जनसंचार विभाग), श्री प्रीतम घटानी (पीएचडी तृतीय सेमेस्टर, नेपाली विभाग), श्री भार्गव लाहोन (बीएससी वी सेमेस्टर, मनोविज्ञान विभाग), सुश्री रूपाशना राय (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, समाजशास्त्र विभाग), सुश्री सुबेचा छेत्री (पीएचडी प्रथम सेमेस्टर, पर्यटन विभाग) शामिल थे। गंगटोक से यात्रा 26 जनवरी, 2024 की सुबह शुरू हुई और टीम 28 जनवरी, 2024 को देर शाम को ऑरोविले फाउंडेशन, पुडुचेरी पहुँची।

ठहरने की व्यवस्था तमिल हेरिटेज सेंटर (भारत निवास), ऑरोविले फाउंडेशन में की गई थी। कार्यक्रम की शुरुआत 29 जनवरी 2024 को भूमिका हॉल में ऑरोविले फाउंडेशन की सचिव डॉ. जयंती एस. रवि (आईएएस) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके की गई। कार्य समूहों के प्रतिनिधियों, अधिकारी प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों का एक इंटरैक्टिव सत्र था, जहाँ उन्होंने ऑरोविले फाउंडेशन के बारे में अपने विचार साझा किए। प्रतिभागी सात अलग-अलग संस्थानों से थे, यानी सिक्किम विश्वविद्यालय, आईआईटी मंडी, आईआईआईटी सोनीपत, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, एमएनआईटी, जयपुर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, अविनाशिलिंगम इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइंस और हायर एजुकेशन फॉर विमेन। प्रतिभागियों की कुल संख्या 95 थी, जिसमें साथ आए शिक्षक भी शामिल थे। फिर, आगंतुक केंद्र का एक और दौरा हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने ऑरोविले के बारे में एक वृत्तचित्र फिल्म देखी। मातृमंदिर का दृश्य भी वहाँ था, जिसमें मातृमंदिर की अंदरूनी विशेषताएँ और विवरण दिखाए गए थे। इसके बाद भूमिका हॉल में श्री संजीव आर. (युवा और शिक्षा के साथ आर.टी.एल.) के साथ एक सत्र हुआ। फिर आगे के प्रतिभागी साधना वन के लिए रवाना हुए।

दूसरे दिन यानी 30 जनवरी, 2024 को प्रतिभागी श्री मनोज पवित्रन के साथ अनाहत ध्यान के लिए चले गए और एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। प्रतिभागियों

को मातृमंदिर परिसर के अंदर एम्फीथिएटर में ले जाया गया और वहां बताया गया कि इसके मध्य यानी कलश के अंदर 1960 के दशक में इसकी स्थापना के समय 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने अपने देशों की मिट्टी डाली थी और 2018 में 124 देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने उस कलश में अपनी नदियों का पानी डाला था। यह मानव एकता का प्रतीक है। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने मातृमंदिर का दौरा किया। मातृमंदिर ऑरोविले शहर की आत्मा है और बहुत ही सुंदर और शांतिपूर्ण स्थान है। मातृमंदिर के अंदर सभी प्रतिभागी फूलों की संरचना के पास कुछ देर बैठे और बीच में क्रिस्टल बॉल और बहते पानी को रखा। प्रतिभागियों ने ध्यान किया और शांति महसूस की। मातृमंदिर के बाहर 100 साल से अधिक पुराना बरगद का पेड़ है सुश्री श्रीमोई और सुश्री वत्सला के साथ एक संवादात्मक सत्र था। ऑरोविले परिसर के अंदर पोर टूस, फ्रीस्टोर, फूडलिंक और सोलर किचन का दौरा किया गया। फ्रीस्टोर में कोई भी व्यक्ति जो ऑरोविले में स्वयंसेवक के रूप में सेवा करने आता है, वह सुश्री आनंदी द्वारा बताए गए कपड़े/वस्त्र ले जा सकता है। हालाँकि, उन्हें पुराने कपड़े लाने होंगे और उन्हें नए कपड़ों से बदला जा सकता है। फूडलिंक में यह सहकारी समिति का एक रूप है और लोग भत्ते के रूप में मासिक भुगतान करते हैं और वे सचेत रूप से यानी अपनी ज़रूरत के अनुसार भोजन लेते हैं। सोलर किचन में शीर्ष पर एक बड़ा सोलर पैनल देखा गया और वहाँ बड़ी संख्या में लोगों के लिए भोजन पकाया जाता है। फिर श्री टॉयन द्वारा ऑरोविले में सस्टेनेबिलिटी प्रथाओं पर सत्र हुआ और उसके बाद संवादात्मक सत्र हुआ। उन्होंने ऑरोविले के इतिहास के बारे में भी जानकारी दी। मोहनम द्वारा ध्वनि स्नान का आयोजन किया गया। रात के खाने के बाद, साचू में विभिन्न संस्थानों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन यानी गरबा और अन्य प्रदर्शन हुए। सिक्किम विश्वविद्यालय से, श्री हिमांशु राज बोरा ने एक असमिया गीत प्रस्तुत किया। सुश्री सबित्रा लिम्बू ने लिम्बू कविता प्रस्तुत की। उन्होंने श्रोताओं को लिम्बू भाषा के बारे में भी बताया।

तीसरे दिन यानी 31 जनवरी, 2024 को सभी प्रतिभागियों ने खूबसूरत वनस्पति उद्यान का दौरा किया। ऑरोविले का क्षेत्रफल लगभग 5 वर्ग किलोमीटर है। प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार के पौधे, विभिन्न प्रकार के उद्यान, जीवित हेजेज की भूलभुलैया देखी। प्रतिभागियों ने भारत निवास के अंदर इंडिया स्पेस का दौरा किया। भारत निवास में ऑरोविले के निर्माण के लिए हुए विभिन्न विकासों को प्रदर्शित किया गया। यह माँ (श्री अरबिंदो की आध्यात्मिक सहयोगी सुश्री मीरा अल्फासा) का सपना था कि लगभग 50,000 लोग जो उच्च चेतना के स्तर पर चले गए हैं, ऑरोविले के अंदर आकर रहें। वर्तमान में ऑरोविले के अंदर 2000 लोग रहते हैं और वे 65 विभिन्न देशों से हैं। इसके अलावा, श्री ललित द्वारा वास्तुकला पर सत्र था और श्री सुमित द्वारा इकोसर्विस पर सत्र दिया गया था। श्री दरिया और सुश्री मुथुकुमारी ने क्रमशः भूमिका हॉल और साचू में प्रतिभागियों को आंदोलनों और योग पर मार्गदर्शन किया। तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल ने अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों से मुलाकात की। यह वास्तव में एक अद्भुत संवादात्मक सत्र था। सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट रूप से भाग लिया। राज्यपाल महोदया ने इस अवसर पर अपने विचार साझा किए और उन्होंने अपने संघर्ष की यात्रा के बारे में बताकर छात्रों को प्रेरित किया। सिक्किम विश्वविद्यालय की सुश्री तुलसी छेत्री ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया।

फिर "पॉवर इन मी" पर सत्र में श्री राशि बनी के साथ रंगमंच के साधनों का उपयोग करते हुए माँ के गुणों पर आधारित एक अनुभवात्मक कार्यशाला आयोजित की गई। इसके अलावा प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन भी किया गया। सिक्किम विश्वविद्यालय से, सुश्री अजया चक्रवर्ती ने गणेश वंदना पर कथक नृत्य प्रस्तुत किया। सुश्री सबित्रा लिंबू ने एक लिंबू गीत प्रस्तुत किया। श्री निखिल राज खत्री और समूह ने एक नेपाली गीत प्रस्तुत किया। श्री हिमांशु राज बोरा ने असमिया गीत प्रस्तुत किया। सुश्री सबनाम भुजेल ने मारुनी नृत्य प्रस्तुत किया। सुश्री गौरी गोगोई ने भी एक असमिया गीत प्रस्तुत किया। सुश्री तुलसी छेत्री ने शानदार संचालन किया और उन्होंने हिंदी गीत भी गाए। सिक्किम विश्वविद्यालय के सभी छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया और वे पारंपरिक पोशाक पहने हुए थे

अनुभवात्मक शिक्षण के चौथे दिन यानी 1 फरवरी, 2024 को, भाग लेने वाली टीम ऑरोविले के अंदर विभिन्न इकाइयों यानी प्रोबायोटिक्स, स्पाइरुलिना, मैरोमा और वेलपेपर का दौरा करने गई। प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित किया गया था और एक समूह प्रोबायोटिक्स और मैरोमा का निरीक्षण कर सकता था और दूसरा समूह स्पाइरुलिना और वेलपेपर जा सकता था। प्रोबायोटिक्स केंद्र में यह दिखाया गया कि प्रोबायोटिक्स कैसे बनाए जाते हैं और प्रोबायोटिक्स ऑरोविले के बाजार यानी पोर्तस में भी उपलब्ध हैं। मैरोमा में इत्र, सुगंधित छड़ें, सुगंधित शंकु आदि का निर्माण किया जाता है। वेलपेपर में, वे इस्तेमाल किए गए अखबारों और अन्य बेकार कागजों से सुंदर लेख बनाते हैं और इसे बेचते भी हैं। छात्र प्रतिभागियों ने कचरे से सुंदर लेख बनाने के तरीके सीखे। ऑरोविले में काम कर रहे कुछ स्वयंसेवकों ने छात्र प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। स्पाइरुलिना इसके बाद यूनिटी पवेलियन (इंटरैक्शन और शांति हॉल) और सावित्री भवन का दौरा किया गया। सावित्री भवन में प्रतिभागियों को हुता पेंटिंग भी दिखाई गई।

इसके अलावा, सभी प्रतिभागियों ने पुडुचेरी के अरबिंदो आश्रम का दौरा किया और श्री अरबिंदो और माता के समाधि दर्शन किए। श्री प्रवीण द्वारा खेलों के महत्व पर सत्र दिया गया। फिर आश्रम के विपरीत दिशा में स्थित अरबिंदो स्कूल का दौरा किया गया। प्रिंसिपल मैडम के साथ एक संवादात्मक सत्र था। उन्होंने उस स्कूल की कई अनूठी खूबियों को साझा किया कि उनके पास परीक्षा प्रणाली नहीं है और बच्चों की प्रगति पर शिक्षकों द्वारा बारीकी से नज़र रखी जाती है जो अनौपचारिक परीक्षाएँ लेते हैं। शिक्षा स्नातक तक पढ़ाई होती है; हालाँकि, स्कूल कोई प्रमाण पत्र प्रदान नहीं करता है। उनके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उनका स्कूल यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है। फिर प्रतिभागियों को खेल मैदान ले जाया गया। फिर आश्रम सामुदायिक खाद्य सेवा केंद्र का दौरा किया गया। प्रतिभागियों ने प्रोमेनेड बीच का भी दौरा किया।

अंतिम दिन यानी 2 फरवरी, 2024 को श्री हंस द्वारा ताई ची पर सत्र दिया गया, जिसमें उन्होंने ताई ची के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को कुछ आसन

और व्यायाम दिखाए। दोपहर के भोजन के बाद श्री अनैंब द्वारा लय पर सत्र आयोजित किया गया। समापन सत्र आयोजित किया गया, जिसमें ऑरोविले फाउंडेशन की सचिव डॉ. जयंती एस. रवि, उप सचिव और ऑरोविले फाउंडेशन के अन्य अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर प्रतिभागियों और शिक्षकों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। डॉ. सुजाता उपाध्याय, सुश्री तुलसी छेत्री, श्री हिमाग्शु राज बोरा, सुश्री गौरी गोगोई, श्री प्रियांश मौर्य ने ऑरोविले फाउंडेशन की यात्रा के अपने अच्छे अनुभव साझा किए। इसके बाद, प्रतिभागी देशशक्ति मैदान में चले गए और उन्होंने रस्साकशी, फुटबॉल जैसे विभिन्न खेल खेले और आयोजकों द्वारा शारीरिक शिक्षा के महत्व पर जानकारी दी गई।

सांस्कृतिक संध्या में सिक्किम विश्वविद्यालय से श्री भार्गव लाहोन ने सत्रिया नृत्य प्रस्तुत किया। श्री फुर छिरिंग लेप्चा ने लेप्चा गीत प्रस्तुत किया। सुश्री रूपाशना राई और सुश्री तुलसी छेत्री ने भी गीत प्रस्तुत किए। टीम 3 फरवरी, 2024 की सुबह ऑरोविले फाउंडेशन से रवाना हुई और 5 फरवरी, 2024 की शाम को गंगटोक वापस लौट आई। ऑरोविले की यात्रा जिसे "भोर का शहर" भी कहा जाता है, सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए सफल, जानकारीपूर्ण और सार्थक रही। छात्र इस यात्रा से खुश थे और उन्होंने बहुत कुछ सीखा। सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों की समग्र भागीदारी उत्कृष्ट रही। छात्रों ने अन्य संस्थानों के छात्रों के साथ बातचीत की, विचारों का आदान-प्रदान किया और साझा किया।

सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रतिभागी 31 जनवरी, 2024 को साचू, भारत निवास, ऑरोविले में समूह गान प्रस्तुत किए

31 जनवरी, 2024 को सांस्कृतिक प्रदर्शन के बाद सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रतिभागी

2 फरवरी, 2024 को समापन सत्र में डॉ. जयंती एस. रवि, सचिव, ऑरोविले फाउंडेशन, सुश्री सुधा प्रभु, नोडल अधिकारी, ऑरोविले फाउंडेशन और ऑरोविले फाउंडेशन के अन्य अधिकारियों के साथ सभी छात्र प्रतिभागी, सात संस्थानों के संकाय सदस्य

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)

पीठासीन अधिकारी का नाम : प्रो. संध्या थापा, समाजशास्त्र विभाग

समिति/प्रकोष्ठ/फोरम/एसोसिएशन के उद्देश्य/जिम्मेदारी:

सिक्किम विश्वविद्यालय भारत की संसद के एक अधिनियम, 2007 द्वारा स्थापित किया गया था और 2015 में नैक द्वारा मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति है और यौन उत्पीड़न से निपटने के लिए संवैधानिक जनादेश को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह लैंगिक समानता का दृढ़ता से समर्थन करता है और किसी भी प्रकार के लैंगिक भेदभाव, यौन उत्पीड़न और लैंगिक हिंसा का विरोध करता है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम) 2013 की धारा 4 के अनुसरण में, सिक्किम विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन 11 मई 2015 को (दिनांक 11-05-2015 को जारी अधिसूचना संख्या 32/2015 के अनुसार) यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर जांच प्राधिकरण के रूप में कार्य करने और लैंगिक मुद्दों पर छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को संवेदनशील बनाने की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए किया गया है।

सदस्यों का विवरण :

क्र.सं.	नाम	कार्यभार	कार्यग्रहण की तिथि	कार्यक्षेत्र
1.	सुश्री डोन्सी लामा	बाह्य सदस्य	17.05.2022	किसी भी शिकायत, पर्यवेक्षक के मामले में कार्यवाही में भागीदारी और चर्चा
2.	प्रो. प्रवीण मिश्रा	सदस्य	17.05.2022	कार्यक्रम का समन्वय और संगठन, किसी भी शिकायत के मामले में कार्यवाही और संबंधित गतिविधियों में भागीदारी, रिपोर्ट लेखन
3.	डॉ. सोनम यांगचेन भूटिया	सदस्य	17.05.2022	-वही-
4.	डॉ. धृति रॉय	सदस्य	17.05.2022	-वही- एवं कार्यक्रम के दौरान संचालक
5.	डॉ. जेम्स वी. हाओकिप	सदस्य	17.05.2022	-वही-
6.	डॉ सुमनिमा राय	सदस्य	17.05.2022	-वही-
7.	सुश्री कुंजिनी प्रकाश डारनल	सदस्य	17.05.2022	-वही- एवं मीडिया कवरेज
8.	सुश्री पुनम छेत्री	सदस्य	17.05.2022	-वही- एवं कार्यवृत्त तैयार
9.	सुश्री मोनिका लाखन्द्री	सदस्य	17.05.2022	-वही-
10.	सुश्री तनुश्री दास	सदस्य	17.05.2022	-वही-
11.	सुश्री प्रतिमा शर्मा	सदस्य	17.05.2022	-वही-

2023-24 **के दौरान आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/कार्यशाला कार्यक्रम:**

क्र.सं.	कार्यक्रमों का शीर्षक	तिथि	संसाधन व्यक्ति	स्थल	प्रतिभागी	संयोजक/समन्वयक का नाम
1	लैंगिक भूमिकाओं और लैंगिक न्याय पर संवेदनशीलता कार्यक्रम	4.05.2023	प्रोफेसर संचारी रॉय मुखर्जी, अर्थशास्त्र विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी प्रो. अमर पाल सिंह, डीन, विधि विद्यापीठ, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	रापज्योर कावेरी हॉल, सिक्किम विश्वविद्यालय	पीजी छात्र और शोधार्थी	आईसीसी के पीठासीन अधिकारी और सदस्य
2.	कार्यस्थल पर महिलाओं का	15.12.2023	प्रो. (डॉ.) विजय प्रताप तिवारी,	ऑनलाइन माध्यम से	सांविधिक	-वही-

	यौन उत्पीड़न: बहुत कम जानकारी, बहुत कुछ अज्ञात		राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय नागपुर, महाराष्ट्र		अधिकारी, संकाय, शोधार्थी और छात्र.	
3.	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024। थीम: अदृश्य महिलाओं के लिए समावेश को प्रेरित करें मुख्य भाषण: बैंगनी रंग: महिला आकांक्षा	11.03.2023	प्रो. रंजीता चक्रवर्ती, राजनीति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय	रापज्योर कावेरी हॉल, सिक्किम विश्वविद्यालय	सांविधिक अधिकारी, संकाय, शोधार्थी और छात्र	-वही-

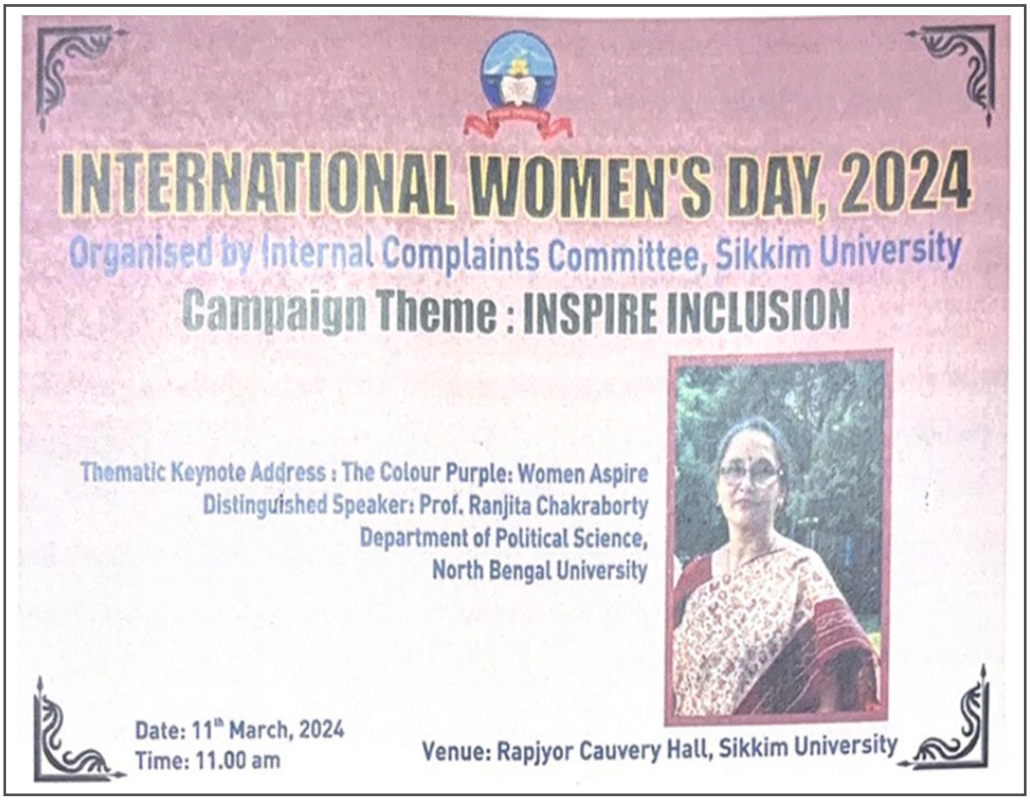

नियुक्ति प्रकोष्ठ

अध्यक्ष/समन्वयक/प्रभारी/अध्यक्ष का नाम: प्रो. अभिजीत दत्ता, वाणिज्य विभाग

क्र.सं.	नाम	कार्यभार	कार्यग्रहण की तिथि	कार्यक्षेत्र
1	डॉ. सुदर्शन तमांग	सदस्य	2017	नियुक्ति
2	डॉ. निहारिका बुरागोहेन	सदस्य	2017	-वही-
3	डॉ. समिधा वेदबाला	सदस्य	2017	-वही-
4	डॉ. कृष्ण मुरारी	सदस्य	2017	-वही-
5	डॉ. मोहन प्रताप प्रधान	सदस्य	2017	-वही-

वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/कार्यशाला कार्यक्रम : लागू नहीं

दिनांक 01.04.2023 से 31.03.2024 के दौरान प्रकोष्ठ/समिति/फोरम/एसोसिएशन की विस्तृत गतिविधियाँ *(प्रकोष्ठ की पहल के माध्यम से छात्रों के प्लेसमेंट पर डेटा सहित):* लागू नहीं

सिक्किम विश्वविद्यालय गैर-शिक्षण कर्मचारी संगठन (सुनत्सा)

अध्यक्ष/समन्वयक/प्रभारी/अध्यक्ष का नाम: श्री दोरजी शेर्पा, सुनत्सा

सदस्यों का विवरण (केवल सदस्य/कार्यकारी सदस्य)

क्र.सं.	नाम	पदभार	कार्यग्रहण की तिथि	कार्यक्षेत्र
1	श्री दोर्जी शेर्पा	अध्यक्ष	20.03.2020	अध्यक्ष- (क) कर्मचारी परिषद और सामान्य निकाय की बैठकों की अध्यक्षता करेगा; (ख) संघ के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण और नियंत्रण रखेगा; और (ग) कर्मचारी परिषद या सामान्य निकाय की आपातकालीन बैठक बुलाने की शक्ति रखेगा।
2	श्रीमती रेशु प्रधान	महासचिव	20.03.2020	महासचिव- (क) संगठन के दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए जिम्मेदार होगा; (ख) अध्यक्ष के परामर्श से बैठकें बुलाएगा; (ग) बैठकों के कार्यवृत्त को रिकॉर्ड करेगा और बनाए रखेगा; (घ) कर्मचारी परिषद के अनुमोदन से अनुमोदित बजट के भीतर व्यय करेगा; (ङ) संगठन की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा और प्रस्तुत करेगा; (च) ऐसे अन्य कर्तव्यों और कार्यों का पालन करेगा जो कर्मचारी परिषद द्वारा उसे सौंपे जाएं।
3	सुश्री छिरिंग डिकी भूटिया	सहायक महा सचिव	20.03.2020	सहायक महासचिव- (क) महासचिव को उसके कर्तव्यों के निर्वहन में सहायता करेगा तथा कर्मचारी परिषद द्वारा सौंपे गए उत्तरदायित्वों का वहन करेगा। (ख) महासचिव द्वारा उसे सौंपे गए कर्तव्यों और कार्यों का पालन करेगा; तथा (ग) महासचिव की अनुपस्थिति में उसके कर्तव्यों और कार्यों का पालन करेगा।
4	श्री बिजय कुमार छेत्री	कोषाध्यक्ष	20.03.2020	कोषाध्यक्ष निम्नलिखित कार्य करेगा- (क) खातों के उचित रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगा; (ख) नकदी की प्राप्तियों, जमाओं और अभिरक्षा के लिए जिम्मेदार होगा; (ग) संघ की ओर से रसीदें जारी करेगा; (घ) मौजूदा वित्तीय कानूनों के अनुसार संघ की आय और व्यय को बनाए रखेगा। (ङ) जीएफआर 2017 के अनुसार संघ की वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट और बजट तैयार करेगा और प्रस्तुत करेगा; और (च) कर्मचारी परिषद द्वारा सौंपे गए कर्तव्यों का पालन करेगा।

5	श्री अरुण थापा	सचिव- सामाजिक एवं सांस्कृतिक	20.03.2020	महासचिव के समग्र पर्यवेक्षण के अधीन अपने कर्तव्यों और कार्यों का निष्पादन करना।
6	श्री बिक्रम थापा श्री पवन लामा श्री रिंजिंग नोर्बु भूटिया श्रीमती मिंगमा एंजी शेर्पा श्रीमती दक्षता लवर सुश्री नेत्र खरेल सुश्री सुजाता छेत्री श्रीमती कल्पना डी. छेत्री श्रीमती रिंकू तामांग	विभिन्न संवर्गों से नौ (9) निर्वाचित सदस्य।	20.03.2020	सुनत्सा के लक्ष्य और उद्देश्यों को प्राप्त करने में स्टाफ काउंसिल का मार्गदर्शन करना

स्वयम

स्थिति एवं प्रगति:

40% स्वयम पाठ्यक्रम अपनाए गए

शैक्षणिक परिषद ने विश्वविद्यालय के सभी विभागों के लिए संपूर्ण पाठ्यक्रम का 40% हिस्सा स्वयम से लेने को मंजूरी दे दी है। स्वयं से छात्रों द्वारा अर्जित क्रेडिट को अंकपत्र में स्थानांतरित करने की व्यवस्था को शैक्षणिक परिषद ने पहले ही मंजूरी दे दी है। पाठ्यक्रम को सितंबर 2024 में लागू किया गया था।

स्वयम सलाहकारों से संवाद

स्वयम समिति ने दिसंबर 2023 में नए स्वयम पाठ्यक्रमों के विकास पर चर्चा करने के लिए विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के विभिन्न विभागों के स्वयम सलाहकारों के साथ एक संवाद सत्र का आयोजन किया। सत्र में क्रेडिट आवंटन और क्रेडिट संग्रह जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एनईपी 2020 के चार वर्ष: सिक्किम विश्वविद्यालय के कार्यान्वयन की समीक्षा

सिक्किम विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने में सबसे आगे रहा है। वर्ष 2019 में मसौदा नीति जारी होने के बाद से विश्वविद्यालय ने एनईपी से संबंधित चर्चाओं में सक्रिय भागीदारी दिखाई है। 2021 के सितंबर महीने में सिक्किम विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए 15 समर्पित सदस्यों वाली एक समिति का गठन किया। इसके अतिरिक्त, 5 अक्टूबर, 2021 को 15 उपसमितियों का गठन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों और स्तरों के संकाय सदस्यों का प्रतिनिधित्व था। इन उपसमितियों ने एनईपी 2020 के विभिन्न घटकों पर चर्चा और विचार-मंथन में मदद की। सिक्किम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आयोजित गतिविधियों का अवलोकन नीचे दिया गया है और साथ ही रिपोर्ट में एनईपी 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला गया है।

एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए आयोजित गतिविधियाँ:

सिक्किम विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कई गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इनमें शामिल हैं:

एनईपी 2020 को समझने पर वेबिनार: दिनांक 8 अगस्त, 2020 को सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा "एनईपी 2020 को समझना" शीर्षक से एक वेबिनार आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य संकायों, छात्रों और हितधारकों को नीति के बारे में जानकारी देना था। इसके अतिरिक्त, सिक्किम विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग ने 14 अगस्त, 2021 को "एनईपी 2020 का एक वर्ष - उच्च शिक्षा में कार्यान्वयन के लिए समीक्षा और रणनीति" पर एक वेबिनार आयोजित किया।

सीईएसएस बैंगलोर के साथ सहयोग: सिक्किम विश्वविद्यालय ने 8 दिसंबर 2021 को बैंगलोर में शैक्षिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य एनईपी 2020 के कार्यान्वयन में सीईएसएस से मार्गदर्शन और समर्थन प्राप्त करना है।

क्षमता निर्माण पर कार्यशाला: दिनांक 8-10 दिसंबर 2021 को सिक्किम विश्वविद्यालय ने सीईएसएस बैंगलोर के सहयोग से एनईपी कार्यान्वयन में क्षमता निर्माण पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य कार्यान्वयन प्रक्रिया में शामिल हितधारकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना था।

संकाय विकास कार्यक्रम: एनईपी समिति ने राष्ट्रीय शिक्षा, योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए, दिल्ली) के सहयोग से 12-16 दिसंबर, 2022 तक ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों के डिजाइन, विकास और वितरण पर दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

लर्निंग आउटकम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा पर कार्यशाला: सिक्किम विश्वविद्यालय ने सीईएसएस, बैंगलोर के सहयोग से 28 और 29 मार्च, 2023 को लर्निंग आउटकम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

मूल्यांकन के साथ सीखने के परिणामों को संरेखित करने पर कार्यशाला: सिक्किम विश्वविद्यालय ने सीईएसएस, बैंगलोर के सहयोग से 7-8 फरवरी 2024 को मूल्यांकन के साथ सीखने के परिणामों को संरेखित करने पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यान्वयन की मुख्य बातें:

सिक्किम विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के कार्यान्वयन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। निम्नलिखित मुख्य बातें एनईपी के लक्ष्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं:

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम: सिक्किम विश्वविद्यालय चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू करने वाले पहले विश्वविद्यालयों में से एक है। सितंबर 2022 में छात्रों का पहला बैच नामांकित होगा। स्नातक डिग्री और ऑनर्स या रिसर्च के साथ चौथे वर्ष के एफ़वाईयूपी कार्यक्रम के पहले बैच का स्नातक होना जुलाई 2026 के लिए निर्धारित है, जो एक ऐतिहासिक क्षण है।

राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ़) के अनुसार पाठ्यक्रम संशोधन: सिक्किम विश्वविद्यालय ने यूजीसी द्वारा राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क दस्तावेज़ के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को अद्यतन करने का बड़ा काम किया है। यह सुनिश्चित करता है कि सिक्किम विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र एनईपी 2020 को लागू करने वाले अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों की तुलना में समान या उससे भी अधिक क्रेडिट अर्जित करें। संकाय सदस्य पाठ्यक्रम को संशोधित करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

शिक्षण आउटकम-आधारित पाठ्यचर्या : सिक्किम विश्वविद्यालय में स्नातक (यूजी)और स्नातकोत्तर (पीजी) दोनों पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम संशोधन यूजीसी के लर्निंग आउटकम-बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ़) दिशानिर्देशों के अनुरूप है। पाठ्यक्रम संशोधन ने कार्यक्रम और पाठ्यक्रम परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया है, जो छात्र-केंद्रित शिक्षण और अधिगम की गतिविधियों को बढ़ावा देता है, नियमित मूल्यांकन और मूल्यांकन सुनिश्चित करता है, और निरंतर कार्यक्रम सुधार का लक्ष्य रखता है।

एकाधिक प्रवेश और निकास: सिक्किम विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम संरचना शुरू की है जो छात्रों को एकाधिक प्रवेश और निकास विकल्प प्रदान करती है।

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम: विभिन्न विषयों में ज्ञान में भारतीय योगदान, साइबर सुरक्षा और वैश्विक नागरिकता जैसे मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम जोड़े गए, विश्वविद्यालय लेप्चा भूटिया और लिंबू जैसी स्वदेशी भाषाओं का संचालन कर रहा है।

अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट: वर्ष 2021 में सिक्किम विश्वविद्यालय ने अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) के साथ पंजीकरण कराया। यह पहल अकादमिक रिकॉर्ड को सुरक्षित भंडारण और आसान पहुंच सुनिश्चित करती है। आज तक, 12,9460 से अधिक छात्रों ने एबीसी के साथ पंजीकरण कराया है।

स्वयम के माध्यम से एमओओसी : सिक्किम विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर स्वयम प्लेटफ़ॉर्म से पूरे कार्यक्रम में पाठ्यक्रम का 40% शामिल करने के लिए यूजीसी के दिशा-निर्देशों को लागू किया है। स्वयम के माध्यम से संचालित किए जाने वाले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से छात्रों के अकादमिक रिकॉर्ड में क्रेडिट ट्रांसफर के लिए दिशा-निर्देश स्थापित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक इस पहल के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करता है, जिसमें विभागीय स्वयम समन्वयक छात्रों को स्वयम पाठ्यक्रमों में नामांकन में सहायता करते हैं।

उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए तत्परता: सिक्किम विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण को लागू करने के लिए सक्रिय रूप से तैयारी कर रहा है, जो विदेशी छात्रों को हमारे विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा तक पहुँच प्रदान करेगा। सिक्किम विश्वविद्यालय पहले से ही भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के छात्रों को प्रवेश दे रहा है। दिल्ली और पड़ोसी देशों के छात्रों को सीधे प्रवेश दिया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए पसंदीदा गंतव्यों में से एक बनने के लिए, उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नियम विकसित किए गए हैं। यह पहल हमारे संकाय और छात्रों के बीच अंतर्राष्ट्रीय दक्षताओं को बढ़ावा देगी, उन्हें एक मजबूत भारतीय पहचान के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में आकार देगी।

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पहल का कार्यान्वयन: सिक्किम विश्वविद्यालय भी प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पहल को लागू करने के लिए कमर कस रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न उद्योगों और अन्य कुशल पेशेवरों को अपने ज्ञान और अनुभव को हमारे छात्रों के साथ साझा करने के लिए आमंत्रित करके उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। यूजीसी के माध्यम से भारत सरकार द्वारा की गई यह अभूतपूर्व पहल एक सर्वांगीण शिक्षा प्रदान करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस पहल के लिए आवश्यक नियमों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ की स्थापना: शोध की उत्पादकता को बढ़ावा देने और उद्योग, सरकारी संगठनों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने तथा गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाने के लिए सिक्किम विश्वविद्यालय ने अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह समर्पित प्रकोष्ठ सहयोग को बढ़ावा देने तथा शोध परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण प्राप्त करने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। आरएंडडी प्रकोष्ठ के कामकाज को नियंत्रित करने वाले नियम तैयार किए गए हैं।

एनईपी सारथी : भारत में उच्च शिक्षा में बदलाव लाने के लिए अकादमिक सुधारों के लिए छात्र राजदूत। विश्वविद्यालय और सभी संबद्ध कॉलेजों ने पहले ही एनईपी सारथी को नामित कर दिया है।

वर्ष 2023-2024 के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

आईक्यूएसी का गठन: [31.08.2019 से 26.03.2024]

1	कुलपति	सिक्किम विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2	प्रो. शांति एस. शर्मा	वनस्पति विज्ञान विभाग	निदेशक
3	कुलसचिव	सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
4	वित्त अधिकारी	सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
5	परीक्षा नियंत्रक	सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
6	न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ए.पी. सुब्बा	पूर्व न्यायाधीश, सिक्किम उच्च न्यायालय, गंगटोक	सदस्य
7	प्रो. नवल के. पासवान	शांति और द्वंद्व अध्ययन एवं प्रबंधन विभाग	सदस्य
8	प्रो. सुबीर मुखोपाध्याय	भौतिकी विभाग	सदस्य
9	डॉ. कृष्ण मुरारी,	प्रबंधन विभाग	सदस्य
10	डॉ. मोहन पी. प्रधान	कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग	सदस्य
11	डॉ. सुरेश कुमार गुरुंग	संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक), सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
12	डॉ. धृति रॉय	चीनी विभाग	सदस्य
13	डॉ. मिंगमा थेंडुप शेरपा	सिक्किम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र	सदस्य
14	श्री पुर्बा हांग सुब्बा	सिक्किम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र	सदस्य

आईक्यूएसी का गठन: [27.03.2024 से 31.03.2024]

1	कुलपति	सिक्किम विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2	प्रो. सुबीर मुखोपाध्याय	भौतिकी विभाग	संयोजक
3	परीक्षा नियंत्रक	सिक्किम विश्वविद्यालय	सदस्य
4	श्री दिवाकर बस्नेत	उद्यमी और सामाजिक प्रभावक	सदस्य
5	प्रो भोज कुमार आचार्य	प्राणी विज्ञान विभाग	सदस्य
6	प्रो नीतीश मंडल	मानव विज्ञान विभाग	सदस्य
7	डॉ. राकेश कुमार रंजन	भूविज्ञान विभाग	सदस्य
8	प्रो सुबीर मुखोपाध्याय	भौतिकी विभाग	सदस्य
9	श्रीमती ग्रेस डी. चंकापा	उप कुलसचिव (स्थापना)	सदस्य
10	डॉ. बुद्धिमान तमांग	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	सदस्य
11	डॉ. अनिरा फ़िपोन लेप्चा	इतिहास विभाग	सदस्य
12	डॉ. पूजा बस्नेत	जनसंचार विभाग	सदस्य
13	डॉ. कनगराज के.	प्रोफेसर, शिक्षा विभाग	सदस्य
14	श्री ज़ुबेन शेरपा	सिक्किम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र	सदस्य
15	श्री समरन गुरुंग	पीएचडी छात्र, विधि विभाग	सदस्य

वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/कार्यशाला कार्यक्रम: लागू नहीं

दिनांक 01.04.2023 से 31.03.2024 के दौरान प्रकोष्ठ /समिति/फोरम/एसोसिएशन की विस्तृत गतिविधियाँ:

1. आईक्यूएसी ने एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 में भागीदारी के लिए जानकारी एकत्र और संकलित की। आवेदन फरवरी 2024 में प्रस्तुत किया गया।
2. नैक मान्यता के दूसरे चक्र की तैयारी चल रही है। इस संदर्भ में, वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22 के लिए वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर)प्रस्तुत की गई हैं।
3. आई.क्यू.ए.सी. से जुड़े कुछ संकाय सदस्यों ने विश्वविद्यालय में विभिन्न संकाय पदों के लिए भर्ती के लिए स्क्रीनिंग समिति के सदस्यों के रूप में और कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सी.ए.एस.) के तहत विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों की पदोन्नति के लिए ए.पी.आई. गणना समिति के सदस्यों के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन किया।

32वें नेपाली भाषा मान्यता दिवस एवं भानु स्मरण दिवस के अवसर पर
श्रीमती दिलकुमारी भंडारी को सम्मानित करते पूर्व कुलपति प्रो. अविनाश खरे।

जी–20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम का समापन समारोह

सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में माननीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति

सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में माननीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह श्रोताओं को संबोधित करते हुए

सिक्किम विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग द्वारा सामाजिक विकास में सूक्ष्म जीव विज्ञान के योगदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

पद्मश्री से सम्मानित प्रोफेसर एकलव्य शर्मा को उनके योगदान के सम्मान में सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया

प्रेस क्लिपिंग्स

सिक्किम विश्वविद्यालयमा एनईपी २०२० को कार्यान्वयनः एक व्यापक अवलोकन

गान्तोक, २१ जुलाई। सिक्किम विश्वविद्यालयले आज यहाँ पत्रकार सम्मेलन आयोजना गरी तीन वर्षको राष्ट्रिय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० बारे मिडियालाई जानकारी गराएको छ। सम्मेलनलाई सिक्किम विश्वविद्यालयका उपकुलपति प्रो. अविनाश खरेले सम्बोधन गरेका थिए। सिक्किम विश्वविद्यालय राष्ट्रिय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० लागू गर्न अग्रपङ्क्तिमा रहेको छ। विश्वविद्यालयले २०१९ मा मस्यौदा नीति जारी गरेदेखि नै एनईपी सम्बन्धित छलफलहरूमा सक्रिय संलग्नता देखाएको छ। सेप्टेम्बर २०२१ मा सिक्किम विश्वविद्यालयले एनईपी २०२० को कार्यान्वयनको लागि १५ समर्पित सदस्य सम्मिलित एउटा समिति स्थापना गरेको थियो। यस अतिरिक्त, ५ अक्टोबर, २०२१ मा विभाग र स्तरहरूमा सङ्काय सदस्यहरूको प्रतिनिधित्वसहित १५ उपसमिति गठन गरियो। यी उपसमितिहरूले एनईपी २०२० का विभिन्न घटकहरूमाथि छलफल गर्न र विचार-मन्थन गर्न सहयोग पुऱ्याए।

कार्यान्वयन प्रक्रियालाई सहयोग पुर्याउन धेरै गतिविधिहरू सञ्चालन गरियो। यसमा सङ्काय, विद्यार्थी र सरोकारवालाहरूलाई नीतिसँग परिचित गराउन वेबिनार आयोजना गर्ने, शैक्षिक तथा सामाजिक अध्ययन केन्द्र (सीईएसएस), बेङ्गलोरसँग मार्गदर्शन तथा समर्थनको लागि एमओयूमा प्रवेश गर्ने अनि सरोकारवालाहरूको ज्ञान र एनईपी कार्यान्वयनमा कौशलहरू अभिवृद्धि गर्न क्षमता निर्माण कार्यशाला सञ्चालन गर्ने समावेश थियो। सिक्किम विश्वविद्यालयमा कार्यान्वयनका मुख्य विशेषताहरूमा चार वर्षको स्नातक पाठ्यक्रमको शुरुआत सामेल छ, जसले यसलाई यो कार्यक्रम अपनाउने पहिलो विश्वविद्यालयहरूमध्ये एक बनाएको छ। विश्वविद्यालयले नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) को आधारमा स्नातक र स्नातकोत्तर पाठ्यक्रममा पनि संशोधन गरेको छ, यसले विद्यार्थीहरूले एनईपी २०२० लागू गर्ने अन्य संस्थाहरूको तुलनामा तुलनात्मक वा अधिक क्रेडिट आर्जन गर्ने सुनिश्चित गर्न सकिनेछ। यस अतिरिक्त, विश्वविद्यालयले सिकाउने परिणाममा आधारित पाठ्यक्रम अपनाएको छ, स्नातक र स्नातकोत्तर दुवै तहका सबै पाठ्यक्रमहरूको पाठ्यक्रम निर्दिष्ट सिकाइ परिणामहरू पूरा गर्ने सुनिश्चित गर्दै तयार गरिएको छ। सिक्किम विश्वविद्यालयले विद्यार्थीहरूको शैक्षिक यात्रामा लचिलोपनको अनुमति दिँदै विद्यार्थीहरूका लागि धेरै प्रवेश र निकास विकल्प पनि लागू गरेको छ। उल्लेखनीय रूपमा सिक्किम विश्वविद्यालयले चिनियाँ जस्ता स्वदेशी र पूर्वीय भाषाहरूमा पाठ्यक्रम प्रदान गर्दछ।

सिक्किम विश्वविद्यालयले नेशनल एकाडेमिक डिपोजिटरी र एकाडेमिक ब्याङ्क अफ् क्रेडिटमा पञ्जीकरण गरेको छ, जसले सुरक्षित रूपमा भण्डारण गर्दछ र शैक्षिक रेकर्डहरूमा सहज पहुँच प्रदान गर्दछ। विश्वविद्यालयले स्वयं मञ्चमा एमओओसीएस मार्फत क्रेडिट स्थानान्तरणका लागि प्रावधानहरू सहित सम्पूर्ण कार्यक्रमको ४० प्रतिशत पाठ्यक्रम प्रस्ताव गर्न एनईपी दिशानिर्देश पनि लागू गरेको छ।

सिक्किम विश्वविद्यालयले विदेशी विद्यार्थीहरूलाई स्वागत जनाएर उच्च शिक्षालाई अन्तर्राष्ट्रियकरण गर्न सक्रिय रूपमा तयारी गरिरहेको छ। सङ्काय र विद्यार्थीहरूबीच विश्वव्यापी दक्षता बढाउने उद्देश्यले अन्तर्राष्ट्रियकरणको लागि नियम विकसित गरिएको छ। विश्वविद्यालयले शिक्षाको गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न उद्योग विज्ञहरूलाई आमन्त्रित गर्दै प्राध्यापक अभ्यास पहल पनि कार्यान्वयन गरिरहेको छ। यस अतिरिक्त, अनुसन्धान उत्पादकता र सहकार्यलाई बढावा दिन अनुसन्धान र विकास कक्ष स्थापना गरिएको छ। विश्वविद्यालय अनुसन्धान र नवीनतालाई अगाडि बढाउन प्रतिबद्ध छ। सिक्किम विश्वविद्यालयको सक्रिय दृष्टिकोण, सहयोगी प्रयास र एनईपी २०२० को सफल कार्यान्वयनले उच्च शिक्षालाई रूपान्तरण गर्ने र यसका विद्यार्थीहरूका लागि समावेशी, गुणस्तरीय सिकाइको माहोल सिर्जना गर्ने आफ्नो प्रतिबद्धतालाई उजागर गर्दछ।

Sikkim University in forefront of NEP implementation, says VC

ISABELLA GURUNG

GANGTOK, July 21: Sikkim University vice chancellor Prof. Avinash Khare has maintained that since the implementation of National Education Policy (NEP) 2020, Sikkim University has been in the forefront of implementing the national policy. Sikkim University has shown proactive engagement with NEP-related discussions since the release of the draft policy in 2019, he said on Friday.

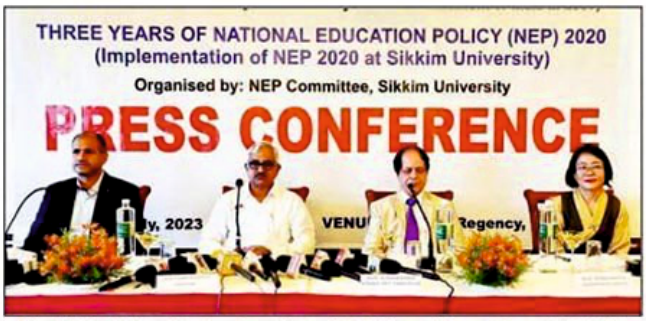

The Sikkim University vice chancellor and officials speaking to the media. SE Pic

The Sikkim University vice chancellor was addressing the media here on the occasion of the third year of National Education Policy (NEP) 2020.

"We are here today to celebrate the third anniversary of NEP 2020. The policy was started by the Union Cabinet of India on July 29, 2020, with Dr. K Kasturirangan as the chairperson. The policy outlines the vision of the new education system of India. The idea was to revamp the education system, as it is necessary with the change in time. The last revamp of the education policy was in 1986," expressed Prof. Khare.

Prior to the implementation of NEP 2020, suggestions were also taken from the general public and the education policy was thoroughly scrutinised. In September 2021, Sikkim University established a committee comprising 15 dedicated members for the implementation of NEP 2020.

Additionally, 15 sub-committees were formed on October 5, 2021, with representation from faculty members across the departments and various levels. These sub-committees helped in discussing and brainstorming various components of NEP 2020.

Since then, several activities were conducted to support the NEP implementation process. These included organizing webinars to familiarize faculty, students, and stakeholders with the policy, entering into a MoU with the Centre for Educational and Social Studies (CESS), Bangalore for guidance and support, and conducting capacity-building workshops to enhance stakeholders' knowledge and skills in NEP implementation, shared Prof. Khare.

NEPCSU chairperson Prof Yodida Bhutia, highlighting the progress of NEP 2020 in Sikkim University, informed that Sikkim University was talking about NEP 2020 since 2019, when the 300-page draft document was introduced. She further stated that the NEP 2020 is now a 60-page document.

"Sikkim University is the first university in the region to introduce and adopt the four-year undergraduate course in 2022. It will be a historic moment as in July 2024 Sikkim University will have the first honors and research batch graduates. The four-year undergraduate course allows exit and entry, so that students, especially women, who are unable to continue their course/or take a gap can take advantage, allowing flexibility in their education journey. This will also be beneficial as there will be no or very less dropouts. The fourth year honors and research graduates can also directly apply for PhD," said Yodida.

The university has also undertaken the revision of undergraduate and postgraduate curricula based on the National Credit Framework (NCrF), ensuring students earn comparable or more credits compared to other institutions implementing NEP 2020.

The curricula should be learner-centric and outcome-based. Furthermore, the university has adopted a learning outcome-based curriculum, ensuring that syllabi for all courses at both undergraduate and postgraduate levels are designed to meet specified learning outcomes, informed the vice chancellor.

It was further informed that Sikkim University has registered with the National Academic Depository and the Academic Bank of Credits, which securely stores and provides easy access to academic records. The university has also implemented UGC guidelines to offer 40 per cent courses of the entire programme through MOOs on the SWAYAM platform, with provisions for credit transfer.

"This will lead to minimum to no fake mark sheet rackets that are common in India. It will also be beneficial as it will be easier for students to transfer between universities. So far, 12960 students have already registered," said the VC.

Sikkim University is actively preparing to internationalize higher education by welcoming foreign students. Regulations for internationalization have been developed, aiming to foster global competencies among faculty and students. "Through this, students will get exposure and opportunity to go abroad and students from abroad can come to Sikkim University," said Prof. Yodida.

The university is also implementing the Professor of Practice initiative, inviting industry experts to enhance the quality of education. People with experience and without NET can come and teach students, based on their experience. The aim is to bring practicals to the classroom. We have opened applications for journalism, as of now, informed VC Khare.

Additionally, a Research and Development Cell has been established to boost research productivity and collaboration. The university is committed to advancing research and innovation, it was informed.

An NEP 2020 Sarathi has also been established where we have appointed three students. UGC will directly contact the Sarathis, informed Yodida.

Sikkim University's proactive approach, collaborative efforts, and successful implementation of NEP 2020 highlight its commitment to transforming higher education and creating an inclusive, quality-driven learning environment for its students. The main challenges in the beginning were logistic support and infrastructure. Structuring the programme was also challenging but we conducted various seminars and webinars with CESS Bangalore for guidance, it was mentioned.

Notably, Sikkim University offers courses on indigenous and oriental languages like Chinese. Furthermore, the university is planning to introduce Buddhist studies. The programme was proposed by the State government and the university is planning to sign a MoU with Namgyal Institute of Tibetology.

It was further informed that the term of vice chancellor Prof. Avinash Khare has been extended to July 31, 2024.

It was also informed that the three non-laboratory based schools will be shifted to the permanent campus at Yangang, South Sikkim by the end of the year. So far, three languages departments i.e. Bhutia, Limboo and Lepcha were shifted to the Yangang campus last year.

गान्तोकमा एसयूमा एनईपी कार्यान्वयनमाथि विचार-मन्थन आयोजित

एनईपी कार्यान्वयन गर्न एसयू अग्रगामी रहेको छः उपकुलपति खरे

पत्रकार सम्मेलनलाई सम्बोधन गर्दै सिक्किम विश्वविद्यालयका उपकुलपति प्रोफेसर अविनाश खरे, एनईपीसीएसयूकी अध्यक्ष प्रोफेसर योडिडा भोटिया र अन्य।

देव दर्जी

गान्तोक, २१ जुलाईः राष्ट्रिय शिक्षा नीति कमिटी सिक्किम विश्वविद्यालय (एनईपीसीएसयू)-ले राजधानी गान्तोकमा राष्ट्रिय शिक्षा नीतिको तीन वर्ष (सिक्किम विश्वविद्यालयमा एनईपी २०२० को कार्यान्वयन)-माथि पत्रकार सम्मलेन आयोजन गरेको छ।

कार्यक्रमलाई सम्बोधन गर्दै सिक्किम विश्वविद्यालयका उपकुलपति प्रोफेसर अविनाश खरेले एनईपी २०२० कार्यान्वयन गर्न सिक्किम विश्वविद्यालय अग्रगामी रहेको बताए। विश्वविद्यालयले २०१९ मा मस्यौदा नीति जारी गरेदेखि नै एनईपी-सम्बन्धी छलफल गर्न सक्रिय संलग्नता देखाएको बताए। "एनईपी लागू गर्नुका उद्देश्य भने भारतका युवाहरूलाई समावेशी र समान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित गर्नु हो।" भारतले युरोपेली गति नियम खोज गर्नअघि नै त्यस्ता खोज वा आविष्कारहरू गरिसकेको जनाउँदै खरेले भने, "भारतले स्वतन्त्रता प्राप्तकालदेखि तीन-चारचोटि शिक्षा नीति पुनर्गठन गरिसकेको छ। अन्तिम पुनर्गठन १९८६ मा गरिएको थियो। विभिन्न हितधारक, जनताका सुझाउ र विज्ञहरूको सुझाउपछि यो लागू गरेको छ। यो नीति २०३० सम्म पूर्ण रूपमा लागू गर्ने लक्ष्य राखिएको छ।" कार्यान्वयन प्रक्रियालाई समर्थन गर्न विभिन्न गतिविधि आयोजन गरेको बताउँदै खरेले भने, "सङ्काय सदस्य, विद्यार्थी र हितधारक सदस्यहरूलाई वेबिनारमार्फत नीतिबारे अवगत गरायौँ। मार्गदर्शन र सहयोगका लागि शैक्षिक तथा सामाजिक अध्यय, बेङ्गलुरु (सीईएसएस)-सँग सम्झौता (एमओयू) गर्‍यौँ। यसका साथै हितधारकहरूलाई एनईपी कार्यान्वयनमाथि जानकारी अभिवृद्धि र कौशल विकास गर्न क्षमता विकास कार्यशाला आयोजन गरेका छौँ।"

एनईपीसीएसयूकी अध्यक्ष प्रोफेसर योडिडा भोटियाले निर्दिष्ट शिक्षा परिणाम सकारात्मक रूपमा पूरा गर्न स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तरमा पाठ्यक्रम सुनिश्चित गर्न अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम अङ्गीकृत गरेको बताइन्। उनले भने, "सिक्किम विश्वविद्यालयले विद्यार्थीहरूको शैक्षिक यात्रामा लचिलोपन प्रदान गर्दै बहुप्रवेश तथा निकास विकल्प शुरु गरेका छौँ।" आफ्नो अध्ययनबीचैमा छोड्का विद्यार्थीहरूको सङ्ख्या बढेको हुनाले उक्त विकल्प कार्यान्वयन गरेको उनले बताइन्। यस विषयमाथि थप जोड दिँदै भोटियाले भनिन्, "सिक्किम विश्वविद्यालय चार वर्षे स्नातक स्तरको कोर्स शुरु गर्ने पहिलो विश्वविद्यालय भएको छ। हामीले उक्त कोर्स २०२२ देखि शुरु गरेका छौँ। हामी एसयूले जुलाई, २०२६ मा उक्त चारवर्षे कोर्स समाप्त गरेको ऐतिहासिक क्षण पनि देख्नेछौँ। एनईपी २०२० कार्यान्वयन गर्ने अन्य संस्थानको तुलनामा विद्यार्थीहरूले अधिक वा समान क्रेडिट प्राप्त गरुन् भनी सुनिश्चित गर्न विश्वविद्यालयले

➡ रहल पृष्ठ ७ मा

एनईपी कार्यान्वयन गर्न...

राष्ट्रिय क्रेडिट ढाँचा (एनसीआरएफ)–को आधारमा स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रममा संशोधन गरेको छ।'' भोटियाले कसैले पारिवारिक समस्या र अन्य कारणले आफ्नो अध्ययन गर्न नसकेको स्थिति पनि आइपर्नसक्ने र त्यस्ता विद्यार्थीहरूलाई केन्द्र गरी चारवर्षे कोर्स शुरु गरेको बताइन्। पहिलो वर्षको अध्ययन सिद्ध्याएर पढ्न छोड्ने विद्यार्थीले प्रमाणपत्र पाउने, दोस्रो वर्षको अध्ययन गरेर पढ्न छोड्ने विद्यार्थीले डिप्लोमा कोर्सको प्रमाणपत्र पाउने, तेस्रो वर्षको अध्ययन गरेर पढ्न छोड्ने विद्यार्थीले ब्याचलर कोर्सको प्रमाणपत्र पाउने बताइन्। उनले विद्यार्थीहरूले एसयूले सिक्किमका स्थानीय भाषासहित चिनियाँजस्ता पूर्वीय भाषा अध्ययन गर्न सक्ने पनि बताइन्।

उपकुलपति खरेले सिक्किम विश्वविद्यालय राष्ट्रिय शैक्षणिक डिपोजिटरी र एकाडेमिक ब्याङ्क अफ् क्रेडिटसँग पञ्जीकरण गरेको, जसले सहजै रूपमा शैक्षणिक आँकड़ा र जानकारी संरक्षण गर्ने तथा सहज पहुँच प्रदान गर्ने बताए। यसका साथै एकाडेमिक ब्याङ्क अफ् क्रेडिटले जाली प्रमाणपत्र बनाउने प्रक्रियालाई नियन्त्रण गर्नसक्ने बताए। उनले भने, ''यसले विद्यार्थीहरूलाई विश्वविद्यालयबीच स्थानान्तरण गर्न सजिलो हुने भएकाले यो लाभदायक पनि हुनेछ। हालसम्म १२,९६० विद्यार्थीले पञ्जीकरण गरिसकेका छन्।''

कार्यक्रमलाई सम्बोधन गर्दै एनईपीसीएसयूकी अध्यक्ष भोटियाले विदेशी विद्यार्थीहरूलाई अध्ययन हेतु अवसर प्रदान गर्न इन्टरनेशनलाइज हायर एजुकेशन कार्यान्वयन गर्ने तयारी गरेको र २५ प्रतिशत सीट विदेशी विद्यार्थीका लागि आरक्षित गर्ने पनि बताइन्। उनले प्रोफेसर अफ् प्रयाक्टिस, रिसर्च एण्ड डेभलपमेन्ट सेलसहित अन्य विषयमाथि पनि सम्बोधन गरिन्।

कार्यक्रममा तीन गैर–प्रयोगशाला आधारित विद्यालयहरू वर्षको अन्त्यसम्म दक्षिण सिक्किमको याङ्गाङमा स्थायी क्याम्पसमा स्थानान्तरण गरिने र अहिलेसम्म भोटिया, लिम्बू र लेप्चा गरी तीनवटा स्थानीय भाषाको विभागलाई गत वर्ष याङ्गाङ क्याम्पसमा स्थानान्तरण गरिएको पनि सूचित गरियो। कार्यक्रमलाई पञ्जीकार केभीएस कामेश्वर राव, एनईपीसीएसयूका सदस्य सचिव डा. अमितकुमार गुमाले पनि सम्बोधन गरेका थिए।

सिक्किम विश्वविद्यालय बौद्ध अध्ययनको थालनी गर्ने तयारीमा

गान्तोक, २१ जुलाई। सिक्किम विश्वविद्यालयले भारत सरकारद्वारा जारी गरिएको राष्ट्रीय शिक्षा नीतिलाई सही ढङ्गमा कार्यान्वयन गरेको बताएको छ। आज राजधानीको जिरोपोइन्टस्थित एक होटलमा आयोजित पत्रकार सम्मेलनलाई सम्बोधन गर्दै सिक्किम विश्वविद्यालयका उपकूलपति अभिनाष खरेले वर्ष २०२१ देखि राष्ट्रीय शिक्षा नीतिलाई व्यवहारमा ल्याएको बताए। यसलाई व्यवहारमा ल्याउन भन्दा अघि २०१९मा एक ड्राफ्ट पठाइएको र त्यसपछि राष्ट्रीय शिक्षा नीतिलाई लिएर एक समिति गठन गरिएको बताए। उक्त समितिले विभिन्न विषयमा गहिरो अध्ययन र छलफल गरेपछि २०२१ देखि व्यवहारमा ल्याएको जानकारी गराए। उनले विशेष गरेर तीन वर्षको अवधिमा राष्ट्रीय शिक्षा नीति अन्तर्गत शिक्षाको क्षेत्रमा देखापरेको सुधार र प्रगतिबारे पनि अवगत गराए। उनले जानकारी गराए अनुसार सिक्किम विश्वविद्यालयले विभिन्न प्रकारको नयाँ कोर्स शुरू गर्ने योजना बनाएको छ भने यसै अन्तर्गत मास्टर बुद्धिस्ट स्टडी शुरू गर्ने भएको छ। यस कोर्सको निम्ति एसयूले नामग्याल इन्सटीट्यूट अफ् टिबेटोलजीको सहयोग लिने पनि उनले थप बताएका छन्। यसबाहेक पनि एसयूले एकाडमिक व्याङ्क अफ् क्रेडिट शुरू गर्ने निश्चित रहेको छ। विशेष गरेर एकाडमिक्स व्याङ्क अफ् क्रे डिटको माध्यमद्वारा विद्यार्थीहरूको सम्पूर्ण रेकर्ड सुरक्षित गर्नको साथै सजिलै प्राप्त गर्न सकिने प्रावधान रहेको जानकारी गराए।

Successful National Education Policy must have Whatever is expected of Younger Generation : Vice Chancellor Khare

NITANIRASH

Gangtok, July 21: The Sikkim University having implemented the New National Education Policy 2020, made public on Friday, the activities undertaken since its very inception. The Vice – Chancellor, Avinash Khare, highlighted the main objective of the Central Government for introducing the New National Education policy, across the nation.

'Successful education policy must be consistent with all the changes happening. We look at our policy as also the changes taking place in the society and see what society expects, every 20-25 years. The Education policy of India, has been revamped time and again, since Independence, last time it was done in 1986.

It is necessary that the policy changes to bring in what we expect from the younger generation,' said Vice Chancellor Khare.

The VC,cappreciated the process adopted for framing the NEP.

'It has been a gigantic effort, to frame the policy with the participation of common man and the stakeholders, through suggestions and executive deliberations,' added Khare. He said NEP also reminds us that India has not been lagging behind, in Knowledge System.

Chairperson of the NEP, Prof. Yodida Bhutia, speaking about the progress of Implementation, said the Sikkim University started with the draft itself of NEP in 2019.

'Sikkim University is the First University to start 4 years Undergraduate courses. The course has flexibility. Bachelor's degree can be had after completing 3 years course, diploma after Two years. It avoids lots of wastage that took place earlier due to drop outs. Research, on curriculum, is being carried out in all the Post Graduate Departments, Studies should be learner oriented', said Bhutia. 'University, has adopted 'Learning outcome-bases curriculam. It is done to ensure given learning outcomes. Multiple entry and exit choice has been given to students, courses on indigenous and oriental languages' said Chairperson Bhutia.

Sikkim University, registered with the National Academic Depository & Academic Bank of Credits, with security stores and provides easy access to academic records. That leaves no place for fraud. Students can get back to see their degrees till 7 years. Now, the students can avail of the facility to pursue and complete 40% of the courses Online, according to the Vice Chancelor joined by Chairperson.

Dr KVS Kameswara Rao, stated that stress is being given to 'Indian Knowledge System 'keeping with the NEP 2020, in Sikkim University. 'We have been practicing without knowing its importance, it has to be done scientifically and is being pursued, by the students. SU has done remarkable progress,' said Rao.

Dr Amit Kumar Gupta, Member Secretary, NEP implementation Committee SU, said the Indigenous languages being taught include Lepcha, Limboo and Bhutia, while one oriental language, Chinese is also being taught'.

On the whole Sikkim University has carried out the implementation of New National Policy, very seriously during the past three years.

Sikkim University among the first to adopt 4-year UG course

GANGTOK, JULY 21/--/ Sikkim University has been one of the first universities to adopt the four-year undergraduate course, Vice Chancellor of the university Avinash Khare told reporters in Gangtok on Friday.

"The university has also undertaken the revision of undergraduate and postgraduate curricula based on the National Credit Framework (NCrF), ensuring students earn comparable or more credits compared to other institutions implementing New Education Policy 2020," he said.

Speaking on "Three years of National Education Policy (NEP) 2020," he said Sikkim University had been at the forefront of implementing the NEP 2020. A committee comprising 15 dedicated members had been set up by the university to implement NEP 2020. Additionally, 15 subcommittees were formed on October 5, 2021, with representation from faculty members across departments and levels. These subcommittees helped in discussing and brainstorming various components of NEP 2020.

The university has adopted a learning outcome-based curriculum, ensuring that syllabi for all courses at both undergraduate and postgraduate levels were designed to meet specified learning outcomes. Sikkim University had also implemented multiple entry and exit options for students, allowing flexibility in their educational journey. Notably, Sikkim University offered courses on indigenous and oriental languages like Chinese. (PIB)

Sikkim University shares experience of 3 years of implementing National Education Policy

SUMMIT REPORT
GANGTOK, 21 JUL:

Sikkim University Vice Chancellor, Prof Avinash Khare, today shared details about the implementation of National Education Policy at Sikkim University. He stated that a proactive approach, collaborative effort and successful implementation of NEP 2020 highlights the University's commitment to transforming higher education and creating an inclusive, quality-driven learning environment for its students.

Addressing a press conference here on Friday, Prof Khare informed that the National Education Policy was declared on 29 July 2020 and complete three years next week. He believes that NEP 2020 was necessary because it is important to reassess the education policy every 20 to 25 years to prioritise the needs of the younger generation and the nation.

NEP 2020, he stated, was a bold step taken by the Central government and a gigantic task and effort.

Prof Khare claimed that Sikkim University was the first university in Sikkim to implement NEP 2020.

He mentioned that Sikkim University had set up a committee comprising 15 dedicated members for the implementation of NEP 2020 in September 2021 and 15 subcommittees were formed on 05 October 2021, with representation from faculty members across departments and at different levels.

These subcommittees helped in discussing and brainstorming various components of NEP 2020. He also shared about various other initiatives taken by the university for the successful implementation of NEP 2020.

Speaking about the implementation of NEP 2020 at SU, Chairperson NEPCSU, Prof Yodida Bhutia stated that the university has displayed proactive engagement with NEP-related discussions since the release of the draft policy in 2019.

She informed that several activities were held to support the implementation process, including webinars to familiarize faculty, students and stakeholders with the policy, entering into an MoU with the Centre for Educational and Social Studies (CESS), Bangalore for guidance and support and conducting capacity-building workshops to enhance stakeholders' knowledge and skills in NEP implementation.

Prof Bhutia mentioned that as part of the implementation, Sikkim University introduced a four-year undergraduate course, making it one of the first universities to

...turn Pg3

Sikkim University shares experience...

Contd from pg1

adopt this programme. She added that the university has also undertaken revision of undergraduate and postgraduate curricula based on the National Credit Framework ensuring students earn comparable or more credits than other institutions implementing NEP 2020.

She mentioned that the university has adopted a learning outcome-based curriculum, ensuring that syllabi for all courses, at both undergraduate and postgraduate levels, are designed to meet specified learning outcomes.

"Sikkim University has also implemented multiple entry and exit options for students, allowing flexibility in their educational journey. Notably, Sikkim University offers courses on indigenous and oriental languages like Chinese," she said.

Prof Bhutia mentioned that Sikkim University has registered with the National Academic Depository and the Academic Bank of Credits, which securely stores and provides easy access to academic records.

She informed that a total of 12,960 students have registered for the Academic Bank of Credits thus far, adding that the university has also implemented UGC guidelines to offer 40 percent courses of the entire programme through MOOCs on the SWAYAM platform, with provision for credit transfer.

Prof Bhutia mentioned that Sikkim University was also actively preparing to internationalize higher education by welcoming foreign students. She informed that regulations for internationalization have been developed which aims to foster global competencies among faculty and students.

She informed that the university was also implementing the Professor of Practice initiative by inviting industry experts to enhance the quality of education. Under this initiative, experts can take classes in the university from their experience.

She added that a Research and Development Cell has been established to boost research productivity and collaboration, which shows the commitment of the university to advancing research and innovation.

सिक्किम विश्वविद्यालयमा अन्तरराष्ट्रिय सम्मेलन आयोजित

गान्तोक, २१ नोभेम्बर। समुदाय, पाठ्यचर्चा र मौखिकताको परस्पर क्रियाः इतिहास, संस्कृति र समाजमा तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य– माथि दतख द्विवार्षिक अन्तरराष्ट्रिय सम्मेलन २० र २२ नोभेम्बर, २०२३ बीच सिक्किम विश्वविद्यालयमा आयोजना भइरहेको छ। अङ्ग्रेजी विभागद्वारा आयोजित सम्मेलनको उद्घाटन समारोह २० नोभेम्बर, २०२३ मा आयोजित भएको थियो। यो समारोहमा सिक्किम सरकारका शिक्षा मन्त्री कुङ्गा निमा लेप्चाको उपस्थिति रहेको थियो। उक्त जानकारी पीआईबीले प्रेस विज्ञप्तिमा दिएको छ। एक राष्ट्रको रूपमा भारत उत्तरपूर्वी क्षेत्रहरूका जटिल सांस्कृतिक सम्पदाहरूले धेरै समृद्ध भएको छ। उत्तरपूर्वी भारतका बहुभाषी राज्यहरू शान्तिपूर्ण सहअस्तित्वका अनुकरणीय मोडल हुन्। लघुकथा, उपन्यास, नाटक र आधुनिक गीत जस्ता साहित्यका आधुनिक विधामा उनीहरूका उपलब्धिहरू महत्त्वपूर्ण र उत्कृष्ट छन्। जलवायु परिवर्तन र पारिस्थितिक संकटको यो समयमा उत्तरपूर्वी लेखकहरूले पृथ्वीमा आधारित मानवतावादको सार पुनः प्राप्ति गर्ने तरिकामा धेरै प्रस्तावहरू छन्। अन्तरराष्ट्रिय सम्मेलनको उद्देश्य भारतको बहुलवादी राष्ट्रको सांस्कृतिक र भौगोलिक रूपमा विविध हिस्साहरूसँगको भिन्नता, निरन्तरता र एकताको सम्बन्धलाई ध्यानमा राख्दै पूर्वोत्तरका अतीत र प्रचलित साहित्यिक तथा सांस्कृतिक परम्पराहरूद्वारा प्रदान गरिने सम्भावनाहरूको खोजी गर्नु हो। तीन दिवसीय सम्मेलनको आयोजन सिक्किम विश्वविद्यालयको अङ्ग्रेजी विभागले भारतीय तुलनात्मक साहित्य सङ्घ (सीएलएआई) को सहयोग र राष्ट्रिय अनुवाद मिशन, सीआईआईएल, मैसूर र इन्स्टिट्युट अफ् ल्याङ्ग्वेज स्टडिज एण्ड रिसर्च, कोलकाता र साहित्य अकादमीको सहयोगमा गरिरहेको छ।

सिक्किम विश्वविद्यालयमा एनईपी २०२० को कार्यान्वयन: एक व्यापक अवलोकन

सिक्किम विश्वविद्यालयले राष्ट्रिय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) मा आधारित स्नातक र स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम परिमार्जन गर्दछ

गान्तोक, २१ जुलाई (हि.स.)। सिक्किम विश्वविद्यालयले आज यहाँ पत्रकार सम्मेलन आयोजना गरी तीन वर्षको राष्ट्रिय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० बारे मिडियालाई जानकारी गराएको छ। सम्मेलनलाई सिक्किम विश्वविद्यालयका उपकुलपति प्रो. अविनाश खरेले सम्बोधन गरेका थिए।

सिक्किम विश्वविद्यालय राष्ट्रिय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० लागू गर्न अग्रपङ्क्तिमा रहेको छ। विश्वविद्यालयले २०१९ मा मस्यौदा नीति जारी गरेदेखि नै एनईपी सम्बन्धित छलफलहरूमा सक्रिय संलग्नता देखाएको छ। सेप्टेम्बर २०२१ मा सिक्किम विश्वविद्यालयले एनईपी २०२० को कार्यान्वयनको लागि १५ सदस्यीय सम्मिलित एउटा समिति स्थापना गरेको थियो। यस अतिरिक्त, ५ अक्टोबर, २०२१ मा विभाग र स्तरहरूमा सङ्काय सदस्यहरूको प्रतिनिधित्वसहित १५ उपसमिति गठन गरियो। यी उपसमितिहरूले एनईपी २०२० का विभिन्न घटकहरूमाथि छलफल गर्न र विचार-मन्थन गर्न सहयोग पुऱ्याए। कार्यान्वयन प्रक्रियालाई सहयोग पुऱ्याउन धेरै गतिविधिहरू सञ्चालन गरियो। यसमा सङ्काय, विद्यार्थी र सरोकारवालाहरूलाई नीतिसँग परिचित गराउन वेबिनार आयोजना गर्ने, शैक्षिक तथा सामाजिक अध्ययन केन्द्र (सीईएसएस), बेङ्गलोरसँग मार्गदर्शन तथा समर्थनको लागि एमओयूमा प्रवेश गर्ने अनि सरोकारवालाहरूको ज्ञान र एनईपी कार्यान्वयनमा कौशलहरू अभिवृद्धि गर्न क्षमता निर्माण कार्यशाला सञ्चालन गर्ने समावेश थियो। सिक्किम विश्वविद्यालयमा कार्यान्वयनका मुख्य विशेषताहरूमा चार वर्षको स्नातक पाठ्यक्रमको शुरुआत सामेल छ, जसले यसलाई यो कार्यक्रम अपनाउने पहिलो विश्वविद्यालयहरूमध्ये एक बनाएको छ। विश्वविद्यालयले नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) को आधारमा स्नातक र स्नातकोत्तर पाठ्यक्रममा पनि संशोधन गरेको छ, यसले विद्यार्थीहरूले एनईपी २०२० लागू गर्ने अन्य संस्थाहरूको तुलनामा तुलनात्मक वा अधिक क्रेडिट आर्जन गर्ने सुनिश्चित गर्न सकिनेछ। यस अतिरिक्त, विश्वविद्यालयले सिकाउने परिणाममा आधारित पाठ्यक्रम अपनाएको छ, स्नातक र स्नातकोत्तर दुवै तहका सबै पाठ्यक्रमहरूको पाठ्यक्रम निर्दिष्ट सिकाइ परिणामहरू पूरा गर्ने सुनिश्चित गर्दै तयार गरिएको छ। सिक्किम विश्वविद्यालयले विद्यार्थीहरूको शैक्षिक यात्रामा लचिलोपनको अनुमति दिँदै विद्यार्थीहरूका लागि धेरै प्रवेश र निकास विकल्प पनि लागू गरेको छ। उल्लेखनीय रूपमा सिक्किम विश्वविद्यालयले चिनियाँ जस्ता स्वदेशी र पूर्वीय भाषाहरूमा पाठ्यक्रम प्रदान गर्दछ।

सिक्किम विश्वविद्यालयले नेशनल एकाडेमिक डिपोजिटरी र एकाडेमिक ब्याङ्क अफ् क्रेडिटमा पञ्जीकरण गरेको छ, जसले सुरक्षित रूपमा भण्डारण गर्दछ र शैक्षिक रेकर्डहरूमा सहज पहुँच प्रदान गर्दछ। विश्वविद्यालयले स्वयं मञ्चमा एमओओसीएस मार्फत क्रेडिट स्थानान्तरणका लागि प्रावधानहरूसहित सम्पूर्ण कार्यक्रमको ४० प्रतिशत पाठ्यक्रम प्रस्ताव गर्न एनईपी दिशानिर्देश पनि लागू गरेको छ। सिक्किम विश्वविद्यालयले विदेशी विद्यार्थीहरूलाई स्वागत जनाएर उच्च शिक्षालाई अन्तर्राष्ट्रियकरण गर्न सक्रिय रूपमा तयारी गरिरहेको छ। सङ्काय र विद्यार्थीहरूबीच विश्वव्यापी दक्षता बढाउने उद्देश्यले अन्तर्राष्ट्रियकरणको लागि नियम विकसित गरिएको छ। विश्वविद्यालयले शिक्षाको गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न उद्योग विज्ञहरूलाई आमन्त्रित गर्दै प्राध्यापक अभ्यास पहल पनि कार्यान्वयन गरिरहेको छ। यस अतिरिक्त, अनुसन्धान उत्पादकता र सहकार्यलाई बढावा दिन अनुसन्धान र विकास कक्ष स्थापना गरिएको छ। विश्वविद्यालय अनुसन्धान र नवीनतालाई अगाडि बढाउन प्रतिबद्ध छ। सिक्किम विश्वविद्यालयको सक्रिय दृष्टिकोण, सहयोगी प्रयास र एनईपी २०२० को सफल कार्यान्वयनले उच्च शिक्षालाई रूपान्तरण गर्ने र यसका विद्यार्थीहरूका लागि समावेशी, गुणस्तरीय सिकाइको माहोल सिर्जना गर्ने आफ्नो प्रतिबद्धतालाई उजागर गर्दछ।

SU special lecture on Gut Dysbiosis

GANGTOK, 30 MAY [PIB]: A special lecture, 'Dysbiosis- How to deal with it,' was organised by Sikkim University on 30 May at the Tourism Hall here with Vice Chancellor, Prof Avinash Khare, as chief guest.

Dr Neerja Hajela, General Secretary on Activities of Gut Microbiota & Probiotic Science Foundation (India), gave a brief presentation on the activities of the Gut Microbiota & Probiotic Science Foundation (India).

Padma Bhushan Prof NK Ganguly, former Director General of ICMR and President of Gut Microbiota & Probiotic Science Foundation (India), delivered the lecture on 'Dysbiosis- How to deal with it'.

Prof Ganguly mentioned that the overall health of an individual is determined by the microbiota in our gut. Prof. Ganguly also spoke on the disease Alzheimer's and how Probiotics can cure it and he also very specifically mentioned that probiotics can also help cure depression. Prof. Ganguly mentioned the importance of taking fermented foods to help keep an individual healthy.

The lecture session was followed by an interactive session.

Vice Chancellor Prof Avinash Khare in his address expressed his gratitude to Prof. Ganguly on his deliberation on probiotics. He also congratulated Senior Prof. Jyoti Prakash Tamang, Head of the Dept. Of Microbiology on organising the lecture.

The programme was attended by faculty members, staff, students and members of the medical fraternity of Sikkim.

Special lecture at Sikkim University

GANGTOK, MAY 30/--/ Special lecture on 'Dysbiosis- How to deal with it' was organised by Sikkim University today at the Tourism Hall, Gangtok. Vice- Chancellor Prof. Avinash Khare attended the program as Chief- Guest.

Dr. Neerja Hajela, General Secretary on Activities of Gut Microbiota & Probiotic Science Foundation (India), gave a brief presentation on the activities of the Gut Microbiota & Probiotic Science Foundation (India).

Padma Bhushan Prof. N. K. Ganguly,FNA, FNASc, FASc, former Director General of ICMR & President of Gut Microbiota & Probiotic Science Foundation (India) delivered the lecture on ' Dysbiosis- How to deal with it'. Prof. Ganguly mentioned that the overall health of an individual is determined by the microbiota in our gut. Prof. Ganguly also spoke on the disease Alzhimers and how Probiotics can cure it and he also very specifically mentioned that probiotics can also help cure depression. Prof. Ganguly mentioned the importance of taking fermented foods to help keep an individual healthy.The lecture session was followed by an interactive session.

Vice-Chancellor Prof. Avinash Khare in his address expressed his gratitude to Prof. Ganguly on his deliberation on probiotics.

He also congratulated Senior Prof. Jyoti Prakash Tamang, Head of the Dept. Of Microbiology on organising the lecture. The programme was attended by faculty members, staff, students and members of the medical fraternity of Sikkim. (PIB)

Sikkim University holds special lecture on dysbiosis

SE Report

GANGTOK, May 30: A special lecture on 'Dysbiosis- How to deal with it' was organised by Sikkim University today at Paryatan Bhawan here. Vice chancellor Prof. Avinash Khare attended the program as the chief guest.

Dr. Neerja Hajela, general secretary (activities) of Gut Microbiota & Probiotic Science Foundation (India), gave a brief presentation on the activities of the Foundation, informs a press release.

Padma Bhushan Prof. N. K. Ganguly, former director general of ICMR and President of Gut Microbiota & Probiotic Science Foundation (India), delivered the lecture on 'Dysbiosis- How to deal with it'. Prof. Ganguly mentioned that the overall health of an individual is determined by the microbiota in our gut. Prof. Ganguly also spoke on the disease Alzheimer's and how probiotics can cure it and he also very specifically mentioned that probiotics can also help cure depression. Prof. Ganguly mentioned the importance of taking fermented foods to help keep an individual healthy.

The lecture session was followed by an interactive session.

Vice chancellor Prof. Avinash Khare expressed his gratitude to Prof. Ganguly on his deliberation on probiotics, and congratulated Senior Prof. Jyoti Prakash Tamang, head of the Department of Microbiology, for organising the lecture.

The programme was attended by faculty members, staff, students and members of the medical fraternity of Sikkim.

International Conference at Sikkim University

Gangtok, November 21(PIB): The XVI Biennial International Conference on "Interplay of Community, Textuality and Orality: Comparative Perspectives on History, Culture and Society" is being held at Sikkim University from 20th and 22nd November, 2023. The inaugural function of the Conference being organized by the Department of English was held on 20th November 2023. The function was graced by Kunga Nima Lepcha, Minister of Education, Govt. of Sikkim as the chief guest.

India as a nation has been greatly enriched by the complex cultural heritages of the northeastern regions. The multilingual states of North East India have been exemplary models of peaceful co- existence. Their achievements in modern forms of literature such as the short story, the novel, drama and modern lyric have been vital and outstanding. In these times of climate change and ecological crisis, the northeastern writers have much to offer by way of recovering the essence of an earth- bound humanism. The International Conference aims at exploring the possibilities offered by the past and prevailing literary and cultural traditions of the Northeast, keeping in view their relations of difference, continuity and unity with culturally and geographically diverse parts of the plural nation of India.

The three days Conference is being organized by the Department of English, Sikkim University in association with Comparative Literature Association of India (CLAI) and in collaboration with National Translation Mission, CIIL, Mysore and Institute of Language Studies and Research, Kolkata and Sahitya Akademi.

Nepali Bhasa Manyata Diwas celebrated at Sikkim University

SE Report

GANGTOK, August 20: The 32nd Nepali Bhasa Manyata Diwas celebrated at Sikkim University today. Dil Kumari Bhandari, former Member of Parliament, was present as the chief guest on the occasion.

Dil Kumari Bhandari, in her address, elaborated on the struggle for including Nepali language in the 8th Schedule of the Indian Constitution. The former Sikkim Lok Sabha MP was one of the pioneer leaders in the historical struggle for recognition of Nepali as one of the Indian languages of the country, informs a PIB release.

Vice chancellor Prof. Avinash Khare, who presided over the day-long program, congratulated the department of Nepali for organising an engaging and vibrant programme on the occasion. He also mentioned the importance of language and the role it plays in the transmission of culture and tradition.

To commemorate the occasion, a series of cultural dance performances, group song presentations and poetry recitation by the staff and students of the university were organised. The day also marked the 207th Bhanu Smaran Diwas at the university and the students of the department of Nepali presented the rendition of the Ramayana. Bhanubhakta Acharya is a celebrated Nepali poet who is well known for his translation of the epic Ramayana into Nepali besides his other well-known writings.

Invited poets from Sikkim and Darjeeling, namely, Gopal Dhakal, Deepa Rai, Adarsh Milan Pradhan and Norzang Syangden, also presented their poems.

A journal published by the department of Nepali, 'Anusandhan,' was also released on the occasion.

32nd Nepali Bhasha Manyata Diwas and Bhanu Smaran Diwas celebrated at Sikkim University

GANGTOK, AUG 20/--/The '32nd Nepali Bhasha Manyata Diwas and hanu Smaran Diwas' was celebrated at Sikkim University on 20th August 2023. Smt. Dil Kumari Bhandari, former Member of Parliament, was present as the Chief Guest on the occasion. Vice Chancellor Prof. Avinash Khare presided over the day-long program. Smt. Bhandari in her address elaborated on the struggle for including Nepali language in the 8th Schedule of the Indian Constitution. Smt. Bhandari was one of the pioneer leaders in the historical struggle for gaining recognition of Nepali as one of the Indian languages of the country.

Vice Chancellor Prof. Avinash Khare in his address congratulated the department of Nepali for organising an engaging and vibrant programme on the occasion. He also mentioned the importance of language and the role it plays in the transmission of culture and tradition.

To commemorate the occasion, a series of cultural performances, group song presentations, poetry recitation by the staff and students of the University were organised. The day also marked the 207th Bhanu Smaran Diwas at the University and the students of the department of Nepali presented the rendition of the Ramayana. Bhanubhakta Acharya is a celebrated Nepali poet who is well known for his translation of the epic Ramayana into Nepali besides his other well known writings.

Invited poets from the state of Sikkim and Darjeeling Shri Gopal Dhakal, Smt. Deepa Rai, Shri Adarsh Milan Pradhan and Shri Norzang Syangden also presented their poems. A journal published by the Department of Nepali-Anusandhan was also released on the occasion. (PIB)

SU hosts national conference on 'Contribution of Microbial Science for Societal Development'

GANGTOK, 16 DEC [PIB]: A national conference on 'Contribution of Microbial Science for Societal Development', sponsored by Science and Engineering Research Board (SERB), Department of Science and Technology, Govt. of India, was organized on 15 December by the Department of Microbiology, Sikkim University.

The inaugural session of the Conference was graced by the presence of Vice-Chancellor of Sikkim University Prof. Avinash Khare, Prof. Amulya Panda, former Director of National Institute of Immunology and Associate Director Panacea Ltd. New Delhi, Senior Professor Jyoti Prakash Tamang, Prof. Laxuman Sharma, Dean School of Life Sciences Sikkim University, Dr. Nagendra Thakur, Head, Department of Microbiology and Dr. B.M. Tamang, Organizing Secretary.

The keynote lecture was delivered by Prof. Amulya Panda, on Vaccines beyond Pathogens and mentioned about how vaccines have been evolved over the years, and how corona vaccine was discovered, since Prof. Panda was one of the eminent immunologists who worked for corona vaccine.

Prof Khare congratulated the Department of Microbiology on successfully organizing a conference on a relevant topic and appreciated the efforts of the Department of Microbiology in standing out in the area of research and high-quality publication.

The Organising Chairman Prof. Tamang highlighted the scope of microbiology in many aspects of daily life including food production, human wellness, health care, biodegradation, etc. for the societal development. Prof. Laxuman Sharma, Dr. Thakur, Dr. B.M. Tamang also addressed the gathering. Dr. Bimala Singh, Assistant Professor thanked all guests, and dignitaries.

The invited speakers Prof. Keshab Chandra Mondal of Vidyanagar University, Dr. Shanti Bhusan Senapati, Scientist E from Institute of Life Sciences-Bhuvneshwar, Prof. Dechen C. Tshering of Sikkim Manipal Institute of Medical Sciences including PhD students of Department of Microbiology of SU, IBSD and SMIMS delivered lectures in respective fields of microbiology.

Dr Namrata Thapa, Head, Department of Zoology, NBBGC-Tadong and Dr. K. Jeyaram, Scientist-in-charge of IBSD chaired the technical sessions. Dr. Anil Kumar Verma, Assistant Professor of Department of Microbiology expressed the vote of thanks to Chairpersons of technical sessions and speakers.

Sikkim University holds national conference on 'Contribution of Microbial Science for Societal Development'

SE Report

GANGTOK, December 16: A national conference on 'Contribution of Microbial Science for Societal Development' was organized by the Department of Microbiology, Sikkim University on December 15. The conference was sponsored by Science and Engineering Research Board (SERB), Department of Science and Technology, Government of India, informs a press release.

The key note lecture was delivered by Prof. Amulya Panda, former director of National Institute of Immunology and associate director of Panacea Ltd., New Delhi, on "Vaccines beyond Pathogens". He mentioned how vaccines have been evolved over the years and how corona vaccine was discovered. Prof. Panda was one of the eminent immunologists who worked for corona vaccine.

Vice-chancellor Prof. Avinash Khare congratulated the Department of Microbiology on successfully organizing a conference on a relevant topic and appreciated the efforts of the Department of Microbiology in standing out in the area of research and high-quality publication.

Organising chairman Prof. Jyoti Prakash Tamang highlighted the scope of microbiology in many aspects of daily life including food production, human wellness, health care, biodegradation, etc. for the societal development.

Prof. Laxuman Sharma, dean, School of Life Sciences, Sikkim University; Dr. Nagendra Thakur, head, Department of Microbiology; and Dr. B.M. Tamang, organising secretary, also addressed the gathering.

The invited speakers Prof. Keshab Chandra Mondal of Vidyanagar University, Dr. Shanti Bhusan Senapati, scientist E, from Institute of Life Sciences-Bhuvneshwar, Prof. Dechen C. Tshering of Sikkim Manipal Institute of Medical Sciences and PhD students of Department of Microbiology of SU, IBSD and SMIMS delivered lectures in respective fields of microbiology.

Dr. Namrata Thapa, head, Department of Zoology, NBBGC-Tadong, and Dr. K. Jeyaram, scientist-in-charge of IBSD, chaired the technical sessions.

National Conference at Sikkim University

GANGTOK, DEC 16 /--/ National Conference on 'Contribution of Microbial Science for Societal Development', sponsored by the Science and Engineering Research Board (SERB), Department of Science and Technology, was organized on December 15 by the Department of Microbiology.

The Inaugural session of the Conference was graced by the presence of Vice-Chancellor of Sikkim University Prof. Avinash Khare, Prof. Amulya Panda, former Director of National Institute of Immunology and Associate Director Panacea Ltd. New Delhi, Senior Professor Jyoti Prakash Tamang, Prof Laxuman Sharma, Dean School of Life Sciences Sikkim University, Dr Nagendra Thakur, Head, Department of Microbiology and Dr B M Tamang, Organizing Secretary. The key note lecture was delivered by Prof. Amulya Panda, on Vaccines beyond Pathogens and mentioned about how vaccines have evolved over the years, and how the corona vaccine was discovered, since Prof Panda was one of the eminent immunologists who worked for the corona vaccine. Prof Khare congratulated the Department of Microbiology on successfully organizing a conference on a relevant topic and appreciated the efforts of the Department of Microbiology in standing out in the area of research and high-quality publication. The Organising Chairman Prof Tamang highlighted the scope of microbiology in many aspects of daily life including food production, human wellness, health care, biodegradation, etc. for societal development. Prof Laxuman Sharma, Dr Thakur, Dr B M Tamang also addressed the gathering. Dr Bimala Singh, Assistant Professor thanked all guests, and dignitaries. The invited speakers Prof Keshab Chandra Mondal of Vidyanagar University, Dr Shanti Bhusan Senapati, Scientist E from Institute of Life Sciences-Bhuvneshwar, Prof Dechen C. Tshering of Sikkim Manipal Institute of Medical Sciences including PhD students of the Department of Microbiology of SU, IBSD and SMIMS delivered lectures in respective fields of microbiology. Dr. Namrata Thapa, Head, Department of Zoology, NBBGC-Tadong and Dr K Jeyaram, Scientist-in-charge of IBSD chaired the technical sessions. Dr Anil Kumar Verma, Assistant Professor of the Department of Microbiology expressed the vote of thanks to Chairpersons of technical sessions and speakers. (PIB)

Sikkim University felicitates Padma Shri Prof. Eklabya Sharma

SE Report

GANGTOK, March 12: Department of Botany, Sikkim University organized the felicitation of Padma Shri recipient Prof. Eklabya Sharma and a seminar on "Understanding the Biodiversity of Eastern Himalaya: Challenges and the Way Forward" today at the Cauvery Hall of the University.

Dr. Eklabya Sharma, who was conferred Padma Shri this year, is the Strategic Advisor and Distinguished Fellow of Ashoka Trust for Research in Ecology and the Environment (ATREE), Bangalore, India. He is an ecologist with over 40 years of expertise in sustainable development of the Himalayan region. He is globally known for his pioneering research in the Himalaya, science diplomacy for regional cooperation and advocacy for the global mountain agenda, informs a press release.

Dr. Sharma received many awards such as 'Young Scientist Medal' of the Indian National Science Academy in 1988, Vishisht Vaigyanik Puraskar from the Ministry of Environment, Forests and Climate Change in 1995 and 'Honourable Mention Paper Award' from Soil and Water Conservation Society, USA in 1999. He received the 'Excellence Award' for contributions in Science and Environment towards development of modern India from Sikkim University and the Government of Sikkim in 2017. In 2024, he was awarded with the fourth highest civil award of the country, Padma Shri, in Science and Engineering category, by the Government of India. Dr. Sharma, is the

Fellow of the Indian National Science Academy (INSA) and Fellow of the National Academy of Sciences, India (NASI).

In recognition of his achievements, Sikkim University vice-chancellor Prof. Avinash Khare felicitated Prof. Eklabya Sharma in the presence of S.D. Dhakal, secretary to the Chief Minister, Govt. of Sikkim; Prof. S.R. Joshi, Dept. of Biotechnology and Bioinformatics, North eastern Hill University, Shillong; faculty members, staff and students of Sikkim University.

Prof. Sharma delivered a keynote address on 'Biodiversity and Climate Change in the Hindu Kush Himalaya'. Prof. S.R.Joshi delivered a lecture on 'Macrofungal Science and *Bioeconomy from* North- east India Perspectives'.

Prof. Avinash Khare congratulated Shri Prof. Eklabya Sharma on his achievements and wished him success in all his future endeavours.

Sikkim University felicitates Padma Shri Prof Eklabya Sharma

GANGTOK, 12 MAR [PIB]: The Department of Botany, Sikkim University, organized the felicitation of Padma Shri Prof Eklabya Sharma and seminar on "Understanding the Biodiversity of Eastern Himalaya: Challenges and the Way Forward," on 12 March at Cauvery Hall of the University.

Dr Eklabya Sharma, Padma Shri Awardee of 2024, is the Strategic Advisor and Distinguished Fellow of Ashoka Trust for Research in Ecology and the Environment (ATREE), Bangalore, India. He is an ecologist with over 40 years of expertise in sustainable development of the Himalayan region. He is globally known for his pioneering research in the Himalaya, science diplomacy for regional cooperation and advocacy for the global mountain agenda.

Dr Sharma received many awards such as Young Scientist Medal of the Indian National Science Academy in 1988; Vishisht Vaigyanik Puraskar from the Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India in 1995; Honorable Mention Paper Award from the Soil and Water Conservation Society, USA in 1999. He received the "Excellence Award" for contributions in Science and Environment towards development of Modern India from Sikkim University and the Government of Sikkim in 2017. In 2024 he was awarded with the fourth highest civil award of the country, Padma Shri in Science and Engineering category, by the Government of India. Dr. Sharma, is the Fellow of the Indian National Science Academy (INSA) and Fellow of the National Academy of Sciences, India (NASI).

In recognition of his achievements, Vice Chancellor Prof. Avinash Khare felicitated Padma Shri Prof. Eklabya Sharma, in the presence of SD Dhakal, Secretary to the Chief Minister, Prof SR Joshi, Dept. of Biotechnology and Bioinformatics, North Eastern Hill University, Shillong, faculty members, staff and students of Sikkim University.

Prof Sharma delivered the Keynote Address on 'Biodiversity and Climate Change in the Hindu Kush Himalaya'. Prof Joshi delivered a lecture on 'Macrofungal Science and Bioeconomy from North- east India Perspectives'.

Vice Chancellor Prof Khare congratulated Padma Shri Prof. Eklabya Sharma on his significant achievements and wished him success in all his future endeavours.

Sikkim University felicitates Prof. Eklabya Sharma

GANGTOK, MARCH 12/-- /The Department of Botany, Sikkim University organized the 'Felicitation of Padma Shri Prof. Eklabya Sharma and Seminar on Understanding the Biodiversity of Eastern Himalaya: Challenges and the Way Forward', on 12th March, 2024 at the Cauvery Hall of the University.

Dr Eklabya Sharma, Padma Shri Awardee of 2024, is the Strategic Advisor and Distinguished Fellow of Ashoka Trust for Research in Ecology and the Environment (ATREE), Bangalore, India. He is an ecologist with over 40 years of expertise in sustainable development of the Himalayan region. He is globally known for his pioneering research in the Himalayas, science diplomacy for regional cooperation and advocacy for the global mountain agenda. Dr Sharma received many awards such as Young Scientist Medal of the Indian National Science Academy in 1988; Vishisht Vaigyanik Puraskar from the Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India in 1995; Honorable Mention Paper Award from the Soil and Water Conservation Society, USA in 1999. He received the "Excellence Award" for contributions in Science and Environment towards development of Modern India from Sikkim University and the Government of Sikkim in 2017. In 2024 he was awarded with the fourth highest civil award of the country, Padma Shri in Science and Engineering category, by the Government of India. Dr. Sharma, is the Fellow of the Indian National Science Academy (INSA) and Fellow of the National Academy of Sciences, India (NASI).

In recognition of his achievements, Vice-Chancellor Prof. Avinash Khare felicitated Prof. Sharma, in the presence of S.D. Dhakal, Secretary to the Chief Minister, Govt. of Sikkim, Prof. S.R. Joshi, Dept. of Biotechnology and Bioinformatics, North eastern Hill University, Shillong, faculty members, staff and students of Sikkim University.

Prof. Sharma delivered a Keynote Address on 'Biodiversity and Climate Change in the Hindu Kush Himalaya'.

Prof. S.R.Joshi delivered a lecture on 'Macrofungal Science and Bioeconomy from North-east India Perspectives'.

Vice- Chancellor Prof. Avinash Khare congratulated Padma Shri Prof. Eklabya Sharma on his significant achievements and wished him success in all his future endeavours. (PIB)

PM Modi to address 'India's

Training for micro observers

सिक्किम विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक केंद्रीयकृत उच्च क्षमता कम्प्यूटेशनल सुविधा का अनावरण

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अगस्त । सिक्किम विश्वविद्यालय ने भौतिकी तथा क्रांतिकारी अनुसंधान व शिक्षा विभाग में अपनी अत्याधुनिक केंद्रीयकृत उच्च क्षमता कम्प्यूटेशनल सुविधा का अनावरण किया है। बताया गया है कि विभिन्न विभागीय शोध का समर्थन करने और आधुनिक कम्प्यूटिंग के साथ छात्रों की परिचितता को बढ़ावा देने के दोहरे मिशन के साथ यह सुविधा शिक्षा क्षेत्र को बदल देगी। आज तादोंग के गैरीगांव स्थित विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में आयोजित एक कार्यक्रम में वाइस चांसलर प्रोफेसर अविनाश खरे ने कम्प्यूटेशनल सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, फैकल्टी सदस्य, कर्मचारी और छात्रगण उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया है कि उसके गणित विभाग ने उच्च क्षमता कम्प्यूटिंग केंद्र की नई स्थापित सुविधा के साथ एचपीसी अनुप्रयोगों का विस्तार करते हुए मॉडलिंग एवं सिमुलेशन, डाटा विश्लेषण तथा एआई शोध व अनुसंधान में सफलता के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। इस अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का उद्देश्य विभिन्न विषयों में प्रगति में तेजी लाना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस पहल के केंद्र में मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता पूर्ण स्मार्ट परमाणु फ्यूजन सिम्युलेटर का निर्माण है। प्रयोगात्मक डेटा पर भौतिकी सूचित तंत्रिका नेटवर्क को प्रशिक्षित करके, सिम्युलेटर भविष्य के वाणिज्यिक फ्यूजन रिएक्टर डिजाइनों की भविष्यवाणी करता है, जिससे कम्प्यूटेशनल लागत में काफी कमी आती है। क्वांटम कम्प्यूटिंग एल्गोरिदम एक और अग्रणी चीज है जिसकी खोज सिक्किम विश्वविद्यालय कर रहा है। विश्वविद्यालय को क्वांटम शोध में अग्रणी करते हुए उनका नया सुपरकम्प्यूटर क्वांटम सिस्टम और क्वांटम कम्प्यूटर दोनों के लिए एल्गोरिदम विकसित करने हेतु उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।

सिक्किम विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया है कि इस उच्च क्षमता कम्प्यूटेशनल सुविधा का उपयोग भौतिक और जैविक विज्ञान के क्षेत्र में वर्तमान शोध व अनुसंधान समस्याओं को हल करने हेतु किया जाएगा। इसमें खास तौर पर बड़े पैमाने पर एटॉमिक सिस्टम्स का अनुकरण करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के माध्यम से उनके भौतिक और रासायनिक गुणों की भविष्यवाणी करना शामिल है। साथ ही इसमें चिकित्सा संबंधी सफलताएं भी शामिल हैं। बताया गया है कि सुपरकंप्यूटिंग सुविधा से युक्त नेटवर्क रिकंस्ट्रक्शन एंड एनालिसिस लैब अल्जाइमर और वायरल बीमारियों से निपटती है। इसमें जटिल नेटवर्क विश्लेषण के माध्यम से शोधकर्ता बीमारी की जटिलताओं का खुलासा करते हुए उनकी संभावित दवाओं का पता लगाते हैं।

Sikkim University inaugurates high-performance computational facility

SE Report

GANGTOK, August 24: Sikkim University today unveiled its state-of-the-art Centralised High-Performance Computational Facility at the Department of Physics. With a dual mission of supporting diverse departmental research and fostering students' familiarity with modern computing, the facility is poised to transform academia.

Central to this initiative is the creation of an artificially intelligent 'smart' nuclear fusion simulator using Machine Learning (ML) algorithms. By training physics-informed neural networks on experimental data, the simulator predicts future commercial fusion reactor designs, substantially reducing computational costs, informs a press release.

Quantum computing algorithms are another frontier Sikkim University is boldly exploring. Their new supercomputer acts as a catalyst for developing algorithms both for quantum systems and quantum computers, propelling the university to the forefront of quantum research.

This high-performance computational facility will be used to solve current research problems in the fields of physical and biological sciences as well- particularly to simulate large scale molecular systems and predict their physical and chemical properties through artificial intelligence (AI) and Machine Learning (ML).

Medical breakthroughs also take centre stage.

The Network Reconstruction and Analysis (NETRA) Lab, empowered by the supercomputing facility, tackles Alzheimer's and viral diseases. Through intricate network analysis, researchers unveil disease intricacies, offering insights into potential drug targets for these critical ailments. Furthermore, the lab's efforts expedite drug discovery by honing in on key network components that underpin diseases. This targeted approach promises to revolutionize medical research and treatment strategies.

The computational facility was inaugurated by vice-chancellor Prof. Avinash Khare today in the presence of officers, faculty members, staff and students of the university at the Department of Physics located at Gairi Gaon, Tadong.

Department of Mathematics, Sikkim University expands HPC applications horizon with the newly established facility of HPC centre at Sikkim University. The department unveils an ambitious plan to leverage High-Performance Computing (HPC) for breakthroughs in modelling and simulations, data analysis, and AI research. Cutting-edge infrastructure aims to accelerate advancements across diverse disciplines, reaffirming the department's commitment to pushing computational boundaries.

Sikkim University's computational facility redefines the boundaries of research, fostering innovation in nuclear fusion, quantum computing, and disease understanding. As they stand on the cusp of scientific advancements, Sikkim University cements its status as a beacon of innovation, the release adds.

देश की प्रगति में निःस्वार्थ रूप से लगें युवा : केंद्रीय मंत्री सिंह

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान का हुआ समापन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 31 अगस्त । आजादी का अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश अभियान का समापन समारोह आज स्थानीय चिंतन भवन में आयोजित किया गया। सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा विद्या भारती सिक्किम और सिक्किम वीर गोरखा पूर्व सैनिक कल्याण संघ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा और विदेश राज्य मंत्री डा राजकुमार रंजन सिंह, 17 माउंटेन डिवीजन के डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग ब्रिगेडियर धनंजय पालसोकर, संस्कृति मंत्रालय के ओएसडी-एकेएएम डा संजय गर्ग, सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अविनाश खरे, रजिस्ट्रार कामेश्वर राव एवं गंगटोक डीसी तुषार निखारे के अलावा सैनिक, शहीदों के परिजन तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने सभी को पंच प्रण की शपथ दिलायी और शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

यहां अपने संबोधन में मंत्री सिंह ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत पूरे भारत में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए पूर्वोत्तर भारत के गुमनाम नायकों की कहानियों के दस्तावेजीकरण का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, भारत की आजादी के अगले 25 साल कर्तव्य काल होने जा रहे हैं क्योंकि देश अपने कर्तव्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। ऐसे में उन्होंने उपस्थित सभी लोगों, खासकर युवाओं से देश की प्रगति हेतु निःस्वार्थ भाव से काम करने का आग्रह किया।

वहीं, अपने मुख्य भाषण में संस्कृति मंत्रालय के ओएसडी-एकेएएम निदेशालय उपनिदेशक डा संजय गर्ग ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अंतर सांस्कृतिक उप विषय के तहत विभिन्न गतिविधियों पर एक प्रस्तुति देते हुए कहा कि दुनिया के 150 से अधिक देशों में 1.93 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, यह सब लोगों और विभिन्न संस्थानों के समर्थन और सहयोग के कारण संभव हुआ। इसके अलावा, उन्होंने अपने मार्गदर्शन में लागू किए गए दो अलग-अलग कार्यक्रमों के बारे में भी बताया जिनमें डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी और अनसंग हीरोज शामिल हैं। साथ ही उन्होंने लोगों द्वारा अपनी कहानियों में योगदान देने हेतु खोले गए एक सार्वजनिक योगदान पोर्टल (akam.nic.in) के बारे में भी बताया।

इसके साथ ही एसयू के कुलपति प्रोफेसर खरे ने एकेएएम के तहत विश्वविद्यालय द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में बात करते हुए कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान, अतिथियों द्वारा भारतीय सशस्त्र बलों के सैनिकों, वीर नारियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया।

एकेएएमले अनसङ हिरोजलाई सम्मान गर्ने अवसर दिएको छः केन्द्रिय राज्यमन्त्री

एसयू विश्वमा लिम्बू, लेप्चा र भोटिया भाषामा विद्यावारिधिसम्मको पाठ्यक्रम सञ्चालन गर्ने एकमात्र संस्थान होः उपकुलपति

कार्यक्रमलाई सम्बोधन गर्दै केन्द्रिय राज्यमन्त्री डा. राजकुमार रञ्जन सिंह।

एक वीराङ्गानालाई स्मृतिचिह्न प्रदान गर्दै केन्द्रिय राज्यमन्त्री डा. सिंह, एसयूका उपकुलपति प्रो. खरे र अन्य।

देव दर्जी

गान्तोक, ३१ अगस्तः "देशले स्वतन्त्रता पाएदेखि नै हाम्रो देशमाथि विभिन्न क्षेत्रबाट कैयौँ चोटि प्रहार भइसकेका छन्। हामीले स्वतन्त्रता पाएपनि हामीसँग छुटिएको छिमेकीबाट कश्मीरमा आक्रमण झेल्नुपरेको छ। हामीले आक्रमण झेल्नुपरे पनि हाम्रा वीर सेनाहरूले हाम्रा सीमाहरूको जहिल्यै रक्षा गरेका छन् र हामीलाई सुरक्षित राखेका छन्"- यस्तो मन्तव्य केन्द्रिय शिक्षा तथा विदेश मामिला राज्यमन्त्री डा. राजकुमार रञ्जन सिंहले सिक्किम विश्वविद्यालयले विद्या भारती सिक्किम र सिक्किम वीर गोर्खा भूतपूर्व सेना कल्याण सङ्घको संयुक्त तत्वावधानमा राजधानी गान्तोकस्थित चिन्तन भवनमा आयोजित आजादीको अमृत महोत्सवअन्तर्गत मेरी माटी मेरा देशको समापन समारोहमा उल्लेख गरेका हुन्।

मुख्य अतिथिको आसनबाट कार्यक्रमलाई सम्बोधन गर्ने क्रममा आजादीको अमृत महोत्सवको औचित्यमाथि प्रकाश पार्दै केन्द्रिय राज्यमन्त्री डा. सिंहले भने, "स्वतन्त्रता सेनानीका योगदान, बलिदान हेतु नागरिकबीच देशभक्ति भाव र एकता जगाउनाका साथै देशले ७५ वर्षमा हासिल गरेका उपलब्धि र प्रगति केलाउन हामीले यो कार्यक्रम आयोजन गर्दैछौँ। यो उत्सवमा विभिन्न कार्यक्रम, प्रदर्शनी साथै कला, संस्कृति इतिहास, विज्ञान, प्रौद्योगिकी र अन्य क्षेत्रमा गरिएका पहलहरू समावेश छन्।" आजादीको अमृत महोत्सव आयोजन गरिनुका उद्देश्य भने आत्मीयता र समावेशिताको भावना अभिवृद्धि गर्नाका साथै प्रत्येक नागरिकलाई देशले स्वतन्त्रता प्राप्त गर्ने क्रममा सङ्घर्ष र उपलब्धिमा गर्व महसुस गराउन रहको केन्द्रिय राज्यमन्त्रीले बताए। उनले भने, "हामीले स्वतन्त्रता प्राप्त गर्‍यौँ, तर दुर्भाग्यवश यसमा योगदान दिने सबैको मूल्याङ्कन भएको छैन। उनीहरू इतिहासमा हराइसकेका छन् र हामी देशवासी भएर पनि उनीहरूको योगदान बिर्सिसकेका छौँ। आजादीको अमृत महोत्सवले अनसङ हिरोजलाई सम्मान गर्ने अवसर दिएको छ। भारत चन्द्रमाको दक्षिणी ध्रुवमा सफल अवतरण गर्ने विश्वको पहिलो देश बनेको छ। अब देश सौर मिशन, आदित्य-एल1 को तयारीमा छ।

- 'प्रत्येक नागरिकले देशले स्वतन्त्रता प्राप्त गर्ने क्रममा गरेका सङ्घर्ष र उपलब्धिमाथि गर्व महसुस गर्नुपर्छ'
- भारतीय सेनाले १९६७ नथुला र चो ला साथै २०१७ मा डोकलाम सङ्घर्षमा ठूलो योगदान पुर्‍याएको छः ब्रिगेडियर धनञ्जय
- 'एसयूमा लुप्तप्रायः भाषा केन्द्र स्थापना गरेका छौँ'

हामीले ज्ञान तथा प्रौद्योगिकीको क्षेत्रमा महाशक्ति राष्ट्र बन्ने लक्ष्य राखेका छौँ। सामाजिक तथा सांस्कृतिक मूल्यमा हामीले कुनै समयमा गुरुको भूमिका निर्वाह गरेका थियौँ र अहिले हामीले पुनः विश्वलाई विश्वगुरुको रूपमा मार्गदर्शन गर्ने लक्ष्य राखेका छौँ।" केन्द्रिय राज्यमन्त्रीले प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदीको भनाइलाई रेखाङ्कित गर्दै उपस्थित सबैलाई 'कर्तव्य काल' शुरु भएको स्मरण गराए।

कार्यक्रममा १७ माउण्टेन डिभिजनका उपप्रधान सेनानी तथा सेना पदक प्रापक ब्रिगेडियर धनञ्जय पायसोकर विशिष्ट अतिथिका रूपमा उपस्थित रहेका थिए भने कार्यक्रमलाई एसयूका उपकुलपति प्रो. अविनाश खरेले अध्यक्षता गरेका थिए। कार्यक्रमलाई संक्षिप्त रूपमा सम्बोधन गर्दै ब्रिगेडियरले सैनिक जीवनमाथि प्रकाश पारे। उनले भने, "भारतीय सशस्त्र बलले हाम्रा सीमाहरू सुरक्षित तथा शान्तिको प्रबन्ध सुनिश्चित गर्न कुनै कसर बाँकी राखेको छैन। धेरै सङ्घर्ष र बलिदानबाट प्राप्त भएको स्वतन्त्रता सुनिश्चित गर्न भारतीय सेना ७५ वर्षदेखि सशक्त रूपमा खड़ा छ। सिक्किममा भारतीय सेनाले १९६७-मा नथुला र चो ला साथै २०१७-मा डोकलाम सङ्घर्षमा देशको सुरक्षाका लागि हिमालझैँ अटल भएर ठूलो योगदान पुर्‍याएको छ। हामी जुनै जात, धर्म, राज्यबाट भएपनि हाम्रो हृदयमा देशभक्ति भाव र समर्पण हुनुपर्छ। म हाम्रो देशको सुरक्षा तथा माटोको निम्ति योगदान पुर्‍याउने सेनाका परिवारजनप्रति पनि आभार व्यक्त गर्न चाहन्छु।"

आफ्नो अध्यक्षीय सम्बोधनमा एसयूका उपकुलपति प्रो. खरेले भने, "आजादीको अमृत महोत्सव स्वाधीन भारतका उपलब्धि तथा गौरवशाली इतिहासलाई स्मरण गर्न हेतु भारत सरकारद्वारा सञ्चालित एक महत्त्वपूर्ण पहल हो। यो महोत्सव आत्मनिर्भर भारतको भावनाले प्रेरित हुने एक सङ्कल्प हो। यो सङ्कल्प साकार गर्न सिक्किम विश्वविद्यालय पूर्ण निष्ठाका साथ निरन्तर सक्रिय छ। आजादीको अमृत महोत्सवको अवसरमा विश्वविद्यालयद्वारा कैयौँ महत्त्वपूर्ण व्याख्यान-माला, प्रदर्शनी, प्रतियोगिता एवं विभिन्न परिचर्चा आयोजन गरेको छ। अमृतकालको यो यात्रामा हामीले चन्द्रमामा नयाँ इतिहास रच्ने कार्य गरेका छौँ। विज्ञानको क्षेत्रमा भारतको यो प्रगति विश्वका लागि उदाहरण हो।" भारतका सांस्कृतिक समरसता र बहुभाषिकता आफैमा विशिष्ट रहेको बताउँदै उपकुलपति खरेले भने, "सिक्किम विश्वविद्यालयले विगतमा स्थानीय भाषाका विकासमा कैयौँ महत्त्वपूर्ण कार्य गरेको छ। लुप्त हुँदै गरेका

➡ रहल पृष्ठ ७ मा

एकेएमले अनसङ हिरोजलाई ...

भाषाहरूको संरक्षण हेतु एसयूमा लुप्तप्रायः भाषा केन्द्र स्थापना गरेका छौं। यस केन्द्रको माध्यमबाट हामीले कैयौं भाषाको समृद्ध इतिहासलाई सङ्ग्रहीत एवं संरक्षित गर्ने कार्य गरेका छौं। आजादीको अमृत महोत्सवको यस यात्रामा एसयूले कैयौं कीर्तिमान स्थापित गरेको छ। विगत वर्षमा विश्वविद्यालयको अकादमिक क्षेत्रमा कतिपय नयाँ कीर्तिमान स्थापित गरेको छ। सिक्किम विश्वविद्यालय पूरा विश्वमा लिम्बू, लेप्चा र भोटिया भाषामा विद्यावारिधिसम्मको पाठ्यक्रम सञ्चालन गर्ने एकमात्र संस्थान हो।''

संस्कृति मन्त्रालयको आजादीको अमृत महोत्सव (एकेएएम) निर्देशालयका विशेष कार्य अधिकारी डा. सञ्जय गर्गले विश्वका १५० भन्दा बढ़ी देशमा आजादीको अमृत महोत्सवअन्तर्गत १.९३ लाखभन्दा बढ़ी कार्यक्रम सम्पन्न भएको बताए। उनले डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपोजिटरी (डीडीआर) र अनसङ हिरोजमाथि निकै गहकिलो प्रस्तुति दिए।

समारोहमा सम्मानित सैनिक, वीराङ्गाना र शहीदका परिवारलाई विशिष्ट अतिथिहरूद्वारा खादा र स्मृतिचिह्न प्रदान गरी सम्मान जनाइयो। यसअवधि उपस्थित अतिथिहरूलाई सम्मानस्वरूप स्मृतिचिह्न पनि प्रदान गरियो।

कार्यक्रमको शुरुमा मुख्य अतिथिका रूपमा रहेका केन्द्रिय राज्यमन्त्री डा. सिंहले पञ्च प्राण शपथ दिलाए र देशका शहीदहरूलाई श्रद्धाञ्जली अर्पण गरे। एसयूकी प्रो. डा. वेणु पन्तले स्वागत मन्तव्य राखेको कार्यक्रममा पञ्जीकार केभीएस कामेश्वर रावले धन्यवाद ज्ञापन राखे। कार्यक्रममा गान्तोकका जिल्लापाल तुषार निखारे, भूतपूर्व सैनिक, भारतीय सेना, एसयूका विद्यार्थीवर्गसहित अन्यको उपस्थिति रहेको थियो।

सिक्किम विश्वविद्यालयद्वारा आजादी-का अमृत महोत्सव समापन समारोह 'मेरी माटी मेरा देश' पालन

गान्तोक, ३१ अगस्त २०२३: विद्या भारती सिक्किम र सिक्किम वीर गोर्खा भूतपूर्व सैनिक कल्याण सङ्घको सहयोगमा सिक्किम विश्वविद्यालयको मेरी माटी मेरा देश, आजादी का अमृत महोत्सवको समापन समारोह आज चिन्तन भवन, गान्तोकमा आयोजन गरियो। कार्यक्रममा केन्द्रीय शिक्षा तथा विदेश राज्य मन्त्री डा. राजकुमार रञ्जन सिंहका साथमा गणमान्य व्यक्तित्व र अतिथिहरू उपस्थित थिए। यो कार्यक्रमले भारतको स्वतन्त्रताको ७५ वर्ष पूरा भएको २.५ वर्ष लामो उत्सवको समापन तथा राष्ट्रको अर्को चरण अमृत कालको शुभारम्भलाई चिह्नित गरेको थियो।

यस अवसरमा बोल्दै डा. सिंहले स्वतन्त्रताको अमृ महोत्सवको महत्त्वमाथि प्रकाश पार्दै यसको उद्देश्य सन् १९४७ मा ब्रिटिश औपनिवेशिक शासनबाट स्वतन्त्रता प्राप्त गरेदेखि पछिल्ला ७५ वर्षमा भारतको उपलब्धि र प्रगतिको उत्सव मनाएको बताउँदै स्वतन्त्रता सङ्ग्रामका गुमनाम नायकहरूमाथि प्रकाश पार्न र उनीहरूलाई उचित पहिचान दिलाउने प्रयास रहेको बताए। उनले महिनौं अनुसन्धानको बावजुद धेरै नायकहरू अज्ञात रहन सक्छन्, तर प्रयास आफैं मा महत्त्वपूर्ण रहेको यो पनि स्वीकार गरे। आजादी का अमृत महोत्सवको समापन र अघिल्लो चरण अमृत कालको शुरुआतसँगै मन्त्रीले सबै नागरिकलाई भारतको स्वतन्त्रताको रक्षा गर्न र यसको सांस्कृतिक मूल्यमान्यता, वैज्ञानिक प्रगति, व्यापार, शिक्षा र परम्परागत ज्ञान प्रणालीलाई प्रवर्द्धन गर्न आह्वान गरे। उनले प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदीले भारतलाई आगामी पाँच वर्षमा विश्वको तेस्रो सबैभन्दा ठूलो अर्थव्यवस्था बनाउने लक्ष्यमाथि प्रकाश पार्दै यो आकांक्षा हासिल गर्नका लागि एकता, दृढ सङ्कल्प, पर्यावरणीय चेतना र भ्रष्टाचारमुक्त अभ्यास गर्न आग्रह गरे। डा. सिंहले भारतका सशस्त्र सेनाहरूप्रति गहिरो सम्मान तथा कृतज्ञता व्यक्त गरे, जसले असङ्ख्य खतराहरूको सामना गर्दै पनि देशका सिमानाहरूको रक्षा गरेको छ। उनले सर्वोच्च बलिदान दिनेहरूलाई सम्झना गर्ने महत्त्वमाथि जोड दिए तथा सैनिक र उनीहरूको परिवारको बहादुरीको प्रशंसा गरे। एक व्यापक सिंहावलोकन प्रदान गर्दै भारत सरकारको संस्कृति मन्त्रालयमा ओएसडी - एकेएएमका उप निर्देशक डा. सञ्जय गर्गले एकेएएम वेबसाइटको माध्यमद्वारा दर्शकहरूलाई मार्गदर्शन गरे। उनले स्वतन्त्रता सङ्ग्रामको समयमा भारतका गुमनाम नायकहरूको कथा सुनाए, साथै यी कलाकृतिहरूलाई एकत्रित गर्दा सामना गर्नुपर्ने बाधाहरूमाथि पनि प्रकाश पारे, जसमध्ये धेरैलाई ब्रिटिशले आफ्नो औपनिवेशिक शासनकालमा जानीजानी नष्ट गरेका थिए। आफ्नो सम्बोधनमा १७ माउन्टेन डिभिजन कमाण्डिङका डेपुटी जेनरल अफिसर कमाण्डिङ तथा सेना मेडल प्राप्त गरेका ब्रिगेडियर धनञ्जय पाल्सोकरले ती सैनिक र तिनका परिवारप्रति गहिरो सम्मान व्यक्त गरे, जसले हाम्रो माटी र हाम्रो देशको लागि सर्वोच्च बलिदान दिए सिक्किम विश्वविद्यालयका उपकुलपति डा. अविनाश खरेले आफ्नो सम्बोधनमा यो संस्थान भोटिया, लेप्चा र लिम्बू भाषाहरूमा डक्टरेट तहसम्मका शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध गराउने

रहल ४ मा

सिक्किम विश्वविद्यालयले आजादी का अमृत महोत्सव समापन समारोह 'मेरी माटी मेरा देश' गऱ्यो पालन

गान्तोक, ३१ अगस्त। विद्या भारती सिक्किम र सिक्किम वीर गोर्खा भूतपूर्व सैनिक कल्याण सङ्घको सहयोगमा सिक्किम विश्वविद्यालयको मेरी माटी मेरा देश, आजादी का अमृत महोत्सवको समापन समारोह आज चिन्तन भवन, गान्तोकमा आयोजन गरियो।

कार्यक्रममा केन्द्रिय शिक्षा तथा विदेश राज्य मन्त्री डा. राजकुमार रञ्जन सिंहका साथमा गणमान्य व्यक्तित्व र अतिथिहरू उपस्थित थिए। यो कार्यक्रमले भारतको स्वतन्त्रताको ७५ वर्ष पूरा भएको २.५ वर्ष लामो उत्सवको समापन तथा राष्ट्रको अर्को चरण अमृत कालको शुभारम्भलाई चिह्नित गरेको थियो। उक्त जानकारी पीआईबीले प्रेस विज्ञप्तिमा दिएको छ। यस अवसरमा बोल्दै डा. सिंहले स्वतन्त्रताको अमृ महोत्सवको महत्वमाथि प्रकाश पार्दै यसको उद्देश्य सन् १९४७ मा ब्रिटिश औपनिवेशिक शासनबाट स्वतन्त्रता प्राप्त गरेदेखि पछिल्ला ७५

वर्षमा भारतको उपलब्धि र प्रगतिको उत्सव मनाएको बताउँदै स्वतन्त्रता सङ्ग्रामका गुमनाम नायकहरूमाथि प्रकाश पार्न र उनीहरूलाई उचित पहिचान दिलाउने प्रयास रहेको बताए। उनले महिनौं अनुसन्धानको बावजुद धेरै नायकहरू अज्ञात रहन सक्छन्, तर प्रयास आफैंमा महत्त्वपूर्ण रहेको यो पनि स्वीकार गरे।

आजादी का अमृत महोत्सवको समापन र अघिल्लो चरण अमृत कालको शुरुआतसँगै मन्त्रीले सबै नागरिकलाई भारतको स्वतन्त्रताको रक्षा गर्न र यसको सांस्कृतिक मूल्यमान्यता, वैज्ञानिक प्रगति, व्यापार, शिक्षा र परम्परागत ज्ञान प्रणालीलाई प्रवर्द्धन गर्न आह्वान गरे। उनले प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदीले भारतलाई आगामी पाँच वर्षमा विश्वको तेस्रो सबैभन्दा ठूलो अर्थव्यवस्था बनाउने लक्ष्यमाथि प्रकाश पार्दै यो आकांक्षा हासिल गर्नका लागि एकता, दृढ सङ्कल्प, पर्यावरणीय चेतना र भ्रष्टाचारमुक्त अभ्यास गर्न आग्रह गरे।

डा. सिंहले भारतका सशस्त्र सेनाहरूप्रति गहिरो सम्मान तथा कृतज्ञता व्यक्त गरे, जसले असङ्ख्य खतराहरूको सामना गर्दै पनि देशका सिमानाहरूको रक्षा गरेको छ। उनले सर्वोच्च बलिदान दिनेहरूलाई सम्झना गर्ने महत्त्वमाथि जोड दिए तथा सैनिक र उनीहरूको परिवारको बहादुरीको प्रशंसा गरे।

एक व्यापक सिंहावलोकन प्रदान गर्दै भारत सरकारको संस्कृति मन्त्रालयमा ओएसडी - एकेएएमका उप निर्देशक डा. सञ्जय गर्गले एकेएएम वेबसाइटको माध्यमद्वारा दर्शकहरूलाई मार्गदर्शन गरे। उनले स्वतन्त्रता संग्रामको समयमा भारतका गुमनाम नायकहरूको कथा सुनाए, साथै यी कलाकृतिहरूलाई एकत्रित गर्दा सामना गर्नुपर्ने बाधाहरूमाथि पनि प्रकाश पारे, जसमध्ये धेरैलाई ब्रिटिशले आफ्नो औपनिवेशिक शासनकालमा जानीजानी नष्ट गरेका थिए। आफ्नो सम्बोधनमा १७ माउन्टेन डिभिजन कमाण्डिङका डेपुटी जेनरल अफिसर कमाण्डिङ तथा सेना मेडल प्राप्त गरेका ब्रिगेडियर धनञ्जय पाल्सोकरले ती सैनिक र तिनका परिवारप्रति गहिरो सम्मान व्यक्त गरे, जसले हाम्रो माटी र हाम्रो देशको लागि सर्वोच्च बलिदान दिए।

सिक्किम विश्वविद्यालयका उपकुलपति डा. अविनाश खरेले आफ्नो सम्बोधनमा यो संस्थान भोटिया, लेप्चा र लिम्बू भाषाहरूमा डक्टरेट तहसम्मका शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध गराउने विश्वको एक मात्र विश्वविद्यालयको रूपमा रहेको बताए। कार्यक्रममा केन्द्रिय राज्य मन्त्रीले दर्शकहरूलाई पञ्च प्राण प्रतिज्ञा गराए तथा र वीर नारीहरू, सर्वोच्च बलिदान दिने बहादुरहरूका परिवार, दिग्गज र सेवारत सैनिकहरूलाई पनि सम्मानित गरियो, जसले विभिन्न अवसरमा राष्ट्रलाई गौरवान्वित तुल्याए।

सिक्किम विश्वविद्यालयद्वारा... रहल १ बाट जारी

विश्वको एक मात्र विश्वविद्यालयको रूपमा रहेको बताए। कार्यक्रममा केन्द्रीय राज्य मन्त्रीले दर्शकहरूलाई पञ्च प्राण प्रतिज्ञा गराए तथा र वीर नारीहरू, सर्वोच्च बदिलान दिने बहादुरहरूका परिवार, दिग्गज र सेवारत सैनिकहरूलाई पनि सम्मानित गरियो, जसले विभिन्न अवसरमा राष्ट्रलाई गौरवान्वित तुल्याए। (पीआईबी)

Valedictory function of Azadi Ka Amrit Mahotsav

ISABELLA GURUNG

GANGTOK, August 31: The valedictory function of Azadi Ka Amrit Mahotsav 'Meri Mati Mera Desh' was organized by Sikkim University, Vidya Bharati Sikkim and Sikkim Vir Gorkha Ex-Servicemen Welfare Association at Chintan Bhawan here today.

The function chaired by Sikkim University vice chancellor Prof. Avinash Khare was attended by Minister of State for Education and External Affairs Dr. Rajkumar Ranjan Singh as the chief guest, 17 Mountain Division Deputy General Officer Commanding Brig. Dhananjai Palsokar as the guest of honour, Ministry of Culture OSD-AKAM Dr. Sanjay Garg, Indian Armed Forces members, faculty and students of Sikkim University, family of martyred soldiers and invited guests.

MoS Dr. Rajkumar Ranjan Singh informed that the Azadi Ka Amrit Mahotsav campaign was launched on March 12, 2021 with various programmes and was concluded on August 15, this year to commemorate 75 years of India's independence. "India's achievement and progress for the past 75 years are because of the freedom fighters, and the collective contribution of the citizens of India. As part of Azadi Ka Amrit Mahotsav, various events, activities and initiatives were conducted at different sectors, and the idea is to promote the essence of belonging and feel proud of the achievements of our country," he said.

During our quest for freedom, there were various people who have played their part, but not all have been

Contd. on page 2